विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड १२ / १६ · Volume 12 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति आ विकास — १००० प्रश्न

२. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोली — विदेह क्विज — १००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मैथिली भाषाक उत्पत्ति आ विकास

१. भाषा-वंशक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय

(B) केवल वर्णक रंग

(C) केवल पुस्तकक जिल्द

(D) केवल गायकक सुर

२. भारोपीय परिवारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल द्रविड़ शाखा

(B) केवल चीनी-तिब्बती समूह

(C) केवल सेमिटिक परिवार

(D) संस्कृत आ मैथिली दुनू कैँ दूरस्थ रूपेँ जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार

३. हिन्द-आर्य क्रमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल तिब्बती मार्ग

(B) केवल चित्र-चिह्न क्रम

(C) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम

(D) संस्कृतसँ सीधा अंग्रेजी

४. भाषा-परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल रंग बदलल

(B) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब

(C) भाषाक पूर्ण जड़ता

(D) केवल लिपि बदलल

५. मैथिलीक मूलभूमिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा

(B) समुद्री द्वीपक अकेला बोली

(C) रेगिस्तानक मौन संकेत

(D) केवल राजमहलक गुप्त भाषा

६. प्राचीन आर्य भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) आधुनिक परभाषा मात्र

(B) कृत्रिम संकेत-सूची

(C) चित्रकला-पद्धति

(D) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार

७. मध्य आर्य भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल तिरहुता अक्षर

(B) मौन-अभ्यास

(C) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण

(D) सिर्फ आधुनिक कम्प्यूटर-भाषा

८. नव आर्य भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अनुवादक मशीन

(B) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह

(C) केवल वेदक छन्द

(D) सिर्फ चित्रलिपि

९. उद्भवक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया

(B) एक दिनमे रचल नियम

(C) केवल राजाज्ञा

(D) कागजक आकार

१०. विकासक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल मौन रहब

(B) शब्दक नाश

(C) ध्वनिक बन्द

(D) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता

११. लोकभाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) निजी संकेत

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा

(D) केवल पत्थरक अभिलेख

१२. साहित्यिक भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपिहीन मौन

(B) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप

(C) केवल पशु-ध्वनि

(D) व्यक्तिगत खाँसी

१३. मानक रूपक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप

(B) केवल एक घरक बोलचाल

(C) धातुक औजार

(D) रंग-संकेत

१४. मिथिला-परिवेशक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) समुद्री व्यापारक अकेला नियम

(B) रेत-पहाड़क मौन

(C) केवल सैनिक ध्वनि

(D) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल

१५. सम्पर्कक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल आँखिक रंग

(B) कागजक मोटाई

(C) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन

(D) सम्पूर्ण अलगाव

१६. पीढ़ीगत परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पत्थरक स्थिरता

(B) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया

(C) सदैव एके ध्वनि

(D) केवल लेखनक विराम

१७. ध्वनि-सरलीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ

(B) शब्दक अर्थहीन सजावट

(C) कथाक अन्त

(D) कागजक मोड़

१८. रूप-सरलीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अक्षरक रंग

(B) बिना अर्थक ध्वनि

(C) चित्रक आकार

(D) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब

१९. अर्थ-विकासक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कागजक छपाइ

(B) धातु-निर्माण

(C) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ

(D) केवल व्यंजन-गणना

२०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्र-ध्वनि-रंग-रेखा क्रम

(B) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला

(C) तिब्बती-चीनी-फारसी-मैथिली क्रम

(D) केवल अंग्रेजी मार्ग

२१. धर्म आ भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण

(B) भाषासँ असम्बद्ध मौन

(C) केवल खाना-पकाबयक नियम

(D) नदीक मापन

२२. शिक्षा आ भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थहीन खेल

(B) केवल खेतक मेड़

(C) मौन-प्रतियोगिता

(D) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार

२३. समाज आ भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल आकाशक रंग

(B) धातुक आकार

(C) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता

(D) भाषाक समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि

२४. इतिहास-बोधक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्रक किनार

(B) भाषाक अतीतकेँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ

(C) कथा-कल्पना मात्र

(D) खेलक स्कोर

२५. भाषिक प्रमाणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य

(B) अफवाह

(C) रंगीन सजावट

(D) बिना पाठक दावा

२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषा-वंशक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल वर्णक रंग

(B) केवल पुस्तकक जिल्द

(C) केवल गायकक सुर

(D) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय

२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भारोपीय परिवारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल चीनी-तिब्बती समूह

(B) केवल सेमिटिक परिवार

(C) संस्कृत आ मैथिली दुनू कैँ दूरस्थ रूपेँ जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार

(D) केवल द्रविड़ शाखा

२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे हिन्द-आर्य क्रमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल चित्र-चिह्न क्रम

(B) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम

(C) संस्कृतसँ सीधा अंग्रेजी

(D) केवल तिब्बती मार्ग

२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषा-परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब

(B) भाषाक पूर्ण जड़ता

(C) केवल लिपि बदलल

(D) केवल रंग बदलल

३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मैथिलीक मूलभूमिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) समुद्री द्वीपक अकेला बोली

(B) रेगिस्तानक मौन संकेत

(C) केवल राजमहलक गुप्त भाषा

(D) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा

३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राचीन आर्य भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कृत्रिम संकेत-सूची

(B) चित्रकला-पद्धति

(C) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार

(D) आधुनिक परभाषा मात्र

३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मध्य आर्य भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन-अभ्यास

(B) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण

(C) सिर्फ आधुनिक कम्प्यूटर-भाषा

(D) केवल तिरहुता अक्षर

३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे नव आर्य भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह

(B) केवल वेदक छन्द

(C) सिर्फ चित्रलिपि

(D) अनुवादक मशीन

३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे उद्भवक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एक दिनमे रचल नियम

(B) केवल राजाज्ञा

(C) कागजक आकार

(D) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया

३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विकासक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) शब्दक नाश

(B) ध्वनिक बन्द

(C) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता

(D) केवल मौन रहब

३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोकभाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा

(C) केवल पत्थरक अभिलेख

(D) निजी संकेत

३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे साहित्यिक भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप

(B) केवल पशु-ध्वनि

(C) व्यक्तिगत खाँसी

(D) लिपिहीन मौन

३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मानक रूपक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल एक घरक बोलचाल

(B) धातुक औजार

(C) रंग-संकेत

(D) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप

३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मिथिला-परिवेशक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रेत-पहाड़क मौन

(B) केवल सैनिक ध्वनि

(C) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल

(D) समुद्री व्यापारक अकेला नियम

४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सम्पर्कक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कागजक मोटाई

(B) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन

(C) सम्पूर्ण अलगाव

(D) केवल आँखिक रंग

४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पीढ़ीगत परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया

(B) सदैव एके ध्वनि

(C) केवल लेखनक विराम

(D) पत्थरक स्थिरता

४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-सरलीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) शब्दक अर्थहीन सजावट

(B) कथाक अन्त

(C) कागजक मोड़

(D) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ

४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे रूप-सरलीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) बिना अर्थक ध्वनि

(B) चित्रक आकार

(C) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब

(D) अक्षरक रंग

४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अर्थ-विकासक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) धातु-निर्माण

(B) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ

(C) केवल व्यंजन-गणना

(D) कागजक छपाइ

४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला

(B) तिब्बती-चीनी-फारसी-मैथिली क्रम

(C) केवल अंग्रेजी मार्ग

(D) चित्र-ध्वनि-रंग-रेखा क्रम

४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे धर्म आ भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषासँ असम्बद्ध मौन

(B) केवल खाना-पकाबयक नियम

(C) नदीक मापन

(D) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण

४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शिक्षा आ भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल खेतक मेड़

(B) मौन-प्रतियोगिता

(C) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार

(D) अर्थहीन खेल

४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे समाज आ भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) धातुक आकार

(B) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता

(C) भाषाक समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(D) केवल आकाशक रंग

४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे इतिहास-बोधक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषाक अतीतकेँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ

(B) कथा-कल्पना मात्र

(C) खेलक स्कोर

(D) चित्रक किनार

५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषिक प्रमाणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अफवाह

(B) रंगीन सजावट

(C) बिना पाठक दावा

(D) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य

५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषा-वंश सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल पुस्तकक जिल्द

(B) केवल गायकक सुर

(C) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय

(D) केवल वर्णक रंग

५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भारोपीय परिवार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल सेमिटिक परिवार

(B) संस्कृत आ मैथिली दुनू केँ दूरस्थ रूपेँ जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार

(C) केवल द्रविड़ शाखा

(D) केवल चीनी-तिब्बती समूह

५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे हिन्द-आर्य क्रम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम

(B) संस्कृतसँ सीधा अंग्रेजी

(C) केवल तिब्बती मार्ग

(D) केवल चित्र-चिह्न क्रम

५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषा-परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषाक पूर्ण जड़ता

(B) केवल लिपि बदलल

(C) केवल रंग बदलल

(D) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब

५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मैथिलीक मूलभूमि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रेगिस्तानक मौन संकेत

(B) केवल राजमहलक गुप्त भाषा

(C) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा

(D) समुद्री द्वीपक अकेला बोली

५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राचीन आर्य भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रकला-पद्धति

(B) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार

(C) आधुनिक परभाषा मात्र

(D) कृत्रिम संकेत-सूची

५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मध्य आर्य भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण

(B) सिर्फ आधुनिक कम्प्यूटर-भाषा

(C) केवल तिरहुता अक्षर

(D) मौन-अभ्यास

५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे नव आर्य भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल वेदक छन्द

(B) सिर्फ चित्रलिपि

(C) अनुवादक मशीन

(D) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह

५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे उद्भव सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल राजाज्ञा

(B) कागजक आकार

(C) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया

(D) एक दिनमे रचल नियम

६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विकास सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) ध्वनिक बन्द

(B) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता

(C) केवल मौन रहब

(D) शब्दक नाश

६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोकभाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा

(B) केवल पत्थरक अभिलेख

(C) निजी संकेत

(D) अर्थहीन ध्वनि

६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे साहित्यिक भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल पशु-ध्वनि

(B) व्यक्तिगत खाँसी

(C) लिपिहीन मौन

(D) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप

६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मानक रूप सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) धातुक औजार

(B) रंग-संकेत

(C) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप

(D) केवल एक घरक बोलचाल

६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मिथिला-परिवेश सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल सैनिक ध्वनि

(B) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल

(C) समुद्री व्यापारक अकेला नियम

(D) रेत-पहाड़क मौन

६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सम्पर्क सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन

(B) सम्पूर्ण अलगाव

(C) केवल आँखिक रंग

(D) कागजक मोटाई

६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पीढ़ीगत परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सदैव एके ध्वनि

(B) केवल लेखनक विराम

(C) पत्थरक स्थिरता

(D) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया

६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-सरलीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कथाक अन्त

(B) कागजक मोड़

(C) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ

(D) शब्दक अर्थहीन सजावट

६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे रूप-सरलीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रक आकार

(B) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब

(C) अक्षरक रंग

(D) बिना अर्थक ध्वनि

६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अर्थ-विकास सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ

(B) केवल व्यंजन-गणना

(C) कागजक छपाइ

(D) धातु-निर्माण

७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) तिब्बती-चीनी-फारसी-मैथिली क्रम

(B) केवल अंग्रेजी मार्ग

(C) चित्र-ध्वनि-रंग-रेखा क्रम

(D) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला

७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे धर्म आ भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल खाना-पकाबयक नियम

(B) नदीक मापन

(C) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण

(D) भाषासँ असम्बद्ध मौन

७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शिक्षा आ भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-प्रतियोगिता

(B) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार

(C) अर्थहीन खेल

(D) केवल खेतक मेड़

७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे समाज आ भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता

(B) भाषाक समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(C) केवल आकाशक रंग

(D) धातुक आकार

७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे इतिहास-बोध सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कथा-कल्पना मात्र

(B) खेलक स्कोर

(C) चित्रक किनार

(D) भाषाक अतीतकेँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ

७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषिक प्रमाण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रंगीन सजावट

(B) बिना पाठक दावा

(C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य

(D) अफवाह

७६. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषा-वंश विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल गायकक सुर

(B) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय

(C) केवल वर्णक रंग

(D) केवल पुस्तकक जिल्द

७७. परीक्षा-दृष्टिसँ भारोपीय परिवार विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत आ मैथिली दुनू केँ दूरस्थ रूपेँ जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार

(B) केवल द्रविड़ शाखा

(C) केवल चीनी-तिब्बती समूह

(D) केवल सेमिटिक परिवार

७८. परीक्षा-दृष्टिसँ हिन्द-आर्य क्रम विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृतसँ सीधा अंग्रेजी

(B) केवल तिब्बती मार्ग

(C) केवल चित्र-चिह्न क्रम

(D) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम

७९. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषा-परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल लिपि बदलल

(B) केवल रंग बदलल

(C) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब

(D) भाषाक पूर्ण जड़ता

८०. परीक्षा-दृष्टिसँ मैथिलीक मूलभूमि विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल राजमहलक गुप्त भाषा

(B) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा

(C) समुद्री द्वीपक अकेला बोली

(D) रेगिस्तानक मौन संकेत

८१. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राचीन आर्य भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार

(B) आधुनिक परभाषा मात्र

(C) कृत्रिम संकेत-सूची

(D) चित्रकला-पद्धति

८२. परीक्षा-दृष्टिसँ मध्य आर्य भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) सिर्फ आधुनिक कम्प्यूटर-भाषा

(B) केवल तिरहुता अक्षर

(C) मौन-अभ्यास

(D) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण

८३. परीक्षा-दृष्टिसँ नव आर्य भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) सिर्फ चित्रलिपि

(B) अनुवादक मशीन

(C) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह

(D) केवल वेदक छन्द

८४. परीक्षा-दृष्टिसँ उद्भव विषयक सही कथन चुनू।

(A) कागजक आकार

(B) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया

(C) एक दिनमे रचल नियम

(D) केवल राजाज्ञा

८५. परीक्षा-दृष्टिसँ विकास विषयक सही कथन चुनू।

(A) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता

(B) केवल मौन रहब

(C) शब्दक नाश

(D) ध्वनिक बन्द

८६. परीक्षा-दृष्टिसँ लोकभाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल पत्थरक अभिलेख

(B) निजी संकेत

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा

८७. परीक्षा-दृष्टिसँ साहित्यिक भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) व्यक्तिगत खाँसी

(B) लिपिहीन मौन

(C) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप

(D) केवल पशु-ध्वनि

८८. परीक्षा-दृष्टिसँ मानक रूप विषयक सही कथन चुनू।

(A) रंग-संकेत

(B) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप

(C) केवल एक घरक बोलचाल

(D) धातुक औजार

८९. परीक्षा-दृष्टिसँ मिथिला-परिवेश विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल

(B) समुद्री व्यापारक अकेला नियम

(C) रेत-पहाड़क मौन

(D) केवल सैनिक ध्वनि

९०. परीक्षा-दृष्टिसँ सम्पर्क विषयक सही कथन चुनू।

(A) सम्पूर्ण अलगाव

(B) केवल आँखिक रंग

(C) कागजक मोटाई

(D) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन

९१. परीक्षा-दृष्टिसँ पीढ़ीगत परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल लेखनक विराम

(B) पत्थरक स्थिरता

(C) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया

(D) सदैव एके ध्वनि

९२. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-सरलीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) कागजक मोड़

(B) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ

(C) शब्दक अर्थहीन सजावट

(D) कथाक अन्त

९३. परीक्षा-दृष्टिसँ रूप-सरलीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब

(B) अक्षरक रंग

(C) बिना अर्थक ध्वनि

(D) चित्रक आकार

९४. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्थ-विकास विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल व्यंजन-गणना

(B) कागजक छपाइ

(C) धातु-निर्माण

(D) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ

९५. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रम विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल अंग्रेजी मार्ग

(B) चित्र-ध्वनि-रंग-रेखा क्रम

(C) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला

(D) तिब्बती-चीनी-फारसी-मैथिली क्रम

९६. परीक्षा-दृष्टिसँ धर्म आ भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) नदीक मापन

(B) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण

(C) भाषासँ असम्बद्ध मौन

(D) केवल खाना-पकाबयक नियम

९७. परीक्षा-दृष्टिसँ शिक्षा आ भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार

(B) अर्थहीन खेल

(C) केवल खेतक मेड़

(D) मौन-प्रतियोगिता

९८. परीक्षा-दृष्टिसँ समाज आ भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषाक समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(B) केवल आकाशक रंग

(C) धातुक आकार

(D) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता

९९. परीक्षा-दृष्टिसँ इतिहास-बोध विषयक सही कथन चुनू।

(A) खेलक स्कोर

(B) चित्रक किनार

(C) भाषाक अतीतकेँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ

(D) कथा-कल्पना मात्र

१००. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषिक प्रमाण विषयक सही कथन चुनू।

(A) बिना पाठक दावा

(B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य

(C) अफवाह

(D) रंगीन सजावट

१०१. वैदिक संस्कृतक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप

(B) आधुनिक मोबाइल-भाषा

(C) केवल तिरहुता लिपि

(D) सामान्य मौन संकेत

१०२. लौकिक संस्कृतक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल ग्रामीण उपभाषा

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) विदेशी चित्रलिपि

(D) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत

१०३. पाणिनीय व्याकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कपासक खेती

(B) मौसम-पत्र

(C) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा

(D) लोकगीतक ताल मात्र

१०४. तत्समक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल बाल-ध्वनि

(B) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द

(C) ध्वनि-बदलल लोक-शब्द

(D) विदेशी उधार

१०५. तद्भवक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द

(B) जसक तस संस्कृत

(C) केवल फारसी शब्द

(D) मौन चिह्न

१०६. संस्कृत पदावलीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-औजार मात्र

(B) रंगक नाम मात्र

(C) व्यंजनक आवाज मात्र

(D) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा

१०७. समासक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कथाक अन्त

(B) चित्रक रेखा

(C) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग

(D) केवल अक्षर-गिनती

१०८. सन्धिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) खेतक मेड़

(B) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन

(C) अर्थक समाप्ति

(D) लिपिक नाश

१०९. विभक्तिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप

(B) रंग-सम्बन्ध

(C) भोजनक स्वाद

(D) मौन संकेत

११०. धातुक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्रक आकार

(B) कागजक जिल्द

(C) पोखरिक माछ

(D) क्रिया-रूपक मूल आधार

१११. शब्द-रूपक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) फसलक नाम

(B) केवल मौन

(C) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब

(D) देहक रंग

११२. संस्कृत काव्य-भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन-लिपि

(B) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा

(C) केवल हाट-बजारक संकेत

(D) नदी-पाथर

११३. संस्कृत धार्मिक शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द

(B) केवल खेलक शब्द

(C) गाछक छाल

(D) मछली पकड़बाक जाल

११४. प्राचीन आर्य स्वरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मूर्ति-कला

(B) कृषि-कर

(C) चित्रक रंग

(D) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार

११५. संयुक्त व्यंजनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौनक नियम

(B) कपड़ाक बुनाइ

(C) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल

(D) अर्थक विस्तार

११६. शास्त्रीय प्रतिष्ठाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) जंगलक संकेत

(B) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान

(C) भाषिक अप्रासंगिकता

(D) केवल लोकखेल

११७. मिथिला पाण्डित्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा

(B) केवल नाविक-परम्परा

(C) मौन-प्रथा

(D) धातु-खनन

११८. संस्कृत-मैथिली सहअस्तित्वक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूर्ण विरोध मात्र

(B) कोनो सम्पर्क नहि

(C) केवल परदेशी भाषा

(D) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार

११९. द्विभाषिकताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) एक अक्षरक भाषा

(B) भाषा-विनाश

(C) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग

(D) केवल मौन

१२०. संस्कृतक प्रभाव-सीमाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिली केवल विदेशी भाषा

(B) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि

(C) मैथिली केवल संस्कृतक नकल

(D) मैथिली असम्बद्ध चित्र

१२१. तत्सम-तद्भव भेदक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर

(B) लिपि आ रंगक भेद

(C) गीत आ नृत्यक भेद

(D) कागज आ कपड़ाक भेद

१२२. शास्त्र-साहित्य सम्बन्धक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल बाजारक भाव

(B) जलचर विज्ञान

(C) मौन-चित्र

(D) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन

१२३. संस्कृतसँ उधारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनिक मृत्यु

(B) लिपिक टूटन

(C) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण

(D) शब्दक निषेध

१२४. लोक-रूपक प्रतिरोधक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृत्रिम मौन

(B) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब

(C) लोकप्रयोगक अभाव

(D) सदा शुद्ध संस्कृत मात्र

१२५. संस्कृत-धरातलक निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ

(B) केवल एकरे पूर्ण समानता

(C) पूर्ण असम्बन्ध

(D) केवल लिपिक प्रभाव

१२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे वैदिक संस्कृतक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) आधुनिक मोबाइल-भाषा

(B) केवल तिरहुता लिपि

(C) सामान्य मौन संकेत

(D) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप

१२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लौकिक संस्कृतक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) विदेशी चित्रलिपि

(C) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत

(D) केवल ग्रामीण उपभाषा

१२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पाणिनीय व्याकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौसम-पत्र

(B) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा

(C) लोकगीतक ताल मात्र

(D) कपासक खेती

१२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तत्समक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द

(B) ध्वनि-बदलल लोक-शब्द

(C) विदेशी उधार

(D) केवल बाल-ध्वनि

१३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तद्भवक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जसक तस संस्कृत

(B) केवल फारसी शब्द

(C) मौन चिह्न

(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द

१३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत पदावलीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंगक नाम मात्र

(B) व्यंजनक आवाज मात्र

(C) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा

(D) कृषि-औजार मात्र

१३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे समासक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्रक रेखा

(B) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग

(C) केवल अक्षर-गिनती

(D) कथाक अन्त

१३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सन्धिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन

(B) अर्थक समाप्ति

(C) लिपिक नाश

(D) खेतक मेड़

१३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विभक्तिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंग-सम्बन्ध

(B) भोजनक स्वाद

(C) मौन संकेत

(D) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप

१३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे धातुक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कागजक जिल्द

(B) पोखरिक माछ

(C) क्रिया-रूपक मूल आधार

(D) चित्रक आकार

१३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्द-रूपक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल मौन

(B) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब

(C) देहक रंग

(D) फसलक नाम

१३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत काव्य-भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा

(B) केवल हाट-बजारक संकेत

(C) नदी-पाथर

(D) मौन-लिपि

१३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत धार्मिक शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल खेलक शब्द

(B) गाछक छाल

(C) मछली पकड़बाक जाल

(D) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द

१३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राचीन आर्य स्वरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कृषि-कर

(B) चित्रक रंग

(C) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार

(D) मूर्ति-कला

१४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संयुक्त व्यंजनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कपड़ाक बुनाइ

(B) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल

(C) अर्थक विस्तार

(D) मौनक नियम

१४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शास्त्रीय प्रतिष्ठाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान

(B) भाषिक अप्रासंगिकता

(C) केवल लोकखेल

(D) जंगलक संकेत

१४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मिथिला पाण्डित्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल नाविक-परम्परा

(B) मौन-प्रथा

(C) धातु-खनन

(D) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा

१४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत-मैथिली सहअस्तित्वक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कोनो सम्पर्क नहि

(B) केवल परदेशी भाषा

(C) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार

(D) पूर्ण विरोध मात्र

१४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे द्विभाषिकताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा-विनाश

(B) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग

(C) केवल मौन

(D) एक अक्षरक भाषा

१४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृतक प्रभाव-सीमाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि

(B) मैथिली केवल संस्कृतक नकल

(C) मैथिली असम्बद्ध चित्र

(D) मैथिली केवल विदेशी भाषा

१४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तत्सम-तद्भव भेदक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपि आ रंगक भेद

(B) गीत आ नृत्यक भेद

(C) कागज आ कपड़ाक भेद

(D) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर

१४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शास्त्र-साहित्य सम्बन्धक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जलचर विज्ञान

(B) मौन-चित्र

(C) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन

(D) केवल बाजारक भाव

१४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृतसँ उधारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपिक टूटन

(B) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण

(C) शब्दक निषेध

(D) ध्वनिक मृत्यु

१४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोक-रूपक प्रतिरोधक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब

(B) लोकप्रयोगक अभाव

(C) सदा शुद्ध संस्कृत मात्र

(D) कृत्रिम मौन

१५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत-धरातलक निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल एकरे पूर्ण समानता

(B) पूर्ण असम्बन्ध

(C) केवल लिपिक प्रभाव

(D) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ

१५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे वैदिक संस्कृत सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल तिरहुता लिपि

(B) सामान्य मौन संकेत

(C) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप

(D) आधुनिक मोबाइल-भाषा

१५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लौकिक संस्कृत सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) विदेशी चित्रलिपि

(B) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत

(C) केवल ग्रामीण उपभाषा

(D) अर्थहीन ध्वनि

१५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पाणिनीय व्याकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा

(B) लोकगीतक ताल मात्र

(C) कपासक खेती

(D) मौसम-पत्र

१५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तत्सम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) ध्वनि-बदलल लोक-शब्द

(B) विदेशी उधार

(C) केवल बाल-ध्वनि

(D) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द

१५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तद्भव सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल फारसी शब्द

(B) मौन चिह्न

(C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द

(D) जसक तस संस्कृत

१५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत पदावली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) व्यंजनक आवाज मात्र

(B) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा

(C) कृषि-औजार मात्र

(D) रंगक नाम मात्र

१५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे समास सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग

(B) केवल अक्षर-गिनती

(C) कथाक अन्त

(D) चित्रक रेखा

१५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सन्धि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थक समाप्ति

(B) लिपिक नाश

(C) खेतक मेड़

(D) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन

१५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विभक्ति सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भोजनक स्वाद

(B) मौन संकेत

(C) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप

(D) रंग-सम्बन्ध

१६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे धातु सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पोखरिक माछ

(B) क्रिया-रूपक मूल आधार

(C) चित्रक आकार

(D) कागजक जिल्द

१६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्द-रूप सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब

(B) देहक रंग

(C) फसलक नाम

(D) केवल मौन

१६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत काव्य-भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल हाट-बजारक संकेत

(B) नदी-पाथर

(C) मौन-लिपि

(D) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा

१६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत धार्मिक शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) गाछक छाल

(B) मछली पकड़बाक जाल

(C) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द

(D) केवल खेलक शब्द

१६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राचीन आर्य स्वर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रक रंग

(B) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार

(C) मूर्ति-कला

(D) कृषि-कर

१६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संयुक्त व्यंजन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल

(B) अर्थक विस्तार

(C) मौनक नियम

(D) कपड़ाक बुनाइ

१६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शास्त्रीय प्रतिष्ठा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषिक अप्रासंगिकता

(B) केवल लोकखेल

(C) जंगलक संकेत

(D) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान

१६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मिथिला पाण्डित्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-प्रथा

(B) धातु-खनन

(C) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा

(D) केवल नाविक-परम्परा

१६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत-मैथिली सहअस्तित्व सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल परदेशी भाषा

(B) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार

(C) पूर्ण विरोध मात्र

(D) कोनो सम्पर्क नहि

१६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे द्विभाषिकता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग

(B) केवल मौन

(C) एक अक्षरक भाषा

(D) भाषा-विनाश

१७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृतक प्रभाव-सीमा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मैथिली केवल संस्कृतक नकल

(B) मैथिली असम्बद्ध चित्र

(C) मैथिली केवल विदेशी भाषा

(D) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि

१७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तत्सम-तद्भव भेद सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) गीत आ नृत्यक भेद

(B) कागज आ कपड़ाक भेद

(C) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर

(D) लिपि आ रंगक भेद

१७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शास्त्र-साहित्य सम्बन्ध सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-चित्र

(B) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन

(C) केवल बाजारक भाव

(D) जलचर विज्ञान

१७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृतसँ उधार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण

(B) शब्दक निषेध

(C) ध्वनिक मृत्यु

(D) लिपिक टूटन

१७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोक-रूपक प्रतिरोध सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लोकप्रयोगक अभाव

(B) सदा शुद्ध संस्कृत मात्र

(C) कृत्रिम मौन

(D) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब

१७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत-धरातलक निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पूर्ण असम्बन्ध

(B) केवल लिपिक प्रभाव

(C) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ

(D) केवल एकरे पूर्ण समानता

१७६. परीक्षा-दृष्टिसँ वैदिक संस्कृत विषयक सही कथन चुनू।

(A) सामान्य मौन संकेत

(B) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप

(C) आधुनिक मोबाइल-भाषा

(D) केवल तिरहुता लिपि

१७७. परीक्षा-दृष्टिसँ लौकिक संस्कृत विषयक सही कथन चुनू।

(A) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत

(B) केवल ग्रामीण उपभाषा

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) विदेशी चित्रलिपि

१७८. परीक्षा-दृष्टिसँ पाणिनीय व्याकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) लोकगीतक ताल मात्र

(B) कपासक खेती

(C) मौसम-पत्र

(D) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा

१७९. परीक्षा-दृष्टिसँ तत्सम विषयक सही कथन चुनू।

(A) विदेशी उधार

(B) केवल बाल-ध्वनि

(C) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द

(D) ध्वनि-बदलल लोक-शब्द

१८०. परीक्षा-दृष्टिसँ तद्भव विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन चिह्न

(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द

(C) जसक तस संस्कृत

(D) केवल फारसी शब्द

१८१. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत पदावली विषयक सही कथन चुनू।

(A) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा

(B) कृषि-औजार मात्र

(C) रंगक नाम मात्र

(D) व्यंजनक आवाज मात्र

१८२. परीक्षा-दृष्टिसँ समास विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल अक्षर-गिनती

(B) कथाक अन्त

(C) चित्रक रेखा

(D) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग

१८३. परीक्षा-दृष्टिसँ सन्धि विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपिक नाश

(B) खेतक मेड़

(C) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन

(D) अर्थक समाप्ति

१८४. परीक्षा-दृष्टिसँ विभक्ति विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप

(C) रंग-सम्बन्ध

(D) भोजनक स्वाद

१८५. परीक्षा-दृष्टिसँ धातु विषयक सही कथन चुनू।

(A) क्रिया-रूपक मूल आधार

(B) चित्रक आकार

(C) कागजक जिल्द

(D) पोखरिक माछ

१८६. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्द-रूप विषयक सही कथन चुनू।

(A) देहक रंग

(B) फसलक नाम

(C) केवल मौन

(D) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब

१८७. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत काव्य-भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) नदी-पाथर

(B) मौन-लिपि

(C) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा

(D) केवल हाट-बजारक संकेत

१८८. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत धार्मिक शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) मछली पकड़बाक जाल

(B) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द

(C) केवल खेलक शब्द

(D) गाछक छाल

१८९. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राचीन आर्य स्वर विषयक सही कथन चुनू।

(A) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार

(B) मूर्ति-कला

(C) कृषि-कर

(D) चित्रक रंग

१९०. परीक्षा-दृष्टिसँ संयुक्त व्यंजन विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थक विस्तार

(B) मौनक नियम

(C) कपड़ाक बुनाइ

(D) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल

१९१. परीक्षा-दृष्टिसँ शास्त्रीय प्रतिष्ठा विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल लोकखेल

(B) जंगलक संकेत

(C) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान

(D) भाषिक अप्रासंगिकता

१९२. परीक्षा-दृष्टिसँ मिथिला पाण्डित्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) धातु-खनन

(B) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा

(C) केवल नाविक-परम्परा

(D) मौन-प्रथा

१९३. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत-मैथिली सहअस्तित्व विषयक सही कथन चुनू।

(A) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार

(B) पूर्ण विरोध मात्र

(C) कोनो सम्पर्क नहि

(D) केवल परदेशी भाषा

१९४. परीक्षा-दृष्टिसँ द्विभाषिकता विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल मौन

(B) एक अक्षरक भाषा

(C) भाषा-विनाश

(D) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग

१९५. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृतक प्रभाव-सीमा विषयक सही कथन चुनू।

(A) मैथिली असम्बद्ध चित्र

(B) मैथिली केवल विदेशी भाषा

(C) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि

(D) मैथिली केवल संस्कृतक नकल

१९६. परीक्षा-दृष्टिसँ तत्सम-तद्भव भेद विषयक सही कथन चुनू।

(A) कागज आ कपड़ाक भेद

(B) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर

(C) लिपि आ रंगक भेद

(D) गीत आ नृत्यक भेद

१९७. परीक्षा-दृष्टिसँ शास्त्र-साहित्य सम्बन्ध विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन

(B) केवल बाजारक भाव

(C) जलचर विज्ञान

(D) मौन-चित्र

१९८. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृतसँ उधार विषयक सही कथन चुनू।

(A) शब्दक निषेध

(B) ध्वनिक मृत्यु

(C) लिपिक टूटन

(D) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण

१९९. परीक्षा-दृष्टिसँ लोक-रूपक प्रतिरोध विषयक सही कथन चुनू।

(A) सदा शुद्ध संस्कृत मात्र

(B) कृत्रिम मौन

(C) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब

(D) लोकप्रयोगक अभाव

२००. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत-धरातलक निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल लिपिक प्रभाव

(B) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ

(C) केवल एकरे पूर्ण समानता

(D) पूर्ण असम्बन्ध

२०१. प्राकृतक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप

(B) आधुनिक मुद्रित पत्रिका

(C) केवल लिपि

(D) मौन-धर्म

२०२. मागधी प्राकृतक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) दक्षिणी द्रविड़ मूल

(B) केवल अरबी शाखा

(C) चित्रलिपि मात्र

(D) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप

२०३. अर्धमागधीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अंग्रेजी बोली

(B) निरर्थक संकेत

(C) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप

(D) केवल आधुनिक मैथिली पत्रिका

२०४. शौरसेनीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मिथिला लोकगीत

(B) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत

(C) मैथिलीक एकमात्र सीधा रूप

(D) केवल तिरहुता अक्षर

२०५. पालिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा

(B) नवीन कम्प्यूटर संकेत

(C) केवल देवनागरी छाप

(D) आधुनिक उपन्यास

२०६. ध्वनि-सरलीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) रंग-परिवर्तन

(B) कथानक-विस्तार

(C) पत्रिकाक नाम

(D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण

२०७. विभक्ति-सरलीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कागजक आकार

(B) दृश्य-चित्र

(C) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी

(D) स्वर-वृद्धि मात्र

२०८. लोक-उच्चारणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) जंगलक आवाज

(B) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप

(C) केवल राजकीय आदेश

(D) मौन-चिह्न

२०९. प्राकृत नाटकक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा

(B) प्राकृत केवल युद्ध-भाषा

(C) सभी पात्र सदैव संस्कृत

(D) लिपिहीन मौन

२१०. संस्कृत-प्राकृत सहप्रयोगक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूर्ण असम्बन्ध

(B) एके ध्वनि मात्र

(C) केवल विदेशी प्रभाव

(D) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग

२११. प्राकृतसँ अपभ्रंशक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) तिरहुता सँ अरबी

(B) कथा सँ चित्र

(C) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण

(D) संस्कृतसँ सीधा कम्प्यूटर

२१२. स्वर-परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कपड़ा-बुनाइ

(B) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ

(C) धातु-खनन

(D) मौन-वृद्धि

२१३. व्यंजन-परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप

(B) अर्थक सदैव समानता

(C) लिपिक रंग

(D) आकाश-परीक्षा

२१४. अनुनासिकताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल लिखित विराम

(B) मौन-छन्द

(C) अर्थ-विरोध

(D) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता

२१५. प्राकृत शब्द-संपदाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विदेशी शब्द मात्र

(B) चित्रक नाम

(C) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप

(D) सिर्फ तत्सम कोश

२१६. प्राकृत व्याकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) बाजार-सूची

(B) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन

(C) कृषि पंचांग

(D) मूर्ति-पुस्तिका

२१७. मागधी प्रभावक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत

(B) कन्नड़ प्रभाव मात्र

(C) चीनी मूल

(D) रोमन लिपि

२१८. प्राकृतक सामाजिकताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) जनसँ कटल भाषा

(B) केवल देव-ध्वनि

(C) मौन लेखन

(D) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा

२१९. प्राकृत आ साहित्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल पत्थर

(B) बिना शब्दक चित्र

(C) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग

(D) साहित्य-विरोध

२२०. प्राकृतसँ मैथिली पथक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्रसँ व्याकरण

(B) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम

(C) प्राकृतसँ तुरन्त आधुनिक मैथिली

(D) मौनसँ भाषा

२२१. जनभाषा-केन्द्रक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका

(B) केवल शिलालेख

(C) केवल गणित-सूत्र

(D) केवल सेनाक आदेश

२२२. प्राकृतक सीमाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) प्राकृत आ मैथिली पूर्ण एके

(B) प्राकृत असम्बद्ध चित्र

(C) प्राकृत आधुनिक ई-पत्रिका

(D) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण

२२३. ध्वनि-नियमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) सदैव असम्भव परिवर्तन

(B) केवल कागजक तह

(C) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति

(D) बिना नियमक नाच

२२४. प्राकृतक योगदानक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) सिर्फ आधुनिक तकनीक

(B) भाषा केँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार

(C) कोनो योगदान नहि

(D) केवल रंग-परम्परा

२२५. प्राकृत-चरणक निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी

(B) भाषा-विकासक अन्त

(C) लिपिक पूर्ण नाश

(D) मौन समाज

२२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृतक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) आधुनिक मुद्रित पत्रिका

(B) केवल लिपि

(C) मौन-धर्म

(D) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप

२२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मागधी प्राकृतक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल अरबी शाखा

(B) चित्रलिपि मात्र

(C) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप

(D) दक्षिणी द्रविड़ मूल

२२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अर्धमागधीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) निरर्थक संकेत

(B) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप

(C) केवल आधुनिक मैथिली पत्रिका

(D) अंग्रेजी बोली

२२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शौरसेनीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत

(B) मैथिलीक एकमात्र सीधा रूप

(C) केवल तिरहुता अक्षर

(D) मिथिला लोकगीत

२३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पालिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) नवीन कम्प्यूटर संकेत

(B) केवल देवनागरी छाप

(C) आधुनिक उपन्यास

(D) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा

२३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-सरलीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कथानक-विस्तार

(B) पत्रिकाक नाम

(C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण

(D) रंग-परिवर्तन

२३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विभक्ति-सरलीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) दृश्य-चित्र

(B) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी

(C) स्वर-वृद्धि मात्र

(D) कागजक आकार

२३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोक-उच्चारणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप

(B) केवल राजकीय आदेश

(C) मौन-चिह्न

(D) जंगलक आवाज

२३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृत नाटकक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) प्राकृत केवल युद्ध-भाषा

(B) सभी पात्र सदैव संस्कृत

(C) लिपिहीन मौन

(D) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा

२३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कृत-प्राकृत सहप्रयोगक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एके ध्वनि मात्र

(B) केवल विदेशी प्रभाव

(C) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग

(D) पूर्ण असम्बन्ध

२३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृतसँ अपभ्रंशक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कथा सँ चित्र

(B) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण

(C) संस्कृतसँ सीधा कम्प्यूटर

(D) तिरहुता सँ अरबी

२३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे स्वर-परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ

(B) धातु-खनन

(C) मौन-वृद्धि

(D) कपड़ा-बुनाइ

२३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे व्यंजन-परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थक सदैव समानता

(B) लिपिक रंग

(C) आकाश-परीक्षा

(D) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप

२३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अनुनासिकताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन-छन्द

(B) अर्थ-विरोध

(C) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता

(D) केवल लिखित विराम

२४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृत शब्द-संपदाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्रक नाम

(B) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप

(C) सिर्फ तत्सम कोश

(D) विदेशी शब्द मात्र

२४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृत व्याकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन

(B) कृषि पंचांग

(C) मूर्ति-पुस्तिका

(D) बाजार-सूची

२४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मागधी प्रभावक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कन्नड़ प्रभाव मात्र

(B) चीनी मूल

(C) रोमन लिपि

(D) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत

२४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृतक सामाजिकताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल देव-ध्वनि

(B) मौन लेखन

(C) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा

(D) जनसँ कटल भाषा

२४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृत आ साहित्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) बिना शब्दक चित्र

(B) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग

(C) साहित्य-विरोध

(D) केवल पत्थर

२४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृतसँ मैथिली पथक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम

(B) प्राकृतसँ तुरन्त आधुनिक मैथिली

(C) मौनसँ भाषा

(D) चित्रसँ व्याकरण

२४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे जनभाषा-केन्द्रक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल शिलालेख

(B) केवल गणित-सूत्र

(C) केवल सेनाक आदेश

(D) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका

२४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृतक सीमाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) प्राकृत असम्बद्ध चित्र

(B) प्राकृत आधुनिक ई-पत्रिका

(C) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण

(D) प्राकृत आ मैथिली पूर्ण एके

२४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-नियमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल कागजक तह

(B) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति

(C) बिना नियमक नाच

(D) सदैव असम्भव परिवर्तन

२४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृतक योगदानक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा कैँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार

(B) कोनो योगदान नहि

(C) केवल रंग-परम्परा

(D) सिर्फ आधुनिक तकनीक

२५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राकृत-चरणक निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा-विकासक अन्त

(B) लिपिक पूर्ण नाश

(C) मौन समाज

(D) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी

२५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृत सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल लिपि

(B) मौन-धर्म

(C) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप

(D) आधुनिक मुद्रित पत्रिका

२५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मागधी प्राकृत सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रलिपि मात्र

(B) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप

(C) दक्षिणी द्रविड़ मूल

(D) केवल अरबी शाखा

२५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अर्धमागधी सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप

(B) केवल आधुनिक मैथिली पत्रिका

(C) अंग्रेजी बोली

(D) निरर्थक संकेत

२५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शौरसेनी सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मैथिलीक एकमात्र सीधा रूप

(B) केवल तिरहुता अक्षर

(C) मिथिला लोकगीत

(D) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत

२५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पालि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल देवनागरी छाप

(B) आधुनिक उपन्यास

(C) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा

(D) नवीन कम्प्यूटर संकेत

२५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-सरलीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पत्रिकाक नाम

(B) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण

(C) रंग-परिवर्तन

(D) कथानक-विस्तार

२५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विभक्ति-सरलीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी

(B) स्वर-वृद्धि मात्र

(C) कागजक आकार

(D) दृश्य-चित्र

२५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोक-उच्चारण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल राजकीय आदेश

(B) मौन-चिह्न

(C) जंगलक आवाज

(D) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप

२५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृत नाटक सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सभी पात्र सदैव संस्कृत

(B) लिपिहीन मौन

(C) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा

(D) प्राकृत केवल युद्ध-भाषा

२६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कृत-प्राकृत सहप्रयोग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल विदेशी प्रभाव

(B) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग

(C) पूर्ण असम्बन्ध

(D) एके ध्वनि मात्र

२६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृतसँ अपभ्रंश सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण

(B) संस्कृतसँ सीधा कम्प्यूटर

(C) तिरहुता सँ अरबी

(D) कथा सँ चित्र

२६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे स्वर-परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) धातु-खनन

(B) मौन-वृद्धि

(C) कपड़ा-बुनाइ

(D) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ

२६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे व्यंजन-परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) आकाश-परीक्षा

(C) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप

(D) अर्थक सदैव समानता

२६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अनुनासिकता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थ-विरोध

(B) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता

(C) केवल लिखित विराम

(D) मौन-छन्द

२६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृत शब्द-संपदा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप

(B) सिर्फ तत्सम कोश

(C) विदेशी शब्द मात्र

(D) चित्रक नाम

२६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृत व्याकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृषि पंचांग

(B) मूर्ति-पुस्तिका

(C) बाजार-सूची

(D) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन

२६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मागधी प्रभाव सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चीनी मूल

(B) रोमन लिपि

(C) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत

(D) कन्नड़ प्रभाव मात्र

२६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृतक सामाजिकता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन लेखन

(B) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा

(C) जनसँ कटल भाषा

(D) केवल देव-ध्वनि

२६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृत आ साहित्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग

(B) साहित्य-विरोध

(C) केवल पत्थर

(D) बिना शब्दक चित्र

२७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृतसँ मैथिली पथ सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्राकृतसँ तुरन्त आधुनिक मैथिली

(B) मौनसँ भाषा

(C) चित्रसँ व्याकरण

(D) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम

२७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे जनभाषा-केन्द्र सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल गणित-सूत्र

(B) केवल सेनाक आदेश

(C) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका

(D) केवल शिलालेख

२७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृतक सीमा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्राकृत आधुनिक ई-पत्रिका

(B) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण

(C) प्राकृत आ मैथिली पूर्ण एके

(D) प्राकृत असम्बद्ध चित्र

२७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-नियम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति

(B) बिना नियमक नाच

(C) सदैव असम्भव परिवर्तन

(D) केवल कागजक तह

२७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृतक योगदान सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कोनो योगदान नहि

(B) केवल रंग-परम्परा

(C) सिर्फ आधुनिक तकनीक

(D) भाषा कैँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार

२७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राकृत-चरणक निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिक पूर्ण नाश

(B) मौन समाज

(C) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी

(D) भाषा-विकासक अन्त

२७६. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृत विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-धर्म

(B) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप

(C) आधुनिक मुद्रित पत्रिका

(D) केवल लिपि

२७७. परीक्षा-दृष्टिसँ मागधी प्राकृत विषयक सही कथन चुनू।

(A) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप

(B) दक्षिणी द्रविड़ मूल

(C) केवल अरबी शाखा

(D) चित्रलिपि मात्र

२७८. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्धमागधी विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल आधुनिक मैथिली पत्रिका

(B) अंग्रेजी बोली

(C) निरर्थक संकेत

(D) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप

२७९. परीक्षा-दृष्टिसँ शौरसेनी विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल तिरहुता अक्षर

(B) मिथिला लोकगीत

(C) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत

(D) मैथिलीक एकमात्र सीधा रूप

२८०. परीक्षा-दृष्टिसँ पालि विषयक सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक उपन्यास

(B) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा

(C) नवीन कम्प्यूटर संकेत

(D) केवल देवनागरी छाप

२८१. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-सरलीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण

(B) रंग-परिवर्तन

(C) कथानक-विस्तार

(D) पत्रिकाक नाम

२८२. परीक्षा-दृष्टिसँ विभक्ति-सरलीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) स्वर-वृद्धि मात्र

(B) कागजक आकार

(C) दृश्य-चित्र

(D) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी

२८३. परीक्षा-दृष्टिसँ लोक-उच्चारण विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-चिह्न

(B) जंगलक आवाज

(C) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप

(D) केवल राजकीय आदेश

२८४. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृत नाटक विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपिहीन मौन

(B) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा

(C) प्राकृत केवल युद्ध-भाषा

(D) सभी पात्र सदैव संस्कृत

२८५. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कृत-प्राकृत सहप्रयोग विषयक सही कथन चुनू।

(A) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग

(B) पूर्ण असम्बन्ध

(C) एके ध्वनि मात्र

(D) केवल विदेशी प्रभाव

२८६. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृतसँ अपभ्रंश विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृतसँ सीधा कम्प्यूटर

(B) तिरहुता सँ अरबी

(C) कथा सँ चित्र

(D) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण

२८७. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वर-परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-वृद्धि

(B) कपड़ा-बुनाइ

(C) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ

(D) धातु-खनन

२८८. परीक्षा-दृष्टिसँ व्यंजन-परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) आकाश-परीक्षा

(B) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप

(C) अर्थक सदैव समानता

(D) लिपिक रंग

२८९. परीक्षा-दृष्टिसँ अनुनासिकता विषयक सही कथन चुनू।

(A) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता

(B) केवल लिखित विराम

(C) मौन-छन्द

(D) अर्थ-विरोध

२९०. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृत शब्द-संपदा विषयक सही कथन चुनू।

(A) सिर्फ तत्सम कोश

(B) विदेशी शब्द मात्र

(C) चित्रक नाम

(D) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप

२९१. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृत व्याकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) मूर्ति-पुस्तिका

(B) बाजार-सूची

(C) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन

(D) कृषि पंचांग

२९२. परीक्षा-दृष्टिसँ मागधी प्रभाव विषयक सही कथन चुनू।

(A) रोमन लिपि

(B) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत

(C) कन्नड़ प्रभाव मात्र

(D) चीनी मूल

२९३. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृतक सामाजिकता विषयक सही कथन चुनू।

(A) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा

(B) जनसँ कटल भाषा

(C) केवल देव-ध्वनि

(D) मौन लेखन

२९४. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृत आ साहित्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) साहित्य-विरोध

(B) केवल पत्थर

(C) बिना शब्दक चित्र

(D) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग

२९५. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृतसँ मैथिली पथ विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौनसँ भाषा

(B) चित्रसँ व्याकरण

(C) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम

(D) प्राकृतसँ तुरन्त आधुनिक मैथिली

२९६. परीक्षा-दृष्टिसँ जनभाषा-केन्द्र विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल सेनाक आदेश

(B) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका

(C) केवल शिलालेख

(D) केवल गणित-सूत्र

२९७. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृतक सीमा विषयक सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण

(B) प्राकृत आ मैथिली पूर्ण एके

(C) प्राकृत असम्बद्ध चित्र

(D) प्राकृत आधुनिक ई-पत्रिका

२९८. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-नियम विषयक सही कथन चुनू।

(A) बिना नियमक नाच

(B) सदैव असम्भव परिवर्तन

(C) केवल कागजक तह

(D) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति

२९९. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृतक योगदान विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल रंग-परम्परा

(B) सिर्फ आधुनिक तकनीक

(C) भाषा केँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार

(D) कोनो योगदान नहि

३००. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राकृत-चरणक निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन समाज

(B) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी

(C) भाषा-विकासक अन्त

(D) लिपिक पूर्ण नाश

३०१. अपभ्रंशक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप

(B) वैदिक संस्कृतक पहिल रूप

(C) आधुनिक देवनागरी मात्र

(D) चित्रकला-शैली

३०२. अवहट्ठक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल मौन-लिपि

(B) दक्षिणी द्रविड़ मूल

(C) अंग्रेजी व्याकरण

(D) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप

३०३. उत्तर-मध्य आर्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल बाल-गीत

(B) पाषाण-युग

(C) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण

(D) आधुनिक समाचारपत्र

३०४. पूर्वी अपभ्रंशक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अरबी मूल

(B) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा

(C) केवल पश्चिमी यूरोपीय

(D) कन्नड़ शाखा

३०५. अवहट्ठ साहित्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री

(B) मौन सङ्केत

(C) केवल खेतक नाप

(D) धातु-सूची

३०६. विद्यापति आ अवहट्ठक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विद्यापति केवल आधुनिक गद्यकार

(B) विद्यापति द्रविड़ कवि

(C) अवहट्ठसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(D) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि

३०७. संक्रमणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूर्ण स्थिरता

(B) केवल लिपि-विन्यास

(C) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब

(D) एकाएक जन्म

३०८. रूप-क्षयक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पत्रक मोटाई

(B) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब

(C) रंगक बढ़ोतरी

(D) मूर्ति-विकास

३०९. परसर्ग-वृद्धिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब

(B) सर्वनामक नाश

(C) केवल छन्दक टूटन

(D) स्वरक लोप मात्र

३१०. क्रिया-रूप परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) क्रियाक अभाव

(B) केवल संज्ञा

(C) मौन उच्चारण

(D) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन

३११. ध्वनिक सहजताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपिक अन्त

(B) अर्थक मृत्यु

(C) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब

(D) कठिनताक स्थायी वृद्धि

३१२. लोक-तत्त्वक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्रक रेखा

(B) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव

(C) जन-विरोध

(D) सिर्फ देवभाषा

३१३. मिथिला-सम्बन्धक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण

(B) मिथिलासँ पूर्ण असम्बन्ध

(C) समुद्री द्वीपक भाषा

(D) केवल मरुभूमि प्रभाव

३१४. अवहट्ठक मिश्र-स्वरूपक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूर्ण संस्कृत मात्र

(B) पूर्ण आधुनिकता बिना इतिहास

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप

३१५. साहित्यिक प्रतिष्ठाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल राजकोष

(B) मौन गीत

(C) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल

(D) साहित्यक निषेध

३१६. वाक्यक्रमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल चित्रक्रम

(B) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति

(C) सदैव क्रिया-कर्ता-कर्म

(D) बिना वाक्यक भाषा

३१७. सर्वनाम-विकासक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ

(B) सर्वनामक अभाव

(C) केवल रंग-नाम

(D) मौन संकेत

३१८. अवहट्ठसँ पुरान मैथिलीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अवहट्ठक तुरन्त लोप

(B) संस्कृतक यथावत् नकल

(C) केवल विदेशी आयात

(D) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता

३१९. अपभ्रंश काव्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) सैनिक संकेत

(B) निरर्थक लेख

(C) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत

(D) केवल खेतक गीत

३२०. अवहट्ठक सीमाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अवहट्ठ लिपि मात्र

(B) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण

(C) अवहट्ठ आ आधुनिक मैथिली पूर्ण समान

(D) अवहट्ठ संस्कृतसँ पहिल

३२१. पुरान-नव पुलक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़

(B) सम्पूर्ण टूटन

(C) मौन-अवरोध

(D) कथा-विरोध

३२२. उच्चारण-आधारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल शास्त्रीय अनुकरण

(B) भाषाहीनता

(C) लिपिक रंग

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि

३२३. नव आर्य पूर्वपीठिकाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल वैदिक रूप

(B) कम्प्यूटरक मूल

(C) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी

(D) भाषा-विकासक अन्त

३२४. अवहट्ठ अध्ययनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) खेलक नियम

(B) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ

(C) सिर्फ लोककथा

(D) केवल चित्र-दीर्घा

३२५. अपभ्रंश-अवहट्ठ निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी

(B) अप्रासंगिक सजावट

(C) केवल लिपि-नाम

(D) पूर्ण विदेशी स्रोत

३२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अपभ्रंशक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) वैदिक संस्कृतक पहिल रूप

(B) आधुनिक देवनागरी मात्र

(C) चित्रकला-शैली

(D) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप

३२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अवहट्ठक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) दक्षिणी द्रविड़ मूल

(B) अंग्रेजी व्याकरण

(C) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप

(D) केवल मौन-लिपि

३२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे उत्तर-मध्य आर्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पाषाण-युग

(B) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण

(C) आधुनिक समाचारपत्र

(D) केवल बाल-गीत

३२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पूर्वी अपभ्रंशक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा

(B) केवल पश्चिमी यूरोपीय

(C) कन्नड़ शाखा

(D) अरबी मूल

३३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अवहट्ठ साहित्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन सङ्केत

(B) केवल खेतक नाप

(C) धातु-सूची

(D) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री

३३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विद्यापति आ अवहट्ठक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विद्यापति द्रविड़ कवि

(B) अवहट्ठसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(C) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि

(D) विद्यापति केवल आधुनिक गद्यकार

३३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संक्रमणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल लिपि-विन्यास

(B) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब

(C) एकाएक जन्म

(D) पूर्ण स्थिरता

३३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे रूप-क्षयक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब

(B) रंगक बढ़ोतरी

(C) मूर्ति-विकास

(D) पत्रक मोटाई

३३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे परसर्ग-वृद्धिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सर्वनामक नाश

(B) केवल छन्दक टूटन

(C) स्वरक लोप मात्र

(D) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब

३३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे क्रिया-रूप परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल संज्ञा

(B) मौन उच्चारण

(C) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन

(D) क्रियाक अभाव

३३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनिक सहजताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थक मृत्यु

(B) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब

(C) कठिनताक स्थायी वृद्धि

(D) लिपिक अन्त

३३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोक-तत्त्वक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव

(B) जन-विरोध

(C) सिर्फ देवभाषा

(D) चित्रक रेखा

३३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मिथिला-सम्बन्धक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मिथिलासँ पूर्ण असम्बन्ध

(B) समुद्री द्वीपक भाषा

(C) केवल मरुभूमि प्रभाव

(D) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण

३३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अवहट्ठक मिश्र-स्वरूपक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पूर्ण आधुनिकता बिना इतिहास

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप

(D) पूर्ण संस्कृत मात्र

३४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे साहित्यिक प्रतिष्ठाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन गीत

(B) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल

(C) साहित्यक निषेध

(D) केवल राजकोष

३४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे वाक्यक्रमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति

(B) सदैव क्रिया-कर्ता-कर्म

(C) बिना वाक्यक भाषा

(D) केवल चित्रक्रम

३४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सर्वनाम-विकासक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सर्वनामक अभाव

(B) केवल रंग-नाम

(C) मौन संकेत

(D) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ

३४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिलीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संस्कृतक यथावत् नकल

(B) केवल विदेशी आयात

(C) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता

(D) अवहट्ठक तुरन्त लोप

३४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अपभ्रंश काव्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) निरर्थक लेख

(B) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत

(C) केवल खेतक गीत

(D) सैनिक संकेत

३४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अवहट्ठक सीमाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण

(B) अवहट्ठ आ आधुनिक मैथिली पूर्ण समान

(C) अवहट्ठ संस्कृतसँ पहिल

(D) अवहट्ठ लिपि मात्र

३४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पुरान-नव पुलक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सम्पूर्ण टूटन

(B) मौन-अवरोध

(C) कथा-विरोध

(D) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़

३४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे उच्चारण-आधारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषाहीनता

(B) लिपिक रंग

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि

(D) केवल शास्त्रीय अनुकरण

३४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे नव आर्य पूर्वपीठिकाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कम्प्यूटरक मूल

(B) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी

(C) भाषा-विकासक अन्त

(D) केवल वैदिक रूप

३४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अवहट्ठ अध्ययनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ

(B) सिर्फ लोककथा

(C) केवल चित्र-दीर्घा

(D) खेलक नियम

३५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अपभ्रंश-अवहट्ठ निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अप्रासंगिक सजावट

(B) केवल लिपि-नाम

(C) पूर्ण विदेशी स्रोत

(D) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी

३५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अपभ्रंश सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) आधुनिक देवनागरी मात्र

(B) चित्रकला-शैली

(C) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप

(D) वैदिक संस्कृतक पहिल रूप

३५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अवहट्ठ सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अंग्रेजी व्याकरण

(B) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप

(C) केवल मौन-लिपि

(D) दक्षिणी द्रविड़ मूल

३५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे उत्तर-मध्य आर्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण

(B) आधुनिक समाचारपत्र

(C) केवल बाल-गीत

(D) पाषाण-युग

३५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पूर्वी अपभ्रंश सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल पश्चिमी यूरोपीय

(B) कन्नड़ शाखा

(C) अरबी मूल

(D) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा

३५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अवहट्ठ साहित्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल खेतक नाप

(B) धातु-सूची

(C) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री

(D) मौन सङ्केत

३५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विद्यापति आ अवहट्ठ सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अवहट्ठसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(B) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि

(C) विद्यापति केवल आधुनिक गद्यकार

(D) विद्यापति द्रविड़ कवि

३५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संक्रमण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब

(B) एकाएक जन्म

(C) पूर्ण स्थिरता

(D) केवल लिपि-विन्यास

३५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे रूप-क्षय सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रंगक बढ़ोतरी

(B) मूर्ति-विकास

(C) पत्रक मोटाई

(D) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब

३५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे परसर्ग-वृद्धि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल छन्दक टूटन

(B) स्वरक लोप मात्र

(C) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब

(D) सर्वनामक नाश

३६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे क्रिया-रूप परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन उच्चारण

(B) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन

(C) क्रियाक अभाव

(D) केवल संज्ञा

३६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनिक सहजता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब

(B) कठिनताक स्थायी वृद्धि

(C) लिपिक अन्त

(D) अर्थक मृत्यु

३६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोक-तत्त्व सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) जन-विरोध

(B) सिर्फ देवभाषा

(C) चित्रक रेखा

(D) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव

३६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मिथिला-सम्बन्ध सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) समुद्री द्वीपक भाषा

(B) केवल मरुभूमि प्रभाव

(C) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण

(D) मिथिलासँ पूर्ण असम्बन्ध

३६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अवहट्ठक मिश्र-स्वरूप सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप

(C) पूर्ण संस्कृत मात्र

(D) पूर्ण आधुनिकता बिना इतिहास

३६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे साहित्यिक प्रतिष्ठा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल

(B) साहित्यक निषेध

(C) केवल राजकोष

(D) मौन गीत

३६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे वाक्यक्रम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सदैव क्रिया-कर्ता-कर्म

(B) बिना वाक्यक भाषा

(C) केवल चित्रक्रम

(D) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति

३६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सर्वनाम-विकास सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल रंग-नाम

(B) मौन संकेत

(C) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ

(D) सर्वनामक अभाव

३६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल विदेशी आयात

(B) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता

(C) अवहट्ठक तुरन्त लोप

(D) संस्कृतक यथावत् नकल

३६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अपभ्रंश काव्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत

(B) केवल खेतक गीत

(C) सैनिक संकेत

(D) निरर्थक लेख

३७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अवहट्ठक सीमा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अवहट्ठ आ आधुनिक मैथिली पूर्ण समान

(B) अवहट्ठ संस्कृतसँ पहिल

(C) अवहट्ठ लिपि मात्र

(D) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण

३७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पुरान-नव पुल सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-अवरोध

(B) कथा-विरोध

(C) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़

(D) सम्पूर्ण टूटन

३७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे उच्चारण-आधार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि

(C) केवल शास्त्रीय अनुकरण

(D) भाषाहीनता

३७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे नव आर्य पूर्वपीठिका सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी

(B) भाषा-विकासक अन्त

(C) केवल वैदिक रूप

(D) कम्प्यूटरक मूल

३७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अवहट्ठ अध्ययन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सिर्फ लोककथा

(B) केवल चित्र-दीर्घा

(C) खेलक नियम

(D) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ

३७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अपभ्रंश-अवहट्ठ निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल लिपि-नाम

(B) पूर्ण विदेशी स्रोत

(C) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी

(D) अप्रासंगिक सजावट

३७६. परीक्षा-दृष्टिसँ अपभ्रंश विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रकला-शैली

(B) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप

(C) वैदिक संस्कृतक पहिल रूप

(D) आधुनिक देवनागरी मात्र

३७७. परीक्षा-दृष्टिसँ अवहट्ठ विषयक सही कथन चुनू।

(A) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप

(B) केवल मौन-लिपि

(C) दक्षिणी द्रविड़ मूल

(D) अंग्रेजी व्याकरण

३७८. परीक्षा-दृष्टिसँ उत्तर-मध्य आर्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक समाचारपत्र

(B) केवल बाल-गीत

(C) पाषाण-युग

(D) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण

३७९. परीक्षा-दृष्टिसँ पूर्वी अपभ्रंश विषयक सही कथन चुनू।

(A) कन्नड़ शाखा

(B) अरबी मूल

(C) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा

(D) केवल पश्चिमी यूरोपीय

३८०. परीक्षा-दृष्टिसँ अवहट्ठ साहित्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) धातु-सूची

(B) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री

(C) मौन सङ्केत

(D) केवल खेतक नाप

३८१. परीक्षा-दृष्टिसँ विद्यापति आ अवहट्ठ विषयक सही कथन चुनू।

(A) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि

(B) विद्यापति केवल आधुनिक गद्यकार

(C) विद्यापति द्रविड़ कवि

(D) अवहट्ठसँ कोनो सम्बन्ध नहि

३८२. परीक्षा-दृष्टिसँ संक्रमण विषयक सही कथन चुनू।

(A) एकाएक जन्म

(B) पूर्ण स्थिरता

(C) केवल लिपि-विन्यास

(D) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब

३८३. परीक्षा-दृष्टिसँ रूप-क्षय विषयक सही कथन चुनू।

(A) मूर्ति-विकास

(B) पत्रक मोटाई

(C) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब

(D) रंगक बढ़ोतरी

३८४. परीक्षा-दृष्टिसँ परसर्ग-वृद्धि विषयक सही कथन चुनू।

(A) स्वरक लोप मात्र

(B) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब

(C) सर्वनामक नाश

(D) केवल छन्दक टूटन

३८५. परीक्षा-दृष्टिसँ क्रिया-रूप परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन

(B) क्रियाक अभाव

(C) केवल संज्ञा

(D) मौन उच्चारण

३८६. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनिक सहजता विषयक सही कथन चुनू।

(A) कठिनताक स्थायी वृद्धि

(B) लिपिक अन्त

(C) अर्थक मृत्यु

(D) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब

३८७. परीक्षा-दृष्टिसँ लोक-तत्त्व विषयक सही कथन चुनू।

(A) सिर्फ देवभाषा

(B) चित्रक रेखा

(C) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव

(D) जन-विरोध

३८८. परीक्षा-दृष्टिसँ मिथिला-सम्बन्ध विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल मरुभूमि प्रभाव

(B) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण

(C) मिथिलासँ पूर्ण असम्बन्ध

(D) समुद्री द्वीपक भाषा

३८९. परीक्षा-दृष्टिसँ अवहट्ठक मिश्र-स्वरूप विषयक सही कथन चुनू।

(A) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप

(B) पूर्ण संस्कृत मात्र

(C) पूर्ण आधुनिकता बिना इतिहास

(D) अर्थहीन ध्वनि

३९०. परीक्षा-दृष्टिसँ साहित्यिक प्रतिष्ठा विषयक सही कथन चुनू।

(A) साहित्यक निषेध

(B) केवल राजकोष

(C) मौन गीत

(D) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल

३९१. परीक्षा-दृष्टिसँ वाक्यक्रम विषयक सही कथन चुनू।

(A) बिना वाक्यक भाषा

(B) केवल चित्रक्रम

(C) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति

(D) सदैव क्रिया-कर्ता-कर्म

३९२. परीक्षा-दृष्टिसँ सर्वनाम-विकास विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ

(C) सर्वनामक अभाव

(D) केवल रंग-नाम

३९३. परीक्षा-दृष्टिसँ अवहट्ठसँ पुरान मैथिली विषयक सही कथन चुनू।

(A) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता

(B) अवहट्ठक तुरन्त लोप

(C) संस्कृतक यथावत् नकल

(D) केवल विदेशी आयात

३९४. परीक्षा-दृष्टिसँ अपभ्रंश काव्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल खेतक गीत

(B) सैनिक संकेत

(C) निरर्थक लेख

(D) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत

३९५. परीक्षा-दृष्टिसँ अवहट्ठक सीमा विषयक सही कथन चुनू।

(A) अवहट्ठ संस्कृतसँ पहिल

(B) अवहट्ठ लिपि मात्र

(C) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण

(D) अवहट्ठ आ आधुनिक मैथिली पूर्ण समान

३९६. परीक्षा-दृष्टिसँ पुरान-नव पुल विषयक सही कथन चुनू।

(A) कथा-विरोध

(B) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़

(C) सम्पूर्ण टूटन

(D) मौन-अवरोध

३९७. परीक्षा-दृष्टिसँ उच्चारण-आधार विषयक सही कथन चुनू।

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि

(B) केवल शास्त्रीय अनुकरण

(C) भाषाहीनता

(D) लिपिक रंग

३९८. परीक्षा-दृष्टिसँ नव आर्य पूर्वपीठिका विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विकासक अन्त

(B) केवल वैदिक रूप

(C) कम्प्यूटरक मूल

(D) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी

३९९. परीक्षा-दृष्टिसँ अवहट्ठ अध्ययन विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल चित्र-दीर्घा

(B) खेलक नियम

(C) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ

(D) सिर्फ लोककथा

४००. परीक्षा-दृष्टिसँ अपभ्रंश-अवहट्ठ निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) पूर्ण विदेशी स्रोत

(B) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी

(C) अप्रासंगिक सजावट

(D) केवल लिपि-नाम

४०१. पुरान मैथिलीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप

(B) आधुनिक अंग्रेजी रूप

(C) केवल संस्कृतक प्रतिलिपि

(D) द्रविड़ शास्त्र भाषा

४०२. ज्योतिरीश्वरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) आधुनिक पत्रकार

(B) केवल चित्रकार

(C) वैज्ञानिक आविष्कारक

(D) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम

४०३. वर्णरत्नाकरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृत कोश मात्र

(B) गीत-संग्रह मात्र

(C) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

(D) आधुनिक उपन्यास

४०४. विद्यापतिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) आधुनिक समाचार सम्पादक

(B) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि

(C) केवल गद्य-अनुवादक

(D) चित्र-शिल्पी

४०५. विद्यापति पदावलीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप

(B) अर्थहीन छन्द

(C) केवल राजाज्ञा

(D) व्याकरण-सूत्र मात्र

४०६. मिथिला दरबारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल बाजार

(B) जंगलक चौकी

(C) मौन साधना

(D) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र

४०७. लोकगीतक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अक्षरहीन पत्थर

(B) आधुनिक विज्ञापन

(C) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत

(D) केवल शास्त्रीय सूत्र

४०८. पञ्जी परम्पराक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-कर मात्र

(B) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा

(C) मछली पालन

(D) चित्रक रंग

४०९. तिरहुता/मिथिलाक्षरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(B) केवल चित्रकला शैली

(C) दक्षिणी ब्राह्मी नहि

(D) मौन संकेत

४१०. देवनागरी प्रयोगक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल मौखिक रूप

(B) विदेशी ध्वनि

(C) कृषि उपकरण

(D) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप

४११. क्षेत्रीय विविधताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल शास्त्रीय संस्कृत

(B) मौन-बोली

(C) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप

(D) एकदम बिना भिन्नता

४१२. आदर-प्रणालीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपि-परिवर्तन मात्र

(B) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद

(C) आदरक कोनो रूप नहि

(D) केवल रंग-भेद

४१३. सर्वनाम-विविधताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली

(B) सर्वनाम रहित भाषा

(C) केवल धातु-रूप

(D) मौन संकेत

४१४. क्रिया-विकासक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल संस्कृत धातु ज्योंक त्यों

(B) क्रियाक अभाव

(C) चित्र-व्याकरण

(D) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा

४१५. कारक-परसर्गक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) परसर्गक अभाव

(B) रंगक प्रयोग

(C) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग

(D) संस्कृत विभक्तिक पूर्ण पुनरावृत्ति

४१६. मैथिली ध्वनिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विदेशी चिन्ह मात्र

(B) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता

(C) ध्वनिहीन भाषा

(D) केवल कागजक चिह्न

४१७. काव्यभाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप

(B) केवल मौन लेख

(C) गणित-तालिका

(D) खाली संकेत

४१८. गद्यभाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल गीतक टेक

(B) बिना वाक्यक शब्द

(C) चित्र-रेखा

(D) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा

४१९. धार्मिक साहित्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल बाजार भाव

(B) मौन नियम

(C) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन

(D) भाषासँ असम्बद्ध

४२०. लोक-समाजक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) धातु-सूची

(B) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार

(C) केवल राजकीय शास्त्र

(D) समाज-विहीन भाषा

४२१. आरम्भिक प्रमाणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य

(B) बिना स्रोतक कल्पना

(C) रंगीन अफवाह

(D) केवल अनुमान

४२२. प्राचीन मैथिली निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पूर्ण विदेशी जन्म

(B) एक दिनक आविष्कार

(C) केवल संस्कृतक नकल

(D) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति

४२३. मिथिला संस्कारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल युद्धक भाषा

(B) मौन परम्परा

(C) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार

(D) संस्कारसँ कोनो सम्बन्ध नहि

४२४. विद्वत् आ लोकक संगमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विद्याहीन मौन

(B) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन

(C) केवल एक पक्ष

(D) लोकक निषेध

४२५. मैथिली पहचानक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध

(B) केवल अक्षर-सूची

(C) स्थान-विहीन संकेत

(D) अर्थ-विनाश

४२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पुरान मैथिलीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) आधुनिक अंग्रेजी रूप

(B) केवल संस्कृतक प्रतिलिपि

(C) द्रविड़ शास्त्र भाषा

(D) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप

४२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ज्योतिरीश्वरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल चित्रकार

(B) वैज्ञानिक आविष्कारक

(C) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम

(D) आधुनिक पत्रकार

४२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे वर्णरत्नाकरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) गीत-संग्रह मात्र

(B) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

(C) आधुनिक उपन्यास

(D) संस्कृत कोश मात्र

४२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विद्यापतिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि

(B) केवल गद्य-अनुवादक

(C) चित्र-शिल्पी

(D) आधुनिक समाचार सम्पादक

४३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विद्यापति पदावलीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थहीन छन्द

(B) केवल राजाज्ञा

(C) व्याकरण-सूत्र मात्र

(D) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप

४३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मिथिला दरबारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जंगलक चौकी

(B) मौन साधना

(C) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र

(D) केवल बाजार

४३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोकगीतक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) आधुनिक विज्ञापन

(B) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत

(C) केवल शास्त्रीय सूत्र

(D) अक्षरहीन पत्थर

४३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पञ्जी परम्पराक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा

(B) मछली पालन

(C) चित्रक रंग

(D) कृषि-कर मात्र

४३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तिरहुता/मिथिलाक्षरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल चित्रकला शैली

(B) दक्षिणी ब्राह्मी नहि

(C) मौन संकेत

(D) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

४३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे देवनागरी प्रयोगक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विदेशी ध्वनि

(B) कृषि उपकरण

(C) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप

(D) केवल मौखिक रूप

४३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे क्षेत्रीय विविधताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन-बोली

(B) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप

(C) एकदम बिना भिन्नता

(D) केवल शास्त्रीय संस्कृत

४३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आदर-प्रणालीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद

(B) आदरक कोनो रूप नहि

(C) केवल रंग-भेद

(D) लिपि-परिवर्तन मात्र

४३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सर्वनाम-विविधताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सर्वनाम रहित भाषा

(B) केवल धातु-रूप

(C) मौन संकेत

(D) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली

४३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे क्रिया-विकासक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) क्रियाक अभाव

(B) चित्र-व्याकरण

(C) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा

(D) केवल संस्कृत धातु ज्योंक त्यों

४४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे कारक-परसर्गक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंगक प्रयोग

(B) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग

(C) संस्कृत विभक्तिक पूर्ण पुनरावृत्ति

(D) परसर्गक अभाव

४४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मैथिली ध्वनिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता

(B) ध्वनिहीन भाषा

(C) केवल कागजक चिह्न

(D) विदेशी चिन्ह मात्र

४४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे काव्यभाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल मौन लेख

(B) गणित-तालिका

(C) खाली संकेत

(D) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप

४४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे गद्यभाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) बिना वाक्यक शब्द

(B) चित्र-रेखा

(C) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा

(D) केवल गीतक टेक

४४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे धार्मिक साहित्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन नियम

(B) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) केवल बाजार भाव

४४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोक-समाजक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार

(B) केवल राजकीय शास्त्र

(C) समाज-विहीन भाषा

(D) धातु-सूची

४४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आरम्भिक प्रमाणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) बिना स्रोतक कल्पना

(B) रंगीन अफवाह

(C) केवल अनुमान

(D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य

४४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्राचीन मैथिली निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एक दिनक आविष्कार

(B) केवल संस्कृतक नकल

(C) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति

(D) पूर्ण विदेशी जन्म

४४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मिथिला संस्कारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन परम्परा

(B) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार

(C) संस्कारसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(D) केवल युद्धक भाषा

४४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विद्वत् आ लोकक संगमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन

(B) केवल एक पक्ष

(C) लोकक निषेध

(D) विद्याहीन मौन

४५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मैथिली पहचानक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल अक्षर-सूची

(B) स्थान-विहीन संकेत

(C) अर्थ-विनाश

(D) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध

४५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पुरान मैथिली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल संस्कृतक प्रतिलिपि

(B) द्रविड़ शास्त्र भाषा

(C) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप

(D) आधुनिक अंग्रेजी रूप

४५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ज्योतिरीश्वर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) वैज्ञानिक आविष्कारक

(B) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम

(C) आधुनिक पत्रकार

(D) केवल चित्रकार

४५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे वर्णरत्नाकर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

(B) आधुनिक उपन्यास

(C) संस्कृत कोश मात्र

(D) गीत-संग्रह मात्र

४५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विद्यापति सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल गद्य-अनुवादक

(B) चित्र-शिल्पी

(C) आधुनिक समाचार सम्पादक

(D) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि

४५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विद्यापति पदावली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल राजाज्ञा

(B) व्याकरण-सूत्र मात्र

(C) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप

(D) अर्थहीन छन्द

४५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मिथिला दरबार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन साधना

(B) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र

(C) केवल बाजार

(D) जंगलक चौकी

४५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोकगीत सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत

(B) केवल शास्त्रीय सूत्र

(C) अक्षरहीन पत्थर

(D) आधुनिक विज्ञापन

४५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पञ्जी परम्परा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मछली पालन

(B) चित्रक रंग

(C) कृषि-कर मात्र

(D) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा

४५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तिरहुता/मिथिलाक्षर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) दक्षिणी ब्राह्मी नहि

(B) मौन संकेत

(C) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(D) केवल चित्रकला शैली

४६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे देवनागरी प्रयोग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृषि उपकरण

(B) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप

(C) केवल मौखिक रूप

(D) विदेशी ध्वनि

४६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे क्षेत्रीय विविधता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप

(B) एकदम बिना भिन्नता

(C) केवल शास्त्रीय संस्कृत

(D) मौन-बोली

४६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आदर-प्रणाली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) आदरक कोनो रूप नहि

(B) केवल रंग-भेद

(C) लिपि-परिवर्तन मात्र

(D) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद

४६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सर्वनाम-विविधता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल धातु-रूप

(B) मौन संकेत

(C) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली

(D) सर्वनाम रहित भाषा

४६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे क्रिया-विकास सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्र-व्याकरण

(B) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा

(C) केवल संस्कृत धातु ज्योंक त्यों

(D) क्रियाक अभाव

४६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे कारक-परसर्ग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग

(B) संस्कृत विभक्तिक पूर्ण पुनरावृत्ति

(C) परसर्गक अभाव

(D) रंगक प्रयोग

४६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मैथिली ध्वनि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) ध्वनिहीन भाषा

(B) केवल कागजक चिह्न

(C) विदेशी चिन्ह मात्र

(D) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता

४६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे काव्यभाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) गणित-तालिका

(B) खाली संकेत

(C) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप

(D) केवल मौन लेख

४६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे गद्यभाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्र-रेखा

(B) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा

(C) केवल गीतक टेक

(D) बिना वाक्यक शब्द

४६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे धार्मिक साहित्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) केवल बाजार भाव

(D) मौन नियम

४७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोक-समाज सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल राजकीय शास्त्र

(B) समाज-विहीन भाषा

(C) धातु-सूची

(D) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार

४७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आरम्भिक प्रमाण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रंगीन अफवाह

(B) केवल अनुमान

(C) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य

(D) बिना स्रोतक कल्पना

४७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्राचीन मैथिली निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल संस्कृतक नकल

(B) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति

(C) पूर्ण विदेशी जन्म

(D) एक दिनक आविष्कार

४७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मिथिला संस्कार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार

(B) संस्कारसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(C) केवल युद्धक भाषा

(D) मौन परम्परा

४७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विद्वत् आ लोकक संगम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल एक पक्ष

(B) लोकक निषेध

(C) विद्याहीन मौन

(D) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन

४७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मैथिली पहचान सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्थान-विहीन संकेत

(B) अर्थ-विनाश

(C) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध

(D) केवल अक्षर-सूची

४७६. परीक्षा-दृष्टिसँ पुरान मैथिली विषयक सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ शास्त्र भाषा

(B) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप

(C) आधुनिक अंग्रेजी रूप

(D) केवल संस्कृतक प्रतिलिपि

४७७. परीक्षा-दृष्टिसँ ज्योतिरीश्वर विषयक सही कथन चुनू।

(A) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम

(B) आधुनिक पत्रकार

(C) केवल चित्रकार

(D) वैज्ञानिक आविष्कारक

४७८. परीक्षा-दृष्टिसँ वर्णरत्नाकर विषयक सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक उपन्यास

(B) संस्कृत कोश मात्र

(C) गीत-संग्रह मात्र

(D) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

४७९. परीक्षा-दृष्टिसँ विद्यापति विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्र-शिल्पी

(B) आधुनिक समाचार सम्पादक

(C) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि

(D) केवल गद्य-अनुवादक

४८०. परीक्षा-दृष्टिसँ विद्यापति पदावली विषयक सही कथन चुनू।

(A) व्याकरण-सूत्र मात्र

(B) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप

(C) अर्थहीन छन्द

(D) केवल राजाज्ञा

४८१. परीक्षा-दृष्टिसँ मिथिला दरबार विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र

(B) केवल बाजार

(C) जंगलक चौकी

(D) मौन साधना

४८२. परीक्षा-दृष्टिसँ लोकगीत विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल शास्त्रीय सूत्र

(B) अक्षरहीन पत्थर

(C) आधुनिक विज्ञापन

(D) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत

४८३. परीक्षा-दृष्टिसँ पञ्जी परम्परा विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक रंग

(B) कृषि-कर मात्र

(C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा

(D) मछली पालन

४८४. परीक्षा-दृष्टिसँ तिरहुता/मिथिलाक्षर विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(C) केवल चित्रकला शैली

(D) दक्षिणी ब्राह्मी नहि

४८५. परीक्षा-दृष्टिसँ देवनागरी प्रयोग विषयक सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप

(B) केवल मौखिक रूप

(C) विदेशी ध्वनि

(D) कृषि उपकरण

४८६. परीक्षा-दृष्टिसँ क्षेत्रीय विविधता विषयक सही कथन चुनू।

(A) एकदम बिना भिन्नता

(B) केवल शास्त्रीय संस्कृत

(C) मौन-बोली

(D) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप

४८७. परीक्षा-दृष्टिसँ आदर-प्रणाली विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल रंग-भेद

(B) लिपि-परिवर्तन मात्र

(C) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद

(D) आदरक कोनो रूप नहि

४८८. परीक्षा-दृष्टिसँ सर्वनाम-विविधता विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली

(C) सर्वनाम रहित भाषा

(D) केवल धातु-रूप

४८९. परीक्षा-दृष्टिसँ क्रिया-विकास विषयक सही कथन चुनू।

(A) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा

(B) केवल संस्कृत धातु ज्योंक त्यों

(C) क्रियाक अभाव

(D) चित्र-व्याकरण

४९०. परीक्षा-दृष्टिसँ कारक-परसर्ग विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत विभक्तिक पूर्ण पुनरावृत्ति

(B) परसर्गक अभाव

(C) रंगक प्रयोग

(D) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग

४९१. परीक्षा-दृष्टिसँ मैथिली ध्वनि विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल कागजक चिह्न

(B) विदेशी चिन्ह मात्र

(C) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता

(D) ध्वनिहीन भाषा

४९२. परीक्षा-दृष्टिसँ काव्यभाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) खाली संकेत

(B) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप

(C) केवल मौन लेख

(D) गणित-तालिका

४९३. परीक्षा-दृष्टिसँ गद्यभाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा

(B) केवल गीतक टेक

(C) बिना वाक्यक शब्द

(D) चित्र-रेखा

४९४. परीक्षा-दृष्टिसँ धार्मिक साहित्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) केवल बाजार भाव

(C) मौन नियम

(D) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन

४९५. परीक्षा-दृष्टिसँ लोक-समाज विषयक सही कथन चुनू।

(A) समाज-विहीन भाषा

(B) धातु-सूची

(C) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार

(D) केवल राजकीय शास्त्र

४९६. परीक्षा-दृष्टिसँ आरम्भिक प्रमाण विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल अनुमान

(B) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य

(C) बिना स्रोतक कल्पना

(D) रंगीन अफवाह

४९७. परीक्षा-दृष्टिसँ प्राचीन मैथिली निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति

(B) पूर्ण विदेशी जन्म

(C) एक दिनक आविष्कार

(D) केवल संस्कृतक नकल

४९८. परीक्षा-दृष्टिसँ मिथिला संस्कार विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कारसँ कोनो सम्बन्ध नहि

(B) केवल युद्धक भाषा

(C) मौन परम्परा

(D) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार

४९९. परीक्षा-दृष्टिसँ विद्वत् आ लोकक संगम विषयक सही कथन चुनू।

(A) लोकक निषेध

(B) विद्याहीन मौन

(C) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन

(D) केवल एक पक्ष

५००. परीक्षा-दृष्टिसँ मैथिली पहचान विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थ-विनाश

(B) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध

(C) केवल अक्षर-सूची

(D) स्थान-विहीन संकेत

५०१. स्वर-परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ

(B) केवल अर्थक विस्तार

(C) लिपिक रंग

(D) कथानक-विन्यास

५०२. व्यंजन-सरलीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) व्यंजनक पूर्ण अभाव

(B) कागजक आकार

(C) अर्थक नाश

(D) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब

५०३. नासिक्य ध्वनिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन संकेत

(B) गद्य-विन्यास

(C) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता

(D) लिपिक मात्र रंग

५०४. सन्धि-भंगक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) छन्द-वृद्धि

(B) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब

(C) अर्थक स्थायी बन्द

(D) लिपि-नाश

५०५. स्वराघातक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति

(B) भोजनक स्वाद

(C) कृषि-सीमा

(D) चित्रक रंग

५०६. उच्चारण-स्थानक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कविताक कथानक

(B) कृषि उपकरण

(C) पत्रिकाक नाम

(D) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान

५०७. तालव्यकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थक विस्तार मात्र

(B) मुद्रणक रंग

(C) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव

(D) ध्वनिक पूर्ण मौन

५०८. मूर्धन्य ध्वनिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थहीन रेखा

(B) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि

(C) केवल चिह्नक रंग

(D) संगीत वाद्य

५०९. महाप्राण-अल्पप्राणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद

(B) अर्थक उलटफेर मात्र

(C) कागजक आकार

(D) मौन संकेत

५१०. श, ष, स प्रवृत्तिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपिक सजावट मात्र

(B) क्रियाक काल

(C) समासक नाम

(D) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण

५११. र आ ल भेदक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कथाक पात्र

(B) अर्थक निषेध

(C) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार

(D) केवल संख्या-भेद

५१२. अनुस्वारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थ-विनाश

(B) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न

(C) स्वरक दीर्घता मात्र

(D) विरामक चिह्न मात्र

५१३. अनुनासिकक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) स्वरक नासिक्य उच्चारण

(B) मौन अक्षर

(C) कागजक दाग

(D) समास-चिह्न

५१४. ध्वनि-लोपक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनिक सदा वृद्धि

(B) अर्थक स्थिरता

(C) केवल चित्र-विकास

(D) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब

५१५. ध्वनि-आगमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपिक अन्त

(B) कविक नाम

(C) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ

(D) सदैव लोप

५१६. ध्वनि-परिवर्तनक नियमितताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मुद्रण-त्रुटि मात्र

(B) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति

(C) पूर्ण अराजकता

(D) केवल कविता

५१७. संयुक्ताक्षरक टूटनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब

(B) स्वरक अनिवार्य लोप

(C) लिपिक रंग

(D) कथा-विस्तार

५१८. स्वर-संकोचक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थक विस्तार मात्र

(B) पाठक बढ़ोतरी

(C) पत्रिकाक प्रसार

(D) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप

५१९. स्वर-विस्तारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) शब्दक मृत्यु

(B) चित्र-रेखा

(C) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप

(D) ध्वनिक अभाव

५२०. समानध्वन्यताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपिहीनता

(B) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब

(C) ध्वनिक पूर्ण भिन्नता

(D) अर्थक अन्त

५२१. उच्चारण आ लेखन अन्तरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता

(B) सदैव पूर्ण समानता

(C) लेखनक अभाव

(D) भाषा-विरोध

५२२. स्थानीय उच्चारणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संपूर्ण एकरूपता

(B) विदेशी नियंत्रण

(C) मौन प्रयोग

(D) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता

५२३. ध्वन्यात्मक पहचानक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थहीन चिह्न

(B) केवल राजकीय आदेश

(C) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ

(D) लिपि मात्र पहचान

५२४. ध्वनि-विकास निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल रंग बदलैत अछि

(B) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब

(C) ध्वनि स्थिर रहैत अछि

(D) ध्वनि अप्रासंगिक अछि

५२५. ध्वनि-साक्ष्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण

(B) बिना तुलना अनुमान

(C) चित्रक सजावट

(D) मौसमक विवरण

५२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे स्वर-परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल अर्थक विस्तार

(B) लिपिक रंग

(C) कथानक-विन्यास

(D) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ

५२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे व्यंजन-सरलीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कागजक आकार

(B) अर्थक नाश

(C) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब

(D) व्यंजनक पूर्ण अभाव

५२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे नासिक्य ध्वनिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) गद्य-विन्यास

(B) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता

(C) लिपिक मात्र रंग

(D) मौन संकेत

५२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सन्धि-भंगक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब

(B) अर्थक स्थायी बन्द

(C) लिपि-नाश

(D) छन्द-वृद्धि

५३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे स्वराघातक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भोजनक स्वाद

(B) कृषि-सीमा

(C) चित्रक रंग

(D) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति

५३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे उच्चारण-स्थानक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कृषि उपकरण

(B) पत्रिकाक नाम

(C) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान

(D) कविताक कथानक

५३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तालव्यकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मुद्रणक रंग

(B) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव

(C) ध्वनिक पूर्ण मौन

(D) अर्थक विस्तार मात्र

५३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मूर्धन्य ध्वनिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि

(B) केवल चिह्नक रंग

(C) संगीत वाद्य

(D) अर्थहीन रेखा

५३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे महाप्राण-अल्पप्राणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थक उलटफेर मात्र

(B) कागजक आकार

(C) मौन संकेत

(D) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद

५३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे श, ष, स प्रवृत्तिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) क्रियाक काल

(B) समासक नाम

(C) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण

(D) लिपिक सजावट मात्र

५३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे र आ ल भेदक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थक निषेध

(B) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार

(C) केवल संख्या-भेद

(D) कथाक पात्र

५३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अनुस्वारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न

(B) स्वरक दीर्घता मात्र

(C) विरामक चिह्न मात्र

(D) अर्थ-विनाश

५३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अनुनासिकक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन अक्षर

(B) कागजक दाग

(C) समास-चिह्न

(D) स्वरक नासिक्य उच्चारण

५३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-लोपक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) अर्थक स्थिरता

(B) केवल चित्र-विकास

(C) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब

(D) ध्वनिक सदा वृद्धि

५४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-आगमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कविक नाम

(B) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ

(C) सदैव लोप

(D) लिपिक अन्त

५४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-परिवर्तनक नियमितताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति

(B) पूर्ण अराजकता

(C) केवल कविता

(D) मुद्रण-त्रुटि मात्र

५४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संयुक्ताक्षरक टूटनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) स्वरक अनिवार्य लोप

(B) लिपिक रंग

(C) कथा-विस्तार

(D) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब

५४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे स्वर-संकोचक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पाठक बढ़ोतरी

(B) पत्रिकाक प्रसार

(C) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप

(D) अर्थक विस्तार मात्र

५४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे स्वर-विस्तारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्र-रेखा

(B) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप

(C) ध्वनिक अभाव

(D) शब्दक मृत्यु

५४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे समानध्वन्यताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब

(B) ध्वनिक पूर्ण भिन्नता

(C) अर्थक अन्त

(D) लिपिहीनता

५४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे उच्चारण आ लेखन अन्तरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सदैव पूर्ण समानता

(B) लेखनक अभाव

(C) भाषा-विरोध

(D) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता

५४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे स्थानीय उच्चारणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विदेशी नियंत्रण

(B) मौन प्रयोग

(C) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता

(D) संपूर्ण एकरूपता

५४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वन्यात्मक पहचानक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल राजकीय आदेश

(B) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ

(C) लिपि मात्र पहचान

(D) अर्थहीन चिह्न

५४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-विकास निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब

(B) ध्वनि स्थिर रहैत अछि

(C) ध्वनि अप्रासंगिक अछि

(D) केवल रंग बदलैत अछि

५५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ध्वनि-साक्ष्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) बिना तुलना अनुमान

(B) चित्रक सजावट

(C) मौसमक विवरण

(D) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण

५५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे स्वर-परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) कथानक-विन्यास

(C) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ

(D) केवल अर्थक विस्तार

५५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे व्यंजन-सरलीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थक नाश

(B) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब

(C) व्यंजनक पूर्ण अभाव

(D) कागजक आकार

५५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे नासिक्य ध्वनि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता

(B) लिपिक मात्र रंग

(C) मौन संकेत

(D) गद्य-विन्यास

५५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सन्धि-भंग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थक स्थायी बन्द

(B) लिपि-नाश

(C) छन्द-वृद्धि

(D) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब

५५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे स्वराघात सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृषि-सीमा

(B) चित्रक रंग

(C) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति

(D) भोजनक स्वाद

५५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे उच्चारण-स्थान सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पत्रिकाक नाम

(B) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान

(C) कविताक कथानक

(D) कृषि उपकरण

५५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तालव्यकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव

(B) ध्वनिक पूर्ण मौन

(C) अर्थक विस्तार मात्र

(D) मुद्रणक रंग

५५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मूर्धन्य ध्वनि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल चिह्नक रंग

(B) संगीत वाद्य

(C) अर्थहीन रेखा

(D) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि

५५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे महाप्राण-अल्पप्राण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कागजक आकार

(B) मौन संकेत

(C) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद

(D) अर्थक उलटफेर मात्र

५६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे श, ष, स प्रवृत्ति सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) समासक नाम

(B) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण

(C) लिपिक सजावट मात्र

(D) क्रियाक काल

५६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे र आ ल भेद सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार

(B) केवल संख्या-भेद

(C) कथाक पात्र

(D) अर्थक निषेध

५६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अनुस्वार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्वरक दीर्घता मात्र

(B) विरामक चिह्न मात्र

(C) अर्थ-विनाश

(D) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न

५६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अनुनासिक सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कागजक दाग

(B) समास-चिह्न

(C) स्वरक नासिक्य उच्चारण

(D) मौन अक्षर

५६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-लोप सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल चित्र-विकास

(B) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब

(C) ध्वनिक सदा वृद्धि

(D) अर्थक स्थिरता

५६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-आगम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ

(B) सदैव लोप

(C) लिपिक अन्त

(D) कविक नाम

५६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-परिवर्तनक नियमितता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पूर्ण अराजकता

(B) केवल कविता

(C) मुद्रण-त्रुटि मात्र

(D) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति

५६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संयुक्ताक्षरक टूटन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) कथा-विस्तार

(C) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब

(D) स्वरक अनिवार्य लोप

५६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे स्वर-संकोच सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पत्रिकाक प्रसार

(B) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप

(C) अर्थक विस्तार मात्र

(D) पाठक बढ़ोतरी

५६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे स्वर-विस्तार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप

(B) ध्वनिक अभाव

(C) शब्दक मृत्यु

(D) चित्र-रेखा

५७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे समानध्वन्यता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) ध्वनिक पूर्ण भिन्नता

(B) अर्थक अन्त

(C) लिपिहीनता

(D) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब

५७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे उच्चारण आ लेखन अन्तर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लेखनक अभाव

(B) भाषा-विरोध

(C) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता

(D) सदैव पूर्ण समानता

५७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे स्थानीय उच्चारण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन प्रयोग

(B) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता

(C) संपूर्ण एकरूपता

(D) विदेशी नियंत्रण

५७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वन्यात्मक पहचान सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ

(B) लिपि मात्र पहचान

(C) अर्थहीन चिह्न

(D) केवल राजकीय आदेश

५७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-विकास निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) ध्वनि स्थिर रहैत अछि

(B) ध्वनि अप्रासंगिक अछि

(C) केवल रंग बदलैत अछि

(D) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब

५७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ध्वनि-साक्ष्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रक सजावट

(B) मौसमक विवरण

(C) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण

(D) बिना तुलना अनुमान

५७६. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वर-परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) कथानक-विन्यास

(B) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ

(C) केवल अर्थक विस्तार

(D) लिपिक रंग

५७७. परीक्षा-दृष्टिसँ व्यंजन-सरलीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब

(B) व्यंजनक पूर्ण अभाव

(C) कागजक आकार

(D) अर्थक नाश

५७८. परीक्षा-दृष्टिसँ नासिक्य ध्वनि विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपिक मात्र रंग

(B) मौन संकेत

(C) गद्य-विन्यास

(D) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता

५७९. परीक्षा-दृष्टिसँ सन्धि-भंग विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपि-नाश

(B) छन्द-वृद्धि

(C) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब

(D) अर्थक स्थायी बन्द

५८०. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वराघात विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक रंग

(B) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति

(C) भोजनक स्वाद

(D) कृषि-सीमा

५८१. परीक्षा-दृष्टिसँ उच्चारण-स्थान विषयक सही कथन चुनू।

(A) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान

(B) कविताक कथानक

(C) कृषि उपकरण

(D) पत्रिकाक नाम

५८२. परीक्षा-दृष्टिसँ तालव्यकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) ध्वनिक पूर्ण मौन

(B) अर्थक विस्तार मात्र

(C) मुद्रणक रंग

(D) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव

५८३. परीक्षा-दृष्टिसँ मूर्धन्य ध्वनि विषयक सही कथन चुनू।

(A) संगीत वाद्य

(B) अर्थहीन रेखा

(C) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि

(D) केवल चिह्नक रंग

५८४. परीक्षा-दृष्टिसँ महाप्राण-अल्पप्राण विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद

(C) अर्थक उलटफेर मात्र

(D) कागजक आकार

५८५. परीक्षा-दृष्टिसँ श, ष, स प्रवृत्ति विषयक सही कथन चुनू।

(A) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण

(B) लिपिक सजावट मात्र

(C) क्रियाक काल

(D) समासक नाम

५८६. परीक्षा-दृष्टिसँ र आ ल भेद विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल संख्या-भेद

(B) कथाक पात्र

(C) अर्थक निषेध

(D) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार

५८७. परीक्षा-दृष्टिसँ अनुस्वार विषयक सही कथन चुनू।

(A) विरामक चिह्न मात्र

(B) अर्थ-विनाश

(C) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न

(D) स्वरक दीर्घता मात्र

५८८. परीक्षा-दृष्टिसँ अनुनासिक विषयक सही कथन चुनू।

(A) समास-चिह्न

(B) स्वरक नासिक्य उच्चारण

(C) मौन अक्षर

(D) कागजक दाग

५८९. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-लोप विषयक सही कथन चुनू।

(A) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब

(B) ध्वनिक सदा वृद्धि

(C) अर्थक स्थिरता

(D) केवल चित्र-विकास

५९०. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-आगम विषयक सही कथन चुनू।

(A) सदैव लोप

(B) लिपिक अन्त

(C) कविक नाम

(D) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ

५९१. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-परिवर्तनक नियमितता विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल कविता

(B) मुद्रण-त्रुटि मात्र

(C) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति

(D) पूर्ण अराजकता

५९२. परीक्षा-दृष्टिसँ संयुक्ताक्षरक टूटन विषयक सही कथन चुनू।

(A) कथा-विस्तार

(B) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब

(C) स्वरक अनिवार्य लोप

(D) लिपिक रंग

५९३. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वर-संकोच विषयक सही कथन चुनू।

(A) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप

(B) अर्थक विस्तार मात्र

(C) पाठक बढ़ोतरी

(D) पत्रिकाक प्रसार

५९४. परीक्षा-दृष्टिसँ स्वर-विस्तार विषयक सही कथन चुनू।

(A) ध्वनिक अभाव

(B) शब्दक मृत्यु

(C) चित्र-रेखा

(D) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप

५९५. परीक्षा-दृष्टिसँ समानध्वन्यता विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थक अन्त

(B) लिपिहीनता

(C) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब

(D) ध्वनिक पूर्ण भिन्नता

५९६. परीक्षा-दृष्टिसँ उच्चारण आ लेखन अन्तर विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विरोध

(B) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता

(C) सदैव पूर्ण समानता

(D) लेखनक अभाव

५९७. परीक्षा-दृष्टिसँ स्थानीय उच्चारण विषयक सही कथन चुनू।

(A) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता

(B) संपूर्ण एकरूपता

(C) विदेशी नियंत्रण

(D) मौन प्रयोग

५९८. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वन्यात्मक पहचान विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपि मात्र पहचान

(B) अर्थहीन चिह्न

(C) केवल राजकीय आदेश

(D) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ

५९९. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-विकास निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) ध्वनि अप्रासंगिक अछि

(B) केवल रंग बदलैत अछि

(C) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब

(D) ध्वनि स्थिर रहैत अछि

६००. परीक्षा-दृष्टिसँ ध्वनि-साक्ष्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौसमक विवरण

(B) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण

(C) बिना तुलना अनुमान

(D) चित्रक सजावट

६०१. संज्ञा-रूपक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप

(B) केवल क्रिया

(C) रंग-सूची

(D) मौन संकेत

६०२. सर्वनामक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल संज्ञा

(B) संगीत ताल

(C) कृषि-औजार

(D) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

६०३. आदर-सूचक रूपक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल रंगक भेद

(B) लिपि-विन्यास

(C) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ

(D) आदरक अभाव

६०४. कारकक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनिक लोप

(B) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध

(C) गीतक धुन

(D) चित्रक आकार

६०५. परसर्गक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द

(B) पूर्वसर्ग मात्र

(C) अर्थहीन रेखा

(D) मौन-ध्वनि

६०६. क्रियाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल संज्ञा

(B) चित्र-चिह्न

(C) मौन संकेत

(D) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द

६०७. धातुक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कागजक जिल्द

(B) लिपिक रंग

(C) क्रियाक मूल रूप

(D) शब्दकोशक पृष्ठ

६०८. कालक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन भाव

(B) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत

(C) स्थानक नाम

(D) गाछक आकार

६०९. पक्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध

(B) रंगक पक्ष

(C) पुस्तकक आकार

(D) संज्ञाक लिंग मात्र

६१०. भावक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनिक रंग

(B) समास मात्र

(C) मौसम

(D) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव

६११. नकारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) काव्यक छन्द

(B) चित्रक शीर्षक

(C) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत

(D) स्वीकृतिक चिह्न

६१२. वचनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) धातु-विनाश

(B) एकवचन/बहुवचनक अर्थ

(C) केवल काल

(D) लिपि-आकार

६१३. लिंगक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत

(B) केवल वचन

(C) नदीक धारा

(D) मौन

६१४. विशेषणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल क्रिया

(B) ध्वनिक स्थान

(C) पत्रिकाक नाम

(D) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द

६१५. अव्ययक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-उपकरण

(B) चित्रकला

(C) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द

(D) विभक्ति मात्र

६१६. शब्द-क्रमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल अक्षरक्रम

(B) वाक्यमे पदक क्रम

(C) सदैव क्रिया पहिने

(D) क्रमक अभाव

६१७. सहायक क्रियाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप

(B) मुख्य संज्ञा

(C) स्वर-चिह्न

(D) मौन-विराम

६१८. क्रिया-सम्बन्धक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनि-विन्यास मात्र

(B) रंग-सजावट

(C) पत्रक जिल्द

(D) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल

६१९. प्रत्ययक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-पर्व

(B) लिपि-मात्र

(C) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश

(D) अलग वाक्य

६२०. उपसर्गक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्र-संकेत

(B) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश

(C) परसर्गक समान सदैव

(D) पिछला विराम

६२१. रूपिमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई

(B) सबसे पैघ ग्रन्थ

(C) मौन-स्वर

(D) रंग-दाग

६२२. पुरुषक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल वचन

(B) छन्द-नाम

(C) पुस्तकक रंग

(D) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद

६२३. रूप-सरलीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थक नाश

(B) लिपिक बदलाब मात्र

(C) पुरान जटिल रूपक सरल होएब

(D) जटिलताक सदा वृद्धि

६२४. विश्लेषणात्मकताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्र-संकेत

(B) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति

(C) पूर्ण संश्लेषण मात्र

(D) मौनव्याकरण

६२५. रूप-विकास निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली

(B) संस्कृतक यथावत प्रतिलिपि

(C) व्याकरणहीन भाषा

(D) केवल लिपिक रूप

६२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संज्ञा-रूपक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल क्रिया

(B) रंग-सूची

(C) मौन संकेत

(D) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप

६२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सर्वनामक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संगीत ताल

(B) कृषि-औजार

(C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

(D) केवल संज्ञा

६२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आदर-सूचक रूपक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपि-विन्यास

(B) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ

(C) आदरक अभाव

(D) केवल रंगक भेद

६२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे कारकक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध

(B) गीतक धुन

(C) चित्रक आकार

(D) ध्वनिक लोप

६३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे परसर्गक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पूर्वसर्ग मात्र

(B) अर्थहीन रेखा

(C) मौन-ध्वनि

(D) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द

६३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे क्रियाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्र-चिह्न

(B) मौन संकेत

(C) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द

(D) केवल संज्ञा

६३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे धातुक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) क्रियाक मूल रूप

(C) शब्दकोशक पृष्ठ

(D) कागजक जिल्द

६३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे कालक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत

(B) स्थानक नाम

(C) गाछक आकार

(D) मौन भाव

६३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पक्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंगक पक्ष

(B) पुस्तकक आकार

(C) संज्ञाक लिंग मात्र

(D) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध

६३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भावक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) समास मात्र

(B) मौसम

(C) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव

(D) ध्वनिक रंग

६३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे नकारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्रक शीर्षक

(B) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत

(C) स्वीकृतिक चिह्न

(D) काव्यक छन्द

६३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे वचनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एकवचन/बहुवचनक अर्थ

(B) केवल काल

(C) लिपि-आकार

(D) धातु-विनाश

६३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लिंगक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल वचन

(B) नदीक धारा

(C) मौन

(D) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत

६३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विशेषणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनिक स्थान

(B) पत्रिकाक नाम

(C) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द

(D) केवल क्रिया

६४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अव्ययक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्रकला

(B) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द

(C) विभक्ति मात्र

(D) कृषि-उपकरण

६४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्द-क्रमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) वाक्यमे पदक क्रम

(B) सदैव क्रिया पहिने

(C) क्रमक अभाव

(D) केवल अक्षरक्रम

६४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सहायक क्रियाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मुख्य संज्ञा

(B) स्वर-चिह्न

(C) मौन-विराम

(D) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप

६४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे क्रिया-सम्बन्धक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंग-सजावट

(B) पत्रक जिल्द

(C) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल

(D) ध्वनि-विन्यास मात्र

६४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्रत्ययक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपि-मात्र

(B) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश

(C) अलग वाक्य

(D) कृषि-पर्व

६४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे उपसर्गक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश

(B) परसर्गक समान सदैव

(C) पिछला विराम

(D) चित्र-संकेत

६४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे रूपिमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सबसे पैघ ग्रन्थ

(B) मौन-स्वर

(C) रंग-दाग

(D) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई

६४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पुरुषक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) छन्द-नाम

(B) पुस्तकक रंग

(C) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद

(D) केवल वचन

६४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे रूप-सरलीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपिक बदलाब मात्र

(B) पुरान जटिल रूपक सरल होएब

(C) जटिलताक सदा वृद्धि

(D) अर्थक नाश

६४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विश्लेषणात्मकताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति

(B) पूर्ण संश्लेषण मात्र

(C) मौनव्याकरण

(D) चित्र-संकेत

६५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे रूप-विकास निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) संस्कृतक यथावत प्रतिलिपि

(B) व्याकरणहीन भाषा

(C) केवल लिपिक रूप

(D) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली

६५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संज्ञा-रूप सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रंग-सूची

(B) मौन संकेत

(C) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप

(D) केवल क्रिया

६५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सर्वनाम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृषि-औजार

(B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

(C) केवल संज्ञा

(D) संगीत ताल

६५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आदर-सूचक रूप सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ

(B) आदरक अभाव

(C) केवल रंगक भेद

(D) लिपि-विन्यास

६५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे कारक सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) गीतक धुन

(B) चित्रक आकार

(C) ध्वनिक लोप

(D) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध

६५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे परसर्ग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थहीन रेखा

(B) मौन-ध्वनि

(C) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द

(D) पूर्वसर्ग मात्र

६५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे क्रिया सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन संकेत

(B) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द

(C) केवल संज्ञा

(D) चित्र-चिह्न

६५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे धातु सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) क्रियाक मूल रूप

(B) शब्दकोशक पृष्ठ

(C) कागजक जिल्द

(D) लिपिक रंग

६५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे काल सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्थानक नाम

(B) गाछक आकार

(C) मौन भाव

(D) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत

६५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पक्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पुस्तकक आकार

(B) संज्ञाक लिंग मात्र

(C) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध

(D) रंगक पक्ष

६६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाव सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौसम

(B) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव

(C) ध्वनिक रंग

(D) समास मात्र

६६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे नकार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत

(B) स्वीकृतिक चिह्न

(C) काव्यक छन्द

(D) चित्रक शीर्षक

६६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे वचन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल काल

(B) लिपि-आकार

(C) धातु-विनाश

(D) एकवचन/बहुवचनक अर्थ

६६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लिंग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) नदीक धारा

(B) मौन

(C) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत

(D) केवल वचन

६६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विशेषण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पत्रिकाक नाम

(B) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द

(C) केवल क्रिया

(D) ध्वनिक स्थान

६६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अव्यय सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द

(B) विभक्ति मात्र

(C) कृषि-उपकरण

(D) चित्रकला

६६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्द-क्रम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सदैव क्रिया पहिने

(B) क्रमक अभाव

(C) केवल अक्षरक्रम

(D) वाक्यमे पदक क्रम

६६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सहायक क्रिया सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्वर-चिह्न

(B) मौन-विराम

(C) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप

(D) मुख्य संज्ञा

६६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे क्रिया-सम्बन्ध सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पत्रक जिल्द

(B) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल

(C) ध्वनि-विन्यास मात्र

(D) रंग-सजावट

६६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्रत्यय सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश

(B) अलग वाक्य

(C) कृषि-पर्व

(D) लिपि-मात्र

६७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे उपसर्ग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) परसर्गक समान सदैव

(B) पिछला विराम

(C) चित्र-संकेत

(D) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश

६७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे रूपिम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-स्वर

(B) रंग-दाग

(C) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई

(D) सबसे पैघ ग्रन्थ

६७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पुरुष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पुस्तकक रंग

(B) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद

(C) केवल वचन

(D) छन्द-नाम

६७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे रूप-सरलीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पुरान जटिल रूपक सरल होएब

(B) जटिलताक सदा वृद्धि

(C) अर्थक नाश

(D) लिपिक बदलाब मात्र

६७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विश्लेषणात्मकता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पूर्ण संश्लेषण मात्र

(B) मौनव्याकरण

(C) चित्र-संकेत

(D) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति

६७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे रूप-विकास निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) व्याकरणहीन भाषा

(B) केवल लिपिक रूप

(C) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली

(D) संस्कृतक यथावत प्रतिलिपि

६७६. परीक्षा-दृष्टिसँ संज्ञा-रूप विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप

(C) केवल क्रिया

(D) रंग-सूची

६७७. परीक्षा-दृष्टिसँ सर्वनाम विषयक सही कथन चुनू।

(A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

(B) केवल संज्ञा

(C) संगीत ताल

(D) कृषि-औजार

६७८. परीक्षा-दृष्टिसँ आदर-सूचक रूप विषयक सही कथन चुनू।

(A) आदरक अभाव

(B) केवल रंगक भेद

(C) लिपि-विन्यास

(D) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ

६७९. परीक्षा-दृष्टिसँ कारक विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक आकार

(B) ध्वनिक लोप

(C) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध

(D) गीतक धुन

६८०. परीक्षा-दृष्टिसँ परसर्ग विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-ध्वनि

(B) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द

(C) पूर्वसर्ग मात्र

(D) अर्थहीन रेखा

६८१. परीक्षा-दृष्टिसँ क्रिया विषयक सही कथन चुनू।

(A) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द

(B) केवल संज्ञा

(C) चित्र-चिह्न

(D) मौन संकेत

६८२. परीक्षा-दृष्टिसँ धातु विषयक सही कथन चुनू।

(A) शब्दकोशक पृष्ठ

(B) कागजक जिल्द

(C) लिपिक रंग

(D) क्रियाक मूल रूप

६८३. परीक्षा-दृष्टिसँ काल विषयक सही कथन चुनू।

(A) गाछक आकार

(B) मौन भाव

(C) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत

(D) स्थानक नाम

६८४. परीक्षा-दृष्टिसँ पक्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) संज्ञाक लिंग मात्र

(B) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध

(C) रंगक पक्ष

(D) पुस्तकक आकार

६८५. परीक्षा-दृष्टिसँ भाव विषयक सही कथन चुनू।

(A) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव

(B) ध्वनिक रंग

(C) समास मात्र

(D) मौसम

६८६. परीक्षा-दृष्टिसँ नकार विषयक सही कथन चुनू।

(A) स्वीकृतिक चिह्न

(B) काव्यक छन्द

(C) चित्रक शीर्षक

(D) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत

६८७. परीक्षा-दृष्टिसँ वचन विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपि-आकार

(B) धातु-विनाश

(C) एकवचन/बहुवचनक अर्थ

(D) केवल काल

६८८. परीक्षा-दृष्टिसँ लिंग विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन

(B) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत

(C) केवल वचन

(D) नदीक धारा

६८९. परीक्षा-दृष्टिसँ विशेषण विषयक सही कथन चुनू।

(A) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द

(B) केवल क्रिया

(C) ध्वनिक स्थान

(D) पत्रिकाक नाम

६९०. परीक्षा-दृष्टिसँ अव्यय विषयक सही कथन चुनू।

(A) विभक्ति मात्र

(B) कृषि-उपकरण

(C) चित्रकला

(D) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द

६९१. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्द-क्रम विषयक सही कथन चुनू।

(A) क्रमक अभाव

(B) केवल अक्षरक्रम

(C) वाक्यमे पदक क्रम

(D) सदैव क्रिया पहिने

६९२. परीक्षा-दृष्टिसँ सहायक क्रिया विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-विराम

(B) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप

(C) मुख्य संज्ञा

(D) स्वर-चिह्न

६९३. परीक्षा-दृष्टिसँ क्रिया-सम्बन्ध विषयक सही कथन चुनू।

(A) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल

(B) ध्वनि-विन्यास मात्र

(C) रंग-सजावट

(D) पत्रक जिल्द

६९४. परीक्षा-दृष्टिसँ प्रत्यय विषयक सही कथन चुनू।

(A) अलग वाक्य

(B) कृषि-पर्व

(C) लिपि-मात्र

(D) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश

६९५. परीक्षा-दृष्टिसँ उपसर्ग विषयक सही कथन चुनू।

(A) पिछला विराम

(B) चित्र-संकेत

(C) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश

(D) परसर्गक समान सदैव

६९६. परीक्षा-दृष्टिसँ रूपिम विषयक सही कथन चुनू।

(A) रंग-दाग

(B) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई

(C) सबसे पैघ ग्रन्थ

(D) मौन-स्वर

६९७. परीक्षा-दृष्टिसँ पुरुष विषयक सही कथन चुनू।

(A) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद

(B) केवल वचन

(C) छन्द-नाम

(D) पुस्तकक रंग

६९८. परीक्षा-दृष्टिसँ रूप-सरलीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) जटिलताक सदा वृद्धि

(B) अर्थक नाश

(C) लिपिक बदलाब मात्र

(D) पुरान जटिल रूपक सरल होएब

६९९. परीक्षा-दृष्टिसँ विश्लेषणात्मकता विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौनव्याकरण

(B) चित्र-संकेत

(C) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति

(D) पूर्ण संश्लेषण मात्र

७००. परीक्षा-दृष्टिसँ रूप-विकास निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल लिपिक रूप

(B) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली

(C) संस्कृतक यथावत प्रतिलिपि

(D) व्याकरणहीन भाषा

७०१. तत्सम शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द

(B) स्थानीय लोक-उत्पन्न शब्द

(C) दोसरा परभाषासँ आयल शब्द

(D) अर्थहीन ध्वनि

७०२. तद्भव शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अपरिवर्तित तत्सम

(B) विदेशी शब्द

(C) केवल लिपि चिह्न

(D) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप

७०३. देशज शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) दूरदेशी उधार

(B) मौन संकेत

(C) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द

(D) संस्कृतक अपरिवर्तित शब्द

७०४. आगन्तुक शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपि-विन्यास

(B) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द

(C) स्थानीय मूल शब्द

(D) कृषि-औजार

७०५. अर्थ-विस्तारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब

(B) ध्वनि-लोप

(C) लिपि-भंग

(D) अर्थक केवल संकोच

७०६. अर्थ-संकोचक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ध्वनि-वृद्धि

(B) सदा विस्तार

(C) लिपि-परिवर्तन मात्र

(D) शब्दक अर्थ सीमित होएब

७०७. अर्थ-परिवर्तनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौनक नियम

(B) चित्र-विन्यास

(C) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ

(D) सदैव समान अर्थ

७०८. लोक-शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विदेशी चिह्न

(B) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द

(C) केवल शास्त्र-सूत्र

(D) बिना अर्थक ध्वनि

७०९. कृषि शब्दावलीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा

(B) समुद्री शब्द मात्र

(C) धातु-विज्ञान

(D) मौन पद्धति

७१०. परिवारिक शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल युद्ध-शब्द

(B) रंगक नाम

(C) मौसम संकेत

(D) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द

७११. संस्कार शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन-अभ्यास

(B) विदेशी नक्शा

(C) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द

(D) उद्योग-यंत्र मात्र

७१२. धार्मिक शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थहीन रेखा

(B) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द

(C) केवल खेलक शब्द

(D) कागजक नाम

७१३. विद्वत् शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद

(B) केवल हाट-बाजार

(C) गाछ-पात मात्र

(D) मौन वाद्य

७१४. मुहावराक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) साधारण अक्षर-सूची

(B) लिपिक आकार

(C) केवल धातु

(D) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग

७१५. लोकोक्तिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) अर्थहीन मौन

(B) कागज-रंग

(C) लोक-अनुभवसँ बनल कथन

(D) केवल शास्त्रीय गणित

७१६. पर्यायवाचीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन सूत्र

(B) निकट अर्थक अलग शब्द

(C) विपरीत ध्वनि

(D) एके अक्षर

७१७. द्विरुक्तिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) शब्द वा ध्वनिक दोहराव

(B) एकदम निषिद्ध रूप

(C) लिपि-विनाश

(D) अर्थहीनता मात्र

७१८. समासित शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल मौखिक विराम

(B) ध्वनि-लोप मात्र

(C) चित्रक नाम

(D) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द

७१९. नवशब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) पुरान शब्दक निषेध

(B) मौन संकेत

(C) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द

(D) भाषा-विनाश

७२०. अनुवाद-जन्य शब्दक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्र-अनुकरण

(B) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द

(C) शब्दक लोप

(D) केवल ध्वनि

७२१. शब्द-स्तरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व

(B) एकमात्र स्रोत

(C) पूर्ण खाली शब्दकोश

(D) केवल विदेशी प्रभाव

७२२. शब्द-विकासक साक्ष्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) बिना अर्थक ध्वनि

(B) सिर्फ चित्र

(C) मौसम संकेत

(D) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ

७२३. व्युत्पत्तिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) चित्रकला नियम

(B) आकाश-परीक्षा

(C) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन

(D) कविताक मात्र रस

७२४. शब्द-प्रयोगक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल अक्षर-गणना

(B) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार

(C) सन्दर्भविहीन शब्द

(D) मौन-ध्वनि

७२५. शब्द-विकास निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम

(B) शब्दक विकास नहि होइत

(C) केवल लिपि बदलैत

(D) अर्थ अप्रासंगिक अछि

७२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तत्सम शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) स्थानीय लोक-उत्पन्न शब्द

(B) दोसरा परभाषासँ आयल शब्द

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द

७२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तद्भव शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विदेशी शब्द

(B) केवल लिपि चिह्न

(C) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप

(D) अपरिवर्तित तत्सम

७२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे देशज शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन संकेत

(B) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द

(C) संस्कृतक अपरिवर्तित शब्द

(D) दूरदेशी उधार

७२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आगन्तुक शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द

(B) स्थानीय मूल शब्द

(C) कृषि-औजार

(D) लिपि-विन्यास

७३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अर्थ-विस्तारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनि-लोप

(B) लिपि-भंग

(C) अर्थक केवल संकोच

(D) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब

७३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अर्थ-संकोचक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सदा विस्तार

(B) लिपि-परिवर्तन मात्र

(C) शब्दक अर्थ सीमित होएब

(D) ध्वनि-वृद्धि

७३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अर्थ-परिवर्तनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्र-विन्यास

(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ

(C) सदैव समान अर्थ

(D) मौनक नियम

७३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोक-शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द

(B) केवल शास्त्र-सूत्र

(C) बिना अर्थक ध्वनि

(D) विदेशी चिह्न

७३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे कृषि शब्दावलीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) समुद्री शब्द मात्र

(B) धातु-विज्ञान

(C) मौन पद्धति

(D) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा

७३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे परिवारिक शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंगक नाम

(B) मौसम संकेत

(C) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द

(D) केवल युद्ध-शब्द

७३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संस्कार शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विदेशी नक्शा

(B) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द

(C) उद्योग-यंत्र मात्र

(D) मौन-अभ्यास

७३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे धार्मिक शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द

(B) केवल खेलक शब्द

(C) कागजक नाम

(D) अर्थहीन रेखा

७३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विद्वत् शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल हाट-बाजार

(B) गाछ-पात मात्र

(C) मौन वाद्य

(D) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद

७३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मुहावराक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपिक आकार

(B) केवल धातु

(C) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग

(D) साधारण अक्षर-सूची

७४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लोकोक्तिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कागज-रंग

(B) लोक-अनुभवसँ बनल कथन

(C) केवल शास्त्रीय गणित

(D) अर्थहीन मौन

७४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पर्यायवाचीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) निकट अर्थक अलग शब्द

(B) विपरीत ध्वनि

(C) एके अक्षर

(D) मौन सूत्र

७४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे द्विरुक्तिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एकदम निषिद्ध रूप

(B) लिपि-विनाश

(C) अर्थहीनता मात्र

(D) शब्द वा ध्वनिक दोहराव

७४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे समासित शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनि-लोप मात्र

(B) चित्रक नाम

(C) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द

(D) केवल मौखिक विराम

७४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे नवशब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन संकेत

(B) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द

(C) भाषा-विनाश

(D) पुरान शब्दक निषेध

७४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अनुवाद-जन्य शब्दक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द

(B) शब्दक लोप

(C) केवल ध्वनि

(D) चित्र-अनुकरण

७४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्द-स्तरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) एकमात्र स्रोत

(B) पूर्ण खाली शब्दकोश

(C) केवल विदेशी प्रभाव

(D) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व

७४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्द-विकासक साक्ष्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सिर्फ चित्र

(B) मौसम संकेत

(C) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ

(D) बिना अर्थक ध्वनि

७४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे व्युत्पत्तिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) आकाश-परीक्षा

(B) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन

(C) कविताक मात्र रस

(D) चित्रकला नियम

७४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्द-प्रयोगक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार

(B) सन्दर्भविहीन शब्द

(C) मौन-ध्वनि

(D) केवल अक्षर-गणना

७५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्द-विकास निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) शब्दक विकास नहि होइत

(B) केवल लिपि बदलैत

(C) अर्थ अप्रासंगिक अछि

(D) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम

७५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तत्सम शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) दोसरा परभाषासँ आयल शब्द

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द

(D) स्थानीय लोक-उत्पन्न शब्द

७५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तद्भव शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल लिपि चिह्न

(B) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप

(C) अपरिवर्तित तत्सम

(D) विदेशी शब्द

७५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे देशज शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द

(B) संस्कृतक अपरिवर्तित शब्द

(C) दूरदेशी उधार

(D) मौन संकेत

७५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आगन्तुक शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्थानीय मूल शब्द

(B) कृषि-औजार

(C) लिपि-विन्यास

(D) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द

७५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अर्थ-विस्तार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपि-भंग

(B) अर्थक केवल संकोच

(C) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब

(D) ध्वनि-लोप

७५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अर्थ-संकोच सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपि-परिवर्तन मात्र

(B) शब्दक अर्थ सीमित होएब

(C) ध्वनि-वृद्धि

(D) सदा विस्तार

७५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अर्थ-परिवर्तन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ

(B) सदैव समान अर्थ

(C) मौनक नियम

(D) चित्र-विन्यास

७५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोक-शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल शास्त्र-सूत्र

(B) बिना अर्थक ध्वनि

(C) विदेशी चिह्न

(D) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द

७५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे कृषि शब्दावली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) धातु-विज्ञान

(B) मौन पद्धति

(C) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा

(D) समुद्री शब्द मात्र

७६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे परिवारिक शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौसम संकेत

(B) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द

(C) केवल युद्ध-शब्द

(D) रंगक नाम

७६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संस्कार शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द

(B) उद्योग-यंत्र मात्र

(C) मौन-अभ्यास

(D) विदेशी नक्शा

७६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे धार्मिक शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल खेलक शब्द

(B) कागजक नाम

(C) अर्थहीन रेखा

(D) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द

७६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विद्वत् शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) गाछ-पात मात्र

(B) मौन वाद्य

(C) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद

(D) केवल हाट-बाजार

७६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मुहावरा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल धातु

(B) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग

(C) साधारण अक्षर-सूची

(D) लिपिक आकार

७६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लोकोक्ति सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लोक-अनुभवसँ बनल कथन

(B) केवल शास्त्रीय गणित

(C) अर्थहीन मौन

(D) कागज-रंग

७६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पर्यायवाची सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) विपरीत ध्वनि

(B) एके अक्षर

(C) मौन सूत्र

(D) निकट अर्थक अलग शब्द

७६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे द्विरुक्ति सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपि-विनाश

(B) अर्थहीनता मात्र

(C) शब्द वा ध्वनिक दोहराव

(D) एकदम निषिद्ध रूप

७६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे समासित शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रक नाम

(B) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द

(C) केवल मौखिक विराम

(D) ध्वनि-लोप मात्र

७६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे नवशब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द

(B) भाषा-विनाश

(C) पुरान शब्दक निषेध

(D) मौन संकेत

७७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अनुवाद-जन्य शब्द सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) शब्दक लोप

(B) केवल ध्वनि

(C) चित्र-अनुकरण

(D) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द

७७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्द-स्तर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पूर्ण खाली शब्दकोश

(B) केवल विदेशी प्रभाव

(C) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व

(D) एकमात्र स्रोत

७७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्द-विकासक साक्ष्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौसम संकेत

(B) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ

(C) बिना अर्थक ध्वनि

(D) सिर्फ चित्र

७७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे व्युत्पत्ति सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन

(B) कविताक मात्र रस

(C) चित्रकला नियम

(D) आकाश-परीक्षा

७७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्द-प्रयोग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) सन्दर्भविहीन शब्द

(B) मौन-ध्वनि

(C) केवल अक्षर-गणना

(D) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार

७७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्द-विकास निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल लिपि बदलैत

(B) अर्थ अप्रासंगिक अछि

(C) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम

(D) शब्दक विकास नहि होइत

७७६. परीक्षा-दृष्टिसँ तत्सम शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द

(C) स्थानीय लोक-उत्पन्न शब्द

(D) दोसरा परभाषासँ आयल शब्द

७७७. परीक्षा-दृष्टिसँ तद्भव शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप

(B) अपरिवर्तित तत्सम

(C) विदेशी शब्द

(D) केवल लिपि चिह्न

७७८. परीक्षा-दृष्टिसँ देशज शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) संस्कृतक अपरिवर्तित शब्द

(B) दूरदेशी उधार

(C) मौन संकेत

(D) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द

७७९. परीक्षा-दृष्टिसँ आगन्तुक शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) कृषि-औजार

(B) लिपि-विन्यास

(C) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द

(D) स्थानीय मूल शब्द

७८०. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्थ-विस्तार विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थक केवल संकोच

(B) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब

(C) ध्वनि-लोप

(D) लिपि-भंग

७८१. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्थ-संकोच विषयक सही कथन चुनू।

(A) शब्दक अर्थ सीमित होएब

(B) ध्वनि-वृद्धि

(C) सदा विस्तार

(D) लिपि-परिवर्तन मात्र

७८२. परीक्षा-दृष्टिसँ अर्थ-परिवर्तन विषयक सही कथन चुनू।

(A) सदैव समान अर्थ

(B) मौनक नियम

(C) चित्र-विन्यास

(D) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ

७८३. परीक्षा-दृष्टिसँ लोक-शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) बिना अर्थक ध्वनि

(B) विदेशी चिह्न

(C) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द

(D) केवल शास्त्र-सूत्र

७८४. परीक्षा-दृष्टिसँ कृषि शब्दावली विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन पद्धति

(B) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा

(C) समुद्री शब्द मात्र

(D) धातु-विज्ञान

७८५. परीक्षा-दृष्टिसँ परिवारिक शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द

(B) केवल युद्ध-शब्द

(C) रंगक नाम

(D) मौसम संकेत

७८६. परीक्षा-दृष्टिसँ संस्कार शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) उद्योग-यंत्र मात्र

(B) मौन-अभ्यास

(C) विदेशी नक्शा

(D) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द

७८७. परीक्षा-दृष्टिसँ धार्मिक शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) कागजक नाम

(B) अर्थहीन रेखा

(C) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द

(D) केवल खेलक शब्द

७८८. परीक्षा-दृष्टिसँ विद्वत् शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन वाद्य

(B) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद

(C) केवल हाट-बाजार

(D) गाछ-पात मात्र

७८९. परीक्षा-दृष्टिसँ मुहावरा विषयक सही कथन चुनू।

(A) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग

(B) साधारण अक्षर-सूची

(C) लिपिक आकार

(D) केवल धातु

७९०. परीक्षा-दृष्टिसँ लोकोक्ति विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल शास्त्रीय गणित

(B) अर्थहीन मौन

(C) कागज-रंग

(D) लोक-अनुभवसँ बनल कथन

७९१. परीक्षा-दृष्टिसँ पर्यायवाची विषयक सही कथन चुनू।

(A) एके अक्षर

(B) मौन सूत्र

(C) निकट अर्थक अलग शब्द

(D) विपरीत ध्वनि

७९२. परीक्षा-दृष्टिसँ द्विरुक्ति विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थहीनता मात्र

(B) शब्द वा ध्वनिक दोहराव

(C) एकदम निषिद्ध रूप

(D) लिपि-विनाश

७९३. परीक्षा-दृष्टिसँ समासित शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द

(B) केवल मौखिक विराम

(C) ध्वनि-लोप मात्र

(D) चित्रक नाम

७९४. परीक्षा-दृष्टिसँ नवशब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विनाश

(B) पुरान शब्दक निषेध

(C) मौन संकेत

(D) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द

७९५. परीक्षा-दृष्टिसँ अनुवाद-जन्य शब्द विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल ध्वनि

(B) चित्र-अनुकरण

(C) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द

(D) शब्दक लोप

७९६. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्द-स्तर विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल विदेशी प्रभाव

(B) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व

(C) एकमात्र स्रोत

(D) पूर्ण खाली शब्दकोश

७९७. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्द-विकासक साक्ष्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ

(B) बिना अर्थक ध्वनि

(C) सिर्फ चित्र

(D) मौसम संकेत

७९८. परीक्षा-दृष्टिसँ व्युत्पत्ति विषयक सही कथन चुनू।

(A) कविताक मात्र रस

(B) चित्रकला नियम

(C) आकाश-परीक्षा

(D) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन

७९९. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्द-प्रयोग विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-ध्वनि

(B) केवल अक्षर-गणना

(C) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार

(D) सन्दर्भविहीन शब्द

८००. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्द-विकास निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) अर्थ अप्रासंगिक अछि

(B) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम

(C) शब्दक विकास नहि होइत

(D) केवल लिपि बदलैत

८०१. तिरहुताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(B) आधुनिक खेलक नाम

(C) विदेशी व्यंजन

(D) कृषि औजार

८०२. मिथिलाक्षरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) फारसी लिपि

(B) चित्रकला मात्र

(C) मौन संकेत

(D) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम

८०३. देवनागरीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) प्राकृत ध्वनि

(B) कृषि-परम्परा

(C) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि

(D) केवल संगीत-वाद्य

८०४. पाण्डुलिपिक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) रंगीन पोशाक

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख

(C) मौखिक अफवाह

(D) कम्प्यूटर खेल

८०५. पञ्जीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा

(B) धानक बखार

(C) नदीक नाव

(D) चित्रक रंग

८०६. वर्णरत्नाकरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) आधुनिक विज्ञान ग्रन्थ

(B) केवल गीत-संग्रह

(C) समाचारपत्र

(D) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

८०७. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विदेशी यात्री

(B) वैज्ञानिक

(C) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार

(D) आधुनिक उपन्यासकार मात्र

८०८. विद्यापति पदक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि तालिका

(B) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण

(C) केवल राजाज्ञा

(D) मौन शिलालेख

८०९. कीर्तनिया परम्पराक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा

(B) केवल गद्य-निबन्ध

(C) समुद्री यात्रा

(D) मौन-साधना

८१०. नेपालक मैथिली नाटकक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल आधुनिक विज्ञापन

(B) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(C) चित्रलिपि अभ्यास

(D) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री

८११. अभिलेखक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन संकेत

(B) नृत्यक ताल

(C) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य

(D) केवल लोककथा

८१२. ताम्रपत्रक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) बिना अक्षरक चित्र

(B) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज

(C) संगीत वाद्य

(D) कृषि औजार

८१३. मुद्रणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार

(B) भाषा-विनाश

(C) मौन ध्वनि

(D) धातु-खनन

८१४. सम्पादनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कागज फाड़ब

(B) रंग भरब

(C) मौन राखब

(D) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज

८१५. पाठान्तरक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) सदैव शून्य भेद

(B) कृषि-नाप

(C) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप

(D) एके रंग

८१६. भाषिक साक्ष्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) व्यक्तिगत मत मात्र

(B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण

(C) बिना प्रमाणक अफवाह

(D) चित्रक सजावट

८१७. साहित्यिक साक्ष्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा

(B) साक्ष्य-विहीन मौन

(C) केवल खेल

(D) धातु-यंत्र

८१८. लिप्यन्तरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषा-नाश

(B) ध्वनिक समाप्ति

(C) रंग बदलनाइ मात्र

(D) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण

८१९. यूनिकोडक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि कर

(B) लोकगीतक ताल

(C) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था

(D) मध्यकालीन छन्द

८२०. डिजिटल पाठक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल चित्रक फ्रेम

(B) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ

(C) मौन पाण्डुलिपि

(D) कागज-विहीन अर्थहीनता

८२१. लिपि आ भाषाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक

(B) लिपि आ भाषा पूर्ण समान

(C) भाषा केवल अक्षर

(D) लिपि बिना ध्वनि असम्भव

८२२. ग्रन्थ-सूचीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-सूची

(B) चित्रक रंग-सूची

(C) अर्थहीन अक्षर

(D) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची

८२३. संग्रहालय/अभिलेखागारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन मैदान

(B) ध्वनि-स्थल

(C) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था

(D) सिर्फ हाट-बाजार

८२४. पाठ-समालोचनाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-मूल्य

(B) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति

(C) बिना जाँच स्वीकार

(D) चित्र-विन्यास मात्र

८२५. लिपि-साहित्य निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार

(B) लिखित प्रमाण अप्रासंगिक

(C) केवल मौखिक कल्पना

(D) भाषा बिना पाठ

८२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे तिरहुताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) आधुनिक खेलक नाम

(B) विदेशी व्यंजन

(C) कृषि औजार

(D) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

८२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मिथिलाक्षरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्रकला मात्र

(B) मौन संकेत

(C) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम

(D) फारसी लिपि

८२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे देवनागरीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कृषि-परम्परा

(B) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि

(C) केवल संगीत-वाद्य

(D) प्राकृत ध्वनि

८२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पाण्डुलिपिक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख

(B) मौखिक अफवाह

(C) कम्प्यूटर खेल

(D) रंगीन पोशाक

८३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पञ्जीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) धानक बखार

(B) नदीक नाव

(C) चित्रक रंग

(D) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा

८३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे वर्णरत्नाकरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल गीत-संग्रह

(B) समाचारपत्र

(C) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

(D) आधुनिक विज्ञान ग्रन्थ

८३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ज्योतिरीश्वर ठाकुरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) वैज्ञानिक

(B) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार

(C) आधुनिक उपन्यासकार मात्र

(D) विदेशी यात्री

८३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे विद्यापति पदक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण

(B) केवल राजाज्ञा

(C) मौन शिलालेख

(D) कृषि तालिका

८३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे कीर्तनिया परम्पराक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल गद्य-निबन्ध

(B) समुद्री यात्रा

(C) मौन-साधना

(D) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा

८३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे नेपालक मैथिली नाटकक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(B) चित्रलिपि अभ्यास

(C) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री

(D) केवल आधुनिक विज्ञापन

८३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अभिलेखक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) नृत्यक ताल

(B) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य

(C) केवल लोककथा

(D) मौन संकेत

८३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ताम्रपत्रक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज

(B) संगीत वाद्य

(C) कृषि औजार

(D) बिना अक्षरक चित्र

८३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मुद्रणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा-विनाश

(B) मौन ध्वनि

(C) धातु-खनन

(D) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार

८३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सम्पादनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) रंग भरब

(B) मौन राखब

(C) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज

(D) कागज फाड़ब

८४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पाठान्तरक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कृषि-नाप

(B) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप

(C) एके रंग

(D) सदैव शून्य भेद

८४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषिक साक्ष्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण

(B) बिना प्रमाणक अफवाह

(C) चित्रक सजावट

(D) व्यक्तिगत मत मात्र

८४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे साहित्यिक साक्ष्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) साक्ष्य-विहीन मौन

(B) केवल खेल

(C) धातु-यंत्र

(D) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा

८४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लिप्यन्तरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनिक समाप्ति

(B) रंग बदलनाइ मात्र

(C) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण

(D) भाषा-नाश

८४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे यूनिकोडक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लोकगीतक ताल

(B) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था

(C) मध्यकालीन छन्द

(D) कृषि कर

८४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे डिजिटल पाठक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ

(B) मौन पाण्डुलिपि

(C) कागज-विहीन अर्थहीनता

(D) केवल चित्रक फ्रेम

८४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लिपि आ भाषाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिपि आ भाषा पूर्ण समान

(B) भाषा केवल अक्षर

(C) लिपि बिना ध्वनि असम्भव

(D) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक

८४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ग्रन्थ-सूचीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्रक रंग-सूची

(B) अर्थहीन अक्षर

(C) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची

(D) कृषि-सूची

८४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संग्रहालय/अभिलेखागारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) ध्वनि-स्थल

(B) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था

(C) सिर्फ हाट-बाजार

(D) मौन मैदान

८४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पाठ-समालोचनाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति

(B) बिना जाँच स्वीकार

(C) चित्र-विन्यास मात्र

(D) कृषि-मूल्य

८५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे लिपि-साहित्य निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) लिखित प्रमाण अप्रासंगिक

(B) केवल मौखिक कल्पना

(C) भाषा बिना पाठ

(D) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार

८५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे तिरहुता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) विदेशी व्यंजन

(B) कृषि औजार

(C) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(D) आधुनिक खेलक नाम

८५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मिथिलाक्षर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन संकेत

(B) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम

(C) फारसी लिपि

(D) चित्रकला मात्र

८५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे देवनागरी सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि

(B) केवल संगीत-वाद्य

(C) प्राकृत ध्वनि

(D) कृषि-परम्परा

८५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पाण्डुलिपि सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौखिक अफवाह

(B) कम्प्यूटर खेल

(C) रंगीन पोशाक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख

८५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पञ्जी सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) नदीक नाव

(B) चित्रक रंग

(C) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा

(D) धानक बखार

८५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे वर्णरत्नाकर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) समाचारपत्र

(B) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

(C) आधुनिक विज्ञान ग्रन्थ

(D) केवल गीत-संग्रह

८५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ज्योतिरीश्वर ठाकुर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार

(B) आधुनिक उपन्यासकार मात्र

(C) विदेशी यात्री

(D) वैज्ञानिक

८५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे विद्यापति पद सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल राजाज्ञा

(B) मौन शिलालेख

(C) कृषि तालिका

(D) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण

८५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे कीर्तनिया परम्परा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) समुद्री यात्रा

(B) मौन-साधना

(C) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा

(D) केवल गद्य-निबन्ध

८६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे नेपालक मैथिली नाटक सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्रलिपि अभ्यास

(B) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री

(C) केवल आधुनिक विज्ञापन

(D) मैथिलीसँ असम्बद्ध

८६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अभिलेख सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य

(B) केवल लोककथा

(C) मौन संकेत

(D) नृत्यक ताल

८६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ताम्रपत्र सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) संगीत वाद्य

(B) कृषि औजार

(C) बिना अक्षरक चित्र

(D) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज

८६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मुद्रण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन ध्वनि

(B) धातु-खनन

(C) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार

(D) भाषा-विनाश

८६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सम्पादन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन राखब

(B) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज

(C) कागज फाड़ब

(D) रंग भरब

८६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पाठान्तर सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप

(B) एके रंग

(C) सदैव शून्य भेद

(D) कृषि-नाप

८६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषिक साक्ष्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) बिना प्रमाणक अफवाह

(B) चित्रक सजावट

(C) व्यक्तिगत मत मात्र

(D) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण

८६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे साहित्यिक साक्ष्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल खेल

(B) धातु-यंत्र

(C) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा

(D) साक्ष्य-विहीन मौन

८६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लिप्यन्तरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) रंग बदलनाइ मात्र

(B) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण

(C) भाषा-नाश

(D) ध्वनिक समाप्ति

८६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे यूनिकोड सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था

(B) मध्यकालीन छन्द

(C) कृषि कर

(D) लोकगीतक ताल

८७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे डिजिटल पाठ सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन पाण्डुलिपि

(B) कागज-विहीन अर्थहीनता

(C) केवल चित्रक फ्रेम

(D) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ

८७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लिपि आ भाषा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषा केवल अक्षर

(B) लिपि बिना ध्वनि असम्भव

(C) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक

(D) लिपि आ भाषा पूर्ण समान

८७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ग्रन्थ-सूची सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अर्थहीन अक्षर

(B) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची

(C) कृषि-सूची

(D) चित्रक रंग-सूची

८७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संग्रहालय/अभिलेखागार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था

(B) सिर्फ हाट-बाजार

(C) मौन मैदान

(D) ध्वनि-स्थल

८७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पाठ-समालोचना सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) बिना जाँच स्वीकार

(B) चित्र-विन्यास मात्र

(C) कृषि-मूल्य

(D) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति

८७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे लिपि-साहित्य निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल मौखिक कल्पना

(B) भाषा बिना पाठ

(C) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार

(D) लिखित प्रमाण अप्रासंगिक

८७६. परीक्षा-दृष्टिसँ तिरहुता विषयक सही कथन चुनू।

(A) कृषि औजार

(B) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(C) आधुनिक खेलक नाम

(D) विदेशी व्यंजन

८७७. परीक्षा-दृष्टिसँ मिथिलाक्षर विषयक सही कथन चुनू।

(A) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम

(B) फारसी लिपि

(C) चित्रकला मात्र

(D) मौन संकेत

८७८. परीक्षा-दृष्टिसँ देवनागरी विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल संगीत-वाद्य

(B) प्राकृत ध्वनि

(C) कृषि-परम्परा

(D) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि

८७९. परीक्षा-दृष्टिसँ पाण्डुलिपि विषयक सही कथन चुनू।

(A) कम्प्यूटर खेल

(B) रंगीन पोशाक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख

(D) मौखिक अफवाह

८८०. परीक्षा-दृष्टिसँ पञ्जी विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक रंग

(B) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा

(C) धानक बखार

(D) नदीक नाव

८८१. परीक्षा-दृष्टिसँ वर्णरत्नाकर विषयक सही कथन चुनू।

(A) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ

(B) आधुनिक विज्ञान ग्रन्थ

(C) केवल गीत-संग्रह

(D) समाचारपत्र

८८२. परीक्षा-दृष्टिसँ ज्योतिरीश्वर ठाकुर विषयक सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक उपन्यासकार मात्र

(B) विदेशी यात्री

(C) वैज्ञानिक

(D) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार

८८३. परीक्षा-दृष्टिसँ विद्यापति पद विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन शिलालेख

(B) कृषि तालिका

(C) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण

(D) केवल राजाज्ञा

८८४. परीक्षा-दृष्टिसँ कीर्तनिया परम्परा विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-साधना

(B) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा

(C) केवल गद्य-निबन्ध

(D) समुद्री यात्रा

८८५. परीक्षा-दृष्टिसँ नेपालक मैथिली नाटक विषयक सही कथन चुनू।

(A) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री

(B) केवल आधुनिक विज्ञापन

(C) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(D) चित्रलिपि अभ्यास

८८६. परीक्षा-दृष्टिसँ अभिलेख विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल लोककथा

(B) मौन संकेत

(C) नृत्यक ताल

(D) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य

८८७. परीक्षा-दृष्टिसँ ताम्रपत्र विषयक सही कथन चुनू।

(A) कृषि औजार

(B) बिना अक्षरक चित्र

(C) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज

(D) संगीत वाद्य

८८८. परीक्षा-दृष्टिसँ मुद्रण विषयक सही कथन चुनू।

(A) धातु-खनन

(B) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार

(C) भाषा-विनाश

(D) मौन ध्वनि

८८९. परीक्षा-दृष्टिसँ सम्पादन विषयक सही कथन चुनू।

(A) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज

(B) कागज फाड़ब

(C) रंग भरब

(D) मौन राखब

८९०. परीक्षा-दृष्टिसँ पाठान्तर विषयक सही कथन चुनू।

(A) एके रंग

(B) सदैव शून्य भेद

(C) कृषि-नाप

(D) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप

८९१. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषिक साक्ष्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक सजावट

(B) व्यक्तिगत मत मात्र

(C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण

(D) बिना प्रमाणक अफवाह

८९२. परीक्षा-दृष्टिसँ साहित्यिक साक्ष्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) धातु-यंत्र

(B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा

(C) साक्ष्य-विहीन मौन

(D) केवल खेल

८९३. परीक्षा-दृष्टिसँ लिप्यन्तरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण

(B) भाषा-नाश

(C) ध्वनिक समाप्ति

(D) रंग बदलनाइ मात्र

८९४. परीक्षा-दृष्टिसँ यूनिकोड विषयक सही कथन चुनू।

(A) मध्यकालीन छन्द

(B) कृषि कर

(C) लोकगीतक ताल

(D) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था

८९५. परीक्षा-दृष्टिसँ डिजिटल पाठ विषयक सही कथन चुनू।

(A) कागज-विहीन अर्थहीनता

(B) केवल चित्रक फ्रेम

(C) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ

(D) मौन पाण्डुलिपि

८९६. परीक्षा-दृष्टिसँ लिपि आ भाषा विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपि बिना ध्वनि असम्भव

(B) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक

(C) लिपि आ भाषा पूर्ण समान

(D) भाषा केवल अक्षर

८९७. परीक्षा-दृष्टिसँ ग्रन्थ-सूची विषयक सही कथन चुनू।

(A) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची

(B) कृषि-सूची

(C) चित्रक रंग-सूची

(D) अर्थहीन अक्षर

८९८. परीक्षा-दृष्टिसँ संग्रहालय/अभिलेखागार विषयक सही कथन चुनू।

(A) सिर्फ हाट-बाजार

(B) मौन मैदान

(C) ध्वनि-स्थल

(D) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था

८९९. परीक्षा-दृष्टिसँ पाठ-समालोचना विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्र-विन्यास मात्र

(B) कृषि-मूल्य

(C) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति

(D) बिना जाँच स्वीकार

९००. परीक्षा-दृष्टिसँ लिपि-साहित्य निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा बिना पाठ

(B) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार

(C) लिखित प्रमाण अप्रासंगिक

(D) केवल मौखिक कल्पना

९०१. मुद्रण-युगक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार

(B) भाषाक लोप

(C) लिपिहीन मौन

(D) केवल हस्तलिखित गुप्तता

९०२. पत्र-पत्रिकाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल कृषि-पत्रक

(B) मौन-अभ्यास

(C) भाषा-विरोध

(D) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम

९०३. मानकीकरणक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल स्थानीय गुप्त रूप

(B) भाषिक विनाश

(C) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ

(D) पूर्ण अराजकता

९०४. शिक्षाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि मात्र

(B) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन

(C) भाषा-विरोध

(D) मौन-संस्कृति

९०५. भाषा-आन्दोलनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास

(B) भाषा छोड़बाक प्रयास

(C) केवल मौन-सभा

(D) चित्रक प्रदर्शनी

९०६. संवैधानिक मान्यताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषाक निषेध

(B) केवल निजी बोली

(C) मौन नोंद

(D) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान

९०७. साहित्य अकादेमीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) खेल संघ

(B) मौन समूह

(C) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था

(D) कृषि विभाग

९०८. मैथिली पत्रकारिताक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) विदेशी संकेत

(B) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन

(C) केवल मौखिक गीत

(D) लिपि-विहीनता

९०९. आधुनिक गद्यक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा

(B) केवल गीत मात्र

(C) मौन-वचन

(D) छन्दक अभाव

९१०. अनुवादक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ज्ञानक बन्द

(B) भाषा-विरोध

(C) कागजक रंग

(D) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया

९११. शब्दकोशक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) खेतक नाप

(B) मौन सूची

(C) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार

(D) चित्र-संग्रह मात्र

९१२. व्याकरण-ग्रन्थक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कृषि-पंचांग

(B) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन

(C) बिना नियमक शोर

(D) चित्रक छाया

९१३. रेडियो-मंचक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार

(B) केवल हस्तलिखित पाण्डुलिपि

(C) लिपिक बन्द

(D) मौन लेखन

९१४. दूरदर्शन/दृश्य माध्यमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल पत्थर अभिलेख

(B) मौन भाषण

(C) धातु लेख

(D) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच

९१५. वेब-पत्रिकाक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषा-विनाश

(B) मौन संकेत

(C) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका

(D) केवल पाण्डुलिपि

९१६. सामाजिक माध्यमक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) ताम्रपत्र मात्र

(B) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच

(C) भाषा-संपर्कक अभाव

(D) केवल राजदरबार

९१७. डिजिटल फान्टक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक

(B) कृषि-बीज

(C) मौन-विराम

(D) कथा-पात्र

९१८. ई-पुस्तकक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) मौन ग्रन्थ

(B) कागजक नाश मात्र

(C) खेलक नियम

(D) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक

९१९. भाषा-तकनीकक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) केवल कृषि तकनीक

(B) चित्र-सजावट

(C) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन

(D) भाषाक विरोधी यंत्र

९२०. शोधक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) बिना स्रोत कथा

(B) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन

(C) अफवाह

(D) मात्र अनुमान

९२१. समकालीन लेखनक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति

(B) भाषाक अन्त

(C) पुरातनता मात्र

(D) मौन परम्परा

९२२. भाषिक अधिकारक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषा-त्याग

(B) मौन नीतिसभ

(C) कृषि कर

(D) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध

९२३. प्रवासी मैथिलीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) भाषिक मृत्यु

(B) मौन समुदाय

(C) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग

(D) केवल क्षेत्रमे सीमित भाषा

९२४. आधुनिक चुनौतीक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) सभी प्रयोग समान

(B) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न

(C) कोनो चुनौती नहि

(D) भाषा स्थिर पत्थर

९२५. आधुनिक निष्कर्षक सन्दर्भमे सही बात की अछि?

(A) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास

(B) विकासक अन्त

(C) पूर्ण मौन

(D) केवल अतीत

९२६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मुद्रण-युगक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषाक लोप

(B) लिपिहीन मौन

(C) केवल हस्तलिखित गुप्तता

(D) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार

९२७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे पत्र-पत्रिकाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन-अभ्यास

(B) भाषा-विरोध

(C) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम

(D) केवल कृषि-पत्रक

९२८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मानकीकरणक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषिक विनाश

(B) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ

(C) पूर्ण अराजकता

(D) केवल स्थानीय गुप्त रूप

९२९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शिक्षाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन

(B) भाषा-विरोध

(C) मौन-संस्कृति

(D) कृषि मात्र

९३०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषा-आन्दोलनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा छोड़बाक प्रयास

(B) केवल मौन-सभा

(C) चित्रक प्रदर्शनी

(D) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास

९३१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे संवैधानिक मान्यताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल निजी बोली

(B) मौन नोंद

(C) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान

(D) भाषाक निषेध

९३२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे साहित्य अकादेमीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन समूह

(B) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था

(C) कृषि विभाग

(D) खेल संघ

९३३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे मैथिली पत्रकारिताक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन

(B) केवल मौखिक गीत

(C) लिपि-विहीनता

(D) विदेशी संकेत

९३४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आधुनिक गद्यक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल गीत मात्र

(B) मौन-वचन

(C) छन्दक अभाव

(D) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा

९३५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे अनुवादक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषा-विरोध

(B) कागजक रंग

(C) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया

(D) ज्ञानक बन्द

९३६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शब्दकोशक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन सूची

(B) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार

(C) चित्र-संग्रह मात्र

(D) खेतक नाप

९३७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे व्याकरण-ग्रन्थक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन

(B) बिना नियमक शोर

(C) चित्रक छाया

(D) कृषि-पंचांग

९३८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे रेडियो-मंचक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) केवल हस्तलिखित पाण्डुलिपि

(B) लिपिक बन्द

(C) मौन लेखन

(D) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार

९३९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे दूरदर्शन/दृश्य माध्यमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन भाषण

(B) धातु लेख

(C) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच

(D) केवल पत्थर अभिलेख

९४०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे वेब-पत्रिकाक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन संकेत

(B) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका

(C) केवल पाण्डुलिपि

(D) भाषा-विनाश

९४१. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे सामाजिक माध्यमक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच

(B) भाषा-संपर्कक अभाव

(C) केवल राजदरबार

(D) ताम्रपत्र मात्र

९४२. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे डिजिटल फान्टक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कृषि-बीज

(B) मौन-विराम

(C) कथा-पात्र

(D) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक

९४३. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे ई-पुस्तकक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) कागजक नाश मात्र

(B) खेलक नियम

(C) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक

(D) मौन ग्रन्थ

९४४. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषा-तकनीकक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) चित्र-सजावट

(B) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन

(C) भाषाक विरोधी यंत्र

(D) केवल कृषि तकनीक

९४५. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे शोधक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन

(B) अफवाह

(C) मात्र अनुमान

(D) बिना स्रोत कथा

९४६. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे समकालीन लेखनक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) भाषाक अन्त

(B) पुरातनता मात्र

(C) मौन परम्परा

(D) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति

९४७. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे भाषिक अधिकारक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन नीतिसभ

(B) कृषि कर

(C) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध

(D) भाषा-त्याग

९४८. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे प्रवासी मैथिलीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मौन समुदाय

(B) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग

(C) केवल क्षेत्रमे सीमित भाषा

(D) भाषिक मृत्यु

९४९. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आधुनिक चुनौतीक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न

(B) कोनो चुनौती नहि

(C) भाषा स्थिर पत्थर

(D) सभी प्रयोग समान

९५०. मैथिली भाषाक उत्पत्ति-विकासमे आधुनिक निष्कर्षक भूमिका की मानल जाइत अछि?

(A) विकासक अन्त

(B) पूर्ण मौन

(C) केवल अतीत

(D) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास

९५१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मुद्रण-युग सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिहीन मौन

(B) केवल हस्तलिखित गुप्तता

(C) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार

(D) भाषाक लोप

९५२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे पत्र-पत्रिका सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषा-विरोध

(B) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम

(C) केवल कृषि-पत्रक

(D) मौन-अभ्यास

९५३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मानकीकरण सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ

(B) पूर्ण अराजकता

(C) केवल स्थानीय गुप्त रूप

(D) भाषिक विनाश

९५४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शिक्षा सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषा-विरोध

(B) मौन-संस्कृति

(C) कृषि मात्र

(D) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन

९५५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषा-आन्दोलन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल मौन-सभा

(B) चित्रक प्रदर्शनी

(C) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास

(D) भाषा छोड़बाक प्रयास

९५६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे संवैधानिक मान्यता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन नोंद

(B) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान

(C) भाषाक निषेध

(D) केवल निजी बोली

९५७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे साहित्य अकादेमी सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था

(B) कृषि विभाग

(C) खेल संघ

(D) मौन समूह

९५८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे मैथिली पत्रकारिता सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल मौखिक गीत

(B) लिपि-विहीनता

(C) विदेशी संकेत

(D) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन

९५९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आधुनिक गद्य सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-वचन

(B) छन्दक अभाव

(C) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा

(D) केवल गीत मात्र

९६०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे अनुवाद सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कागजक रंग

(B) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया

(C) ज्ञानक बन्द

(D) भाषा-विरोध

९६१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शब्दकोश सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार

(B) चित्र-संग्रह मात्र

(C) खेतक नाप

(D) मौन सूची

९६२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे व्याकरण-ग्रन्थ सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) बिना नियमक शोर

(B) चित्रक छाया

(C) कृषि-पंचांग

(D) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन

९६३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे रेडियो-मंच सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) लिपिक बन्द

(B) मौन लेखन

(C) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार

(D) केवल हस्तलिखित पाण्डुलिपि

९६४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे दूरदर्शन/दृश्य माध्यम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) धातु लेख

(B) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच

(C) केवल पत्थर अभिलेख

(D) मौन भाषण

९६५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे वेब-पत्रिका सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका

(B) केवल पाण्डुलिपि

(C) भाषा-विनाश

(D) मौन संकेत

९६६. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे सामाजिक माध्यम सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषा-संपर्कक अभाव

(B) केवल राजदरबार

(C) ताम्रपत्र मात्र

(D) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच

९६७. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे डिजिटल फान्ट सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन-विराम

(B) कथा-पात्र

(C) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक

(D) कृषि-बीज

९६८. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे ई-पुस्तक सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) खेलक नियम

(B) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक

(C) मौन ग्रन्थ

(D) कागजक नाश मात्र

९६९. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषा-तकनीक सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन

(B) भाषाक विरोधी यंत्र

(C) केवल कृषि तकनीक

(D) चित्र-सजावट

९७०. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे शोध सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) अफवाह

(B) मात्र अनुमान

(C) बिना स्रोत कथा

(D) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन

९७१. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे समकालीन लेखन सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पुरातनता मात्र

(B) मौन परम्परा

(C) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति

(D) भाषाक अन्त

९७२. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे भाषिक अधिकार सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृषि कर

(B) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध

(C) भाषा-त्याग

(D) मौन नीतिसभ

९७३. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे प्रवासी मैथिली सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग

(B) केवल क्षेत्रमे सीमित भाषा

(C) भाषिक मृत्यु

(D) मौन समुदाय

९७४. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आधुनिक चुनौती सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) कोनो चुनौती नहि

(B) भाषा स्थिर पत्थर

(C) सभी प्रयोग समान

(D) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न

९७५. संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली क्रममे आधुनिक निष्कर्ष सँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

(A) पूर्ण मौन

(B) केवल अतीत

(C) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास

(D) विकासक अन्त

९७६. परीक्षा-दृष्टिसँ मुद्रण-युग विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल हस्तलिखित गुप्तता

(B) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार

(C) भाषाक लोप

(D) लिपिहीन मौन

९७७. परीक्षा-दृष्टिसँ पत्र-पत्रिका विषयक सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम

(B) केवल कृषि-पत्रक

(C) मौन-अभ्यास

(D) भाषा-विरोध

९७८. परीक्षा-दृष्टिसँ मानकीकरण विषयक सही कथन चुनू।

(A) पूर्ण अराजकता

(B) केवल स्थानीय गुप्त रूप

(C) भाषिक विनाश

(D) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ

९७९. परीक्षा-दृष्टिसँ शिक्षा विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन-संस्कृति

(B) कृषि मात्र

(C) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन

(D) भाषा-विरोध

९८०. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषा-आन्दोलन विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक प्रदर्शनी

(B) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास

(C) भाषा छोड़बाक प्रयास

(D) केवल मौन-सभा

९८१. परीक्षा-दृष्टिसँ संवैधानिक मान्यता विषयक सही कथन चुनू।

(A) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान

(B) भाषाक निषेध

(C) केवल निजी बोली

(D) मौन नोंद

९८२. परीक्षा-दृष्टिसँ साहित्य अकादेमी विषयक सही कथन चुनू।

(A) कृषि विभाग

(B) खेल संघ

(C) मौन समूह

(D) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था

९८३. परीक्षा-दृष्टिसँ मैथिली पत्रकारिता विषयक सही कथन चुनू।

(A) लिपि-विहीनता

(B) विदेशी संकेत

(C) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन

(D) केवल मौखिक गीत

९८४. परीक्षा-दृष्टिसँ आधुनिक गद्य विषयक सही कथन चुनू।

(A) छन्दक अभाव

(B) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा

(C) केवल गीत मात्र

(D) मौन-वचन

९८५. परीक्षा-दृष्टिसँ अनुवाद विषयक सही कथन चुनू।

(A) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया

(B) ज्ञानक बन्द

(C) भाषा-विरोध

(D) कागजक रंग

९८६. परीक्षा-दृष्टिसँ शब्दकोश विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्र-संग्रह मात्र

(B) खेतक नाप

(C) मौन सूची

(D) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार

९८७. परीक्षा-दृष्टिसँ व्याकरण-ग्रन्थ विषयक सही कथन चुनू।

(A) चित्रक छाया

(B) कृषि-पंचांग

(C) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन

(D) बिना नियमक शोर

९८८. परीक्षा-दृष्टिसँ रेडियो-मंच विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन लेखन

(B) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार

(C) केवल हस्तलिखित पाण्डुलिपि

(D) लिपिक बन्द

९८९. परीक्षा-दृष्टिसँ दूरदर्शन/दृश्य माध्यम विषयक सही कथन चुनू।

(A) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच

(B) केवल पत्थर अभिलेख

(C) मौन भाषण

(D) धातु लेख

९९०. परीक्षा-दृष्टिसँ वेब-पत्रिका विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल पाण्डुलिपि

(B) भाषा-विनाश

(C) मौन संकेत

(D) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका

९९१. परीक्षा-दृष्टिसँ सामाजिक माध्यम विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल राजदरबार

(B) ताम्रपत्र मात्र

(C) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच

(D) भाषा-संपर्कक अभाव

९९२. परीक्षा-दृष्टिसँ डिजिटल फान्ट विषयक सही कथन चुनू।

(A) कथा-पात्र

(B) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक

(C) कृषि-बीज

(D) मौन-विराम

९९३. परीक्षा-दृष्टिसँ ई-पुस्तक विषयक सही कथन चुनू।

(A) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक

(B) मौन ग्रन्थ

(C) कागजक नाश मात्र

(D) खेलक नियम

९९४. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषा-तकनीक विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषाक विरोधी यंत्र

(B) केवल कृषि तकनीक

(C) चित्र-सजावट

(D) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन

९९५. परीक्षा-दृष्टिसँ शोध विषयक सही कथन चुनू।

(A) मात्र अनुमान

(B) बिना स्रोत कथा

(C) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन

(D) अफवाह

९९६. परीक्षा-दृष्टिसँ समकालीन लेखन विषयक सही कथन चुनू।

(A) मौन परम्परा

(B) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति

(C) भाषाक अन्त

(D) पुरातनता मात्र

९९७. परीक्षा-दृष्टिसँ भाषिक अधिकार विषयक सही कथन चुनू।

(A) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध

(B) भाषा-त्याग

(C) मौन नीतिसभ

(D) कृषि कर

९९८. परीक्षा-दृष्टिसँ प्रवासी मैथिली विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल क्षेत्रमे सीमित भाषा

(B) भाषिक मृत्यु

(C) मौन समुदाय

(D) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग

९९९. परीक्षा-दृष्टिसँ आधुनिक चुनौती विषयक सही कथन चुनू।

(A) भाषा स्थिर पत्थर

(B) सभी प्रयोग समान

(C) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न

(D) कोनो चुनौती नहि

१०००. परीक्षा-दृष्टिसँ आधुनिक निष्कर्ष विषयक सही कथन चुनू।

(A) केवल अतीत

(B) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास

(C) विकासक अन्त

(D) पूर्ण मौन

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय — भाषा-वंशसँ ज्ञात होइत अछि जे कोन भाषा कोन पुरनका स्रोत आ सहोदर भाषासँ जुड़ल अछि।

२. (D) संस्कृत आ मैथिली दुनू कैँ दूरस्थ रूपेँ जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार — भारोपीय परिवारमे हिन्द-ईरानी शाखा, ताहिमे हिन्द-आर्य शाखा आ ताहिसँ मैथिली जुड़ैत अछि।

३. (C) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम — मैथिलीक उत्पत्ति बुझबाक लेल हिन्द-आर्य भाषाक तीन चरण—प्राचीन, मध्य, नव—महत्त्वपूर्ण अछि।

४. (B) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब — भाषा स्थिर पत्थर नहि; ध्वनि, रूप, अर्थ आ प्रयोग समयक संग बदलैत रहैत अछि।

५. (A) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा — मैथिलीक रूप मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक धरातलमे विकसित भेल।

६. (D) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार — प्राचीन आर्य धरातलसँ ध्वनि, शब्द आ रूपक बहुत रेखा बादक भाषासभमे पहुँचैत अछि।

७. (C) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण — मध्य आर्य चरणमे संस्कृतक कठिन रूप अनेक ठाम सरल भऽ गेल।

८. (B) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह — नव आर्य भाषासभ प्राकृत-अपभ्रंश परम्परासँ विकसित भेल आधुनिक भाषासभ छी।

९. (A) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया — मैथिलीक उद्भव एकाएक नहि, बल्कि दीर्घ संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ प्रक्रियासँ भेल।

१०. (D) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता — विकासमे बोली, साहित्य, लिपि, शिक्षा आ समाज सभक भूमिका रहैत अछि।

११. (C) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा — लोकभाषा साहित्यिक भाषा बनबाक आधार तैयार करैत अछि।

१२. (B) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप — लोकभाषा जखन काव्य, कथा, नाटक, गद्य आ पत्रिकामे आबैत अछि, तखन साहित्यिक रूप पुष्ट होइत अछि।

१३. (A) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप — मानकीकरण भाषाक सार्वजनिक उपयोग बढ़बैत अछि, मुदा बोली-विविधता समाप्त नहि करैत।

१४. (D) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल — मैथिलीक रूप मिथिलाक पाण्डित्य, लोकगीत, पञ्जी, संस्कार आ साहित्यसँ जुड़ल अछि।

१५. (C) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन — सम्पर्कसँ शब्द, उच्चारण, शैली आ अर्थमे परिवर्तन आबैत अछि।

१६. (B) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया — बच्चा, युवा, वृद्ध सभक प्रयोगसँ भाषा बदलैत आ चलैत रहैत अछि।

१७. (A) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ — संस्कृतसँ प्राकृत आ आगाँ चलि अनेक संयुक्त व्यंजन सरल भेल।

१८. (D) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब — मध्य आ नव आर्य भाषामे विभक्ति-रूप कम भऽ कऽ परसर्ग आदि बढ़ल।

१९. (C) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ — भाषा-विकासमे शब्दक अर्थ स्थिर नहि रहैत; समाजक बदलाबसँ अर्थो बदलैत अछि।

२०. (B) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला — एहि क्रमसँ पुरान आर्य भाषासँ आधुनिक मैथिली धरि परिवर्तनक रेखा देखाइत अछि।

२१. (A) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण — धार्मिक व्यवहारसँ संस्कृत, लोकभाषा आ मैथिली पदावलीक परस्पर सम्बन्ध पुष्ट भेल।

२२. (D) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार — विद्या-परम्परा भाषाक शब्द-संपदा, शैली आ लेखनक विकास करैत अछि।

२३. (C) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता — सामाजिक संरचना भाषाक शब्द, संबोधन, आदर आ शैलीकैँ प्रभावित करैत अछि।

२४. (B) भाषाक अतीतकैँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ — मैथिलीक इतिहास केवल तिथि नहि, बल्कि स्रोत-समीक्षा आ भाषिक तुलना पर आधारित अछि।

२५. (A) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य — उद्भव-विकास सिद्ध करबाक लेल भाषिक प्रमाण आवश्यक अछि।

२६. (D) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय — भाषा-वंशसँ ज्ञात होइत अछि जे कोन भाषा कोन पुरनका स्रोत आ सहोदर भाषासँ जुड़ल अछि।

२७. (C) संस्कृत आ मैथिली दुनू कैं दूरस्थ रूपैं जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार — भारोपीय परिवारमे हिन्द-ईरानी शाखा, ताहिमे हिन्द-आर्य शाखा आ ताहिसँ मैथिली जुड़ैत अछि।

२८. (B) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम — मैथिलीक उत्पत्ति बुझबाक लेल हिन्द-आर्य भाषाक तीन चरण—प्राचीन, मध्य, नव—महत्त्वपूर्ण अछि।

२९. (A) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब — भाषा स्थिर पत्थर नहि; ध्वनि, रूप, अर्थ आ प्रयोग समयक संग बदलैत रहैत अछि।

३०. (D) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा — मैथिलीक रूप मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक धरातलमे विकसित भेल।

३१. (C) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार — प्राचीन आर्य धरातलसँ ध्वनि, शब्द आ रूपक बहुत रेखा बादक भाषासभमे पहुँचैत अछि।

३२. (B) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण — मध्य आर्य चरणमे संस्कृतक कठिन रूप अनेक ठाम सरल भऽ गेल।

३३. (A) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह — नव आर्य भाषासभ प्राकृत-अपभ्रंश परम्परासँ विकसित भेल आधुनिक भाषासभ छी।

३४. (D) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया — मैथिलीक उद्भव एकाएक नहि, बल्कि दीर्घ संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ प्रक्रियासँ भेल।

३५. (C) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता — विकासमे बोली, साहित्य, लिपि, शिक्षा आ समाज सभक भूमिका रहैत अछि।

३६. (B) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा — लोकभाषा साहित्यिक भाषा बनबाक आधार तैयार करैत अछि।

३७. (A) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप — लोकभाषा जखन काव्य, कथा, नाटक, गद्य आ पत्रिकामे आबैत अछि, तखन साहित्यिक रूप पुष्ट होइत अछि।

३८. (D) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप — मानकीकरण भाषाक सार्वजनिक उपयोग बढ़बैत अछि, मुदा बोली-विविधता समाप्त नहि करैत।

३९. (C) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल — मैथिलीक रूप मिथिलाक पाण्डित्य, लोकगीत, पञ्जी, संस्कार आ साहित्यसँ जुड़ल अछि।

४०. (B) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन — सम्पर्कसँ शब्द, उच्चारण, शैली आ अर्थमे परिवर्तन आबैत अछि।

४१. (A) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया — बच्चा, युवा, वृद्ध सभक प्रयोगसँ भाषा बदलैत आ चलैत रहैत अछि।

४२. (D) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ — संस्कृतसँ प्राकृत आ आगाँ चलि अनेक संयुक्त व्यंजन सरल भेल।

४३. (C) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब — मध्य आ नव आर्य भाषामे विभक्ति-रूप कम भऽ कऽ परसर्ग आदि बढ़ल।

४४. (B) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ — भाषा-विकासमे शब्दक अर्थ स्थिर नहि रहैत; समाजक बदलाबसँ अर्थो बदलैत अछि।

४५. (A) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला — एहि क्रमसँ पुरान आर्य भाषासँ आधुनिक मैथिली धरि परिवर्तनक रेखा देखाइत अछि।

४६. (D) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण — धार्मिक व्यवहारसँ संस्कृत, लोकभाषा आ मैथिली पदावलीक परस्पर सम्बन्ध पुष्ट भेल।

४७. (C) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार — विद्या-परम्परा भाषाक शब्द-संपदा, शैली आ लेखनक विकास करैत अछि।

४८. (B) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता — सामाजिक संरचना भाषाक शब्द, संबोधन, आदर आ शैलीकैं प्रभावित करैत अछि।

४९. (A) भाषाक अतीतकैं स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ — मैथिलीक इतिहास केवल तिथि नहि, बल्कि स्रोत-समीक्षा आ भाषिक तुलना पर आधारित अछि।

५०. (D) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य — उद्भव-विकास सिद्ध करबाक लेल भाषिक प्रमाण आवश्यक अछि।

५१. (C) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय — भाषा-वंशसँ ज्ञात होइत अछि जे कोन भाषा कोन पुरनका स्रोत आ सहोदर भाषासँ जुड़ल अछि।

५२. (B) संस्कृत आ मैथिली दुनू कैं दूरस्थ रूपैं जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार — भारोपीय परिवारमे हिन्द-ईरानी शाखा, ताहिमे हिन्द-आर्य शाखा आ ताहिसँ मैथिली जुड़ैत अछि।

५३. (A) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम — मैथिलीक उत्पत्ति बुझबाक लेल हिन्द-आर्य भाषाक तीन चरण—प्राचीन, मध्य, नव—महत्त्वपूर्ण अछि।

५४. (D) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब — भाषा स्थिर पत्थर नहि; ध्वनि, रूप, अर्थ आ प्रयोग समयक संग बदलैत रहैत अछि।

५५. (C) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा — मैथिलीक रूप मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक धरातलमे विकसित भेल।

५६. (B) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार — प्राचीन आर्य धरातलसँ ध्वनि, शब्द आ रूपक बहुत रेखा बादक भाषासभमे पहुँचैत अछि।

५७. (A) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण — मध्य आर्य चरणमे संस्कृतक कठिन रूप अनेक ठाम सरल भऽ गेल।

५८. (D) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह — नव आर्य भाषासभ प्राकृत-अपभ्रंश परम्परासँ विकसित भेल आधुनिक भाषासभ छी।

५९. (C) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया — मैथिलीक उद्भव एकाएक नहि, बल्कि दीर्घ संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ प्रक्रियासँ भेल।

६०. (B) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता — विकासमे बोली, साहित्य, लिपि, शिक्षा आ समाज सभक भूमिका रहैत अछि।

६१. (A) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा — लोकभाषा साहित्यिक भाषा बनबाक आधार तैयार करैत अछि।

६२. (D) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप — लोकभाषा जखन काव्य, कथा, नाटक, गद्य आ पत्रिकामे आबैत अछि, तखन साहित्यिक रूप पुष्ट होइत अछि।

६३. (C) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप — मानकीकरण भाषाक सार्वजनिक उपयोग बढ़बैत अछि, मुदा बोली-विविधता समाप्त नहि करैत।

६४. (B) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल — मैथिलीक रूप मिथिलाक पाण्डित्य, लोकगीत, पञ्जी, संस्कार आ साहित्यसँ जुड़ल अछि।

६५. (A) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन — सम्पर्कसँ शब्द, उच्चारण, शैली आ अर्थमे परिवर्तन आबैत अछि।

६६. (D) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया — बच्चा, युवा, वृद्ध सभक प्रयोगसँ भाषा बदलैत आ चलैत रहैत अछि।

६७. (C) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ — संस्कृतसँ प्राकृत आ आगाँ चलि अनेक संयुक्त व्यंजन सरल भेल।

६८. (B) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब — मध्य आ नव आर्य भाषामे विभक्ति-रूप कम भऽ कऽ परसर्ग आदि बढ़ल।

६९. (A) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ — भाषा-विकासमे शब्दक अर्थ स्थिर नहि रहैत; समाजक बदलाबसँ अर्थो बदलैत अछि।

७०. (D) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला — एहि क्रमसँ पुरान आर्य भाषासँ आधुनिक मैथिली धरि परिवर्तनक रेखा देखाइत अछि।

७१. (C) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण — धार्मिक व्यवहारसँ संस्कृत, लोकभाषा आ मैथिली पदावलीक परस्पर सम्बन्ध पुष्ट भेल।

७२. (B) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार — विद्या-परम्परा भाषाक शब्द-संपदा, शैली आ लेखनक विकास करैत अछि।

७३. (A) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता — सामाजिक संरचना भाषाक शब्द, संबोधन, आदर आ शैलीकेँ प्रभावित करैत अछि।

७४. (D) भाषाक अतीतकेँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ — मैथिलीक इतिहास केवल तिथि नहि, बल्कि स्रोत-समीक्षा आ भाषिक तुलना पर आधारित अछि।

७५. (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य — उद्भव-विकास सिद्ध करबाक लेल भाषिक प्रमाण आवश्यक अछि।

७६. (B) भाषाक ऐतिहासिक परिवारिक सम्बन्ध बुझबाक उपाय — भाषा-वंशसँ ज्ञात होइत अछि जे कोन भाषा कोन पुरनका स्रोत आ सहोदर भाषासँ जुड़ल अछि।

७७. (A) संस्कृत आ मैथिली दुनू केँ दूरस्थ रूपेँ जोड़यवला विशाल भाषा-परिवार — भारोपीय परिवारमे हिन्द-ईरानी शाखा, ताहिमे हिन्द-आर्य शाखा आ ताहिसँ मैथिली जुड़ैत अछि।

७८. (D) संस्कृतसँ प्राकृत, अपभ्रंश/अवहट्ठ, ताहिसँ नव आर्य भाषाक क्रम — मैथिलीक उत्पत्ति बुझबाक लेल हिन्द-आर्य भाषाक तीन चरण—प्राचीन, मध्य, नव—महत्त्वपूर्ण अछि।

७९. (C) समय, समाज आ उच्चारणक प्रभावसँ भाषाक बदलैत रहब — भाषा स्थिर पत्थर नहि; ध्वनि, रूप, अर्थ आ प्रयोग समयक संग बदलैत रहैत अछि।

८०. (B) मिथिला क्षेत्रक लोक-व्यवहार आ साहित्यिक परम्परा — मैथिलीक रूप मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक धरातलमे विकसित भेल।

८१. (A) वैदिक आ संस्कृतक व्यापक आधार — प्राचीन आर्य धरातलसँ ध्वनि, शब्द आ रूपक बहुत रेखा बादक भाषासभमे पहुँचैत अछि।

८२. (D) प्राकृत आ पालि-सहित जनभाषिक सरलीकरणक चरण — मध्य आर्य चरणमे संस्कृतक कठिन रूप अनेक ठाम सरल भऽ गेल।

८३. (C) मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया, हिन्दी आदि आधुनिक भाषाक समूह — नव आर्य भाषासभ प्राकृत-अपभ्रंश परम्परासँ विकसित भेल आधुनिक भाषासभ छी।

८४. (B) भाषाक आरम्भिक रूप बनबाक ऐतिहासिक प्रक्रिया — मैथिलीक उद्भव एकाएक नहि, बल्कि दीर्घ संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ प्रक्रियासँ भेल।

८५. (A) उद्भवक बाद भाषा-रूपक विस्तार आ स्थिरता — विकासमे बोली, साहित्य, लिपि, शिक्षा आ समाज सभक भूमिका रहैत अछि।

८६. (D) जनसाधारणक बोलचालमे जीवित भाषा — लोकभाषा साहित्यिक भाषा बनबाक आधार तैयार करैत अछि।

८७. (C) लिखित, कलात्मक आ शिक्षित प्रयोगमे विकसित भाषा-रूप — लोकभाषा जखन काव्य, कथा, नाटक, गद्य आ पत्रिकामे आबैत अछि, तखन साहित्यिक रूप पुष्ट होइत अछि।

८८. (B) व्यापक लेखन, शिक्षा आ सार्वजनिक व्यवहारमे स्वीकार कएल भाषा-रूप — मानकीकरण भाषाक सार्वजनिक उपयोग बढ़बैत अछि, मुदा बोली-विविधता समाप्त नहि करैत।

८९. (A) भाषा-विकासक सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षिक आ सामाजिक धरातल — मैथिलीक रूप मिथिलाक पाण्डित्य, लोकगीत, पञ्जी, संस्कार आ साहित्यसँ जुड़ल अछि।

९०. (D) दोसरा भाषा आ समाजसँ शब्द-रूपक लेन-देन — सम्पर्कसँ शब्द, उच्चारण, शैली आ अर्थमे परिवर्तन आबैत अछि।

९१. (C) एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि भाषा बदलबाक प्रक्रिया — बच्चा, युवा, वृद्ध सभक प्रयोगसँ भाषा बदलैत आ चलैत रहैत अछि।

९२. (B) कठिन उच्चारणक सरल रूपमे बदलनाइ — संस्कृतसँ प्राकृत आ आगाँ चलि अनेक संयुक्त व्यंजन सरल भेल।

९३. (A) जटिल विभक्ति आ रूपक सरल होएब — मध्य आ नव आर्य भाषामे विभक्ति-रूप कम भऽ कऽ परसर्ग आदि बढ़ल।

९४. (D) शब्दक अर्थ समयक संग संकुचित, विस्तृत वा बदलनाइ — भाषा-विकासमे शब्दक अर्थ स्थिर नहि रहैत; समाजक बदलाबसँ अर्थो बदलैत अछि।

९५. (C) मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबाक प्रमुख भाषिक शृंखला — एहि क्रमसँ पुरान आर्य भाषासँ आधुनिक मैथिली धरि परिवर्तनक रेखा देखाइत अछि।

९६. (B) पूजा, स्तुति, कथा आ ग्रन्थद्वारा शब्द-रूपक संरक्षण — धार्मिक व्यवहारसँ संस्कृत, लोकभाषा आ मैथिली पदावलीक परस्पर सम्बन्ध पुष्ट भेल।

९७. (A) पाठशाला, पाण्डित्य आ अध्ययनद्वारा भाषा-रूपक प्रसार — विद्या-परम्परा भाषाक शब्द-संपदा, शैली आ लेखनक विकास करैत अछि।

९८. (D) जाति, पेशा, लिंग, क्षेत्र आ परम्परासँ भाषिक भिन्नता — सामाजिक संरचना भाषाक शब्द, संबोधन, आदर आ शैलीकेँ प्रभावित करैत अछि।

९९. (C) भाषाक अतीतकेँ स्रोत, पाठ आ तुलना सँ बुझनाइ — मैथिलीक इतिहास केवल तिथि नहि, बल्कि स्रोत-समीक्षा आ भाषिक तुलना पर आधारित अछि।

१००. (B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, लिपि आ साहित्यक साक्ष्य — उद्भव-विकास सिद्ध करबाक लेल भाषिक प्रमाण आवश्यक अछि।

१०१. (A) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप — वैदिक भाषिक धरातलसँ बादक संस्कृत आ आर्य भाषासभक कई रूप बुझल जाइत अछि।

१०२. (D) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत — पाणिनीय परम्परा आ शास्त्रीय साहित्यसँ संस्कृतक मानक रूप बल पाबैत अछि।

१०३. (C) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा — व्याकरणिक अनुशासन आर्य भाषाक ऐतिहासिक अध्ययनमे आधार प्रदान करैत अछि।

१०४. (B) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द — मैथिलीमे धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्र क्षेत्रमे बहुत तत्सम शब्द भेटैत अछि।

१०५. (A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द — तद्भव शब्द भाषा-विकासक ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तन देखबैत अछि।

१०६. (D) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा — मैथिली साहित्यमे संस्कृत पदावली प्रतिष्ठा आ शास्त्रीय अर्थ दुनू दैत अछि।

१०७. (C) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग — संस्कृत समास-परम्परा मैथिली काव्य आ गद्यक ऊँच शैलीमे प्रभाव राखैत अछि।

१०८. (B) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन — संस्कृत सन्धि-नियम शास्त्रीय अध्ययनमे महत्त्वपूर्ण, मुदा लोकभाषामे सरलीकरण प्रबल रहल।

१०९. (A) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप — संस्कृतमे विभक्ति-प्रणाली विस्तृत रहल; मैथिलीमे परसर्ग आ सरल रूप अधिक देखाइत अछि।

११०. (D) क्रिया-रूपक मूल आधार — संस्कृत धातु-परम्परा आर्य भाषाक क्रिया-विकास बुझबाक मार्ग दैत अछि।

१११. (C) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब — संस्कृत शब्द-रूपक जटिलता बादक भाषासभमे कई ठाम सरल भेल।

११२. (B) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा — मैथिली काव्यक उच्च शैलीमे संस्कृत काव्य-भाषाक प्रभाव देखाइत अछि।

११३. (A) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द — धार्मिक परम्परा मैथिलीमे संस्कृत पद-संपदा टिकबैत रहल।

११४. (D) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार — स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता आ उच्चारण-भेद बदलैत मैथिली धरि पहुँचल।

११५. (C) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत आ लोकभाषामे अकसर सरल भेल।

११६. (B) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान — संस्कृत प्रतिष्ठासँ मैथिलीमे तत्सम आ शास्त्रीय शैलीक प्रवेश बढ़ल।

११७. (A) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा — मिथिला पाण्डित्य संस्कृत आ मैथिली दुनू पर प्रभाव छोड़लक।

११८. (D) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार — विद्वान संस्कृतमे लिखैत, लोक आ काव्यमे मैथिली रूप विकसित होइत रहल।

११९. (C) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग — मिथिला मे शास्त्रीय संस्कृत आ लोक मैथिली बीच भूमिका-विभाजन देखल जा सकैत अछि।

१२०. (B) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि — मैथिली संस्कृतसँ जुड़ल अछि, मुदा संस्कृतक प्रतिलिपि नहि; एकर अपन ध्वनि, रूप आ शैली अछि।

१२१. (A) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर — एहि भेदसँ संस्कृतसँ मैथिली धरि शब्द-विकास बुझाइत अछि।

१२२. (D) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन — काव्यशास्त्र, रस, अलंकार, दर्शनक शब्द मैथिली साहित्यिक भाषा कैँ समृद्ध करैत अछि।

१२३. (C) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण — उधार शब्द जेबन भाषाक स्वाभाविक प्रक्रिया अछि; मैथिलीमे संस्कृतसँ अनेक शब्द आयल।

१२४. (B) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब — लोकप्रयोग कठिन संस्कृत रूपकैँ अपन ढंगसँ रूपान्तरित करैत रहल।

१२५. (A) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ — सही दृष्टि संस्कृतकैँ स्रोत-परम्परा मानैत अछि, मुदा मैथिलीक स्वतंत्र विकास सेहो देखैत अछि।

१२६. (D) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप — वैदिक भाषिक धरातलसँ बादक संस्कृत आ आर्य भाषासभक कई रूप बुझल जाइत अछि।

१२७. (C) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत — पाणिनीय परम्परा आ शास्त्रीय साहित्यसँ संस्कृतक मानक रूप बल पाबैत अछि।

१२८. (B) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा — व्याकरणिक अनुशासन आर्य भाषाक ऐतिहासिक अध्ययनमे आधार प्रदान करैत अछि।

१२९. (A) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द — मैथिलीमे धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्र क्षेत्रमे बहुत तत्सम शब्द भेटैत अछि।

१३०. (D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द — तद्भव शब्द भाषा-विकासक ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तन देखबैत अछि।

१३१. (C) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा — मैथिली साहित्यमे संस्कृत पदावली प्रतिष्ठा आ शास्त्रीय अर्थ दुनू दैत अछि।

१३२. (B) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग — संस्कृत समास-परम्परा मैथिली काव्य आ गद्यक ऊँच शैलीमे प्रभाव राखैत अछि।

१३३. (A) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन — संस्कृत सन्धि-नियम शास्त्रीय अध्ययनमे महत्त्वपूर्ण, मुदा लोकभाषामे सरलीकरण प्रबल रहल।

१३४. (D) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप — संस्कृतमे विभक्ति-प्रणाली विस्तृत रहल; मैथिलीमे परसर्ग आ सरल रूप अधिक देखाइत अछि।

१३५. (C) क्रिया-रूपक मूल आधार — संस्कृत धातु-परम्परा आर्य भाषाक क्रिया-विकास बुझबाक मार्ग दैत अछि।

१३६. (B) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब — संस्कृत शब्द-रूपक जटिलता बादक भाषासभमे कई ठाम सरल भेल।

१३७. (A) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा — मैथिली काव्यक उच्च शैलीमे संस्कृत काव्य-भाषाक प्रभाव देखाइत अछि।

१३८. (D) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द — धार्मिक परम्परा मैथिलीमे संस्कृत पद-संपदा टिकबैत रहल।

१३९. (C) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार — स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता आ उच्चारण-भेद बदलैत मैथिली धरि पहुँचल।

१४०. (B) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत आ लोकभाषामे अकसर सरल भेल।

१४१. (A) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान — संस्कृत प्रतिष्ठासँ मैथिलीमे तत्सम आ शास्त्रीय शैलीक प्रवेश बढ़ल।

१४२. (D) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा — मिथिला पाण्डित्य संस्कृत आ मैथिली दुनू पर प्रभाव छोड़लक।

१४३. (C) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार — विद्वान संस्कृतमे लिखैत, लोक आ काव्यमे मैथिली रूप विकसित होइत रहल।

१४४. (B) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग — मिथिला मे शास्त्रीय संस्कृत आ लोक मैथिली बीच भूमिका-विभाजन देखल जा सकैत अछि।

१४५. (A) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि — मैथिली संस्कृतसँ जुड़ल अछि, मुदा संस्कृतक प्रतिलिपि नहि; एकर अपन ध्वनि, रूप आ शैली अछि।

१४६. (D) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर — एहि भेदसँ संस्कृतसँ मैथिली धरि शब्द-विकास बुझाइत अछि।

१४७. (C) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन — काव्यशास्त्र, रस, अलंकार, दर्शनक शब्द मैथिली साहित्यिक भाषा कैँ समृद्ध करैत अछि।

१४८. (B) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण — उधार शब्द जेबन भाषाक स्वाभाविक प्रक्रिया अछि; मैथिलीमे संस्कृतसँ अनेक शब्द आयल।

१४९. (A) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब — लोकप्रयोग कठिन संस्कृत रूपकेँ अपन ढंगसँ रूपान्तरित करैत रहल।

१५०. (D) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ — सही दृष्टि संस्कृतकेँ स्रोत-परम्परा मानैत अछि, मुदा मैथिलीक स्वतंत्र विकास सेहो देखैत अछि।

१५१. (C) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप — वैदिक भाषिक धरातलसँ बादक संस्कृत आ आर्य भाषासभक कई रूप बुझल जाइत अछि।

१५२. (B) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत — पाणिनीय परम्परा आ शास्त्रीय साहित्यसँ संस्कृतक मानक रूप बल पाबैत अछि।

१५३. (A) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा — व्याकरणिक अनुशासन आर्य भाषाक ऐतिहासिक अध्ययनमे आधार प्रदान करैत अछि।

१५४. (D) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द — मैथिलीमे धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्र क्षेत्रमे बहुत तत्सम शब्द भेटैत अछि।

१५५. (C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द — तद्भव शब्द भाषा-विकासक ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तन देखबैत अछि।

१५६. (B) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा — मैथिली साहित्यमे संस्कृत पदावली प्रतिष्ठा आ शास्त्रीय अर्थ दुनू दैत अछि।

१५७. (A) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग — संस्कृत समास-परम्परा मैथिली काव्य आ गद्यक ऊँच शैलीमे प्रभाव राखैत अछि।

१५८. (D) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन — संस्कृत सन्धि-नियम शास्त्रीय अध्ययनमे महत्त्वपूर्ण, मुदा लोकभाषामे सरलीकरण प्रबल रहल।

१५९. (C) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप — संस्कृतमे विभक्ति-प्रणाली विस्तृत रहल; मैथिलीमे परसर्ग आ सरल रूप अधिक देखाइत अछि।

१६०. (B) क्रिया-रूपक मूल आधार — संस्कृत धातु-परम्परा आर्य भाषाक क्रिया-विकास बुझबाक मार्ग दैत अछि।

१६१. (A) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब — संस्कृत शब्द-रूपक जटिलता बादक भाषासभमे कई ठाम सरल भेल।

१६२. (D) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा — मैथिली काव्यक उच्च शैलीमे संस्कृत काव्य-भाषाक प्रभाव देखाइत अछि।

१६३. (C) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द — धार्मिक परम्परा मैथिलीमे संस्कृत पद-संपदा टिकबैत रहल।

१६४. (B) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार — स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता आ उच्चारण-भेद बदलैत मैथिली धरि पहुँचल।

१६५. (A) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत आ लोकभाषामे अकसर सरल भेल।

१६६. (D) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान — संस्कृत प्रतिष्ठासँ मैथिलीमे तत्सम आ शास्त्रीय शैलीक प्रवेश बढ़ल।

१६७. (C) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा — मिथिला पाण्डित्य संस्कृत आ मैथिली दुनू पर प्रभाव छोड़लक।

१६८. (B) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार — विद्वान संस्कृतमे लिखैत, लोक आ काव्यमे मैथिली रूप विकसित होइत रहल।

१६९. (A) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग — मिथिला मे शास्त्रीय संस्कृत आ लोक मैथिली बीच भूमिका-विभाजन देखल जा सकैत अछि।

१७०. (D) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि — मैथिली संस्कृतसँ जुड़ल अछि, मुदा संस्कृतक प्रतिलिपि नहि; एकर अपन ध्वनि, रूप आ शैली अछि।

१७१. (C) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर — एहि भेदसँ संस्कृतसँ मैथिली धरि शब्द-विकास बुझाइत अछि।

१७२. (B) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन — काव्यशास्त्र, रस, अलंकार, दर्शनक शब्द मैथिली साहित्यिक भाषा कैँ समृद्ध करैत अछि।

१७३. (A) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण — उधार शब्द जेबन भाषाक स्वाभाविक प्रक्रिया अछि; मैथिलीमे संस्कृतसँ अनेक शब्द आयल।

१७४. (D) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब — लोकप्रयोग कठिन संस्कृत रूपकेँ अपन ढंगसँ रूपान्तरित करैत रहल।

१७५. (C) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ — सही दृष्टि संस्कृतकेँ स्रोत-परम्परा मानैत अछि, मुदा मैथिलीक स्वतंत्र विकास सेहो देखैत अछि।

१७६. (B) प्राचीन आर्य भाषाक आरम्भिक शास्त्रीय-साहित्यिक रूप — वैदिक भाषिक धरातलसँ बादक संस्कृत आ आर्य भाषासभक कई रूप बुझल जाइत अछि।

१७७. (A) व्याकरण-संहित रूपमे प्रतिष्ठित संस्कृत — पाणिनीय परम्परा आ शास्त्रीय साहित्यसँ संस्कृतक मानक रूप बल पाबैत अछि।

१७८. (D) संस्कृत रूप-नियमक सुव्यवस्थित परम्परा — व्याकरणिक अनुशासन आर्य भाषाक ऐतिहासिक अध्ययनमे आधार प्रदान करैत अछि।

१७९. (C) संस्कृतसँ लगभग अपरिवर्तित रूपमे आयल शब्द — मैथिलीमे धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्र क्षेत्रमे बहुत तत्सम शब्द भेटैत अछि।

१८०. (B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश मार्गसँ बदलि विकसित शब्द — तद्भव शब्द भाषा-विकासक ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तन देखबैत अछि।

१८१. (A) धर्म, दर्शन, काव्य आ विद्या सम्बन्धी शब्द-संपदा — मैथिली साहित्यमे संस्कृत पदावली प्रतिष्ठा आ शास्त्रीय अर्थ दुनू दैत अछि।

१८२. (D) दुइ वा अधिक पदक संक्षिप्त योग — संस्कृत समास-परम्परा मैथिली काव्य आ गद्यक ऊँच शैलीमे प्रभाव राखैत अछि।

१८३. (C) ध्वनिसभक मेलसँ रूप-परिवर्तन — संस्कृत सन्धि-नियम शास्त्रीय अध्ययनमे महत्त्वपूर्ण, मुदा लोकभाषामे सरलीकरण प्रबल रहल।

१८४. (B) संज्ञाक कारक-सम्बन्ध देखाबयवला रूप — संस्कृतमे विभक्ति-प्रणाली विस्तृत रहल; मैथिलीमे परसर्ग आ सरल रूप अधिक देखाइत अछि।

१८५. (A) क्रिया-रूपक मूल आधार — संस्कृत धातु-परम्परा आर्य भाषाक क्रिया-विकास बुझबाक मार्ग दैत अछि।

१८६. (D) संज्ञा/विशेषण/क्रियाक व्याकरणिक बदलाब — संस्कृत शब्द-रूपक जटिलता बादक भाषासभमे कई ठाम सरल भेल।

१८७. (C) अलंकार, छन्द आ शास्त्रीय पदावलीसँ युक्त भाषा — मैथिली काव्यक उच्च शैलीमे संस्कृत काव्य-भाषाक प्रभाव देखाइत अछि।

१८८. (B) यज्ञ, पूजा, पुराण, दर्शनसँ सम्बद्ध शब्द — धार्मिक परम्परा मैथिलीमे संस्कृत पद-संपदा टिकबैत रहल।

१८९. (A) स्वर-प्रणालीक ऐतिहासिक आधार — स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता आ उच्चारण-भेद बदलैत मैथिली धरि पहुँचल।

१९०. (D) दुइ वा अधिक व्यंजनक मेल — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत आ लोकभाषामे अकसर सरल भेल।

१९१. (C) विद्या, धर्म आ दरबारमे संस्कृतक उच्च स्थान — संस्कृत प्रतिष्ठासँ मैथिलीमे तत्सम आ शास्त्रीय शैलीक प्रवेश बढ़ल।

१९२. (B) न्याय, मीमांसा, वेद आ शास्त्रक अध्ययन-परम्परा — मिथिला पाण्डित्य संस्कृत आ मैथिली दुनू पर प्रभाव छोड़लक।

१९३. (A) शास्त्रीय भाषा आ लोकभाषाक परस्पर व्यवहार — विद्वान संस्कृतमे लिखैत, लोक आ काव्यमे मैथिली रूप विकसित होइत रहल।

१९४. (D) एक समुदायमे दुइ भाषिक रूपक उपयोग — मिथिला मे शास्त्रीय संस्कृत आ लोक मैथिली बीच भूमिका-विभाजन देखल जा सकैत अछि।

१९५. (C) संस्कृत प्रभाव होइतो मैथिली अपन लोक-व्याकरण राखैत अछि — मैथिली संस्कृतसँ जुड़ल अछि, मुदा संस्कृतक प्रतिलिपि नहि; एकर अपन ध्वनि, रूप आ शैली अछि।

१९६. (B) एके मूलक निकट संस्कृत रूप आ बदलल लोक-रूपक अन्तर — एहि भेदसँ संस्कृतसँ मैथिली धरि शब्द-विकास बुझाइत अछि।

१९७. (A) संस्कृत शास्त्रक अवधारणा मैथिली साहित्यमे आवाहन — काव्यशास्त्र, रस, अलंकार, दर्शनक शब्द मैथिली साहित्यिक भाषा केँ समृद्ध करैत अछि।

१९८. (D) विद्वत् आ धार्मिक क्षेत्रमे संस्कृत शब्दक ग्रहण — उधार शब्द जेबन भाषाक स्वाभाविक प्रक्रिया अछि; मैथिलीमे संस्कृतसँ अनेक शब्द आयल।

१९९. (C) संस्कृत प्रभावक बीच मैथिली लोक उच्चारणक टिकब — लोकप्रयोग कठिन संस्कृत रूपकेँ अपन ढंगसँ रूपान्तरित करैत रहल।

२००. (B) मैथिली विकासमे आधार, प्रभाव आ भिन्नता तीनू बुझनाइ — सही दृष्टि संस्कृतकेँ स्रोत-परम्परा मानैत अछि, मुदा मैथिलीक स्वतंत्र विकास सेहो देखैत अछि।

२०१. (A) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप — प्राकृत भाषासभ संस्कृतक शास्त्रीय जटिलतासँ अलग जनभाषाक सरल रूप देखबैत अछि।

२०२. (D) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप — मैथिलीक पूर्वी आर्य आधार बुझबाक लेल मागधी परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

२०३. (C) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप — अर्धमागधी पूर्वी आर्य विकासक चर्चा मे उपयोगी भाषिक चरण छी।

२०४. (B) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत — शौरसेनीक सम्बन्ध पश्चिम-मध्य आर्य परम्परासँ अधिक जोड़ल जाइत अछि।

२०५. (A) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा — पालि मध्य आर्य भाषिक सरलीकरणक महत्त्वपूर्ण प्रमाण दैत अछि।

२०६. (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण — प्राकृत चरणमे संयुक्त व्यंजन आ जटिल ध्वनिसभ अनेक ठाम सरल भेल।

२०७. (C) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी — प्राकृत आ बादक भाषासभमे संस्कृतक विस्तृत विभक्ति-रूप सरल होइत गेल।

२०८. (B) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप — प्राकृत भाषासभ लोक-उच्चारणक नजिक रहल, तें नव आर्य भाषाक तैयारी भेल।

२०९. (A) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा — प्राकृत सामाजिक स्तर, पात्र-भाषा आ जनभाषा-बोधक प्रमाण दैत अछि।

२१०. (D) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग — भारतीय साहित्यिक परम्परामे संस्कृत आ प्राकृतक भूमिका अलग-अलग रहल।

२११. (C) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण — प्राकृत रूप समयक संग बदलि अपभ्रंश/अवहट्ठ धरि पहुँचल।

२१२. (B) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ — प्राकृतमे स्वरक संक्षेप, विस्तार वा रूपांतर अनेक शब्दमे देखाइत अछि।

२१३. (A) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप — संस्कृतक संयुक्त वा कर्कश ध्वनिसभ प्राकृतमे सहज बनल।

२१४. (D) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता — पूर्वी आर्य भाषासभमे नासिक्य ध्वनि महत्त्वपूर्ण बनैत गेल।

२१५. (C) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप — प्राकृतसँ तद्भव शब्द-पथक बहुत सामग्री बुझल जाइत अछि।

२१६. (B) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन — प्राकृत व्याकरण भाषा-परिवर्तनक व्यवस्थित साक्ष्य दैत अछि।

२१७. (A) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत — मैथिलीक पूर्वी हिन्द-आर्य स्थान बुझबाक लेल मागधी प्रभावक चर्चा होइत अछि।

२१८. (D) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा — प्राकृत शास्त्रीय संस्कृतक समानान्तर लोकभाषिक धरातल प्रस्तुत करैत अछि।

२१९. (C) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग — साहित्यिक प्रयोगसँ प्राकृत रूप इतिहासमे सुरक्षित भेल।

२२०. (B) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम — मैथिली प्राकृतक बादक संक्रमण चरणसभसँ गुजैरि विकसित भेल।

२२१. (A) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका — भाषाक असली परिवर्तन दरबारसँ अधिक लोक-प्रयोगमे जन्मैत अछि।

२२२. (D) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण — प्राकृतकेँ स्रोत-क्रममे राखब उचित, पर मैथिलीक स्वतंत्र रूप बादमे विकसित भेल।

२२३. (C) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति — तुलनात्मक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

२२४. (B) भाषा केँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार — प्राकृत बिना संस्कृतसँ नव आर्य भाषासभक संक्रमण बुझनाइ कठिन अछि।

२२५. (A) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी — एहि चरणसँ मैथिलीक पूर्वी आर्य विकासक मार्ग प्रकाशित होइत अछि।

२२६. (D) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप — प्राकृत भाषासभ संस्कृतक शास्त्रीय जटिलतासँ अलग जनभाषाक सरल रूप देखबैत अछि।

२२७. (C) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप — मैथिलीक पूर्वी आर्य आधार बुझबाक लेल मागधी परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

२२८. (B) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप — अर्धमागधी पूर्वी आर्य विकासक चर्चा मे उपयोगी भाषिक चरण छी।

२२९. (A) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत — शौरसेनीक सम्बन्ध पश्चिम-मध्य आर्य परम्परासँ अधिक जोड़ल जाइत अछि।

२३०. (D) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा — पालि मध्य आर्य भाषिक सरलीकरणक महत्त्वपूर्ण प्रमाण दैत अछि।

२३१. (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण — प्राकृत चरणमे संयुक्त व्यंजन आ जटिल ध्वनिसभ अनेक ठाम सरल भेल।

२३२. (B) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी — प्राकृत आ बादक भाषासभमे संस्कृतक विस्तृत विभक्ति-रूप सरल होइत गेल।

२३३. (A) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप — प्राकृत भाषासभ लोक-उच्चारणक नजिक रहल, तें नव आर्य भाषाक तैयारी भेल।

२३४. (D) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा — प्राकृत सामाजिक स्तर, पात्र-भाषा आ जनभाषा-बोधक प्रमाण दैत अछि।

२३५. (C) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग — भारतीय साहित्यिक परम्परामे संस्कृत आ प्राकृतक भूमिका अलग-अलग रहल।

२३६. (B) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण — प्राकृत रूप समयक संग बदलि अपभ्रंश/अवहट्ठ धरि पहुँचल।

२३७. (A) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ — प्राकृतमे स्वरक संक्षेप, विस्तार वा रूपांतर अनेक शब्दमे देखाइत अछि।

२३८. (D) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप — संस्कृतक संयुक्त वा कर्कश ध्वनिसभ प्राकृतमे सहज बनल।

२३९. (C) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता — पूर्वी आर्य भाषासभमे नासिक्य ध्वनि महत्त्वपूर्ण बनैत गेल।

२४०. (B) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप — प्राकृतसँ तद्भव शब्द-पथक बहुत सामग्री बुझल जाइत अछि।

२४१. (A) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन — प्राकृत व्याकरण भाषा-परिवर्तनक व्यवस्थित साक्ष्य दैत अछि।

२४२. (D) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत — मैथिलीक पूर्वी हिन्द-आर्य स्थान बुझबाक लेल मागधी प्रभावक चर्चा होइत अछि।

२४३. (C) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा — प्राकृत शास्त्रीय संस्कृतक समानान्तर लोकभाषिक धरातल प्रस्तुत करैत अछि।

२४४. (B) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग — साहित्यिक प्रयोगसँ प्राकृत रूप इतिहासमे सुरक्षित भेल।

२४५. (A) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम — मैथिली प्राकृतक बादक संक्रमण चरणसभसँ गुजैरि विकसित भेल।

२४६. (D) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका — भाषाक असली परिवर्तन दरबारसँ अधिक लोक-प्रयोगमे जन्मैत अछि।

२४७. (C) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण — प्राकृतकेँ स्रोत-क्रममे राखब उचित, पर मैथिलीक स्वतंत्र रूप बादमे विकसित भेल।

२४८. (B) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति — तुलनात्मक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

२४९. (A) भाषा केँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार — प्राकृत बिना संस्कृतसँ नव आर्य भाषासभक संक्रमण बुझनाइ कठिन अछि।

२५०. (D) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी — एहि चरणसँ मैथिलीक पूर्वी आर्य विकासक मार्ग प्रकाशित होइत अछि।

२५१. (C) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप — प्राकृत भाषासभ संस्कृतक शास्त्रीय जटिलतासँ अलग जनभाषाक सरल रूप देखबैत अछि।

२५२. (B) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप — मैथिलीक पूर्वी आर्य आधार बुझबाक लेल मागधी परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

२५३. (A) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप — अर्धमागधी पूर्वी आर्य विकासक चर्चा मे उपयोगी भाषिक चरण छी।

२५४. (D) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत — शौरसेनीक सम्बन्ध पश्चिम-मध्य आर्य परम्परासँ अधिक जोड़ल जाइत अछि।

२५५. (C) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा — पालि मध्य आर्य भाषिक सरलीकरणक महत्त्वपूर्ण प्रमाण दैत अछि।

२५६. (B) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण — प्राकृत चरणमे संयुक्त व्यंजन आ जटिल ध्वनिसभ अनेक ठाम सरल भेल।

२५७. (A) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी — प्राकृत आ बादक भाषासभमे संस्कृतक विस्तृत विभक्ति-रूप सरल होइत गेल।

२५८. (D) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप — प्राकृत भाषासभ लोक-उच्चारणक नजिक रहल, तें नव आर्य भाषाक तैयारी भेल।

२५९. (C) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा — प्राकृत सामाजिक स्तर, पात्र-भाषा आ जनभाषा-बोधक प्रमाण दैत अछि।

२६०. (B) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग — भारतीय साहित्यिक परम्परामे संस्कृत आ प्राकृतक भूमिका अलग-अलग रहल।

२६१. (A) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण — प्राकृत रूप समयक संग बदलि अपभ्रंश/अवहट्ठ धरि पहुँचल।

२६२. (D) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ — प्राकृतमे स्वरक संक्षेप, विस्तार वा रूपांतर अनेक शब्दमे देखाइत अछि।

२६३. (C) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप — संस्कृतक संयुक्त वा कर्कश ध्वनिसभ प्राकृतमे सहज बनल।

२६४. (B) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता — पूर्वी आर्य भाषासभमे नासिक्य ध्वनि महत्त्वपूर्ण बनैत गेल।

२६५. (A) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप — प्राकृतसँ तद्भव शब्द-पथक बहुत सामग्री बुझल जाइत अछि।

२६६. (D) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन — प्राकृत व्याकरण भाषा-परिवर्तनक व्यवस्थित साक्ष्य दैत अछि।

२६७. (C) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत — मैथिलीक पूर्वी हिन्द-आर्य स्थान बुझबाक लेल मागधी प्रभावक चर्चा होइत अछि।

२६८. (B) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा — प्राकृत शास्त्रीय संस्कृतक समानान्तर लोकभाषिक धरातल प्रस्तुत करैत अछि।

२६९. (A) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग — साहित्यिक प्रयोगसँ प्राकृत रूप इतिहासमे सुरक्षित भेल।

२७०. (D) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम — मैथिली प्राकृतक बादक संक्रमण चरणसभसँ गुजैरि विकसित भेल।

२७१. (C) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका — भाषाक असली परिवर्तन दरबारसँ अधिक लोक-प्रयोगमे जन्मैत अछि।

२७२. (B) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण — प्राकृतकेँ स्रोत-क्रममे राखब उचित, पर मैथिलीक स्वतंत्र रूप बादमे विकसित भेल।

२७३. (A) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति — तुलनात्मक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

२७४. (D) भाषा केँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार — प्राकृत बिना संस्कृतसँ नव आर्य भाषासभक संक्रमण बुझनाइ कठिन अछि।

२७५. (C) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी — एहि चरणसँ मैथिलीक पूर्वी आर्य विकासक मार्ग प्रकाशित होइत अछि।

२७६. (B) मध्य आर्य कालक लोकाभिमुख भाषिक रूप — प्राकृत भाषासभ संस्कृतक शास्त्रीय जटिलतासँ अलग जनभाषाक सरल रूप देखबैत अछि।

२७७. (A) पूर्वी भारतक मध्य-आर्य भाषिक परम्परासँ जुड़ल रूप — मैथिलीक पूर्वी आर्य आधार बुझबाक लेल मागधी परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

२७८. (D) मागधी-सम्बद्ध मध्य आर्य रूप — अर्धमागधी पूर्वी आर्य विकासक चर्चा मे उपयोगी भाषिक चरण छी।

२७९. (C) मध्य आर्य भाषाक एक प्रमुख प्राकृत — शौरसेनीक सम्बन्ध पश्चिम-मध्य आर्य परम्परासँ अधिक जोड़ल जाइत अछि।

२८०. (B) बौद्ध ग्रन्थ-परम्परासँ जुड़ल मध्य आर्य भाषा — पालि मध्य आर्य भाषिक सरलीकरणक महत्त्वपूर्ण प्रमाण दैत अछि।

२८१. (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण — प्राकृत चरणमे संयुक्त व्यंजन आ जटिल ध्वनिसभ अनेक ठाम सरल भेल।

२८२. (D) कारक-रूपक संख्या आ जटिलतामे कमी — प्राकृत आ बादक भाषासभमे संस्कृतक विस्तृत विभक्ति-रूप सरल होइत गेल।

२८३. (C) जनसाधारणक सहज ध्वनि-रूप — प्राकृत भाषासभ लोक-उच्चारणक नजिक रहल, तें नव आर्य भाषाक तैयारी भेल।

२८४. (B) संस्कृत नाटकमे पात्रानुसार प्राकृत प्रयोगक परम्परा — प्राकृत सामाजिक स्तर, पात्र-भाषा आ जनभाषा-बोधक प्रमाण दैत अछि।

२८५. (A) शास्त्रीय आ लोकाभिमुख भाषारूपक साथ-साथ प्रयोग — भारतीय साहित्यिक परम्परामे संस्कृत आ प्राकृतक भूमिका अलग-अलग रहल।

२८६. (D) मध्य आर्यसँ उत्तर-मध्य आर्य संक्रमण — प्राकृत रूप समयक संग बदलि अपभ्रंश/अवहट्ठ धरि पहुँचल।

२८७. (C) उच्चारणक सहजतासँ स्वर-रूप बदलनाइ — प्राकृतमे स्वरक संक्षेप, विस्तार वा रूपांतर अनेक शब्दमे देखाइत अछि।

२८८. (B) कठिन व्यंजनक बदलल वा सरल रूप — संस्कृतक संयुक्त वा कर्कश ध्वनिसभ प्राकृतमे सहज बनल।

२८९. (A) नाकसँ उच्चरित ध्वनिक विशेषता — पूर्वी आर्य भाषासभमे नासिक्य ध्वनि महत्त्वपूर्ण बनैत गेल।

२९०. (D) जनजीवनक नजदीक शब्द-रूप — प्राकृतसँ तद्भव शब्द-पथक बहुत सामग्री बुझल जाइत अछि।

२९१. (C) मध्य आर्य रूपक नियमबद्ध अध्ययन — प्राकृत व्याकरण भाषा-परिवर्तनक व्यवस्थित साक्ष्य दैत अछि।

२९२. (B) पूर्वी क्षेत्रक ध्वनि-रूप आ शब्द-विकासक संकेत — मैथिलीक पूर्वी हिन्द-आर्य स्थान बुझबाक लेल मागधी प्रभावक चर्चा होइत अछि।

२९३. (A) जनसमाजमे प्रयोग-योग्य सहज भाषा — प्राकृत शास्त्रीय संस्कृतक समानान्तर लोकभाषिक धरातल प्रस्तुत करैत अछि।

२९४. (D) कथा, नाटक आ धर्मग्रन्थमे मध्य आर्य भाषाक प्रयोग — साहित्यिक प्रयोगसँ प्राकृत रूप इतिहासमे सुरक्षित भेल।

२९५. (C) सीधा रेखा नहि, परन्तु मध्यवर्ती अपभ्रंश-अवहट्ठसहित क्रम — मैथिली प्राकृतक बादक संक्रमण चरणसभसँ गुजैरि विकसित भेल।

२९६. (B) भाषा-विकासमे साधारण बोलनिहारक भूमिका — भाषाक असली परिवर्तन दरबारसँ अधिक लोक-प्रयोगमे जन्मैत अछि।

२९७. (A) प्राकृत स्वयं मैथिली नहि, मुदा मैथिली-विकासक मध्य चरण — प्राकृतकेँ स्रोत-क्रममे राखब उचित, पर मैथिलीक स्वतंत्र रूप बादमे विकसित भेल।

२९८. (D) परिवर्तनक नियमित प्रवृत्ति — तुलनात्मक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

२९९. (C) भाषा केँ लोकाभिमुख सरल रूप देबाक ऐतिहासिक आधार — प्राकृत बिना संस्कृतसँ नव आर्य भाषासभक संक्रमण बुझनाइ कठिन अछि।

३००. (B) संस्कृतक बाद लोकभाषिक सरलीकरण आ नव आर्य भाषाक तैयारी — एहि चरणसँ मैथिलीक पूर्वी आर्य विकासक मार्ग प्रकाशित होइत अछि।

३०१. (A) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप — अपभ्रंश नव आर्य भाषासभक पूर्वपीठिका मानल जाइत अछि।

३०२. (D) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप — अवहट्ठमे पुरान आ नव रूपक मिश्रण देखाइत अछि।

३०३. (C) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण — अपभ्रंश-अवहट्ठ एहि उत्तर-मध्य आर्य संक्रमणक भाग रूपेँ देखल जाइत अछि।

३०४. (B) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा — मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया आदिक पृष्ठभूमिमे पूर्वी रूपक चर्चा होइत अछि।

३०५. (A) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री — अवहट्ठ साहित्य पुरान रूपसँ मैथिली जेहन नव रूप धरि पुल बनबैत अछि।

३०६. (D) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि — विद्यापति कालमे संस्कृत, अवहट्ठ आ मैथिली रूपक सहअस्तित्व भेटैत अछि।

३०७. (C) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब — अपभ्रंश-अवहट्ठ मैथिलीक उद्भवमे संक्रमणक महत्त्वपूर्ण चरण छी।

३०८. (B) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब — अपभ्रंश-अवहट्ठमे प्राचीन विभक्ति-रूप कमजोर होइत गेल आ नव रूप उभरल।

३०९. (A) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब — नव आर्य भाषासभमे विभक्ति घटि परसर्गक उपयोग बढ़ैत गेल।

३१०. (D) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन — अपभ्रंश-अवहट्ठ सँ नव भाषासभमे क्रियाक सरल आ संयोजित रूप बनल।

३११. (C) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब — एहि चरणमे लोक-उच्चारण अधिक प्रभावी भेल।

३१२. (B) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव — अवहट्ठमे लोकभाषिक रूप साहित्यिक धरातलपर आबए लगल।

३१३. (A) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण — मिथिला-क्षेत्रक पाठ-संस्कृति एहि संक्रमणकेँ बचा कऽ राखलक।

३१४. (D) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप — एहि मिश्रणसँ मैथिली जेहन नव भाषासभक आकार बुझाइत अछि।

३१५. (C) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल — अवहट्ठक प्रयोग देखबैत अछि जे लोकाभिमुख रूप साहित्य योग्य भऽ रहल छल।

३१६. (B) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति — नव आर्य भाषासभमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम मजबूत रूपेँ देखाइत अछि।

३१७. (A) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ — मैथिली सर्वनाम प्रणालीमे आदर, निकटता आ व्यक्तिक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

३१८. (D) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता — जखन क्षेत्रीय ध्वनि, शब्द आ व्याकरण स्थिर भेल, पुरान मैथिली पहचान स्पष्ट भेल।

३१९. (C) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत — अपभ्रंश काव्य नव आर्य काव्य-भाषाक विकास बुझबाक आधार दैत अछि।

३२०. (B) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण — इतिहासमे चरणसभकेँ अलग-अलग चिन्हनाइ आवश्यक अछि।

३२१. (A) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़ — अवहट्ठ भाषिक पुलक काज करैत अछि।

३२२. (D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि — अवहट्ठक रूपमे बोलचालक दबाव अधिक स्पष्ट अछि।

३२३. (C) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी — अपभ्रंश-अवहट्ठ बिना मैथिली, बंगला आदि नव भाषाक विकास-रेखा अधूरी अछि।

३२४. (B) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ — एहि अध्ययनसँ मैथिलीक उद्भव अधिक वैज्ञानिक ढंगसँ बुझाइत अछि।

३२५. (A) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी — मैथिली उत्पत्ति-विकासमे एहि चरणकेँ छोड़लासँ ऐतिहासिक क्रम टूटि जाइत अछि।

३२६. (D) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप — अपभ्रंश नव आर्य भाषासभक पूर्वपीठिका मानल जाइत अछि।

३२७. (C) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप — अवहट्ठमे पुरान आ नव रूपक मिश्रण देखाइत अछि।

३२८. (B) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण — अपभ्रंश-अवहट्ठ एहि उत्तर-मध्य आर्य संक्रमणक भाग रूपेँ देखल जाइत अछि।

३२९. (A) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा — मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया आदिक पृष्ठभूमिमे पूर्वी रूपक चर्चा होइत अछि।

३३०. (D) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री — अवहट्ठ साहित्य पुरान रूपसँ मैथिली जेहन नव रूप धरि पुल बनबैत अछि।

३३१. (C) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि — विद्यापति कालमे संस्कृत, अवहट्ठ आ मैथिली रूपक सहअस्तित्व भेटैत अछि।

३३२. (B) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब — अपभ्रंश-अवहट्ठ मैथिलीक उद्भवमे संक्रमणक महत्त्वपूर्ण चरण छी।

३३३. (A) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब — अपभ्रंश-अवहट्ठमे प्राचीन विभक्ति-रूप कमजोर होइत गेल आ नव रूप उभरल।

३३४. (D) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब — नव आर्य भाषासभमे विभक्ति घटि परसर्गक उपयोग बढ़ैत गेल।

३३५. (C) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन — अपभ्रंश-अवहट्ठ सँ नव भाषासभमे क्रियाक सरल आ संयोजित रूप बनल।

३३६. (B) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब — एहि चरणमे लोक-उच्चारण अधिक प्रभावी भेल।

३३७. (A) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव — अवहट्ठमे लोकभाषिक रूप साहित्यिक धरातलपर आबए लगल।

३३८. (D) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण — मिथिला-क्षेत्रक पाठ-संस्कृति एहि संक्रमणकेँ बचा कऽ राखलक।

३३९. (C) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप — एहि मिश्रणसँ मैथिली जेहन नव भाषासभक आकार बुझाइत अछि।

३४०. (B) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल — अवहट्ठक प्रयोग देखबैत अछि जे लोकाभिमुख रूप साहित्य योग्य भऽ रहल छल।

३४१. (A) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति — नव आर्य भाषासभमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम मजबूत रूपेँ देखाइत अछि।

३४२. (D) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ — मैथिली सर्वनाम प्रणालीमे आदर, निकटता आ व्यक्तिक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

३४३. (C) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता — जखन क्षेत्रीय ध्वनि, शब्द आ व्याकरण स्थिर भेल, पुरान मैथिली पहचान स्पष्ट भेल।

३४४. (B) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत — अपभ्रंश काव्य नव आर्य काव्य-भाषाक विकास बुझबाक आधार दैत अछि।

३४५. (A) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण — इतिहासमे चरणसभकेँ अलग-अलग चिन्हनाइ आवश्यक अछि।

३४६. (D) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़ — अवहट्ठ भाषिक पुलक काज करैत अछि।

३४७. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि — अवहट्ठक रूपमे बोलचालक दबाव अधिक स्पष्ट अछि।

३४८. (B) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी — अपभ्रंश-अवहट्ठ बिना मैथिली, बंगला आदि नव भाषाक विकास-रेखा अधूरी अछि।

३४९. (A) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ — एहि अध्ययनसँ मैथिलीक उद्भव अधिक वैज्ञानिक ढंगसँ बुझाइत अछि।

३५०. (D) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी — मैथिली उत्पत्ति-विकासमे एहि चरणकेँ छोड़लासँ ऐतिहासिक क्रम टूटि जाइत अछि।

३५१. (C) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप — अपभ्रंश नव आर्य भाषासभक पूर्वपीठिका मानल जाइत अछि।

३५२. (B) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप — अवहट्ठमे पुरान आ नव रूपक मिश्रण देखाइत अछि।

३५३. (A) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण — अपभ्रंश-अवहट्ठ एहि उत्तर-मध्य आर्य संक्रमणक भाग रूपेँ देखल जाइत अछि।

३५४. (D) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा — मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया आदिक पृष्ठभूमिमे पूर्वी रूपक चर्चा होइत अछि।

३५५. (C) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री — अवहट्ठ साहित्य पुरान रूपसँ मैथिली जेहन नव रूप धरि पुल बनबैत अछि।

३५६. (B) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि — विद्यापति कालमे संस्कृत, अवहट्ठ आ मैथिली रूपक सहअस्तित्व भेटैत अछि।

३५७. (A) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब — अपभ्रंश-अवहट्ठ मैथिलीक उद्भवमे संक्रमणक महत्त्वपूर्ण चरण छी।

३५८. (D) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब — अपभ्रंश-अवहट्ठमे प्राचीन विभक्ति-रूप कमजोर होइत गेल आ नव रूप उभरल।

३५९. (C) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब — नव आर्य भाषासभमे विभक्ति घटि परसर्गक उपयोग बढ़ैत गेल।

३६०. (B) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन — अपभ्रंश-अवहट्ठ सँ नव भाषासभमे क्रियाक सरल आ संयोजित रूप बनल।

३६१. (A) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब — एहि चरणमे लोक-उच्चारण अधिक प्रभावी भेल।

३६२. (D) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव — अवहट्ठमे लोकभाषिक रूप साहित्यिक धरातलपर आबए लगल।

३६३. (C) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण — मिथिला-क्षेत्रक पाठ-संस्कृति एहि संक्रमणकेँ बचा कऽ राखलक।

३६४. (B) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप — एहि मिश्रणसँ मैथिली जेहन नव भाषासभक आकार बुझाइत अछि।

३६५. (A) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल — अवहट्ठक प्रयोग देखबैत अछि जे लोकाभिमुख रूप साहित्य योग्य भऽ रहल छल।

३६६. (D) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति — नव आर्य भाषासभमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम मजबूत रूपेँ देखाइत अछि।

३६७. (C) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ — मैथिली सर्वनाम प्रणालीमे आदर, निकटता आ व्यक्तिक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

३६८. (B) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता — जखन क्षेत्रीय ध्वनि, शब्द आ व्याकरण स्थिर भेल, पुरान मैथिली पहचान स्पष्ट भेल।

३६९. (A) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत — अपभ्रंश काव्य नव आर्य काव्य-भाषाक विकास बुझबाक आधार दैत अछि।

३७०. (D) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण — इतिहासमे चरणसभकेँ अलग-अलग चिन्हनाइ आवश्यक अछि।

३७१. (C) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़ — अवहट्ठ भाषिक पुलक काज करैत अछि।

३७२. (B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि — अवहट्ठक रूपमे बोलचालक दबाव अधिक स्पष्ट अछि।

३७३. (A) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी — अपभ्रंश-अवहट्ठ बिना मैथिली, बंगला आदि नव भाषाक विकास-रेखा अधूरी अछि।

३७४. (D) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ — एहि अध्ययनसँ मैथिलीक उद्भव अधिक वैज्ञानिक ढंगसँ बुझाइत अछि।

३७५. (C) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी — मैथिली उत्पत्ति-विकासमे एहि चरणकेँ छोड़लासँ ऐतिहासिक क्रम टूटि जाइत अछि।

३७६. (B) प्राकृतक उत्तरकालीन विकसित रूप — अपभ्रंश नव आर्य भाषासभक पूर्वपीठिका मानल जाइत अछि।

३७७. (A) अपभ्रंशसँ नव आर्य भाषाक बीचक संक्रमणशील साहित्यिक/भाषिक रूप — अवहट्ठमे पुरान आ नव रूपक मिश्रण देखाइत अछि।

३७८. (D) प्राकृतक बाद आ नव आर्य भाषासँ पहिल चरण — अपभ्रंश-अवहट्ठ एहि उत्तर-मध्य आर्य संक्रमणक भाग रूपेँ देखल जाइत अछि।

३७९. (C) पूर्वी नव आर्य भाषाक तैयारीसँ जुड़ल अपभ्रंश परम्परा — मैथिली, बंगला, असमिया, उड़िया आदिक पृष्ठभूमिमे पूर्वी रूपक चर्चा होइत अछि।

३८०. (B) संक्रमणशील भाषामे रचल साहित्यिक सामग्री — अवहट्ठ साहित्य पुरान रूपसँ मैथिली जेहन नव रूप धरि पुल बनबैत अछि।

३८१. (A) विद्यापतिक किछु रचना अवहट्ठ परम्परासँ जोड़ल जाइत अछि — विद्यापति कालमे संस्कृत, अवहट्ठ आ मैथिली रूपक सहअस्तित्व भेटैत अछि।

३८२. (D) एक भाषिक अवस्थासँ दोसर अवस्थाक क्रमिक बदलाब — अपभ्रंश-अवहट्ठ मैथिलीक उद्भवमे संक्रमणक महत्त्वपूर्ण चरण छी।

३८३. (C) पुरान व्याकरणिक चिह्नक घटब — अपभ्रंश-अवहट्ठमे प्राचीन विभक्ति-रूप कमजोर होइत गेल आ नव रूप उभरल।

३८४. (B) संज्ञा-सम्बन्ध बताबय लेल अलग शब्द/चिह्नक बढ़ब — नव आर्य भाषासभमे विभक्ति घटि परसर्गक उपयोग बढ़ैत गेल।

३८५. (A) धातु आ सहायक रूपक नूतन संयोजन — अपभ्रंश-अवहट्ठ सँ नव भाषासभमे क्रियाक सरल आ संयोजित रूप बनल।

३८६. (D) बोलबामे कठिन ध्वनिक सरल होएब — एहि चरणमे लोक-उच्चारण अधिक प्रभावी भेल।

३८७. (C) जनभाषाक उच्चारण, शब्द आ मुहावराक प्रभाव — अवहट्ठमे लोकभाषिक रूप साहित्यिक धरातलपर आबए लगल।

३८८. (B) मिथिला क्षेत्रक भाषिक रूपमे अवहट्ठसँ पुरान मैथिली धरि संक्रमण — मिथिला-क्षेत्रक पाठ-संस्कृति एहि संक्रमणकेँ बचा कऽ राखलक।

३८९. (A) पुरान अपभ्रंश आ नूतन लोकभाषाक मिश्रित रूप — एहि मिश्रणसँ मैथिली जेहन नव भाषासभक आकार बुझाइत अछि।

३९०. (D) संक्रमणशील भाषा सेहो काव्यक माध्यम बनल — अवहट्ठक प्रयोग देखबैत अछि जे लोकाभिमुख रूप साहित्य योग्य भऽ रहल छल।

३९१. (C) पुरान भाषा सँ नव भाषाक शब्द-क्रममे परिवर्तित प्रवृत्ति — नव आर्य भाषासभमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम मजबूत रूपेँ देखाइत अछि।

३९२. (B) पुरान सर्वनाम रूपक बदलि क्षेत्रीय रूप बननाइ — मैथिली सर्वनाम प्रणालीमे आदर, निकटता आ व्यक्तिक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

३९३. (A) क्रमिक लोकभाषिक स्पष्टता — जखन क्षेत्रीय ध्वनि, शब्द आ व्याकरण स्थिर भेल, पुरान मैथिली पहचान स्पष्ट भेल।

३९४. (D) उत्तर-मध्य आर्य साहित्यक महत्त्वपूर्ण स्रोत — अपभ्रंश काव्य नव आर्य काव्य-भाषाक विकास बुझबाक आधार दैत अछि।

३९५. (C) ओ स्वयं पूर्ण आधुनिक मैथिली नहि, मुदा मैथिली-पथक निर्णायक चरण — इतिहासमे चरणसभकेँ अलग-अलग चिन्हनाइ आवश्यक अछि।

३९६. (B) प्राकृत-अपभ्रंश आ मैथिली बीचक जोड़ — अवहट्ठ भाषिक पुलक काज करैत अछि।

३९७. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि — अवहट्ठक रूपमे बोलचालक दबाव अधिक स्पष्ट अछि।

३९८. (D) आधुनिक आर्य भाषासभक तैयारी — अपभ्रंश-अवहट्ठ बिना मैथिली, बंगला आदि नव भाषाक विकास-रेखा अधूरी अछि।

३९९. (C) भाषा इतिहासमे संक्रमणक प्रमाण पढ़नाइ — एहि अध्ययनसँ मैथिलीक उद्भव अधिक वैज्ञानिक ढंगसँ बुझाइत अछि।

४००. (B) संस्कृत-प्राकृतसँ मैथिली धरि क्रमिक रूपांतरणक मुख्य कड़ी — मैथिली उत्पत्ति-विकासमे एहि चरणकेँ छोड़लासँ ऐतिहासिक क्रम टूटि जाइत अछि।

४०१. (A) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप — पुरान मैथिली लोकभाषा, साहित्य आ पाण्डुलिपि परम्परामे क्रमशः पहिचान पबैत अछि।

४०२. (D) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम — ज्योतिरीश्वरक वर्णनात्मक गद्य मैथिली इतिहासमे विशेष स्थान राखैत अछि।

४०३. (C) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — एहि ग्रन्थसँ आरम्भिक मैथिली गद्य, समाज आ शब्द-संपदा पर रोशनी पड़ैत अछि।

४०४. (B) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि — विद्यापति मैथिलीकेँ गीतिकाव्यक मधुरता आ व्यापक प्रतिष्ठा दैत छथि।

४०५. (A) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप — पदावली मैथिलीकेँ प्रेम, भक्ति आ लोक-संवेदना सँ जोड़लक।

४०६. (D) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र — दरबार आ पाण्डित्य-केन्द्रसँ साहित्यिक परम्परा बल पबैत रहल।

४०७. (C) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत — लोकगीत मैथिली भाषाक पुरान शब्द, रूप आ भाव बचा कऽ राखैत अछि।

४०८. (B) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, स्थान, समाज आ लिपि-परम्पराक प्रमाण भेटैत अछि।

४०९. (A) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता पाण्डुलिपि आ सामाजिक लेखनमे मैथिली-संस्कृति सँ गहिर जुड़ल रहल।

४१०. (D) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप — आधुनिक कालमे देवनागरी द्वारा मैथिली प्रकाशन आ शिक्षा सहज भेल।

४११. (C) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप — उद्भवक बाद मैथिलीमे क्षेत्रीय ध्वनि-शब्द भिन्नता स्वाभाविक अछि।

४१२. (B) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद — मैथिलीमे आदरसूचक सर्वनाम-क्रिया प्रणाली भाषाक विशेषता अछि।

४१३. (A) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली — मैथिली सर्वनाम समाजिक दूरी, निकटता आ आदर व्यक्त करैत अछि।

४१४. (D) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा — मैथिली क्रियामे व्यक्ति, आदर आ कालक विशिष्ट संयोजन भेटैत अछि।

४१५. (C) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग — मैथिलीमे परसर्गीय प्रवृत्ति नव आर्य भाषाक लक्षण अछि।

४१६. (B) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता — ध्वनि-व्यवहार मैथिलीकेँ निकट भाषासँ अलग पहचान दैत अछि।

४१७. (A) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप — काव्यभाषा मैथिलीक प्रतिष्ठा आ लोकप्रियता बढ़ाबैत अछि।

४१८. (D) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा — गद्यक विकाससँ मैथिली आधुनिक बौद्धिक अभिव्यक्तिक माध्यम बनल।

४१९. (C) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन — धार्मिक साहित्य मैथिलीक शब्द-संपदा आ शैली समृद्ध करैत रहल।

४२०. (B) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार — मैथिलीक वास्तविक विकास लोकसमाजक जीवित प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

४२१. (A) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य — प्रमाणसँ भाषाक विकास-क्रम विश्वसनीय बनैत अछि।

४२२. (D) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति — एहि चरणमे मैथिलीक अलग पहचान स्पष्ट होइत गेल।

४२३. (C) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार — संस्कार परम्परा मैथिली शब्द, संबोधन आ गीतक भंडार बचबैत रहल।

४२४. (B) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन — मैथिली विकासमे संस्कृत विद्या आ लोक अभिव्यक्ति दुनू महत्त्वपूर्ण रहल।

४२५. (A) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध — मैथिली उद्भव केवल ध्वनि नहि, बल्कि सांस्कृतिक स्व-पहिचानक विकास सेहो अछि।

४२६. (D) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप — पुरान मैथिली लोकभाषा, साहित्य आ पाण्डुलिपि परम्परामे क्रमशः पहिचान पबैत अछि।

४२७. (C) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम — ज्योतिरीश्वरक वर्णनात्मक गद्य मैथिली इतिहासमे विशेष स्थान राखैत अछि।

४२८. (B) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — एहि ग्रन्थसँ आरम्भिक मैथिली गद्य, समाज आ शब्द-संपदा पर रोशनी पड़ैत अछि।

४२९. (A) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि — विद्यापति मैथिलीकेँ गीतिकाव्यक मधुरता आ व्यापक प्रतिष्ठा दैत छथि।

४३०. (D) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप — पदावली मैथिलीकेँ प्रेम, भक्ति आ लोक-संवेदना सँ जोड़लक।

४३१. (C) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र — दरबार आ पाण्डित्य-केन्द्रसँ साहित्यिक परम्परा बल पबैत रहल।

४३२. (B) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत — लोकगीत मैथिली भाषाक पुरान शब्द, रूप आ भाव बचा कऽ राखैत अछि।

४३३. (A) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, स्थान, समाज आ लिपि-परम्पराक प्रमाण भेटैत अछि।

४३४. (D) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता पाण्डुलिपि आ सामाजिक लेखनमे मैथिली-संस्कृति सँ गहिर जुड़ल रहल।

४३५. (C) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप — आधुनिक कालमे देवनागरी द्वारा मैथिली प्रकाशन आ शिक्षा सहज भेल।

४३६. (B) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप — उद्भवक बाद मैथिलीमे क्षेत्रीय ध्वनि-शब्द भिन्नता स्वाभाविक अछि।

४३७. (A) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद — मैथिलीमे आदरसूचक सर्वनाम-क्रिया प्रणाली भाषाक विशेषता अछि।

४३८. (D) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली — मैथिली सर्वनाम समाजिक दूरी, निकटता आ आदर व्यक्त करैत अछि।

४३९. (C) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा — मैथिली क्रियामे व्यक्ति, आदर आ कालक विशिष्ट संयोजन भेटैत अछि।

४४०. (B) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग — मैथिलीमे परसर्गीय प्रवृत्ति नव आर्य भाषाक लक्षण अछि।

४४१. (A) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता — ध्वनि-व्यवहार मैथिलीकेँ निकट भाषासँ अलग पहचान दैत अछि।

४४२. (D) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप — काव्यभाषा मैथिलीक प्रतिष्ठा आ लोकप्रियता बढ़ाबैत अछि।

४४३. (C) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा — गद्यक विकाससँ मैथिली आधुनिक बौद्धिक अभिव्यक्तिक माध्यम बनल।

४४४. (B) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन — धार्मिक साहित्य मैथिलीक शब्द-संपदा आ शैली समृद्ध करैत रहल।

४४५. (A) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार — मैथिलीक वास्तविक विकास लोकसमाजक जीवित प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

४४६. (D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य — प्रमाणसँ भाषाक विकास-क्रम विश्वसनीय बनैत अछि।

४४७. (C) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति — एहि चरणमे मैथिलीक अलग पहचान स्पष्ट होइत गेल।

४४८. (B) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार — संस्कार परम्परा मैथिली शब्द, संबोधन आ गीतक भंडार बचबैत रहल।

४४९. (A) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन — मैथिली विकासमे संस्कृत विद्या आ लोक अभिव्यक्ति दुनू महत्त्वपूर्ण रहल।

४५०. (D) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध — मैथिली उद्भव केवल ध्वनि नहि, बल्कि सांस्कृतिक स्व-पहिचानक विकास सेहो अछि।

४५१. (C) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप — पुरान मैथिली लोकभाषा, साहित्य आ पाण्डुलिपि परम्परामे क्रमशः पहिचान पबैत अछि।

४५२. (B) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम — ज्योतिरीश्वरक वर्णनात्मक गद्य मैथिली इतिहासमे विशेष स्थान राखैत अछि।

४५३. (A) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — एहि ग्रन्थसँ आरम्भिक मैथिली गद्य, समाज आ शब्द-संपदा पर रोशनी पड़ैत अछि।

४५४. (D) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि — विद्यापति मैथिलीकेँ गीतिकाव्यक मधुरता आ व्यापक प्रतिष्ठा दैत छथि।

४५५. (C) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप — पदावली मैथिलीकेँ प्रेम, भक्ति आ लोक-संवेदना सँ जोड़लक।

४५६. (B) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र — दरबार आ पाण्डित्य-केन्द्रसँ साहित्यिक परम्परा बल पबैत रहल।

४५७. (A) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत — लोकगीत मैथिली भाषाक पुरान शब्द, रूप आ भाव बचा कऽ राखैत अछि।

४५८. (D) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, स्थान, समाज आ लिपि-परम्पराक प्रमाण भेटैत अछि।

४५९. (C) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता पाण्डुलिपि आ सामाजिक लेखनमे मैथिली-संस्कृति सँ गहिर जुड़ल रहल।

४६०. (B) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप — आधुनिक कालमे देवनागरी द्वारा मैथिली प्रकाशन आ शिक्षा सहज भेल।

४६१. (A) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप — उद्भवक बाद मैथिलीमे क्षेत्रीय ध्वनि-शब्द भिन्नता स्वाभाविक अछि।

४६२. (D) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद — मैथिलीमे आदरसूचक सर्वनाम-क्रिया प्रणाली भाषाक विशेषता अछि।

४६३. (C) हम, अहाँ, ताँ, ओ आदि रूपक प्रणाली — मैथिली सर्वनाम समाजिक दूरी, निकटता आ आदर व्यक्त करैत अछि।

४६४. (B) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा — मैथिली क्रियामे व्यक्ति, आदर आ कालक विशिष्ट संयोजन भेटैत अछि।

४६५. (A) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग — मैथिलीमे परसर्गीय प्रवृत्ति नव आर्य भाषाक लक्षण अछि।

४६६. (D) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता — ध्वनि-व्यवहार मैथिलीकेँ निकट भाषासँ अलग पहचान दैत अछि।

४६७. (C) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप — काव्यभाषा मैथिलीक प्रतिष्ठा आ लोकप्रियता बढ़ाबैत अछि।

४६८. (B) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा — गद्यक विकाससँ मैथिली आधुनिक बौद्धिक अभिव्यक्तिक माध्यम बनल।

४६९. (A) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन — धार्मिक साहित्य मैथिलीक शब्द-संपदा आ शैली समृद्ध करैत रहल।

४७०. (D) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार — मैथिलीक वास्तविक विकास लोकसमाजक जीवित प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

४७१. (C) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य — प्रमाणसँ भाषाक विकास-क्रम विश्वसनीय बनैत अछि।

४७२. (B) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति — एहि चरणमे मैथिलीक अलग पहचान स्पष्ट होइत गेल।

४७३. (A) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार — संस्कार परम्परा मैथिली शब्द, संबोधन आ गीतक भंडार बचबैत रहल।

४७४. (D) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन — मैथिली विकासमे संस्कृत विद्या आ लोक अभिव्यक्ति दुनू महत्त्वपूर्ण रहल।

४७५. (C) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध — मैथिली उद्भव केवल ध्वनि नहि, बल्कि सांस्कृतिक स्व-पहिचानक विकास सेहो अछि।

४७६. (B) अवहट्ठ-पश्चात् मिथिला क्षेत्रमे स्पष्ट भेल प्रारम्भिक मैथिली रूप — पुरान मैथिली लोकभाषा, साहित्य आ पाण्डुलिपि परम्परामे क्रमशः पहिचान पबैत अछि।

४७७. (A) आरम्भिक मैथिली गद्य-परम्परासँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम — ज्योतिरीश्वरक वर्णनात्मक गद्य मैथिली इतिहासमे विशेष स्थान राखैत अछि।

४७८. (D) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — एहि ग्रन्थसँ आरम्भिक मैथिली गद्य, समाज आ शब्द-संपदा पर रोशनी पड़ैत अछि।

४७९. (C) मैथिली पदावली आ सांस्कृतिक प्रतिष्ठाक प्रमुख कवि — विद्यापति मैथिलीकेँ गीतिकाव्यक मधुरता आ व्यापक प्रतिष्ठा दैत छथि।

४८०. (B) मैथिली काव्यभाषाक लोकप्रिय आ प्रभावी रूप — पदावली मैथिलीकेँ प्रेम, भक्ति आ लोक-संवेदना सँ जोड़लक।

४८१. (A) भाषा, विद्या आ कलाक संरक्षणक केन्द्र — दरबार आ पाण्डित्य-केन्द्रसँ साहित्यिक परम्परा बल पबैत रहल।

४८२. (D) जनजीवनमे मौखिक रूपेँ चलैत गीत — लोकगीत मैथिली भाषाक पुरान शब्द, रूप आ भाव बचा कऽ राखैत अछि।

४८३. (C) वंशावली आ सामाजिक अभिलेखनक मिथिला-परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, स्थान, समाज आ लिपि-परम्पराक प्रमाण भेटैत अछि।

४८४. (B) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता पाण्डुलिपि आ सामाजिक लेखनमे मैथिली-संस्कृति सँ गहिर जुड़ल रहल।

४८५. (A) आधुनिक लेखन-प्रकाशनमे व्यापक भेल लिपि-रूप — आधुनिक कालमे देवनागरी द्वारा मैथिली प्रकाशन आ शिक्षा सहज भेल।

४८६. (D) मिथिलाक अलग-अलग भागमे बोलचालक भिन्न रूप — उद्भवक बाद मैथिलीमे क्षेत्रीय ध्वनि-शब्द भिन्नता स्वाभाविक अछि।

४८७. (C) संबोधन आ क्रियामे सामाजिक आदरक भेद — मैथिलीमे आदरसूचक सर्वनाम-क्रिया प्रणाली भाषाक विशेषता अछि।

४८८. (B) हम, अहाँ, तोँ, ओ आदि रूपक प्रणाली — मैथिली सर्वनाम समाजिक दूरी, निकटता आ आदर व्यक्त करैत अछि।

४८९. (A) धातु, काल, पक्ष, आदर आ सहायक रूपक मैथिली ढाँचा — मैथिली क्रियामे व्यक्ति, आदर आ कालक विशिष्ट संयोजन भेटैत अछि।

४९०. (D) सम्बन्ध बताबय लेल अलग चिह्न/शब्दक प्रयोग — मैथिलीमे परसर्गीय प्रवृत्ति नव आर्य भाषाक लक्षण अछि।

४९१. (C) नासिक्य, स्वर-भेद आ क्षेत्रीय उच्चारणक विशेषता — ध्वनि-व्यवहार मैथिलीकेँ निकट भाषासँ अलग पहचान दैत अछि।

४९२. (B) गीत, पद, स्तुति आ प्रेमक सुसंस्कृत मैथिली रूप — काव्यभाषा मैथिलीक प्रतिष्ठा आ लोकप्रियता बढ़ाबैत अछि।

४९३. (A) वर्णन, तर्क, कथा, निबन्ध आ अभिलेखक भाषा — गद्यक विकाससँ मैथिली आधुनिक बौद्धिक अभिव्यक्तिक माध्यम बनल।

४९४. (D) भक्ति, स्तुति, कथा आ पुराण-प्रसंगसँ जुड़ल लेखन — धार्मिक साहित्य मैथिलीक शब्द-संपदा आ शैली समृद्ध करैत रहल।

४९५. (C) सामाजिक व्यवहार, पर्व, विवाह, खेती आ परिवारक भाषिक संसार — मैथिलीक वास्तविक विकास लोकसमाजक जीवित प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

४९६. (B) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, गीत, अभिलेख आ परम्परासँ भेटल साक्ष्य — प्रमाणसँ भाषाक विकास-क्रम विश्वसनीय बनैत अछि।

४९७. (A) लोकभाषा सँ साहित्यिक रूप धरि क्रमिक उन्नति — एहि चरणमे मैथिलीक अलग पहचान स्पष्ट होइत गेल।

४९८. (D) विवाह, उपनयन, पर्व, गीत आ व्यवहारक भाषा-संसार — संस्कार परम्परा मैथिली शब्द, संबोधन आ गीतक भंडार बचबैत रहल।

४९९. (C) पाण्डित्य-परम्परा आ लोकभाषाक मिलन — मैथिली विकासमे संस्कृत विद्या आ लोक अभिव्यक्ति दुनू महत्त्वपूर्ण रहल।

५००. (B) भाषा, साहित्य, क्षेत्र आ समाजक संयुक्त बोध — मैथिली उद्भव केवल ध्वनि नहि, बल्कि सांस्कृतिक स्व-पहिचानक विकास सेहो अछि।

५०१. (A) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ — संस्कृतसँ मैथिली धरि स्वर-रूप अनेक शब्दमे बदलल।

५०२. (D) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब — प्राकृत-अवहट्ठ मार्गमे संयुक्त व्यंजन अनेक ठाम सरल भेल।

५०३. (C) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता — मैथिलीमे नासिक्य उच्चारणक महत्त्वपूर्ण स्थान अछि।

५०४. (B) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब — लोकभाषा कठिन सन्धि-रूपकेँ सरल बना सकैत अछि।

५०५. (A) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति — भाषा-भेदमे स्वराघात आ लय सेहो अलग पहचान दैत अछि।

५०६. (D) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान — ध्वनिविज्ञान उच्चारण-स्थानसँ व्यंजनक भेद बुझैत अछि।

५०७. (C) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव — पूर्वी आर्य भाषासभमे तालव्य प्रवृत्तिक उदाहरण भेटैत अछि।

५०८. (B) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि — भारतीय आर्य भाषासभमे मूर्धन्य ध्वनि ऐतिहासिक अध्ययनक महत्त्वपूर्ण विषय अछि।

५०९. (A) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद — संस्कृत आ मैथिली ध्वनि-प्रणालीमे महाप्राण-अल्पप्राण भेदक भूमिका अछि।

५१०. (D) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण — पूर्वी आर्य भाषिक परम्परासभमे ऊष्म ध्वनि-परिवर्तन अध्ययन योग्य अछि।

५११. (C) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार — आर्य भाषासभमे र-ल प्रवृत्ति तुलनात्मक अध्ययनमे ध्यान देबाक विषय अछि।

५१२. (B) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न — अनुस्वार ध्वनि आ लिपि दुनू दृष्टिसँ सावधानी माँगैत अछि।

५१३. (A) स्वरक नासिक्य उच्चारण — मैथिली उच्चारणमे अनुनासिक स्वर अर्थ-भेदक संकेत दऽ सकैत अछि।

५१४. (D) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब — भाषा-विकासमे कठिन वा कमजोर ध्वनि लुप्त भऽ सकैत अछि।

५१५. (C) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ — उच्चारण-सहजता वा रूप-प्रभावसँ आगम भऽ सकैत अछि।

५१६. (B) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति — ऐतिहासिक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

५१७. (A) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली मार्गमे अनेक ठाम टूटल।

५१८. (D) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप — लोक-उच्चारणमे स्वर-संकोच एक सामान्य प्रक्रिया अछि।

५१९. (C) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप — किछु शब्दमे लय, बल वा ध्वनि-संतुलनसँ स्वर-विस्तार देखाइत अछि।

५२०. (B) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब — ध्वनि-परिवर्तनसँ कखनहुँ अलग मूलक शब्द ध्वन्यात्मक रूपेँ निकट होइत अछि।

५२१. (A) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता — मैथिली सहित अनेक भाषामे लिपि आ वास्तविक उच्चारण बराबर एक नहि होइत।

५२२. (D) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता — मैथिलीमे क्षेत्रीय उच्चारण भाषिक विविधताक प्रमाण अछि।

५२३. (C) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ — मैथिलीक ध्वनि-वैशिष्ट्य ओकर स्वतंत्र भाषिक पहचानकेँ बल दैत अछि।

५२४. (B) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब — ध्वनि परिवर्तन भाषा-विकासक सबसँ ठोस साक्ष्यसभमे एक अछि।

५२५. (A) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण — ध्वनि-साक्ष्यसँ तद्भव रूप आ स्रोत-रूपक सम्बन्ध पकड़ल जाइत अछि।

५२६. (D) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ — संस्कृतसँ मैथिली धरि स्वर-रूप अनेक शब्दमे बदलल।

५२७. (C) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब — प्राकृत-अवहट्ठ मार्गमे संयुक्त व्यंजन अनेक ठाम सरल भेल।

५२८. (B) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता — मैथिलीमे नासिक्य उच्चारणक महत्त्वपूर्ण स्थान अछि।

५२९. (A) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब — लोकभाषा कठिन सन्धि-रूपकेँ सरल बना सकैत अछि।

५३०. (D) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति — भाषा-भेदमे स्वराघात आ लय सेहो अलग पहचान दैत अछि।

५३१. (C) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान — ध्वनिविज्ञान उच्चारण-स्थानसँ व्यंजनक भेद बुझैत अछि।

५३२. (B) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव — पूर्वी आर्य भाषासभमे तालव्य प्रवृत्तिक उदाहरण भेटैत अछि।

५३३. (A) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि — भारतीय आर्य भाषासभमे मूर्धन्य ध्वनि ऐतिहासिक अध्ययनक महत्त्वपूर्ण विषय अछि।

५३४. (D) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद — संस्कृत आ मैथिली ध्वनि-प्रणालीमे महाप्राण-अल्पप्राण भेदक भूमिका अछि।

५३५. (C) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण — पूर्वी आर्य भाषिक परम्परासभमे ऊष्म ध्वनि-परिवर्तन अध्ययन योग्य अछि।

५३६. (B) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार — आर्य भाषासभमे र-ल प्रवृत्ति तुलनात्मक अध्ययनमे ध्यान देबाक विषय अछि।

५३७. (A) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न — अनुस्वार ध्वनि आ लिपि दुनू दृष्टिसँ सावधानी माँगैत अछि।

५३८. (D) स्वरक नासिक्य उच्चारण — मैथिली उच्चारणमे अनुनासिक स्वर अर्थ-भेदक संकेत दऽ सकैत अछि।

५३९. (C) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब — भाषा-विकासमे कठिन वा कमजोर ध्वनि लुप्त भऽ सकैत अछि।

५४०. (B) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ — उच्चारण-सहजता वा रूप-प्रभावसँ आगम भऽ सकैत अछि।

५४१. (A) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति — ऐतिहासिक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

५४२. (D) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली मार्गमे अनेक ठाम टूटल।

५४३. (C) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप — लोक-उच्चारणमे स्वर-संकोच एक सामान्य प्रक्रिया अछि।

५४४. (B) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप — किछु शब्दमे लय, बल वा ध्वनि-संतुलनसँ स्वर-विस्तार देखाइत अछि।

५४५. (A) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब — ध्वनि-परिवर्तनसँ कखनहुँ अलग मूलक शब्द ध्वन्यात्मक रूपेँ निकट होइत अछि।

५४६. (D) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता — मैथिली सहित अनेक भाषामे लिपि आ वास्तविक उच्चारण बराबर एक नहि होइत।

५४७. (C) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता — मैथिलीमे क्षेत्रीय उच्चारण भाषिक विविधताक प्रमाण अछि।

५४८. (B) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ — मैथिलीक ध्वनि-वैशिष्ट्य ओकर स्वतंत्र भाषिक पहचानकेँ बल दैत अछि।

५४९. (A) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब — ध्वनि परिवर्तन भाषा-विकासक सबसँ ठोस साक्ष्यसभमे एक अछि।

५५०. (D) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण — ध्वनि-साक्ष्यसँ तद्भव रूप आ स्रोत-रूपक सम्बन्ध पकड़ल जाइत अछि।

५५१. (C) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ — संस्कृतसँ मैथिली धरि स्वर-रूप अनेक शब्दमे बदलल।

५५२. (B) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब — प्राकृत-अवहट्ठ मार्गमे संयुक्त व्यंजन अनेक ठाम सरल भेल।

५५३. (A) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता — मैथिलीमे नासिक्य उच्चारणक महत्त्वपूर्ण स्थान अछि।

५५४. (D) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब — लोकभाषा कठिन सन्धि-रूपकेँ सरल बना सकैत अछि।

५५५. **(C) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति** — भाषा-भेदमे स्वराघात आ लय सेहो अलग पहचान दैत अछि।

५५६. **(B) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान** — ध्वनिविज्ञान उच्चारण-स्थानसँ व्यंजनक भेद बुझैत अछि।

५५७. **(A) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव** — पूर्वी आर्य भाषासभमे तालव्य प्रवृत्तिक उदाहरण भेटैत अछि।

५५८. **(D) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि** — भारतीय आर्य भाषासभमे मूर्धन्य ध्वनि ऐतिहासिक अध्ययनक महत्त्वपूर्ण विषय अछि।

५५९. **(C) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद** — संस्कृत आ मैथिली ध्वनि-प्रणालीमे महाप्राण-अल्पप्राण भेदक भूमिका अछि।

५६०. **(B) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण** — पूर्वी आर्य भाषिक परम्परासभमे ऊष्म ध्वनि-परिवर्तन अध्ययन योग्य अछि।

५६१. **(A) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार** — आर्य भाषासभमे र-ल प्रवृत्ति तुलनात्मक अध्ययनमे ध्यान देबाक विषय अछि।

५६२. **(D) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न** — अनुस्वार ध्वनि आ लिपि दुनू दृष्टिसँ सावधानी माँगैत अछि।

५६३. **(C) स्वरक नासिक्य उच्चारण** — मैथिली उच्चारणमे अनुनासिक स्वर अर्थ-भेदक संकेत दऽ सकैत अछि।

५६४. **(B) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब** — भाषा-विकासमे कठिन वा कमजोर ध्वनि लुप्त भऽ सकैत अछि।

५६५. **(A) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ** — उच्चारण-सहजता वा रूप-प्रभावसँ आगम भऽ सकैत अछि।

५६६. **(D) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति** — ऐतिहासिक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

५६७. **(C) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब** — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली मार्गमे अनेक ठाम टूटल।

५६८. **(B) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप** — लोक-उच्चारणमे स्वर-संकोच एक सामान्य प्रक्रिया अछि।

५६९. **(A) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप** — किछु शब्दमे लय, बल वा ध्वनि-संतुलनसँ स्वर-विस्तार देखाइत अछि।

५७०. **(D) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब** — ध्वनि-परिवर्तनसँ कखनहुँ अलग मूलक शब्द ध्वन्यात्मक रूपेँ निकट होइत अछि।

५७१. **(C) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता** — मैथिली सहित अनेक भाषामे लिपि आ वास्तविक उच्चारण बराबर एक नहि होइत।

५७२. **(B) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता** — मैथिलीमे क्षेत्रीय उच्चारण भाषिक विविधताक प्रमाण अछि।

५७३. **(A) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ** — मैथिलीक ध्वनि-वैशिष्ट्य ओकर स्वतंत्र भाषिक पहचानकेँ बल दैत अछि।

५७४. **(D) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब** — ध्वनि परिवर्तन भाषा-विकासक सबसँ ठोस साक्ष्यसभमे एक अछि।

५७५. **(C) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण** — ध्वनि-साक्ष्यसँ तद्भव रूप आ स्रोत-रूपक सम्बन्ध पकड़ल जाइत अछि।

५७६. **(B) स्वरक दीर्घता, ह्रस्वता, उच्चारण वा रूपक बदलनाइ** — संस्कृतसँ मैथिली धरि स्वर-रूप अनेक शब्दमे बदलल।

५७७. **(A) संयुक्त वा कठिन व्यंजनक सरल होएब** — प्राकृत-अवहट्ठ मार्गमे संयुक्त व्यंजन अनेक ठाम सरल भेल।

५७८. **(D) नाकसँ उच्चरित स्वर वा व्यंजनक विशेषता** — मैथिलीमे नासिक्य उच्चारणक महत्त्वपूर्ण स्थान अछि।

५७९. **(C) मेलल ध्वनिक लोकभाषामे अलग वा सरल होएब** — लोकभाषा कठिन सन्धि-रूपकेँ सरल बना सकैत अछि।

५८०. **(B) उच्चारणमे बल वा लयक प्रवृत्ति** — भाषा-भेदमे स्वराघात आ लय सेहो अलग पहचान दैत अछि।

५८१. **(A) ध्वनि बनबाक मुखक स्थान** — ध्वनिविज्ञान उच्चारण-स्थानसँ व्यंजनक भेद बुझैत अछि।

५८२. **(D) किछु ध्वनिक तालव्य रूपक ओर झुकाव** — पूर्वी आर्य भाषासभमे तालव्य प्रवृत्तिक उदाहरण भेटैत अछि।

५८३. **(C) जीहक मोड़सँ उच्चरित ध्वनि** — भारतीय आर्य भाषासभमे मूर्धन्य ध्वनि ऐतिहासिक अध्ययनक महत्त्वपूर्ण विषय अछि।

५८४. **(B) व्यंजन उच्चारणमे श्वास-बलक भेद** — संस्कृत आ मैथिली ध्वनि-प्रणालीमे महाप्राण-अल्पप्राण भेदक भूमिका अछि।

५८५. **(A) तीन ऊष्म ध्वनिक ऐतिहासिक रूपांतरण** — पूर्वी आर्य भाषिक परम्परासभमे ऊष्म ध्वनि-परिवर्तन अध्ययन योग्य अछि।

५८६. **(D) तरल ध्वनिसभक क्षेत्रीय/ऐतिहासिक व्यवहार** — आर्य भाषासभमे र-ल प्रवृत्ति तुलनात्मक अध्ययनमे ध्यान देबाक विषय अछि।

५८७. **(C) नासिक्य ध्वनिक लेखन-चिह्न** — अनुस्वार ध्वनि आ लिपि दुनू दृष्टिसँ सावधानी माँगैत अछि।

५८८. **(B) स्वरक नासिक्य उच्चारण** — मैथिली उच्चारणमे अनुनासिक स्वर अर्थ-भेदक संकेत दऽ सकैत अछि।

५८९. **(A) शब्दमे किछु ध्वनिक छूटि जाएब** — भाषा-विकासमे कठिन वा कमजोर ध्वनि लुप्त भऽ सकैत अछि।

५९०. **(D) शब्दमे नूतन ध्वनिक जुड़नाइ** — उच्चारण-सहजता वा रूप-प्रभावसँ आगम भऽ सकैत अछि।

५९१. **(C) समान परिस्थिति मे समान प्रवृत्ति** — ऐतिहासिक भाषाविज्ञान ध्वनि-परिवर्तनमे नियमबद्धता खोजैत अछि।

५९२. **(B) दुइ व्यंजनक समूहक सरल होएब** — संस्कृत संयुक्ताक्षर प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली मार्गमे अनेक ठाम टूटल।

५९३. **(A) दीर्घ वा संयुक्त स्वरक छोट/सरल रूप** — लोक-उच्चारणमे स्वर-संकोच एक सामान्य प्रक्रिया अछि।

५९४. **(D) स्वरक फैलल वा दीर्घ रूप** — किछु शब्दमे लय, बल वा ध्वनि-संतुलनसँ स्वर-विस्तार देखाइत अछि।

५९५. **(C) भिन्न शब्दक ध्वनि एक समान भऽ जाएब** — ध्वनि-परिवर्तनसँ कखनहुँ अलग मूलक शब्द ध्वन्यात्मक रूपेँ निकट होइत अछि।

५९६. **(B) बोलल आ लिखल रूपमे भिन्नता** — मैथिली सहित अनेक भाषामे लिपि आ वास्तविक उच्चारण बराबर एक नहि होइत।

५९७. **(A) क्षेत्र अनुसार ध्वनि-रूपक भिन्नता** — मैथिलीमे क्षेत्रीय उच्चारण भाषिक विविधताक प्रमाण अछि।

५९८. **(D) किछु ध्वनिसँ भाषाक अलग स्वरूप चिन्हनाइ** — मैथिलीक ध्वनि-वैशिष्ट्य ओकर स्वतंत्र भाषिक पहचानकेँ बल दैत अछि।

५९९. **(C) संस्कृतसँ मैथिली धरि उच्चारण-रूपक क्रमिक बदलाब** — ध्वनि परिवर्तन भाषा-विकासक सबसँ ठोस साक्ष्यसभमे एक अछि।

६००. **(B) तुलनात्मक शब्द-रूपसँ इतिहास बुझबाक प्रमाण** — ध्वनि-साक्ष्यसँ तद्भव रूप आ स्रोत-रूपक सम्बन्ध पकड़ल जाइत अछि।

६०१. **(A) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप** — संस्कृतसँ मैथिली धरि संज्ञा-रूपमे विभक्ति घटि परसर्गीय प्रवृत्ति बढ़ल।

६०२. **(D) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द** — मैथिली सर्वनाममे व्यक्ति, निकटता आ आदरक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

६०३. **(C) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ** — मैथिलीमे अहाँ/अपने आदि आदरसूचक प्रयोग महत्त्वपूर्ण अछि।

६०४. **(B) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध** — मैथिलीमे कारक-संबंध परसर्ग आ शब्द-क्रमसँ स्पष्ट होइत अछि।

६०५. **(A) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द** — नव आर्य भाषासभमे परसर्ग संस्कृत विभक्ति-प्रणालीक स्थान पर प्रमुख भेल।

६०६. **(D) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द** — मैथिली क्रियामे काल, पक्ष, भाव, पुरुष आ आदरक मेल देखाइत अछि।

६०७. **(C) क्रियाक मूल रूप** — धातु पर प्रत्यय, सहायक रूप आ आदर-चिह्न जुड़ि क्रिया बनैत अछि।

६०८. **(B) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत** — काल क्रियाक समयगत पक्ष स्पष्ट करैत अछि।

६०९. **(A) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध** — मैथिली क्रियामे रहल/गेल/चुकल आदि रूप पक्षगत अर्थ दैत अछि।

६१०. **(D) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव** — क्रियाक भाव वाक्यक उद्देश्य आ बोलनिहारक दृष्टि बतबैत अछि।

६११. **(C) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत** — नकार रूप भाषाक वाक्य-संरचना आ अर्थमे महत्त्वपूर्ण अछि।

६१२. **(B) एकवचन/बहुवचनक अर्थ** — मैथिलीमे वचन अर्थ आ सम्मान दुनू कारणसँ सूक्ष्म रूप लऽ सकैत अछि।

६१३. **(A) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत** — मैथिलीमे लिंग-प्रयोग साहित्यिक आ बोलचाल दुनू स्तर पर देखल जाइत अछि।

६१४. **(D) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द** — मैथिलीमे विशेषण कखनहुँ रूपानुसार बदलैत, कखनहुँ स्थिर रहैत अछि।

६१५. **(C) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द** — अव्यय वाक्यक सम्बन्ध, भाव आ क्रम बनबैत अछि।

६१६. **(B) वाक्यमे पदक क्रम** — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल फेरबदल सम्भव अछि।

६१७. **(A) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप** — सहायक क्रिया नव आर्य भाषासभमे महत्त्वपूर्ण विकास अछि।

६१८. **(D) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल** — मैथिली वाक्यरचनामे क्रिया-मेल अर्थ-स्पष्टताक आधार अछि।

६१९. **(C) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश** — प्रत्यय शब्द-निर्माण आ रूप-परिवर्तनमे जरूरी अछि।

६२०. **(B) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश** — उपसर्ग संस्कृत-प्रभावित शब्दावली आ आधुनिक निर्माणमे उपयोगी अछि।

६२१. **(A) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई** — रूपविज्ञान रूपिमक अध्ययन करैत अछि।

६२२. **(D) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद** — मैथिली क्रिया आ सर्वनाममे पुरुष-भेद स्पष्ट अछि।

६२३. **(C) पुरान जटिल रूपक सरल होएब** — संस्कृतसँ मैथिली धरि रूप-व्याकरण अधिक विश्लेषणात्मक बनैत गेल।

६२४. **(B) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति** — नव आर्य भाषासभमे विश्लेषणात्मक संरचना बढ़ल।

६२५. **(A) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली** — मैथिलीक व्याकरण संस्कृतसँ जुड़ल होइतो अपन सामाजिक आ बोलचालक स्वरूप बनबैत अछि।

६२६. (D) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप — संस्कृतसँ मैथिली धरि संज्ञा-रूपमे विभक्ति घटि परसर्गीय प्रवृत्ति बढ़ल।

६२७. (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द — मैथिली सर्वनाममे व्यक्ति, निकटता आ आदरक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

६२८. (B) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ — मैथिलीमे अहाँ/अपने आदि आदरसूचक प्रयोग महत्त्वपूर्ण अछि।

६२९. (A) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध — मैथिलीमे कारक-संबंध परसर्ग आ शब्द-क्रमसँ स्पष्ट होइत अछि।

६३०. (D) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द — नव आर्य भाषासभमे परसर्ग संस्कृत विभक्ति-प्रणालीक स्थान पर प्रमुख भेल।

६३१. (C) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द — मैथिली क्रियामे काल, पक्ष, भाव, पुरुष आ आदरक मेल देखाइत अछि।

६३२. (B) क्रियाक मूल रूप — धातु पर प्रत्यय, सहायक रूप आ आदर-चिह्न जुड़ि क्रिया बनैत अछि।

६३३. (A) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत — काल क्रियाक समयगत पक्ष स्पष्ट करैत अछि।

६३४. (D) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध — मैथिली क्रियामे रहल/गेल/चुकल आदि रूप पक्षगत अर्थ दैत अछि।

६३५. (C) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव — क्रियाक भाव वाक्यक उद्देश्य आ बोलनिहारक दृष्टि बतबैत अछि।

६३६. (B) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत — नकार रूप भाषाक वाक्य-संरचना आ अर्थमे महत्त्वपूर्ण अछि।

६३७. (A) एकवचन/बहुवचनक अर्थ — मैथिलीमे वचन अर्थ आ सम्मान दुनू कारणसँ सूक्ष्म रूप लऽ सकैत अछि।

६३८. (D) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत — मैथिलीमे लिंग-प्रयोग साहित्यिक आ बोलचाल दुनू स्तर पर देखल जाइत अछि।

६३९. (C) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द — मैथिलीमे विशेषण कखनहुँ रूपानुसार बदलैत, कखनहुँ स्थिर रहैत अछि।

६४०. (B) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द — अव्यय वाक्यक सम्बन्ध, भाव आ क्रम बनबैत अछि।

६४१. (A) वाक्यमे पदक क्रम — मैथिलीमे सामान्यत: कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल फेरबदल सम्भव अछि।

६४२. (D) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप — सहायक क्रिया नव आर्य भाषासभमे महत्त्वपूर्ण विकास अछि।

६४३. (C) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल — मैथिली वाक्यरचनामे क्रिया-मेल अर्थ-स्पष्टताक आधार अछि।

६४४. (B) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश — प्रत्यय शब्द-निर्माण आ रूप-परिवर्तनमे जरूरी अछि।

६४५. (A) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश — उपसर्ग संस्कृत-प्रभावित शब्दावली आ आधुनिक निर्माणमे उपयोगी अछि।

६४६. (D) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई — रूपविज्ञान रूपिमक अध्ययन करैत अछि।

६४७. (C) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद — मैथिली क्रिया आ सर्वनाममे पुरुष-भेद स्पष्ट अछि।

६४८. (B) पुरान जटिल रूपक सरल होएब — संस्कृतसँ मैथिली धरि रूप-व्याकरण अधिक विश्लेषणात्मक बनैत गेल।

६४९. (A) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति — नव आर्य भाषासभमे विश्लेषणात्मक संरचना बढ़ल।

६५०. (D) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली — मैथिलीक व्याकरण संस्कृतसँ जुड़ल होइतो अपन सामाजिक आ बोलचालक स्वरूप बनबैत अछि।

६५१. (C) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप — संस्कृतसँ मैथिली धरि संज्ञा-रूपमे विभक्ति घटि परसर्गीय प्रवृत्ति बढ़ल।

६५२. (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द — मैथिली सर्वनाममे व्यक्ति, निकटता आ आदरक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

६५३. (A) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ — मैथिलीमे अहाँ/अपने आदि आदरसूचक प्रयोग महत्त्वपूर्ण अछि।

६५४. (D) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध — मैथिलीमे कारक-संबंध परसर्ग आ शब्द-क्रमसँ स्पष्ट होइत अछि।

६५५. (C) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द — नव आर्य भाषासभमे परसर्ग संस्कृत विभक्ति-प्रणालीक स्थान पर प्रमुख भेल।

६५६. (B) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द — मैथिली क्रियामे काल, पक्ष, भाव, पुरुष आ आदरक मेल देखाइत अछि।

६५७. (A) क्रियाक मूल रूप — धातु पर प्रत्यय, सहायक रूप आ आदर-चिह्न जुड़ि क्रिया बनैत अछि।

६५८. (D) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत — काल क्रियाक समयगत पक्ष स्पष्ट करैत अछि।

६५९. (C) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध — मैथिली क्रियामे रहल/गेल/चुकल आदि रूप पक्षगत अर्थ दैत अछि।

६६०. (B) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव — क्रियाक भाव वाक्यक उद्देश्य आ बोलनिहारक दृष्टि बतबैत अछि।

६६१. **(A) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत** — नकार रूप भाषाक वाक्य-संरचना आ अर्थमे महत्त्वपूर्ण अछि।

६६२. **(D) एकवचन/बहुवचनक अर्थ** — मैथिलीमे वचन अर्थ आ सम्मान दुनू कारणसँ सूक्ष्म रूप लऽ सकैत अछि।

६६३. **(C) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत** — मैथिलीमे लिंग-प्रयोग साहित्यिक आ बोलचाल दुनू स्तर पर देखल जाइत अछि।

६६४. **(B) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द** — मैथिलीमे विशेषण कखनहुँ रूपानुसार बदलैत, कखनहुँ स्थिर रहैत अछि।

६६५. **(A) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द** — अव्यय वाक्यक सम्बन्ध, भाव आ क्रम बनबैत अछि।

६६६. **(D) वाक्यमे पदक क्रम** — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल फेरबदल सम्भव अछि।

६६७. **(C) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप** — सहायक क्रिया नव आर्य भाषासभमे महत्त्वपूर्ण विकास अछि।

६६८. **(B) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल** — मैथिली वाक्यरचनामे क्रिया-मेल अर्थ-स्पष्टताक आधार अछि।

६६९. **(A) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश** — प्रत्यय शब्द-निर्माण आ रूप-परिवर्तनमे जरूरी अछि।

६७०. **(D) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश** — उपसर्ग संस्कृत-प्रभावित शब्दावली आ आधुनिक निर्माणमे उपयोगी अछि।

६७१. **(C) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई** — रूपविज्ञान रूपिमक अध्ययन करैत अछि।

६७२. **(B) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद** — मैथिली क्रिया आ सर्वनाममे पुरुष-भेद स्पष्ट अछि।

६७३. **(A) पुरान जटिल रूपक सरल होएब** — संस्कृतसँ मैथिली धरि रूप-व्याकरण अधिक विश्लेषणात्मक बनैत गेल।

६७४. **(D) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति** — नव आर्य भाषासभमे विश्लेषणात्मक संरचना बढ़ल।

६७५. **(C) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली** — मैथिलीक व्याकरण संस्कृतसँ जुड़ल होइतो अपन सामाजिक आ बोलचालक स्वरूप बनबैत अछि।

६७६. **(B) व्यक्ति, वस्तु वा भावक नामक व्याकरणिक रूप** — संस्कृतसँ मैथिली धरि संज्ञा-रूपमे विभक्ति घटि परसर्गीय प्रवृत्ति बढ़ल।

६७७. **(A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द** — मैथिली सर्वनाममे व्यक्ति, निकटता आ आदरक सूक्ष्म भेद भेटैत अछि।

६७८. **(D) सम्मान अनुसार सर्वनाम आ क्रिया बदलनाइ** — मैथिलीमे अहाँ/अपने आदि आदरसूचक प्रयोग महत्त्वपूर्ण अछि।

६७९. **(C) वाक्यमे संज्ञाक सम्बन्ध** — मैथिलीमे कारक-संबंध परसर्ग आ शब्द-क्रमसँ स्पष्ट होइत अछि।

६८०. **(B) संज्ञा-पछाँ लगि सम्बन्ध बताबयवला चिह्न/शब्द** — नव आर्य भाषासभमे परसर्ग संस्कृत विभक्ति-प्रणालीक स्थान पर प्रमुख भेल।

६८१. **(A) कर्म, अवस्था वा घटना बताबयवला शब्द** — मैथिली क्रियामे काल, पक्ष, भाव, पुरुष आ आदरक मेल देखाइत अछि।

६८२. **(D) क्रियाक मूल रूप** — धातु पर प्रत्यय, सहायक रूप आ आदर-चिह्न जुड़ि क्रिया बनैत अछि।

६८३. **(C) घटना कखन भेल/होइत अछि/होएत अछि, तकर संकेत** — काल क्रियाक समयगत पक्ष स्पष्ट करैत अछि।

६८४. **(B) क्रियाक पूर्णता, अपूर्णता वा निरन्तरताक बोध** — मैथिली क्रियामे रहल/गेल/चुकल आदि रूप पक्षगत अर्थ दैत अछि।

६८५. **(A) आज्ञा, सम्भावना, इच्छा आदि क्रिया-मनोभाव** — क्रियाक भाव वाक्यक उद्देश्य आ बोलनिहारक दृष्टि बतबैत अछि।

६८६. **(D) नहि, नै आदि द्वारा अस्वीकारक संकेत** — नकार रूप भाषाक वाक्य-संरचना आ अर्थमे महत्त्वपूर्ण अछि।

६८७. **(C) एकवचन/बहुवचनक अर्थ** — मैथिलीमे वचन अर्थ आ सम्मान दुनू कारणसँ सूक्ष्म रूप लऽ सकैत अछि।

६८८. **(B) व्याकरणिक वा प्राकृतिक स्त्री/पुरुष आदि संकेत** — मैथिलीमे लिंग-प्रयोग साहित्यिक आ बोलचाल दुनू स्तर पर देखल जाइत अछि।

६८९. **(A) संज्ञाक गुण बताबयवला शब्द** — मैथिलीमे विशेषण कखनहुँ रूपानुसार बदलैत, कखनहुँ स्थिर रहैत अछि।

६९०. **(D) रूप-परिवर्तन कम करयवला शब्द** — अव्यय वाक्यक सम्बन्ध, भाव आ क्रम बनबैत अछि।

६९१. **(C) वाक्यमे पदक क्रम** — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल फेरबदल सम्भव अछि।

६९२. **(B) मुख्य क्रियाक अर्थ, काल वा पक्ष पूरा करयवला रूप** — सहायक क्रिया नव आर्य भाषासभमे महत्त्वपूर्ण विकास अछि।

६९३. **(A) कर्ता, कर्म आ क्रियाक मेल** — मैथिली वाक्यरचनामे क्रिया-मेल अर्थ-स्पष्टताक आधार अछि।

६९४. **(D) मूल शब्दक बाद जुड़ि अर्थ/रूप बदलयवला अंश** — प्रत्यय शब्द-निर्माण आ रूप-परिवर्तनमे जरूरी अछि।

६९५. **(C) मूल शब्दक पहिने जुड़ि अर्थ बदलयवला अंश** — उपसर्ग संस्कृत-प्रभावित शब्दावली आ आधुनिक निर्माणमे उपयोगी अछि।

६९६. **(B) अर्थ वा व्याकरणिक भूमिका राखयवला सबसँ छोट इकाई** — रूपविज्ञान रूपिमक अध्ययन करैत अछि।

६९७. **(A) पहिल, दोसर, तेसर व्यक्तिक व्याकरणिक भेद** — मैथिली क्रिया आ सर्वनाममे पुरुष-भेद स्पष्ट अछि।

६९८. **(D) पुरान जटिल रूपक सरल होएब** — संस्कृतसँ मैथिली धरि रूप-व्याकरण अधिक विश्लेषणात्मक बनैत गेल।

६९९. **(C) विभक्ति-रूपक बदला अलग शब्द/क्रमसँ सम्बन्ध बतबैत प्रवृत्ति** — नव आर्य भाषासभमे विश्लेषणात्मक संरचना बढ़ल।

७००. **(B) संस्कृतक जटिल व्याकरणसँ मैथिलीक स्वतंत्र सरल-सूक्ष्म प्रणाली** — मैथिलीक व्याकरण संस्कृतसँ जुड़ल होइतो अपन सामाजिक आ बोलचालक स्वरूप बनबैत अछि।

७०१. **(A) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द** — धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्रमे तत्सम शब्द प्रचुर अछि।

७०२. **(D) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप** — तद्भव शब्द भाषा इतिहासक जीबित प्रमाण अछि।

७०३. **(C) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द** — देशज शब्द गाम, खेती, परिवार, लोकाचार आ प्रकृतिसँ जुड़ल अछि।

७०४. **(B) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द** — राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक सम्पर्कसँ आगन्तुक शब्द प्रवेश करैत अछि।

७०५. **(A) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब** — समाजक नूतन अनुभवसँ शब्दक अर्थ बढ़ि सकैत अछि।

७०६. **(D) शब्दक अर्थ सीमित होएब** — विशेष सन्दर्भमे बारम्बार प्रयोगसँ शब्दक अर्थ संकुचित भऽ सकैत अछि।

७०७. **(C) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ** — भाषा-विकासमे अर्थ स्थिर नहि; समाज आ संस्कृति ओकरा बदलैत अछि।

७०८. **(B) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द** — लोक-शब्द मैथिलीकेँ जमीन आ जीवनक नजदीक राखैत अछि।

७०९. **(A) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा** — मिथिला कृषिप्रधान समाज रहल, तें कृषि शब्दावली मैथिलीमे गहिर अछि।

७१०. **(D) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द** — मैथिलीमे सम्बन्धबोधक शब्द सामाजिक संरचनाक दर्पण अछि।

७११. **(C) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द** — संस्कार-परम्परा भाषाक सांस्कृतिक शब्द-संपदा बचबैत अछि।

७१२. **(B) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द** — धार्मिक साहित्य आ लोकाचार मैथिली शब्द-संपदाकेँ समृद्ध करैत अछि।

७१३. **(A) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद** — मिथिला पाण्डित्यक कारण मैथिलीमे विद्वत् शब्दावलीक प्रभाव अछि।

७१४. **(D) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक शाब्दिक अर्थसँ अलग सांस्कृतिक अर्थ दैत अछि।

७१५. **(C) लोक-अनुभवसँ बनल कथन** — लोकोक्ति मैथिली समाजक बुद्धि, हास्य आ अनुभवक भण्डार अछि।

७१६. **(B) निकट अर्थक अलग शब्द** — संस्कृत, तद्भव, देशज शब्दक सहअस्तित्व मैथिलीमे पर्याय-समृद्धि दैत अछि।

७१७. **(A) शब्द वा ध्वनिक दोहराव** — मैथिली बोलचालमे द्विरुक्ति भाव, लय आ बल दैत अछि।

७१८. **(D) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द** — संस्कृत आ आधुनिक लेखन दुनूमे समासित शब्द मैथिलीमे भेटैत अछि।

७१९. **(C) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द** — आधुनिक शिक्षा, विज्ञान आ तकनीकसँ मैथिलीमे नवशब्द निर्माण आवश्यक भेल।

७२०. **(B) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द** — अनुवाद आधुनिक ज्ञान-विस्तारमे मैथिली शब्द-संपदा बढ़बैत अछि।

७२१. **(A) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व** — मैथिली शब्द-संपदा अनेक स्रोतसँ बनल बहुस्तरीय संरचना अछि।

७२२. **(D) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ** — शब्द देखला सँ भाषा-संपर्क, समाज आ ध्वनि-विकासक पता लगैत अछि।

७२३. **(C) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन** — व्युत्पत्ति संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली सम्बन्ध खोलैत अछि।

७२४. **(B) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार** — एक शब्द साहित्य, लोक, धर्म वा प्रशासनमे अलग रंग ग्रहण कऽ सकैत अछि।

७२५. **(A) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम** — शब्द-संपदा भाषा-विकासक सबसँ जीवंत प्रमाणसभमे अछि।

७२६. **(D) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द** — धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्रमे तत्सम शब्द प्रचुर अछि।

७२७. **(C) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप** — तद्भव शब्द भाषा इतिहासक जीबित प्रमाण अछि।

७२८. **(B) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द** — देशज शब्द गाम, खेती, परिवार, लोकाचार आ प्रकृतिसँ जुड़ल अछि।

७२९. **(A) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द** — राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक सम्पर्कसँ आगन्तुक शब्द प्रवेश करैत अछि।

७३०. **(D) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब** — समाजक नूतन अनुभवसँ शब्दक अर्थ बढ़ि सकैत अछि।

७३१. **(C) शब्दक अर्थ सीमित होएब** — विशेष सन्दर्भमे बारम्बार प्रयोगसँ शब्दक अर्थ संकुचित भऽ सकैत अछि।

७३२. **(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ** — भाषा-विकासमे अर्थ स्थिर नहि; समाज आ संस्कृति ओकरा बदलैत अछि।

७३३. **(A) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द** — लोक-शब्द मैथिलीकेँ जमीन आ जीवनक नजदीक राखैत अछि।

७३४. **(D) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा** — मिथिला कृषिप्रधान समाज रहल, तें कृषि शब्दावली मैथिलीमे गहिर अछि।

७३५. **(C) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द** — मैथिलीमे सम्बन्धबोधक शब्द सामाजिक संरचनाक दर्पण अछि।

७३६. **(B) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द** — संस्कार-परम्परा भाषाक सांस्कृतिक शब्द-संपदा बचबैत अछि।

७३७. **(A) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द** — धार्मिक साहित्य आ लोकाचार मैथिली शब्द-संपदाकेँ समृद्ध करैत अछि।

७३८. **(D) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद** — मिथिला पाण्डित्यक कारण मैथिलीमे विद्वत् शब्दावलीक प्रभाव अछि।

७३९. **(C) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक शाब्दिक अर्थसँ अलग सांस्कृतिक अर्थ दैत अछि।

७४०. **(B) लोक-अनुभवसँ बनल कथन** — लोकोक्ति मैथिली समाजक बुद्धि, हास्य आ अनुभवक भण्डार अछि।

७४१. **(A) निकट अर्थक अलग शब्द** — संस्कृत, तद्भव, देशज शब्दक सहअस्तित्व मैथिलीमे पर्याय-समृद्धि दैत अछि।

७४२. **(D) शब्द वा ध्वनिक दोहराव** — मैथिली बोलचालमे द्विरुक्ति भाव, लय आ बल दैत अछि।

७४३. **(C) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द** — संस्कृत आ आधुनिक लेखन दुनूमे समासित शब्द मैथिलीमे भेटैत अछि।

७४४. **(B) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द** — आधुनिक शिक्षा, विज्ञान आ तकनीकसँ मैथिलीमे नवशब्द निर्माण आवश्यक भेल।

७४५. **(A) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द** — अनुवाद आधुनिक ज्ञान-विस्तारमे मैथिली शब्द-संपदा बढ़बैत अछि।

७४६. **(D) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व** — मैथिली शब्द-संपदा अनेक स्रोतसँ बनल बहुस्तरीय संरचना अछि।

७४७. **(C) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ** — शब्द देखला सँ भाषा-संपर्क, समाज आ ध्वनि-विकासक पता लगैत अछि।

७४८. **(B) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन** — व्युत्पत्ति संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली सम्बन्ध खोलैत अछि।

७४९. **(A) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार** — एक शब्द साहित्य, लोक, धर्म वा प्रशासनमे अलग रंग ग्रहण कऽ सकैत अछि।

७५०. **(D) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम** — शब्द-संपदा भाषा-विकासक सबसँ जीवंत प्रमाणसभमे अछि।

७५१. **(C) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द** — धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्रमे तत्सम शब्द प्रचुर अछि।

७५२. **(B) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप** — तद्भव शब्द भाषा इतिहासक जीबित प्रमाण अछि।

७५३. **(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द** — देशज शब्द गाम, खेती, परिवार, लोकाचार आ प्रकृतिसँ जुड़ल अछि।

७५४. **(D) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द** — राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक सम्पर्कसँ आगन्तुक शब्द प्रवेश करैत अछि।

७५५. **(C) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब** — समाजक नूतन अनुभवसँ शब्दक अर्थ बढ़ि सकैत अछि।

७५६. **(B) शब्दक अर्थ सीमित होएब** — विशेष सन्दर्भमे बारम्बार प्रयोगसँ शब्दक अर्थ संकुचित भऽ सकैत अछि।

७५७. **(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ** — भाषा-विकासमे अर्थ स्थिर नहि; समाज आ संस्कृति ओकरा बदलैत अछि।

७५८. **(D) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द** — लोक-शब्द मैथिलीकेँ जमीन आ जीवनक नजदीक राखैत अछि।

७५९. **(C) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा** — मिथिला कृषिप्रधान समाज रहल, तें कृषि शब्दावली मैथिलीमे गहिर अछि।

७६०. **(B) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द** — मैथिलीमे सम्बन्धबोधक शब्द सामाजिक संरचनाक दर्पण अछि।

७६१. **(A) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द** — संस्कार-परम्परा भाषाक सांस्कृतिक शब्द-संपदा बचबैत अछि।

७६२. **(D) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द** — धार्मिक साहित्य आ लोकाचार मैथिली शब्द-संपदाकेँ समृद्ध करैत अछि।

७६३. **(C) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद** — मिथिला पाण्डित्यक कारण मैथिलीमे विद्वत् शब्दावलीक प्रभाव अछि।

७६४. **(B) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक शाब्दिक अर्थसँ अलग सांस्कृतिक अर्थ दैत अछि।

७६५. **(A) लोक-अनुभवसँ बनल कथन** — लोकोक्ति मैथिली समाजक बुद्धि, हास्य आ अनुभवक भण्डार अछि।

७६६. **(D) निकट अर्थक अलग शब्द** — संस्कृत, तद्भव, देशज शब्दक सहअस्तित्व मैथिलीमे पर्याय-समृद्धि दैत अछि।

७६७. (C) शब्द वा ध्वनिक दोहराव — मैथिली बोलचालमे द्विरुक्ति भाव, लय आ बल दैत अछि।

७६८. (B) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द — संस्कृत आ आधुनिक लेखन दुनूमे समासित शब्द मैथिलीमे भेटैत अछि।

७६९. (A) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द — आधुनिक शिक्षा, विज्ञान आ तकनीकसँ मैथिलीमे नवशब्द निर्माण आवश्यक भेल।

७७०. (D) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द — अनुवाद आधुनिक ज्ञान-विस्तारमे मैथिली शब्द-संपदा बढ़बैत अछि।

७७१. (C) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व — मैथिली शब्द-संपदा अनेक स्रोतसँ बनल बहुस्तरीय संरचना अछि।

७७२. (B) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ — शब्द देखला सँ भाषा-संपर्क, समाज आ ध्वनि-विकासक पता लगैत अछि।

७७३. (A) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन — व्युत्पत्ति संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली सम्बन्ध खोलैत अछि।

७७४. (D) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार — एक शब्द साहित्य, लोक, धर्म वा प्रशासनमे अलग रंग ग्रहण कऽ सकैत अछि।

७७५. (C) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम — शब्द-संपदा भाषा-विकासक सबसँ जीवंत प्रमाणसभमे अछि।

७७६. (B) संस्कृतसँ कम बदलि मैथिलीमे आयल शब्द — धर्म, दर्शन, साहित्य आ शास्त्रमे तत्सम शब्द प्रचुर अछि।

७७७. (A) संस्कृत मूलसँ ध्वनि-परिवर्तनद्वारा विकसित लोक-रूप — तद्भव शब्द भाषा इतिहासक जीबित प्रमाण अछि।

७७८. (D) स्थानीय लोकजीवनसँ उत्पन्न शब्द — देशज शब्द गाम, खेती, परिवार, लोकाचार आ प्रकृतिसँ जुड़ल अछि।

७७९. (C) दोसरा भाषासँ मैथिलीमे आयल शब्द — राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक सम्पर्कसँ आगन्तुक शब्द प्रवेश करैत अछि।

७८०. (B) शब्दक अर्थ पहिलासँ व्यापक होएब — समाजक नूतन अनुभवसँ शब्दक अर्थ बढ़ि सकैत अछि।

७८१. (A) शब्दक अर्थ सीमित होएब — विशेष सन्दर्भमे बारम्बार प्रयोगसँ शब्दक अर्थ संकुचित भऽ सकैत अछि।

७८२. (D) शब्दक अर्थ समयक संग बदलनाइ — भाषा-विकासमे अर्थ स्थिर नहि; समाज आ संस्कृति ओकरा बदलैत अछि।

७८३. (C) जनजीवनमे सहज चलैत शब्द — लोक-शब्द मैथिलीकेँ जमीन आ जीवनक नजदीक राखैत अछि।

७८४. (B) खेती-बारीसँ जुड़ल शब्द-संपदा — मिथिला कृषिप्रधान समाज रहल, तें कृषि शब्दावली मैथिलीमे गहिर अछि।

७८५. (A) संबंध, आदर आ घरेलू व्यवहारक शब्द — मैथिलीमे सम्बन्धबोधक शब्द सामाजिक संरचनाक दर्पण अछि।

७८६. (D) विवाह, जन्म, उपनयन, पर्व आदि सम्बन्धी शब्द — संस्कार-परम्परा भाषाक सांस्कृतिक शब्द-संपदा बचबैत अछि।

७८७. (C) पूजा, व्रत, कथा, भक्ति आ दर्शनसँ जुड़ल शब्द — धार्मिक साहित्य आ लोकाचार मैथिली शब्द-संपदाकेँ समृद्ध करैत अछि।

७८८. (B) शास्त्र, न्याय, व्याकरण, काव्य आ दर्शनक पद — मिथिला पाण्डित्यक कारण मैथिलीमे विद्वत् शब्दावलीक प्रभाव अछि।

७८९. (A) विशिष्ट अर्थ दैबला स्थिर प्रयोग — मुहावरा शब्दक शाब्दिक अर्थसँ अलग सांस्कृतिक अर्थ दैत अछि।

७९०. (D) लोक-अनुभवसँ बनल कथन — लोकोक्ति मैथिली समाजक बुद्धि, हास्य आ अनुभवक भण्डार अछि।

७९१. (C) निकट अर्थक अलग शब्द — संस्कृत, तद्भव, देशज शब्दक सहअस्तित्व मैथिलीमे पर्याय-समृद्धि दैत अछि।

७९२. (B) शब्द वा ध्वनिक दोहराव — मैथिली बोलचालमे द्विरुक्ति भाव, लय आ बल दैत अछि।

७९३. (A) दुइ पदक योगसँ बनल शब्द — संस्कृत आ आधुनिक लेखन दुनूमे समासित शब्द मैथिलीमे भेटैत अछि।

७९४. (D) नूतन आवश्यकता लेल बनल शब्द — आधुनिक शिक्षा, विज्ञान आ तकनीकसँ मैथिलीमे नवशब्द निर्माण आवश्यक भेल।

७९५. (C) दोसरा भाषाक अर्थकेँ मैथिलीमे रूप देबाक प्रक्रिया सँ बनल शब्द — अनुवाद आधुनिक ज्ञान-विस्तारमे मैथिली शब्द-संपदा बढ़बैत अछि।

७९६. (B) तत्सम, तद्भव, देशज, आगन्तुकक स्तरित सहअस्तित्व — मैथिली शब्द-संपदा अनेक स्रोतसँ बनल बहुस्तरीय संरचना अछि।

७९७. (A) शब्दरूप आ अर्थद्वारा इतिहास बुझनाइ — शब्द देखला सँ भाषा-संपर्क, समाज आ ध्वनि-विकासक पता लगैत अछि।

७९८. (D) शब्दक मूल आ विकासक अध्ययन — व्युत्पत्ति संस्कृत-प्राकृत-अवहट्ठ-मैथिली सम्बन्ध खोलैत अछि।

७९९. (C) सन्दर्भानुसार शब्दक व्यवहार — एक शब्द साहित्य, लोक, धर्म वा प्रशासनमे अलग रंग ग्रहण कऽ सकैत अछि।

८००. (B) मैथिलीमे पुरान स्रोत आ नूतन समाज दुनूक संगम — शब्द-संपदा भाषा-विकासक सबसँ जीवंत प्रमाणसभमे अछि।

८०१. (A) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता/मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि, पञ्जी आ सांस्कृतिक लेखनसँ जुड़ल रहल।

८०२. (D) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम — मिथिलाक्षर नामेँ एकर क्षेत्रीय-सांस्कृतिक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

८०३. (C) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि — देवनागरी छपाइ, शिक्षा आ सार्वजनिक प्रसारमे सुविधाजनक बनल।

८०४. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख — पाण्डुलिपि भाषाक पुरान रूप, लिपि आ शब्द-संपदा बचबैत अछि।

८०५. (A) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, समाज आ लिपिक ऐतिहासिक प्रमाण भेटैत अछि।

८०६. (D) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — ई ग्रन्थ आरम्भिक गद्य, समाज-वर्णन आ शब्द-संपदा लेल महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

८०७. (C) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — हुनकर नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

८०८. (B) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण — विद्यापतिक पदावली मैथिलीकेँ व्यापक साहित्यिक प्रतिष्ठा देलक।

८०९. (A) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा — कीर्तनिया नाटक भाषाक नाट्य, संगीत आ सामाजिक प्रयोगक प्रमाण दैत अछि।

८१०. (D) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री — नेपाल दरबारक मैथिली नाटक मध्यकालीन विकासक महत्त्वपूर्ण साक्ष्य अछि।

८११. (C) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य — अभिलेखसँ नाम, भाषा-रूप, स्थान आ कालक जानकारी भेटैत अछि।

८१२. (B) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज — ताम्रपत्र भाषिक आ ऐतिहासिक साक्ष्य रूपमे उपयोगी होइत अछि।

८१३. (A) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार — मुद्रण आधुनिक मैथिली विकासमे निर्णायक बनल।

८१४. (D) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज — पुरान मैथिली ग्रन्थक विश्वसनीय अध्ययन लेल सम्पादन जरूरी अछि।

८१५. (C) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप — पाण्डुलिपि परम्परामे पाठान्तर भाषाक इतिहास बुझयमे सहायक अछि।

८१६. (B) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण — मैथिली विकासक दावा भाषिक साक्ष्यसँ मजबूत होइत अछि।

८१७. (A) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा — साहित्य भाषाक व्यवहार आ सौन्दर्य दुनू देखबैत अछि।

८१८. (D) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण — तिरहुता सँ देवनागरीमे लिप्यन्तरण अध्ययन-प्रसारमे सहायक अछि।

८१९. (C) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था — यूनिकोडसँ पारम्परिक लिपि डिजिटल जगतमे लिखल-पढ़ल जा सकैत अछि।

८२०. (B) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ — डिजिटल पाठ भाषाक संरक्षण, खोज आ प्रसारमे मददि करैत अछि।

८२१. (A) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक — मैथिली तिरहुता वा देवनागरी दुनूमे लिखल जा सकैत अछि।

८२२. (D) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची — भाषा-साहित्य इतिहासमे ग्रन्थ-सूची स्रोत-खोजक आधार बनैत अछि।

८२३. (C) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था — मैथिली पाण्डुलिपि आ पत्रिका संरक्षण लेल अभिलेखागार महत्त्वपूर्ण अछि।

८२४. (B) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति — पुरान ग्रन्थक सही पाठ बनय लेल पाठ-समालोचना जरूरी अछि।

८२५. (A) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार — तिरहुता, देवनागरी, पाण्डुलिपि आ साहित्यिक पाठ मैथिलीक विकास रेखा प्रमाणित करैत अछि।

८२६. (D) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता/मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि, पञ्जी आ सांस्कृतिक लेखनसँ जुड़ल रहल।

८२७. (C) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम — मिथिलाक्षर नामेँ एकर क्षेत्रीय-सांस्कृतिक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

८२८. (B) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि — देवनागरी छपाइ, शिक्षा आ सार्वजनिक प्रसारमे सुविधाजनक बनल।

८२९. (A) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख — पाण्डुलिपि भाषाक पुरान रूप, लिपि आ शब्द-संपदा बचबैत अछि।

८३०. (D) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, समाज आ लिपिक ऐतिहासिक प्रमाण भेटैत अछि।

८३१. (C) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — ई ग्रन्थ आरम्भिक गद्य, समाज-वर्णन आ शब्द-संपदा लेल महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

८३२. (B) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — हुनकर नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

८३३. (A) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण — विद्यापतिक पदावली मैथिलीकेँ व्यापक साहित्यिक प्रतिष्ठा देलक।

८३४. (D) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा — कीर्तनिया नाटक भाषाक नाट्य, संगीत आ सामाजिक प्रयोगक प्रमाण दैत अछि।

८३५. (C) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री — नेपाल दरबारक मैथिली नाटक मध्यकालीन विकासक महत्त्वपूर्ण साक्ष्य अछि।

८३६. (B) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य — अभिलेखसँ नाम, भाषा-रूप, स्थान आ कालक जानकारी भेटैत अछि।

८३७. (A) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज — ताम्रपत्र भाषिक आ ऐतिहासिक साक्ष्य रूपमे उपयोगी होइत अछि।

८३८. (D) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार — मुद्रण आधुनिक मैथिली विकासमे निर्णायक बनल।

८३९. (C) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज — पुरान मैथिली ग्रन्थक विश्वसनीय अध्ययन लेल सम्पादन जरूरी अछि।

८४०. (B) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप — पाण्डुलिपि परम्परामे पाठान्तर भाषाक इतिहास बुझयमे सहायक अछि।

८४१. (A) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण — मैथिली विकासक दावा भाषिक साक्ष्यसँ मजबूत होइत अछि।

८४२. (D) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा — साहित्य भाषाक व्यवहार आ सौन्दर्य दुनू देखबैत अछि।

८४३. (C) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण — तिरहुता सँ देवनागरीमे लिप्यन्तरण अध्ययन-प्रसारमे सहायक अछि।

८४४. (B) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था — यूनिकोडसँ पारम्परिक लिपि डिजिटल जगतमे लिखल-पढ़ल जा सकैत अछि।

८४५. (A) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ — डिजिटल पाठ भाषाक संरक्षण, खोज आ प्रसारमे मददि करैत अछि।

८४६. (D) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक — मैथिली तिरहुता वा देवनागरी दुनूमे लिखल जा सकैत अछि।

८४७. (C) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची — भाषा-साहित्य इतिहासमे ग्रन्थ-सूची स्रोत-खोजक आधार बनैत अछि।

८४८. (B) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था — मैथिली पाण्डुलिपि आ पत्रिका संरक्षण लेल अभिलेखागार महत्त्वपूर्ण अछि।

८४९. (A) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति — पुरान ग्रन्थक सही पाठ बनय लेल पाठ-समालोचना जरूरी अछि।

८५०. (D) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार — तिरहुता, देवनागरी, पाण्डुलिपि आ साहित्यिक पाठ मैथिलीक विकास रेखा प्रमाणित करैत अछि।

८५१. (C) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता/मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि, पञ्जी आ सांस्कृतिक लेखनसँ जुड़ल रहल।

८५२. (B) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम — मिथिलाक्षर नामेँ एकर क्षेत्रीय-सांस्कृतिक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

८५३. (A) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि — देवनागरी छपाइ, शिक्षा आ सार्वजनिक प्रसारमे सुविधाजनक बनल।

८५४. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख — पाण्डुलिपि भाषाक पुरान रूप, लिपि आ शब्द-संपदा बचबैत अछि।

८५५. (C) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, समाज आ लिपिक ऐतिहासिक प्रमाण भेटैत अछि।

८५६. (B) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — ई ग्रन्थ आरम्भिक गद्य, समाज-वर्णन आ शब्द-संपदा लेल महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

८५७. (A) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — हुनकर नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

८५८. (D) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण — विद्यापतिक पदावली मैथिलीकेँ व्यापक साहित्यिक प्रतिष्ठा देलक।

८५९. (C) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा — कीर्तनिया नाटक भाषाक नाट्य, संगीत आ सामाजिक प्रयोगक प्रमाण दैत अछि।

८६०. (B) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री — नेपाल दरबारक मैथिली नाटक मध्यकालीन विकासक महत्त्वपूर्ण साक्ष्य अछि।

८६१. (A) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य — अभिलेखसँ नाम, भाषा-रूप, स्थान आ कालक जानकारी भेटैत अछि।

८६२. (D) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज — ताम्रपत्र भाषिक आ ऐतिहासिक साक्ष्य रूपमे उपयोगी होइत अछि।

८६३. (C) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार — मुद्रण आधुनिक मैथिली विकासमे निर्णायक बनल।

८६४. (B) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज — पुरान मैथिली ग्रन्थक विश्वसनीय अध्ययन लेल सम्पादन जरूरी अछि।

८६५. (A) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप — पाण्डुलिपि परम्परामे पाठान्तर भाषाक इतिहास बुझयमे सहायक अछि।

८६६. (D) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण — मैथिली विकासक दावा भाषिक साक्ष्यसँ मजबूत होइत अछि।

८६७. (C) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा — साहित्य भाषाक व्यवहार आ सौन्दर्य दुनू देखबैत अछि।

८६८. (B) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण — तिरहुता सँ देवनागरीमे लिप्यन्तरण अध्ययन-प्रसारमे सहायक अछि।

८६९. (A) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था — यूनिकोडसँ पारम्परिक लिपि डिजिटल जगतमे लिखल-पढ़ल जा सकैत अछि।

८७०. (D) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ — डिजिटल पाठ भाषाक संरक्षण, खोज आ प्रसारमे मददि करैत अछि।

८७१. (C) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक — मैथिली तिरहुता वा देवनागरी दुनूमे लिखल जा सकैत अछि।

८७२. (B) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची — भाषा-साहित्य इतिहासमे ग्रन्थ-सूची स्रोत-खोजक आधार बनैत अछि।

८७३. (A) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था — मैथिली पाण्डुलिपि आ पत्रिका संरक्षण लेल अभिलेखागार महत्त्वपूर्ण अछि।

८७४. (D) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति — पुरान ग्रन्थक सही पाठ बनय लेल पाठ-समालोचना जरूरी अछि।

८७५. (C) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार — तिरहुता, देवनागरी, पाण्डुलिपि आ साहित्यिक पाठ मैथिलीक विकास रेखा प्रमाणित करैत अछि।

८७६. (B) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — तिरहुता/मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि, पञ्जी आ सांस्कृतिक लेखनसँ जुड़ल रहल।

८७७. (A) तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम — मिथिलाक्षर नामेँ एकर क्षेत्रीय-सांस्कृतिक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

८७८. (D) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयोगमे आयल लिपि — देवनागरी छपाइ, शिक्षा आ सार्वजनिक प्रसारमे सुविधाजनक बनल।

८७९. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ वा अभिलेख — पाण्डुलिपि भाषाक पुरान रूप, लिपि आ शब्द-संपदा बचबैत अछि।

८८०. (B) वंशावली-सम्बन्धी मिथिला अभिलेखन परम्परा — पञ्जी लेखनसँ नाम, समाज आ लिपिक ऐतिहासिक प्रमाण भेटैत अछि।

८८१. (A) प्राचीन मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ — ई ग्रन्थ आरम्भिक गद्य, समाज-वर्णन आ शब्द-संपदा लेल महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

८८२. (D) प्राचीन मैथिली गद्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — हुनकर नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

८८३. (C) मैथिली काव्यभाषाक अत्यन्त प्रभावशाली प्रमाण — विद्यापतिक पदावली मैथिलीकेँ व्यापक साहित्यिक प्रतिष्ठा देलक।

८८४. (B) गीत-नाटकक मध्यकालीन मैथिली परम्परा — कीर्तनिया नाटक भाषाक नाट्य, संगीत आ सामाजिक प्रयोगक प्रमाण दैत अछि।

८८५. (A) नेपाल-मिथिला सांस्कृतिक सम्बन्धमे रचल मैथिली नाट्य सामग्री — नेपाल दरबारक मैथिली नाटक मध्यकालीन विकासक महत्त्वपूर्ण साक्ष्य अछि।

८८६. (D) पत्थर, ताम्रपत्र वा दोसरा माध्यमक लिखित साक्ष्य — अभिलेखसँ नाम, भाषा-रूप, स्थान आ कालक जानकारी भेटैत अछि।

८८७. (C) धातु पर लिखल ऐतिहासिक दस्तावेज — ताम्रपत्र भाषिक आ ऐतिहासिक साक्ष्य रूपमे उपयोगी होइत अछि।

८८८. (B) छपाइद्वारा ग्रन्थ आ पत्रिकाक प्रसार — मुद्रण आधुनिक मैथिली विकासमे निर्णायक बनल।

८८९. (A) पाठकेँ जाँचि-सुधारि प्रकाशित करबाक काज — पुरान मैथिली ग्रन्थक विश्वसनीय अध्ययन लेल सम्पादन जरूरी अछि।

८९०. (D) एके ग्रन्थक अलग-अलग पाठ-रूप — पाण्डुलिपि परम्परामे पाठान्तर भाषाक इतिहास बुझयमे सहायक अछि।

८९१. (C) ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य आ लिपिसँ भेटल प्रमाण — मैथिली विकासक दावा भाषिक साक्ष्यसँ मजबूत होइत अछि।

८९२. (B) काव्य, गद्य, नाटक, गीत आ कथा रूपमे बचल भाषा — साहित्य भाषाक व्यवहार आ सौन्दर्य दुनू देखबैत अछि।

८९३. (A) एक लिपिसँ दोसर लिपिमे रूपांतरण — तिरहुता सँ देवनागरीमे लिप्यन्तरण अध्ययन-प्रसारमे सहायक अछि।

८९४. (D) डिजिटल लिपि-मानकीकरणक आधुनिक व्यवस्था — यूनिकोडसँ पारम्परिक लिपि डिजिटल जगतमे लिखल-पढ़ल जा सकैत अछि।

८९५. (C) कम्प्यूटर/वेब पर उपलब्ध लिखित पाठ — डिजिटल पाठ भाषाक संरक्षण, खोज आ प्रसारमे मददि करैत अछि।

८९६. (B) लिपि भाषा लिखबाक साधन; भाषा ओहिसँ व्यापक — मैथिली तिरहुता वा देवनागरी दुनूमे लिखल जा सकैत अछि।

८९७. (A) कृति, लेखक, संस्करण आ प्रकाशनक व्यवस्थित सूची — भाषा-साहित्य इतिहासमे ग्रन्थ-सूची स्रोत-खोजक आधार बनैत अछि।

८९८. (D) पुरान दस्तावेज संरक्षित करबाक संस्था — मैथिली पाण्डुलिपि आ पत्रिका संरक्षण लेल अभिलेखागार महत्त्वपूर्ण अछि।

८९९. (C) विभिन्न पाठ तुलना कऽ प्रामाणिक रूप खोजबाक पद्धति — पुरान ग्रन्थक सही पाठ बनय लेल पाठ-समालोचना जरूरी अछि।

९००. (B) लिखित प्रमाण मैथिली विकास-इतिहासक आधार — तिरहुता, देवनागरी, पाण्डुलिपि आ साहित्यिक पाठ मैथिलीक विकास रेखा प्रमाणित करैत अछि।

९०१. (A) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार — मुद्रणसँ ग्रन्थ, पत्रिका आ पाठ्य-सामग्री व्यापक जन धरि पहुँचल।

९०२. (D) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम — पत्रिकासभ भाषा, समाज, आलोचना आ नवलेखनकेँ मंच देलक।

९०३. (C) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ — मानकीकरण शिक्षा, परीक्षा, प्रकाशन आ प्रशासन लेल आवश्यक अछि।

९०४. (B) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन — शिक्षा भाषाकेँ नूतन पीढ़ी धरि पहुँचेबाक स्थिर माध्यम अछि।

९०५. (A) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास — भाषा-आन्दोलन भाषिक स्वाभिमान आ संस्थागत स्थान निर्माण करैत अछि।

९०६. (D) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान — मान्यता भाषाक सार्वजनिक प्रतिष्ठा आ संस्थागत अवसर बढ़बैत अछि।

९०७. (C) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था — संस्था सभ भाषाक साहित्यकेँ व्यापक मंच आ सम्मान दैत अछि।

९०८. (B) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन — पत्रकारिता आधुनिक मैथिली गद्य आ सामाजिक चेतना केँ बल देलक।

९०९. (A) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा — आधुनिक गद्य मैथिलीकेँ विचार-विमर्श आ ज्ञानक माध्यम बनबैत अछि।

९१०. (D) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया — अनुवाद मैथिली शब्द-संपदा आ बौद्धिक क्षितिज बढ़बैत अछि।

९११. (C) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार — शब्दकोश भाषा-मानकीकरण, अध्ययन आ अनुवादमे सहायक अछि।

९१२. (B) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन — व्याकरण मैथिली अध्ययनकेँ सुव्यवस्थित बनबैत अछि।

९१३. (A) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार — रेडियो आ मंच मैथिली उच्चारण, गीत, नाटक आ समाचार प्रसारित करैत अछि।

९१४. (D) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच — दृश्य माध्यम भाषा केँ घर-घर आ युवा पीढ़ी धरि लऽ जाइत अछि।

९१५. (C) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका — वेब-पत्रिका डिजिटल युगमे मैथिली लेखन आ पाठक-दायरा बढ़बैत अछि।

९१६. (B) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच — सामाजिक माध्यम मैथिलीक लिखित-बोलित प्रयोगकेँ व्यापक करैत अछि, मुदा मानक-सावधानी जरूरी अछि।

९१७. (A) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक — डिजिटल फान्ट तिरहुता आ देवनागरी मैथिली उपयोगकेँ सहज बनबैत अछि।

९१८. (D) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक — ई-पुस्तक मैथिली साहित्यक संग्रह, वितरण आ संरक्षणमे सहायक अछि।

९१९. (C) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन — भाषा-तकनीक आधुनिक विकासक जरूरी अंग अछि।

९२०. (B) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन — मैथिली उद्भव-विकासक वैज्ञानिक अध्ययन लेल शोध आवश्यक अछि।

९२१. (A) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति — आधुनिक विकासमे नूतन विषय, नूतन विधा आ नूतन पाठक शामिल अछि।

९२२. (D) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध — भाषिक अधिकार भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ उपयोग बढ़बैत अछि।

९२३. (C) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग — प्रवासी समाज भाषा संरक्षण आ प्रसारमे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभबैत अछि।

९२४. (B) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न — भाषा विकासमे चुनौती बुझि समाधान करब आवश्यक अछि।

९२५. (A) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास — मैथिलीक आधुनिक विकास इतिहासक क्रमकेँ वर्तमान आ भविष्यसँ जोड़ैत अछि।

९२६. (D) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार — मुद्रणसँ ग्रन्थ, पत्रिका आ पाठ्य-सामग्री व्यापक जन धरि पहुँचल।

९२७. (C) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम — पत्रिकासभ भाषा, समाज, आलोचना आ नवलेखनकेँ मंच देलक।

९२८. (B) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ — मानकीकरण शिक्षा, परीक्षा, प्रकाशन आ प्रशासन लेल आवश्यक अछि।

९२९. (A) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन — शिक्षा भाषाकेँ नूतन पीढ़ी धरि पहुँचेबाक स्थिर माध्यम अछि।

९३०. (D) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास — भाषा-आन्दोलन भाषिक स्वाभिमान आ संस्थागत स्थान निर्माण करैत अछि।

९३१. (C) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान — मान्यता भाषाक सार्वजनिक प्रतिष्ठा आ संस्थागत अवसर बढ़बैत अछि।

९३२. (B) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था — संस्था सभ भाषाक साहित्यकेँ व्यापक मंच आ सम्मान दैत अछि।

९३३. (A) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन — पत्रकारिता आधुनिक मैथिली गद्य आ सामाजिक चेतना केँ बल देलक।

९३४. (D) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा — आधुनिक गद्य मैथिलीकेँ विचार-विमर्श आ ज्ञानक माध्यम बनबैत अछि।

९३५. (C) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया — अनुवाद मैथिली शब्द-संपदा आ बौद्धिक क्षितिज बढ़बैत अछि।

९३६. (B) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार — शब्दकोश भाषा-मानकीकरण, अध्ययन आ अनुवादमे सहायक अछि।

९३७. (A) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन — व्याकरण मैथिली अध्ययनकेँ सुव्यवस्थित बनबैत अछि।

९३८. (D) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार — रेडियो आ मंच मैथिली उच्चारण, गीत, नाटक आ समाचार प्रसारित करैत अछि।

९३९. (C) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच — दृश्य माध्यम भाषा कैँ घर-घर आ युवा पीढ़ी धरि लऽ जाइत अछि।

९४०. (B) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका — वेब-पत्रिका डिजिटल युगमे मैथिली लेखन आ पाठक-दायरा बढ़बैत अछि।

९४१. (A) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच — सामाजिक माध्यम मैथिलीक लिखित-बोलित प्रयोगकैँ व्यापक करैत अछि, मुदा मानक-सावधानी जरूरी अछि।

९४२. (D) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक — डिजिटल फान्ट तिरहुता आ देवनागरी मैथिली उपयोगकैँ सहज बनबैत अछि।

९४३. (C) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक — ई-पुस्तक मैथिली साहित्यक संग्रह, वितरण आ संरक्षणमे सहायक अछि।

९४४. (B) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन — भाषा-तकनीक आधुनिक विकासक जरूरी अंग अछि।

९४५. (A) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन — मैथिली उद्भव-विकासक वैज्ञानिक अध्ययन लेल शोध आवश्यक अछि।

९४६. (D) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति — आधुनिक विकासमे नूतन विषय, नूतन विधा आ नूतन पाठक शामिल अछि।

९४७. (C) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध — भाषिक अधिकार भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ उपयोग बढ़बैत अछि।

९४८. (B) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग — प्रवासी समाज भाषा संरक्षण आ प्रसारमे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभबैत अछि।

९४९. (A) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न — भाषा विकासमे चुनौती बुझि समाधान करब आवश्यक अछि।

९५०. (D) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास — मैथिलीक आधुनिक विकास इतिहासक क्रमकैँ वर्तमान आ भविष्यसँ जोड़ैत अछि।

९५१. (C) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार — मुद्रणसँ ग्रन्थ, पत्रिका आ पाठ्य-सामग्री व्यापक जन धरि पहुँचल।

९५२. (B) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम — पत्रिकासभ भाषा, समाज, आलोचना आ नवलेखनकैँ मंच देलक।

९५३. (A) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ — मानकीकरण शिक्षा, परीक्षा, प्रकाशन आ प्रशासन लेल आवश्यक अछि।

९५४. (D) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन — शिक्षा भाषाकैँ नूतन पीढ़ी धरि पहुँचेबाक स्थिर माध्यम अछि।

९५५. (C) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास — भाषा-आन्दोलन भाषिक स्वाभिमान आ संस्थागत स्थान निर्माण करैत अछि।

९५६. (B) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान — मान्यता भाषाक सार्वजनिक प्रतिष्ठा आ संस्थागत अवसर बढ़बैत अछि।

९५७. (A) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था — संस्था सभ भाषाक साहित्यकैँ व्यापक मंच आ सम्मान दैत अछि।

९५८. (D) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन — पत्रकारिता आधुनिक मैथिली गद्य आ सामाजिक चेतना कैँ बल देलक।

९५९. (C) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा — आधुनिक गद्य मैथिलीकैँ विचार-विमर्श आ ज्ञानक माध्यम बनबैत अछि।

९६०. (B) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया — अनुवाद मैथिली शब्द-संपदा आ बौद्धिक क्षितिज बढ़बैत अछि।

९६१. (A) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार — शब्दकोश भाषा-मानकीकरण, अध्ययन आ अनुवादमे सहायक अछि।

९६२. (D) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन — व्याकरण मैथिली अध्ययनकैँ सुव्यवस्थित बनबैत अछि।

९६३. (C) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार — रेडियो आ मंच मैथिली उच्चारण, गीत, नाटक आ समाचार प्रसारित करैत अछि।

९६४. (B) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच — दृश्य माध्यम भाषा कैँ घर-घर आ युवा पीढ़ी धरि लऽ जाइत अछि।

९६५. (A) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका — वेब-पत्रिका डिजिटल युगमे मैथिली लेखन आ पाठक-दायरा बढ़बैत अछि।

९६६. (D) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच — सामाजिक माध्यम मैथिलीक लिखित-बोलित प्रयोगकैँ व्यापक करैत अछि, मुदा मानक-सावधानी जरूरी अछि।

९६७. (C) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक — डिजिटल फान्ट तिरहुता आ देवनागरी मैथिली उपयोगकैँ सहज बनबैत अछि।

९६८. (B) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक — ई-पुस्तक मैथिली साहित्यक संग्रह, वितरण आ संरक्षणमे सहायक अछि।

९६९. (A) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन — भाषा-तकनीक आधुनिक विकासक जरूरी अंग अछि।

९७०. (D) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन — मैथिली उद्भव-विकासक वैज्ञानिक अध्ययन लेल शोध आवश्यक अछि।

९७१. (C) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति — आधुनिक विकासमे नूतन विषय, नूतन विधा आ नूतन पाठक शामिल अछि।

९७२. (B) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध — भाषिक अधिकार भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ उपयोग बढ़बैत अछि।

९७३. (A) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग — प्रवासी समाज भाषा संरक्षण आ प्रसारमे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभबैत अछि।

९७४. (D) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न — भाषा विकासमे चुनौती बुझि समाधान करब आवश्यक अछि।

९७५. (C) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास — मैथिलीक आधुनिक विकास इतिहासक क्रमकेँ वर्तमान आ भविष्यसँ जोड़ैत अछि।

९७६. (B) छपाइ द्वारा मैथिली पाठक-वर्गक विस्तार — मुद्रणसँ ग्रन्थ, पत्रिका आ पाठ्य-सामग्री व्यापक जन धरि पहुँचल।

९७७. (A) आधुनिक मैथिली सार्वजनिकता आ साहित्य-विकासक माध्यम — पत्रिकासभ भाषा, समाज, आलोचना आ नवलेखनकेँ मंच देलक।

९७८. (D) लेखन, वर्तनी, व्याकरण आ प्रयोगमे साझा रूप बननाइ — मानकीकरण शिक्षा, परीक्षा, प्रकाशन आ प्रशासन लेल आवश्यक अछि।

९७९. (C) विद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिलीक अध्ययन — शिक्षा भाषाकेँ नूतन पीढ़ी धरि पहुँचेबाक स्थिर माध्यम अछि।

९८०. (B) मैथिलीक मान्यता, संरक्षण आ प्रसार लेल सामाजिक प्रयास — भाषा-आन्दोलन भाषिक स्वाभिमान आ संस्थागत स्थान निर्माण करैत अछि।

९८१. (A) भारतीय संघक मान्य भाषासभमे मैथिलीक स्थान — मान्यता भाषाक सार्वजनिक प्रतिष्ठा आ संस्थागत अवसर बढ़बैत अछि।

९८२. (D) साहित्यिक मान्यता आ प्रकाशन-संवर्धनक संस्था — संस्था सभ भाषाक साहित्यकेँ व्यापक मंच आ सम्मान दैत अछि।

९८३. (C) समाचार, विचार आ साहित्यक सार्वजनिक मैथिली लेखन — पत्रकारिता आधुनिक मैथिली गद्य आ सामाजिक चेतना केँ बल देलक।

९८४. (B) निबन्ध, कथा, उपन्यास, आलोचना, पत्रकारिता आदिक भाषा — आधुनिक गद्य मैथिलीकेँ विचार-विमर्श आ ज्ञानक माध्यम बनबैत अछि।

९८५. (A) दोसरा भाषाक ज्ञान मैथिलीमे आनबाक प्रक्रिया — अनुवाद मैथिली शब्द-संपदा आ बौद्धिक क्षितिज बढ़बैत अछि।

९८६. (D) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक व्यवस्थित भंडार — शब्दकोश भाषा-मानकीकरण, अध्ययन आ अनुवादमे सहायक अछि।

९८७. (C) भाषाक नियम आ प्रयोगक वर्णन — व्याकरण मैथिली अध्ययनकेँ सुव्यवस्थित बनबैत अछि।

९८८. (B) श्रव्य माध्यमद्वारा मैथिली प्रसार — रेडियो आ मंच मैथिली उच्चारण, गीत, नाटक आ समाचार प्रसारित करैत अछि।

९८९. (A) दृश्य-श्रव्य मैथिली प्रस्तुतिक मंच — दृश्य माध्यम भाषा केँ घर-घर आ युवा पीढ़ी धरि लऽ जाइत अछि।

९९०. (D) अन्तर्जाल पर प्रकाशित मैथिली पत्रिका — वेब-पत्रिका डिजिटल युगमे मैथिली लेखन आ पाठक-दायरा बढ़बैत अछि।

९९१. (C) जनभागीदारीसँ भाषा-प्रयोगक नूतन मंच — सामाजिक माध्यम मैथिलीक लिखित-बोलित प्रयोगकेँ व्यापक करैत अछि, मुदा मानक-सावधानी जरूरी अछि।

९९२. (B) कम्प्यूटरमे लिपि देखाबय-लिखबाक तकनीक — डिजिटल फान्ट तिरहुता आ देवनागरी मैथिली उपयोगकेँ सहज बनबैत अछि।

९९३. (A) डिजिटल रूपमे उपलब्ध पुस्तक — ई-पुस्तक मैथिली साहित्यक संग्रह, वितरण आ संरक्षणमे सहायक अछि।

९९४. (D) टंकण, खोज, लिप्यन्तरण, ध्वनि आ शब्द-संसाधनक साधन — भाषा-तकनीक आधुनिक विकासक जरूरी अंग अछि।

९९५. (C) स्रोत, तथ्य, पाठ आ विश्लेषण पर आधारित अध्ययन — मैथिली उद्भव-विकासक वैज्ञानिक अध्ययन लेल शोध आवश्यक अछि।

९९६. (B) आजुक जीवन, समाज आ संवेदनाक मैथिली अभिव्यक्ति — आधुनिक विकासमे नूतन विषय, नूतन विधा आ नूतन पाठक शामिल अछि।

९९७. (A) अपन भाषा मे शिक्षा, अभिव्यक्ति आ सांस्कृतिक अधिकारक बोध — भाषिक अधिकार भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ उपयोग बढ़बैत अछि।

९९८. (D) मिथिला बाहर मैथिली भाषाक प्रयोग — प्रवासी समाज भाषा संरक्षण आ प्रसारमे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभबैत अछि।

९९९. (C) मानक, लिपि, शिक्षण, डिजिटल साधन आ पीढ़ीगत प्रयोगक प्रश्न — भाषा विकासमे चुनौती बुझि समाधान करब आवश्यक अछि।

१०००. (B) परम्परा, संस्था, तकनीक आ लोक-प्रयोगक संयुक्त विकास — मैथिलीक आधुनिक विकास इतिहासक क्रमकेँ वर्तमान आ भविष्यसँ जोड़ैत अछि।

अध्याय २ : मैथिली आ ओकर विभिन्न बोली — विदेह क्विज

0

१. मैथिलीक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल बोली-विहीन लिपि

(B) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(D) केवल संस्कृतक नाम

२. भाषा आ बोलीक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल अक्षरक संख्या

(B) केवल राजधानीक नाम

(C) केवल विद्यालयक घंटी

(D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

३. मानक रूपक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल घरक गुप्त बोली

(B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(C) केवल नदीक पाट

(D) केवल खेलक नाम

४. क्षेत्रीय विविधताक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल वर्षा मापब

(B) केवल रंग बदलनाइ

(C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

५. मैथिलीक भूगोलक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल हिमालयक चोटी

(B) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(C) केवल समुद्री टापू

(D) केवल रेगिस्तान

६. बोली-पहिचानक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) बोली केवल गलत भाषा अछि

(B) बोली लिखल नहि जा सकैत

(C) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(D) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

७. भाषिक सीमाक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) सदैव लोहेक दीवाल

(B) केवल एकटा पुल

(C) केवल नकली रेखा

(D) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

८. मौखिक परम्पराक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल मौन अभ्यास

(B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(C) केवल छापाखानाक मशीन

(D) केवल टंकण-त्रुटि

९. लिपि आ भाषाक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

(B) भाषा बिना बोलल धातु

(C) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(D) लिपि केवल खेतीक औजार

१०. साहित्यिक भाषाक सन्दर्भमे सही कथन कोन अछि?

(A) केवल बाजारक भाव

(B) केवल पशुक नाम

(C) केवल भित्तिक रंग

(D) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

११. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे "मैथिली"क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) केवल बोली-विहीन लिपि

(B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(C) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(D) केवल संस्कृतक नाम

१२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे "भाषा आ बोली"क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) केवल विद्यालयक घंटी

(B) केवल अक्षरक संख्या

(C) केवल राजधानीक नाम

(D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

१३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे "मानक रूप"क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) केवल नदीक पाट

(B) केवल खेलक नाम

(C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(D) केवल घरक गुप्त बोली

१४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे "क्षेत्रीय विविधता"क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

(B) केवल वर्षा मापब

(C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) केवल रंग बदलनाइ

१५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे "मैथिलीक भूगोल"क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) केवल समुद्री टापू

(B) केवल रेगिस्तान

(C) केवल हिमालयक चोटी

(D) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

१६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे "बोली-पहिचान"क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(B) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(C) बोली केवल गलत भाषा अछि

(D) बोली लिखल नहि जा सकैत

१७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(B) केवल एकटा पुल

(C) सदैव लोहेक दीवाल

(D) केवल नकली रेखा

१८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) केवल मौन अभ्यास

(B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(C) केवल टंकण-त्रुटि

(D) केवल छापाखानाक मशीन

१९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) लिपि केवल खेतीक औजार

(B) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(C) भाषा बिना बोलल धातु

(D) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

२०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि?

(A) केवल पशुक नाम

(B) केवल बाजारक भाव

(C) केवल भित्तिक रंग

(D) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

२१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(B) केवल संस्कृतक नाम

(C) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(D) केवल बोली-विहीन लिपि

२२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल अक्षरक संख्या

(B) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

(C) केवल विद्यालयक घंटी

(D) केवल राजधानीक नाम

२३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल नदीक पाट

(B) केवल घरक गुप्त बोली

(C) केवल खेलक नाम

(D) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

२४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल रंग बदलनाइ

(B) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) केवल वर्षा मापब

(D) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

२५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल हिमालयक चोटी

(B) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(C) केवल समुद्री टापू

(D) केवल रेगिस्तान

२६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) बोली लिखल नहि जा सकैत

(B) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(C) बोली केवल गलत भाषा अछि

(D) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

२७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(B) सदैव लोहेक दीवाल

(C) केवल एकटा पुल

(D) केवल नकली रेखा

२८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(B) केवल टंकण-त्रुटि

(C) केवल छापाखानाक मशीन

(D) केवल मौन अभ्यास

२९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) भाषा बिना बोलल धातु

(B) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

(C) लिपि केवल खेतीक औजार

(D) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

३०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल बाजारक भाव

(B) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(C) केवल भित्तिक रंग

(D) केवल पशुक नाम

३१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल बोली-विहीन लिपि

(B) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(C) केवल संस्कृतक नाम

(D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

३२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

(B) केवल राजधानीक नाम

(C) केवल अक्षरक संख्या

(D) केवल विद्यालयक घंटी

३३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल नदीक पाट

(B) केवल घरक गुप्त बोली

(C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(D) केवल खेलक नाम

३४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

(B) केवल वर्षा मापब

(C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) केवल रंग बदलनाइ

३५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल समुद्री टापू

(B) केवल हिमालयक चोटी

(C) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(D) केवल रेगिस्तान

३६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(B) बोली लिखल नहि जा सकैत

(C) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(D) बोली केवल गलत भाषा अछि

३७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(B) केवल नकली रेखा

(C) सदैव लोहेक दीवाल

(D) केवल एकटा पुल

३८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल छापाखानाक मशीन

(B) केवल टंकण-त्रुटि

(C) केवल मौन अभ्यास

(D) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

३९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(B) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

(C) भाषा बिना बोलल धातु

(D) लिपि केवल खेतीक औजार

४०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(B) केवल भित्तिक रंग

(C) केवल पशुक नाम

(D) केवल बाजारक भाव

४१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(B) केवल संस्कृतक नाम

(C) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(D) केवल बोली-विहीन लिपि

४२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल विद्यालयक घंटी

(B) केवल राजधानीक नाम

(C) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

(D) केवल अक्षरक संख्या

४३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल नदीक पाट

(B) केवल खेलक नाम

(C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(D) केवल घरक गुप्त बोली

४४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल रंग बदलनाइ

(B) केवल वर्षा मापब

(C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

४५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(B) केवल हिमालयक चोटी

(C) केवल रेगिस्तान

(D) केवल समुद्री टापू

४६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) बोली केवल गलत भाषा अछि

(B) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(C) बोली लिखल नहि जा सकैत

(D) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

४७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(B) सदैव लोहेक दीवाल

(C) केवल एकटा पुल

(D) केवल नकली रेखा

४८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल मौन अभ्यास

(B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(C) केवल छापाखानाक मशीन

(D) केवल टंकण-त्रुटि

४९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(B) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

(C) भाषा बिना बोलल धातु

(D) लिपि केवल खेतीक औजार

५०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(B) केवल भित्तिक रंग

(C) केवल बाजारक भाव

(D) केवल पशुक नाम

५१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल बोली-विहीन लिपि

(B) केवल संस्कृतक नाम

(C) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

५२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल अक्षरक संख्या

(B) केवल राजधानीक नाम

(C) केवल विद्यालयक घंटी

(D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

५३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल खेलक नाम

(B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(C) केवल नदीक पाट

(D) केवल घरक गुप्त बोली

५४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल रंग बदलनाइ

(B) केवल वर्षा मापब

(C) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

(D) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

५५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल समुद्री टापू

(B) केवल हिमालयक चोटी

(C) केवल रेगिस्तान

(D) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

५६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) बोली केवल गलत भाषा अछि

(B) बोली लिखल नहि जा सकैत

(C) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(D) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

५७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल नकली रेखा

(B) सदैव लोहेक दीवाल

(C) केवल एकटा पुल

(D) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

५८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(B) केवल मौन अभ्यास

(C) केवल छापाखानाक मशीन

(D) केवल टंकण-त्रुटि

५९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(B) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

(C) लिपि केवल खेतीक औजार

(D) भाषा बिना बोलल धातु

६०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल बाजारक भाव

(B) केवल भित्तिक रंग

(C) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(D) केवल पशुक नाम

६१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(B) केवल संस्कृतक नाम

(C) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(D) केवल बोली-विहीन लिपि

६२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) केवल राजधानीक नाम

(B) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

(C) केवल अक्षरक संख्या

(D) केवल विद्यालयक घंटी

६३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) केवल खेलक नाम

(B) केवल नदीक पाट

(C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(D) केवल घरक गुप्त बोली

६४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) केवल वर्षा मापब

(B) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

(D) केवल रंग बदलनाइ

६५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) केवल हिमालयक चोटी

(B) केवल समुद्री टापू

(C) केवल रेगिस्तान

(D) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

६६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) बोली लिखल नहि जा सकैत

(B) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(C) बोली केवल गलत भाषा अछि

(D) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

६७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) सदैव लोहेक दीवाल

(B) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(C) केवल एकटा पुल

(D) केवल नकली रेखा

६८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(B) केवल टंकण-त्रुटि

(C) केवल मौन अभ्यास

(D) केवल छापाखानाक मशीन

६९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) भाषा बिना बोलल धातु

(B) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(C) लिपि केवल खेतीक औजार

(D) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

७०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ६

(A) केवल बाजारक भाव

(B) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(C) केवल पशुक नाम

(D) केवल भित्तिक रंग

७१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल संस्कृतक नाम

(B) केवल बोली-विहीन लिपि

(C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(D) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

७२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल राजधानीक नाम

(B) केवल विद्यालयक घंटी

(C) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

(D) केवल अक्षरक संख्या

७३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल घरक गुप्त बोली

(B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(C) केवल नदीक पाट

(D) केवल खेलक नाम

७४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल वर्षा मापब

(B) केवल रंग बदलनाइ

(C) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

(D) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

७५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल समुद्री टापू

(C) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(D) केवल हिमालयक चोटी

७६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(B) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(C) बोली केवल गलत भाषा अछि

(D) बोली लिखल नहि जा सकैत

७७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) सदैव लोहेक दीवाल

(B) केवल एकटा पुल

(C) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(D) केवल नकली रेखा

७८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल छापाखानाक मशीन

(B) केवल टंकण-त्रुटि

(C) केवल मौन अभ्यास

(D) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

७९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) भाषा बिना बोलल धातु

(B) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(C) लिपि केवल खेतीक औजार

(D) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

८०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ७

(A) केवल बाजारक भाव

(B) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(C) केवल भित्तिक रंग

(D) केवल पशुक नाम

८१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

(B) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(C) केवल संस्कृतक नाम

(D) केवल बोली-विहीन लिपि

८२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल अक्षरक संख्या

(B) केवल विद्यालयक घंटी

(C) केवल राजधानीक नाम

(D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

८३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल घरक गुप्त बोली

(B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(C) केवल खेलक नाम

(D) केवल नदीक पाट

८४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल रंग बदलनाइ

(B) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

(C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) केवल वर्षा मापब

८५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल समुद्री टापू

(C) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(D) केवल हिमालयक चोटी

८६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) बोली केवल गलत भाषा अछि

(B) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(C) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(D) बोली लिखल नहि जा सकैत

८७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल एकटा पुल

(B) केवल नकली रेखा

(C) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(D) सदैव लोहेक दीवाल

८८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल छापाखानाक मशीन

(B) केवल टंकण-त्रुटि

(C) केवल मौन अभ्यास

(D) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

८९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

(B) लिपि केवल खेतीक औजार

(C) भाषा बिना बोलल धातु

(D) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

९०. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ८

(A) केवल बाजारक भाव

(B) केवल पशुक नाम

(C) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

(D) केवल भित्तिक रंग

९१. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) द्रविड़ परिवारक दक्षिणी भाषा

(B) केवल संस्कृतक नाम

(C) केवल बोली-विहीन लिपि

(D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा

९२. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषा आ बोली”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) केवल राजधानीक नाम

(B) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध

(C) केवल विद्यालयक घंटी

(D) केवल अक्षरक संख्या

९३. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मानक रूप”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) केवल खेलक नाम

(B) केवल नदीक पाट

(C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप

(D) केवल घरक गुप्त बोली

९४. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “क्षेत्रीय विविधता”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) केवल रंग बदलनाइ

(B) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) केवल वर्षा मापब

(D) एकहि घरमे मात्र मौन रहब

९५. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मैथिलीक भूगोल”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र

(B) केवल रेगिस्तान

(C) केवल समुद्री टापू

(D) केवल हिमालयक चोटी

९६. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “बोली-पहिचान”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) बोली केवल गलत भाषा अछि

(B) बोली लिखल नहि जा सकैत

(C) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि

(D) बोलीक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

९७. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “भाषिक सीमा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि

(B) सदैव लोहेक दीवाल

(C) केवल नकली रेखा

(D) केवल एकटा पुल

९८. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “मौखिक परम्परा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) केवल मौन अभ्यास

(B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा

(C) केवल छापाखानाक मशीन

(D) केवल टंकण-त्रुटि

९९. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “लिपि आ भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) भाषा बिना बोलल धातु

(B) लिपि केवल खेतीक औजार

(C) लिपि आ भाषा सदैव एकहि वस्तु

(D) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन

१००. मैथिली आ ओकर बोली-विचारमे “साहित्यिक भाषा”क मुख्य अर्थ की अछि? — भाग ९

(A) केवल बाजारक भाव

(B) केवल भित्तिक रंग

(C) केवल पशुक नाम

(D) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप

1

१०१. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “केन्द्रीय मैथिली” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल बंगला छन्द

(B) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(C) केवल परदेशी नाम

(D) केवल मौन संकेत

१०२. “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) केवल हिमानी क्षेत्र

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल समुद्री किनार

(D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

१०३. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “आदर-सूचकता” की बुझबैत अछि?

(A) केवल रंगक फेर

(B) केवल खगोलक माप

(C) केवल माछक जाति

(D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

१०४. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “लेखन-रूप” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल चित्रक चौखट

(B) केवल हाट-दाम

(C) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(D) बिना अर्थक आवाज

१०५. “पाठ्यपुस्तक”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) केवल गुप्त संकेत

(B) केवल गाछक छाल

(C) केवल खेतक मेड़

(D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

१०६. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “गद्य-परम्परा” की बुझबैत अछि?

(A) केवल पशुधनक सूची

(B) केवल नाचक चाल

(C) केवल नक्शाक सीमा

(D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

१०७. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “काव्य-भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल नाप-जोखक पटरी

(B) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(C) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

(D) केवल पत्थरक रंग

१०८. “रेडियो/मंच भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

(B) केवल पशु चरौनाइ

(C) केवल कागज काटनाइ

(D) केवल तालाब नापब

१०९. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “शहर-गाम सम्बन्ध” की बुझबैत अछि?

(A) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

(B) दुनू केवल मौन

(C) दुनू निरर्थक

(D) दुनू सदैव शत्रु

११०. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “मानकीकरण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल आदेश-पत्र

(B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(C) केवल एकटा रंग

(D) बोली नष्ट करबाक युक्ति

१११. “केन्द्रीय मैथिली”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) केवल बंगला छन्द

(B) केवल मौन संकेत

(C) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(D) केवल परदेशी नाम

११२. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र” की बुझबैत अछि?

(A) केवल मरुभूमि

(B) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

(C) केवल समुद्री किनार

(D) केवल हिमानी क्षेत्र

११३. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “आदर-सूचकता” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल माछक जाति

(B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

(C) केवल खगोलक माप

(D) केवल रंगक फेर

११४. “लेखन-रूप”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(B) केवल हाट-दाम

(C) केवल चित्रक चौखट

(D) बिना अर्थक आवाज

११५. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “पाठ्यपुस्तक” की बुझबैत अछि?

(A) केवल गुप्त संकेत

(B) केवल गाछक छाल

(C) केवल खेतक मेड़

(D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

११६. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “गद्य-परम्परा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल पशुधनक सूची

(B) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

(C) केवल नक्शाक सीमा

(D) केवल नाचक चाल

११७. “काव्य-भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) केवल नाप-जोखक पटरी

(B) केवल पत्थरक रंग

(C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(D) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

११८. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “रेडियो/मंच भाषा” की बुझबैत अछि?

(A) केवल तालाब नापब

(B) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

(C) केवल कागज काटनाइ

(D) केवल पशु चरौनाइ

११९. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “शहर-गाम सम्बन्ध” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) दुनू निरर्थक

(B) दुनू केवल मौन

(C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

(D) दुनू सदैव शत्रु

१२०. “मानकीकरण”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(B) केवल आदेश-पत्र

(C) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(D) केवल एकटा रंग

१२१. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “केन्द्रीय मैथिली” की बुझबैत अछि?

(A) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(B) केवल बंगला छन्द

(C) केवल परदेशी नाम

(D) केवल मौन संकेत

१२२. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल हिमानी क्षेत्र

(B) केवल समुद्री किनार

(C) केवल मरुभूमि

(D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

१२३. “आदर-सूचकता”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) केवल खगोलक माप

(B) केवल माछक जाति

(C) केवल रंगक फेर

(D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

१२४. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “लेखन-रूप” की बुझबैत अछि?

(A) बिना अर्थक आवाज

(B) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(C) केवल चित्रक चौखट

(D) केवल हाट-दाम

१२५. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “पाठ्यपुस्तक” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

(B) केवल गुप्त संकेत

(C) केवल गाछक छाल

(D) केवल खेतक मेड़

१२६. “गद्य-परम्परा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) केवल नाचक चाल

(B) केवल पशुधनक सूची

(C) केवल नक्शाक सीमा

(D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

१२७. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “काव्य-भाषा” की बुझबैत अछि?

(A) केवल पत्थरक रंग

(B) केवल नाप-जोखक पटरी

(C) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

(D) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

१२८. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “रेडियो/मंच भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल कागज काटनाइ

(B) केवल पशु चरौनाइ

(C) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

(D) केवल तालाब नापब

१२९. “शहर-गाम सम्बन्ध”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू।

(A) दुनू केवल मौन

(B) दुनू सदैव शत्रु

(C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

(D) दुनू निरर्थक

१३०. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “मानकीकरण” की बुझबैत अछि?

(A) केवल एकटा रंग

(B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(C) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(D) केवल आदेश-पत्र

१३१. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “केन्द्रीय मैथिली” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(B) केवल मौन संकेत

(C) केवल बंगला छन्द

(D) केवल परदेशी नाम

१३२. “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल मरुभूमि

(B) केवल हिमानी क्षेत्र

(C) केवल समुद्री किनार

(D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

१३३. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “आदर-सूचकता” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल माछक जाति

(B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

(C) केवल खगोलक माप

(D) केवल रंगक फेर

१३४. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “लेखन-रूप” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) बिना अर्थक आवाज

(B) केवल हाट-दाम

(C) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(D) केवल चित्रक चौखट

१३५. “पाठ्यपुस्तक”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल गाछक छाल

(B) केवल खेतक मेड़

(C) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

(D) केवल गुप्त संकेत

१३६. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “गद्य-परम्परा” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल पशुधनक सूची

(B) केवल नक्शाक सीमा

(C) केवल नाचक चाल

(D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

१३७. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “काव्य-भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल पत्थरक रंग

(B) केवल नाप-जोखक पटरी

(C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(D) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

१३८. “रेडियो/मंच भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल तालाब नापब

(B) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

(C) केवल कागज काटनाइ

(D) केवल पशु चरौनाइ

१३९. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “शहर-गाम सम्बन्ध” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) दुनू सदैव शत्रु

(B) दुनू केवल मौन

(C) दुनू निरर्थक

(D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

१४०. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “मानकीकरण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल आदेश-पत्र

(B) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(C) केवल एकटा रंग

(D) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

१४१. “केन्द्रीय मैथिली”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल मौन संकेत

(B) केवल बंगला छन्द

(C) केवल परदेशी नाम

(D) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

१४२. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

(B) केवल समुद्री किनार

(C) केवल हिमानी क्षेत्र

(D) केवल मरुभूमि

१४३. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “आदर-सूचकता” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

(B) केवल माछक जाति

(C) केवल खगोलक माप

(D) केवल रंगक फेर

१४४. “लेखन-रूप”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(B) केवल चित्रक चौखट

(C) केवल हाट-दाम

(D) बिना अर्थक आवाज

१४५. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “पाठ्यपुस्तक” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल गुप्त संकेत

(B) केवल खेतक मेड़

(C) केवल गाछक छाल

(D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

१४६. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “गद्य-परम्परा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल नाचक चाल

(B) केवल पशुधनक सूची

(C) केवल नक्शाक सीमा

(D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

१४७. “काव्य-भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल पत्थरक रंग

(B) केवल नाप-जोखक पटरी

(C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(D) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

१४८. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “रेडियो/मंच भाषा” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल पशु चरौनाइ

(B) केवल कागज काटनाइ

(C) केवल तालाब नापब

(D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

१४९. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “शहर-गाम सम्बन्ध” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

(B) दुनू सदैव शत्रु

(C) दुनू निरर्थक

(D) दुनू केवल मौन

१५०. “मानकीकरण”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(C) केवल एकटा रंग

(D) केवल आदेश-पत्र

१५१. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “केन्द्रीय मैथिली” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल बंगला छन्द

(B) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(C) केवल परदेशी नाम

(D) केवल मौन संकेत

१५२. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल हिमानी क्षेत्र

(D) केवल समुद्री किनार

१५३. “आदर-सूचकता”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल रंगक फेर

(B) केवल माछक जाति

(C) केवल खगोलक माप

(D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

१५४. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “लेखन-रूप” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल हाट-दाम

(B) बिना अर्थक आवाज

(C) केवल चित्रक चौखट

(D) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

१५५. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “पाठ्यपुस्तक” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल गाछक छाल

(B) केवल गुप्त संकेत

(C) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

(D) केवल खेतक मेड़

१५६. “गद्य-परम्परा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) केवल नक्शाक सीमा

(B) केवल नाचक चाल

(C) केवल पशुधनक सूची

(D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

१५७. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “काव्य-भाषा” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल नाप-जोखक पटरी

(B) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(C) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

(D) केवल पत्थरक रंग

१५८. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “रेडियो/मंच भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल पशु चरौनाइ

(B) केवल कागज काटनाइ

(C) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

(D) केवल तालाब नापब

१५९. “शहर-गाम सम्बन्ध”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग २

(A) दुनू निरर्थक

(B) दुनू केवल मौन

(C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

(D) दुनू सदैव शत्रु

१६०. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “मानकीकरण” की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल आदेश-पत्र

(B) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(C) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(D) केवल एकटा रंग

१६१. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “केन्द्रीय मैथिली” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(B) केवल परदेशी नाम

(C) केवल मौन संकेत

(D) केवल बंगला छन्द

१६२. “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल मरुभूमि

(B) केवल हिमानी क्षेत्र

(C) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

(D) केवल समुद्री किनार

१६३. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “आदर-सूचकता” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल माछक जाति

(B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

(C) केवल खगोलक माप

(D) केवल रंगक फेर

१६४. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “लेखन-रूप” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल हाट-दाम

(B) केवल चित्रक चौखट

(C) बिना अर्थक आवाज

(D) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

१६५. “पाठ्यपुस्तक”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल खेतक मेड़

(B) केवल गुप्त संकेत

(C) केवल गाछक छाल

(D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

१६६. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “गद्य-परम्परा” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल नक्शाक सीमा

(B) केवल पशुधनक सूची

(C) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

(D) केवल नाचक चाल

१६७. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “काव्य-भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल पत्थरक रंग

(B) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

(C) केवल नाप-जोखक पटरी

(D) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

१६८. “रेडियो/मंच भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल तालाब नापब

(B) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

(C) केवल पशु चरौनाइ

(D) केवल कागज काटनाइ

१६९. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “शहर-गाम सम्बन्ध” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) दुनू निरर्थक

(B) दुनू सदैव शत्रु

(C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

(D) दुनू केवल मौन

१७०. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “मानकीकरण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(C) केवल एकटा रंग

(D) केवल आदेश-पत्र

१७१. “केन्द्रीय मैथिली”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल मौन संकेत

(B) केवल परदेशी नाम

(C) केवल बंगला छन्द

(D) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

१७२. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल समुद्री किनार

(D) केवल हिमानी क्षेत्र

१७३. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “आदर-सूचकता” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल माछक जाति

(B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

(C) केवल खगोलक माप

(D) केवल रंगक फेर

१७४. “लेखन-रूप”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल हाट-दाम

(B) बिना अर्थक आवाज

(C) केवल चित्रक चौखट

(D) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

१७५. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “पाठ्यपुस्तक” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल खेतक मेड़

(B) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

(C) केवल गुप्त संकेत

(D) केवल गाछक छाल

१७६. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “गद्य-परम्परा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल नक्शाक सीमा

(B) केवल पशुधनक सूची

(C) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

(D) केवल नाचक चाल

१७७. “काव्य-भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल पत्थरक रंग

(B) केवल नाप-जोखक पटरी

(C) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

(D) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

१७८. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “रेडियो/मंच भाषा” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल पशु चरौनाइ

(B) केवल तालाब नापब

(C) केवल कागज काटनाइ

(D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

१७९. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “शहर-गाम सम्बन्ध” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) दुनू सदैव शत्रु

(B) दुनू केवल मौन

(C) दुनू निरर्थक

(D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

१८०. “मानकीकरण”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(B) केवल आदेश-पत्र

(C) केवल एकटा रंग

(D) बोली नष्ट करबाक युक्ति

१८१. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “केन्द्रीय मैथिली” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल बंगला छन्द

(B) केवल परदेशी नाम

(C) केवल मौन संकेत

(D) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

१८२. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल समुद्री किनार

(B) केवल हिमानी क्षेत्र

(C) केवल मरुभूमि

(D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

१८३. “आदर-सूचकता”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल माछक जाति

(B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

(C) केवल रंगक फेर

(D) केवल खगोलक माप

१८४. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “लेखन-रूप” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) बिना अर्थक आवाज

(B) केवल हाट-दाम

(C) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(D) केवल चित्रक चौखट

१८५. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “पाठ्यपुस्तक” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

(B) केवल खेतक मेड़

(C) केवल गुप्त संकेत

(D) केवल गाछक छाल

१८६. “गद्य-परम्परा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) केवल पशुधनक सूची

(B) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

(C) केवल नाचक चाल

(D) केवल नक्शाक सीमा

१८७. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “काव्य-भाषा” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(B) केवल नाप-जोखक पटरी

(C) केवल पत्थरक रंग

(D) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

१८८. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “रेडियो/मंच भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल कागज काटनाइ

(B) केवल पशु चरौनाइ

(C) केवल तालाब नापब

(D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

१८९. “शहर-गाम सम्बन्ध”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ३

(A) दुनू सदैव शत्रु

(B) दुनू केवल मौन

(C) दुनू निरर्थक

(D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

१९०. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “मानकीकरण” की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(B) केवल एकटा रंग

(C) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(D) केवल आदेश-पत्र

१९१. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “केन्द्रीय मैथिली” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल बंगला छन्द

(B) केवल परदेशी नाम

(C) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार

(D) केवल मौन संकेत

१९२. “दरभंगा-मधुबनी क्षेत्र”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ४

(A) केवल हिमानी क्षेत्र

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल समुद्री किनार

(D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध

१९३. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “आदर-सूचकता” की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल रंगक फेर

(B) केवल खगोलक माप

(C) केवल माछक जाति

(D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत

१९४. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “लेखन-रूप” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास

(B) केवल चित्रक चौखट

(C) बिना अर्थक आवाज

(D) केवल हाट-दाम

१९५. “पाठ्यपुस्तक”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ४

(A) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप

(B) केवल गुप्त संकेत

(C) केवल गाछक छाल

(D) केवल खेतक मेड़

१९६. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “गद्य-परम्परा” की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल नाचक चाल

(B) केवल नक्शाक सीमा

(C) केवल पशुधनक सूची

(D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति

१९७. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “काव्य-भाषा” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल बिनु अर्थ ध्वनि

(B) केवल नाप-जोखक पटरी

(C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम

(D) केवल पत्थरक रंग

१९८. “रेडियो/मंच भाषा”सँ सम्बद्ध सही विकल्प चुनू। — भाग ४

(A) केवल पशु चरौनाइ

(B) केवल तालाब नापब

(C) केवल कागज काटनाइ

(D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप

१९९. मानक मैथिली आ बोली-रूपक सम्बन्धमे “शहर-गाम सम्बन्ध” की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) दुनू केवल मौन

(B) दुनू सदैव शत्रु

(C) दुनू निरर्थक

(D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक

२००. केन्द्रीय/मानक मैथिलीक अध्ययनमे “मानकीकरण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल एकटा रंग

(B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान

(C) बोली नष्ट करबाक युक्ति

(D) केवल आदेश-पत्र

2

२०१. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “बज्जिका”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) निशब्द लेखन-प्रणाली

(B) केवल संस्कृत छन्द

(C) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(D) पूर्वी समुद्री बोली

२०२. “सीतामढ़ी” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल समुद्री बंदरगाह

(C) केवल हिमालयी चौकी

(D) केवल अंगिका केन्द्र

२०३. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “मुजफ्फरपुर”क स्थान की अछि?

(A) केवल पर्वतक क्षेत्र

(B) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(C) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

(D) केवल तिरहुता लिपिक नाम

२०४. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “वैशाली”।

(A) केवल असमी लिपि

(B) केवल बंगाली द्वीप

(C) केवल मराठी क्षेत्र

(D) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

२०५. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “शिवहर”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(B) केवल तटीय नगर

(C) केवल हिमप्रदेश

(D) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

२०६. “रौतहट-सर्लाही” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल असमक पहाड़

(B) केवल गुजरातक किनार

(C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(D) केवल लंका

२०७. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “लोक-गाथा”क स्थान की अछि?

(A) केवल रंग-सूची

(B) केवल मशीनक पेंच

(C) केवल नाप-तौल

(D) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

२०८. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पहचान-विवाद”।

(A) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(B) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(C) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(D) केवल गणितीय प्रश्न

२०९. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “पश्चिमी लहजा”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(B) केवल खेतक आकार

(C) केवल लिपि बदलब

(D) केवल पोखरिक गहिराइ

२१०. “साहित्यिक उपयोग” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल दिशा बदलब

(B) केवल अक्षर मेटब

(C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(D) केवल गणना रोकब

२११. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “बज्जिका”क स्थान की अछि?

(A) निशब्द लेखन-प्रणाली

(B) केवल संस्कृत छन्द

(C) पूर्वी समुद्री बोली

(D) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

२१२. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “सीतामढ़ी”।

(A) केवल अंगिका केन्द्र

(B) केवल हिमालयी चौकी

(C) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

२१३. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “मुजफ्फरपुर”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) केवल पर्वतक क्षेत्र

(B) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(C) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

२१४. “वैशाली” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल असमी लिपि

(B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(C) केवल बंगाली द्वीप

(D) केवल मराठी क्षेत्र

२१५. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “शिवहर”क स्थान की अछि?

(A) केवल तटीय नगर

(B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(C) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

(D) केवल हिमप्रदेश

२१६. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “रौतहट-सर्लाही”।

(A) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(B) केवल लंका

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल गुजरातक किनार

२१७. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “लोक-गाथा”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) केवल मशीनक पेंच

(B) केवल रंग-सूची

(C) केवल नाप-तौल

(D) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

२१८. “पहचान-विवाद” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल गणितीय प्रश्न

(B) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(C) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(D) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

२१९. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “पश्चिमी लहजा”क स्थान की अछि?

(A) केवल खेतक आकार

(B) केवल पोखरिक गहिराइ

(C) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(D) केवल लिपि बदलब

२२०. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “साहित्यिक उपयोग”।

(A) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(B) केवल अक्षर मेटब

(C) केवल गणना रोकब

(D) केवल दिशा बदलब

२२१. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “बज्जिका”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(B) केवल संस्कृत छन्द

(C) निशब्द लेखन-प्रणाली

(D) पूर्वी समुद्री बोली

२२२. “सीतामढ़ी” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल समुद्री बंदरगाह

(B) केवल अंगिका केन्द्र

(C) केवल हिमालयी चौकी

(D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

२२३. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “मुजफ्फरपुर”क स्थान की अछि? — भाग २

(A) केवल पर्वतक क्षेत्र

(B) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

(C) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(D) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

२२४. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “वैशाली”। — भाग २

(A) केवल असमी लिपि

(B) केवल बंगाली द्वीप

(C) केवल मराठी क्षेत्र

(D) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

२२५. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “शिवहर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

(B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(C) केवल तटीय नगर

(D) केवल हिमप्रदेश

२२६. “रौतहट-सर्लाही” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल लंका

(B) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल गुजरातक किनार

२२७. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “लोक-गाथा”क स्थान की अछि? — भाग २

(A) केवल मशीनक पेंच

(B) केवल रंग-सूची

(C) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(D) केवल नाप-तौल

२२८. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पहचान-विवाद”। — भाग २

(A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(B) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(C) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(D) केवल गणितीय प्रश्न

२२९. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “पश्चिमी लहजा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(B) केवल पोखरिक गहिराइ

(C) केवल लिपि बदलब

(D) केवल खेतक आकार

२३०. “साहित्यिक उपयोग” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल अक्षर मेटब

(B) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(C) केवल गणना रोकब

(D) केवल दिशा बदलब

२३१. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “बज्जिका”क स्थान की अछि? — भाग २

(A) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(B) निशब्द लेखन-प्रणाली

(C) पूर्वी समुद्री बोली

(D) केवल संस्कृत छन्द

२३२. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “सीतामढ़ी”। — भाग २

(A) केवल अंगिका केन्द्र

(B) केवल हिमालयी चौकी

(C) केवल समुद्री बंदरगाह

(D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

२३३. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “मुजफ्फरपुर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(B) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(C) केवल पर्वतक क्षेत्र

(D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

२३४. “वैशाली” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(B) केवल मराठी क्षेत्र

(C) केवल असमी लिपि

(D) केवल बंगाली द्वीप

२३५. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “शिवहर”क स्थान की अछि? — भाग २

(A) केवल तटीय नगर

(B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(C) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

(D) केवल हिमप्रदेश

२३६. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “रौतहट-सर्लाही”। — भाग २

(A) केवल लंका

(B) केवल गुजरातक किनार

(C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(D) केवल असमक पहाड़

२३७. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “लोक-गाथा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल मशीनक पेंच

(B) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(C) केवल रंग-सूची

(D) केवल नाप-तौल

२३८. “पहचान-विवाद” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल गणितीय प्रश्न

(B) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(C) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(D) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

२३९. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “पश्चिमी लहजा”क स्थान की अछि? — भाग २

(A) केवल लिपि बदलब

(B) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(C) केवल पोखरिक गहिराइ

(D) केवल खेतक आकार

२४०. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “साहित्यिक उपयोग”। — भाग २

(A) केवल दिशा बदलब

(B) केवल अक्षर मेटब

(C) केवल गणना रोकब

(D) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

२४१. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “बज्जिका”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल संस्कृत छन्द

(B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(C) पूर्वी समुद्री बोली

(D) निशब्द लेखन-प्रणाली

२४२. “सीतामढ़ी” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल हिमालयी चौकी

(C) केवल अंगिका केन्द्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

२४३. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “मुजफ्फरपुर”क स्थान की अछि? — भाग ३

(A) केवल पर्वतक क्षेत्र

(B) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(C) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

२४४. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “वैशाली”। — भाग ३

(A) केवल बंगाली द्वीप

(B) केवल असमी लिपि

(C) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(D) केवल मराठी क्षेत्र

२४५. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “शिवहर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल तटीय नगर

(B) केवल हिमप्रदेश

(C) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

(D) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

२४६. “रौतहट-सर्लाही” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(B) केवल गुजरातक किनार

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल लंका

२४७. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “लोक-गाथा”क स्थान की अछि? — भाग ३

(A) केवल मशीनक पेंच

(B) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(C) केवल नाप-तौल

(D) केवल रंग-सूची

२४८. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पहचान-विवाद”। — भाग ३

(A) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(B) केवल गणितीय प्रश्न

(C) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(D) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

२४९. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “पश्चिमी लहजा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(B) केवल लिपि बदलब

(C) केवल खेतक आकार

(D) केवल पोखरिक गहिराइ

२५०. “साहित्यिक उपयोग” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) केवल गणना रोकब

(B) केवल अक्षर मेटब

(C) केवल दिशा बदलब

(D) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

२५१. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “बज्जिका”क स्थान की अछि? — भाग ३

(A) केवल संस्कृत छन्द

(B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(C) पूर्वी समुद्री बोली

(D) निशब्द लेखन-प्रणाली

२५२. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “सीतामढ़ी”। — भाग ३

(A) केवल अंगिका केन्द्र

(B) केवल हिमालयी चौकी

(C) केवल समुद्री बंदरगाह

(D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

२५३. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “मुजफ्फरपुर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल पर्वतक क्षेत्र

(B) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

(C) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(D) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

२५४. “वैशाली” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) केवल बंगाली द्वीप

(B) केवल मराठी क्षेत्र

(C) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(D) केवल असमी लिपि

२५५. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “शिवहर”क स्थान की अछि? — भाग ३

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

(B) केवल तटीय नगर

(C) केवल हिमप्रदेश

(D) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

२५६. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “रौतहट-सर्लाही”। — भाग ३

(A) केवल लंका

(B) केवल असमक पहाड़

(C) केवल गुजरातक किनार

(D) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

२५७. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “लोक-गाथा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(B) केवल रंग-सूची

(C) केवल मशीनक पेंच

(D) केवल नाप-तौल

२५८. “पहचान-विवाद” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(B) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(C) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(D) केवल गणितीय प्रश्न

२५९. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “पश्चिमी लहजा”क स्थान की अछि? — भाग ३

(A) केवल खेतक आकार

(B) केवल लिपि बदलब

(C) केवल पोखरिक गहिराइ

(D) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

२६०. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “साहित्यिक उपयोग”। — भाग ३

(A) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(B) केवल गणना रोकब

(C) केवल दिशा बदलब

(D) केवल अक्षर मेटब

२६१. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “बज्जिका”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) निशब्द लेखन-प्रणाली

(B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(C) केवल संस्कृत छन्द

(D) पूर्वी समुद्री बोली

२६२. “सीतामढ़ी” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल समुद्री बंदरगाह

(B) केवल अंगिका केन्द्र

(C) केवल हिमालयी चौकी

(D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

२६३. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “मुजफ्फरपुर”क स्थान की अछि? — भाग ४

(A) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

(B) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(C) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(D) केवल पर्वतक क्षेत्र

२६४. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “वैशाली”। — भाग ४

(A) केवल मराठी क्षेत्र

(B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(C) केवल असमी लिपि

(D) केवल बंगाली द्वीप

२६५. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “शिवहर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल तटीय नगर

(B) केवल हिमप्रदेश

(C) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(D) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

२६६. “रौतहट-सर्लाही” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल असमक पहाड़

(B) केवल लंका

(C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(D) केवल गुजरातक किनार

२६७. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “लोक-गाथा”क स्थान की अछि? — भाग ४

(A) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(B) केवल मशीनक पेंच

(C) केवल रंग-सूची

(D) केवल नाप-तौल

२६८. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पहचान-विवाद”। — भाग ४

(A) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(B) केवल गणितीय प्रश्न

(C) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(D) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

२६९. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “पश्चिमी लहजा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल खेतक आकार

(B) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(C) केवल लिपि बदलब

(D) केवल पोखरिक गहिराइ

२७०. “साहित्यिक उपयोग” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल गणना रोकब

(B) केवल अक्षर मेटब

(C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(D) केवल दिशा बदलब

२७१. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “बज्जिका”क स्थान की अछि? — भाग ४

(A) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(B) केवल संस्कृत छन्द

(C) पूर्वी समुद्री बोली

(D) निशब्द लेखन-प्रणाली

२७२. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “सीतामढ़ी”। — भाग ४

(A) केवल हिमालयी चौकी

(B) केवल समुद्री बंदरगाह

(C) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल अंगिका केन्द्र

२७३. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “मुजफ्फरपुर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(B) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(C) केवल पर्वतक क्षेत्र

(D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

२७४. “वैशाली” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल मराठी क्षेत्र

(B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(C) केवल असमी लिपि

(D) केवल बंगाली द्वीप

२७५. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “शिवहर”क स्थान की अछि? — भाग ४

(A) केवल तटीय नगर

(B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(C) केवल हिमप्रदेश

(D) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

२७६. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “रौतहट-सर्लाही”। — भाग ४

(A) केवल लंका

(B) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल गुजरातक किनार

२७७. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “लोक-गाथा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल नाप-तौल

(B) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(C) केवल मशीनक पेंच

(D) केवल रंग-सूची

२७८. “पहचान-विवाद” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(B) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(C) केवल गणितीय प्रश्न

(D) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

२७९. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “पश्चिमी लहजा”क स्थान की अछि? — भाग ४

(A) केवल लिपि बदलब

(B) केवल पोखरिक गहिराइ

(C) केवल खेतक आकार

(D) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

२८०. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “साहित्यिक उपयोग”। — भाग ४

(A) केवल अक्षर मेटब

(B) केवल गणना रोकब

(C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(D) केवल दिशा बदलब

२८१. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “बज्जिका”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) पूर्वी समुद्री बोली

(B) निशब्द लेखन-प्रणाली

(C) केवल संस्कृत छन्द

(D) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

२८२. “सीतामढ़ी” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल अंगिका केन्द्र

(B) केवल हिमालयी चौकी

(C) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

२८३. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “मुजफ्फरपुर”क स्थान की अछि? — भाग ५

(A) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

(B) केवल तिरहुता लिपिक नाम

(C) केवल पर्वतक क्षेत्र

(D) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

२८४. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “वैशाली”। — भाग ५

(A) केवल बंगाली द्वीप

(B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

(C) केवल असमी लिपि

(D) केवल मराठी क्षेत्र

२८५. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “शिवहर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल तटीय नगर

(B) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

(C) केवल हिमप्रदेश

(D) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

२८६. “रौतहट-सर्लाही” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल गुजरातक किनार

(B) केवल लंका

(C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(D) केवल असमक पहाड़

२८७. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “लोक-गाथा”क स्थान की अछि? — भाग ५

(A) केवल रंग-सूची

(B) केवल मशीनक पेंच

(C) केवल नाप-तौल

(D) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

२८८. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पहचान-विवाद”। — भाग ५

(A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(B) केवल गणितीय प्रश्न

(C) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

(D) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

२८९. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “पश्चिमी लहजा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल पोखरिक गहिराइ

(B) केवल खेतक आकार

(C) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

(D) केवल लिपि बदलब

२९०. “साहित्यिक उपयोग” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल गणना रोकब

(B) केवल दिशा बदलब

(C) केवल अक्षर मेटब

(D) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

२९१. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “बज्जिका”क स्थान की अछि? — भाग ५

(A) निशब्द लेखन-प्रणाली

(B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप

(C) पूर्वी समुद्री बोली

(D) केवल संस्कृत छन्द

२९२. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “सीतामढ़ी”। — भाग ५

(A) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल हिमालयी चौकी

(C) केवल समुद्री बंदरगाह

(D) केवल अंगिका केन्द्र

२९३. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “मुजफ्फरपुर”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल पर्वतक क्षेत्र

(B) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र

(C) मुख्यतः कन्नड़ क्षेत्र

(D) केवल तिरहुता लिपिक नाम

२९४. “वैशाली” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल असमी लिपि

(B) केवल बंगाली द्वीप

(C) केवल मराठी क्षेत्र

(D) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल

२९५. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “शिवहर”क स्थान की अछि? — भाग ५

(A) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम

(B) केवल तटीय नगर

(C) केवल हिमप्रदेश

(D) केवल दक्षिणी द्रविड़ पट्टी

२९६. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “रौतहट-सर्लाही”। — भाग ५

(A) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र

(B) केवल गुजरातक किनार

(C) केवल लंका

(D) केवल असमक पहाड़

२९७. बज्जिका/पश्चिमी मैथिली प्रसंगमे “लोक-गाथा”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल मशीनक पेंच

(B) केवल नाप-तौल

(C) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक

(D) केवल रंग-सूची

२९८. “पहचान-विवाद” बज्जिका-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि

(B) केवल गणितीय प्रश्न

(C) कोनो सामाजिक पक्ष नहि

(D) सभ लोक एकहि बात मानैत अछि

२९९. पश्चिमी मैथिली पर चर्चा करैत “पश्चिमी लहजा”क स्थान की अछि? — भाग ५

(A) केवल खेतक आकार

(B) केवल पोखरिक गहिराइ

(C) केवल लिपि बदलब

(D) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग

३००. बज्जिका सम्बन्धी सही कथन चुनू: “साहित्यिक उपयोग”। — भाग ५

(A) केवल अक्षर मेटब

(B) केवल गणना रोकब

(C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग

(D) केवल दिशा बदलब

3

३०१. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “अंगिका”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल तिब्बती लिपि

(B) केवल मौन संकेत

(C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(D) केवल समुद्री बोली

३०२. “भागलपुर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि?

(A) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(B) केवल समुद्री बंदरगाह

(C) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(D) केवल पहाड़ी मठ

३०३. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “बाँका” किएक उल्लेखनीय अछि?

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(C) केवल असमक नदी

(D) केवल कश्मीरक अंचल

३०४. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मुंगेर”।

(A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल मराठी क्षेत्र

(C) केवल मूक अभिनय

(D) केवल अरबी लिपि

३०५. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “गोड्डा”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल लिपि-चिह्न

(B) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(C) केवल नेपालक पर्वत

(D) केवल मिथिला चित्रकला शैली

३०६. “साहिबगंज” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि?

(A) केवल तटवर्ती शहर

(B) केवल बंगालक समुद्र

(C) केवल रेगिस्तान

(D) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

३०७. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “दुमका” किएक उल्लेखनीय अछि?

(A) केवल हिमानी बोली

(B) केवल कन्नड़ ग्राम

(C) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

(D) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

३०८. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भाषिक पहचान”।

(A) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(B) केवल तालिका-त्रुटि

(C) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(D) केवल संख्याक पंक्ति

३०९. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “लोक-संस्कृति”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल गणित

(B) केवल मुद्रण-यंत्र

(C) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

(D) केवल रंग

३१०. “साहित्यिक संवाद” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि?

(A) केवल खाता बन्द

(B) केवल ध्वनि नष्ट

(C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(D) केवल नक्शा मोड़ब

३११. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “अंगिका” किएक उल्लेखनीय अछि?

(A) केवल मौन संकेत

(B) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(C) केवल समुद्री बोली

(D) केवल तिब्बती लिपि

३१२. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भागलपुर”।

(A) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(B) केवल समुद्री बंदरगाह

(C) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(D) केवल पहाड़ी मठ

३१३. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “बाँका”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(C) केवल असमक नदी

(D) केवल कश्मीरक अंचल

३१४. “मुंगेर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि?

(A) केवल अरबी लिपि

(B) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(C) केवल मूक अभिनय

(D) केवल मराठी क्षेत्र

३१५. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “गोड्डा” किएक उल्लेखनीय अछि?

(A) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(B) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(C) केवल लिपि-चिह्न

(D) केवल नेपालक पर्वत

३१६. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहिबगंज”।

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल बंगालक समुद्र

(C) केवल तटवर्ती शहर

(D) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

३१७. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “दुमका”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(C) केवल हिमानी बोली

(D) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

३१८. “भाषिक पहचान” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि?

(A) केवल तालिका-त्रुटि

(B) केवल संख्याक पंक्ति

(C) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(D) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

३१९. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “लोक-संस्कृति” किएक उल्लेखनीय अछि?

(A) केवल गणित

(B) केवल रंग

(C) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

(D) केवल मुद्रण-यंत्र

३२०. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहित्यिक संवाद”।

(A) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(B) केवल नक्शा मोड़ब

(C) केवल खाता बन्द

(D) केवल ध्वनि नष्ट

३२१. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “अंगिका”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल मौन संकेत

(B) केवल समुद्री बोली

(C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(D) केवल तिब्बती लिपि

३२२. “भागलपुर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग २

(A) केवल पहाड़ी मठ

(B) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(C) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

३२३. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “बाँका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग २

(A) केवल असमक नदी

(B) केवल कश्मीरक अंचल

(C) केवल पश्चिमी तिरहुत

(D) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

३२४. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मुंगेर”। — भाग २

(A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल मराठी क्षेत्र

(C) केवल मूक अभिनय

(D) केवल अरबी लिपि

३२५. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “गोड्डा”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(B) केवल लिपि-चिह्न

(C) केवल नेपालक पर्वत

(D) केवल मिथिला चित्रकला शैली

३२६. “साहिबगंज” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग २

(A) केवल बंगालक समुद्र

(B) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(C) केवल रेगिस्तान

(D) केवल तटवर्ती शहर

३२७. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “दुमका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग २

(A) केवल हिमानी बोली

(B) केवल कन्नड़ ग्राम

(C) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(D) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

३२८. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भाषिक पहचान”। — भाग २

(A) केवल तालिका-त्रुटि

(B) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(C) केवल संख्याक पंक्ति

(D) कोनो मतभेद सम्भव नहि

३२९. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “लोक-संस्कृति”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल रंग

(B) केवल मुद्रण-यंत्र

(C) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

(D) केवल गणित

३३०. “साहित्यिक संवाद” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग २

(A) केवल नक्शा मोड़ब

(B) केवल ध्वनि नष्ट

(C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(D) केवल खाता बन्द

३३१. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “अंगिका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग २

(A) केवल मौन संकेत

(B) केवल तिब्बती लिपि

(C) केवल समुद्री बोली

(D) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

३३२. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भागलपुर”। — भाग २

(A) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(B) केवल पहाड़ी मठ

(C) केवल समुद्री बंदरगाह

(D) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

३३३. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “बाँका”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल कश्मीरक अंचल

(B) केवल पश्चिमी तिरहुत

(C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(D) केवल असमक नदी

३३४. “मुंगेर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग २

(A) केवल मूक अभिनय

(B) केवल मराठी क्षेत्र

(C) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल अरबी लिपि

३३५. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “गोड्डा” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग २

(A) केवल लिपि-चिह्न

(B) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(C) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(D) केवल नेपालक पर्वत

३३६. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहिबगंज”। — भाग २

(A) केवल रेगिस्तान

(B) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(C) केवल बंगालक समुद्र

(D) केवल तटवर्ती शहर

३३७. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “दुमका”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) केवल हिमानी बोली

(C) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

(D) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

३३८. “भाषिक पहचान” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग २

(A) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(B) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(C) केवल तालिका-त्रुटि

(D) केवल संख्याक पंक्ति

३३९. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “लोक-संस्कृति” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग २

(A) केवल गणित

(B) केवल मुद्रण-यंत्र

(C) केवल रंग

(D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

३४०. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहित्यिक संवाद”। — भाग २

(A) केवल खाता बन्द

(B) केवल ध्वनि नष्ट

(C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(D) केवल नक्शा मोड़ब

३४१. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “अंगिका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल तिब्बती लिपि

(B) केवल मौन संकेत

(C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(D) केवल समुद्री बोली

३४२. “भागलपुर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल पहाड़ी मठ

(B) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(C) केवल समुद्री बंदरगाह

(D) मुख्य बज्जिका केन्द्र

३४३. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “बाँका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ३

(A) केवल कश्मीरक अंचल

(B) केवल असमक नदी

(C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(D) केवल पश्चिमी तिरहुत

३४४. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मुंगेर”। — भाग ३

(A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल मराठी क्षेत्र

(C) केवल अरबी लिपि

(D) केवल मूक अभिनय

३४५. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “गोड्डा”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(B) केवल लिपि-चिह्न

(C) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(D) केवल नेपालक पर्वत

३४६. “साहिबगंज” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल तटवर्ती शहर

(B) केवल बंगालक समुद्र

(C) केवल रेगिस्तान

(D) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

३४७. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “दुमका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ३

(A) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(B) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

(C) केवल कन्नड़ ग्राम

(D) केवल हिमानी बोली

३४८. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भाषिक पहचान”। — भाग ३

(A) केवल तालिका-त्रुटि

(B) केवल संख्याक पंक्ति

(C) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(D) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

३४९. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “लोक-संस्कृति”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल मुद्रण-यंत्र

(B) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

(C) केवल गणित

(D) केवल रंग

३५०. “साहित्यिक संवाद” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल नक्शा मोड़ब

(B) केवल ध्वनि नष्ट

(C) केवल खाता बन्द

(D) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

३५१. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “अंगिका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ३

(A) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(B) केवल तिब्बती लिपि

(C) केवल समुद्री बोली

(D) केवल मौन संकेत

३५२. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भागलपुर”। — भाग ३

(A) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(B) केवल पहाड़ी मठ

(C) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

३५३. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “बाँका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल कश्मीरक अंचल

(B) केवल पश्चिमी तिरहुत

(C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(D) केवल असमक नदी

३५४. “मुंगेर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ३

(A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल मूक अभिनय

(C) केवल मराठी क्षेत्र

(D) केवल अरबी लिपि

३५५. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “गोड्डा” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ३

(A) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(B) केवल लिपि-चिह्न

(C) केवल नेपालक पर्वत

(D) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

३५६. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहिबगंज”। — भाग ३

(A) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(B) केवल तटवर्ती शहर

(C) केवल बंगालक समुद्र

(D) केवल रेगिस्तान

३५७. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “दुमका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) केवल हिमानी बोली

(C) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(D) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

३५८. “भाषिक पहचान” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल तालिका-त्रुटि

(B) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(C) केवल संख्याक पंक्ति

(D) कोनो मतभेद सम्भव नहि

३५९. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “लोक-संस्कृति” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ३

(A) केवल रंग

(B) केवल गणित

(C) केवल मुद्रण-यंत्र

(D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

३६०. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहित्यिक संवाद”। — भाग ३

(A) केवल नक्शा मोड़ब

(B) केवल खाता बन्द

(C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(D) केवल ध्वनि नष्ट

३६१. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “अंगिका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल तिब्बती लिपि

(B) केवल समुद्री बोली

(C) केवल मौन संकेत

(D) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

३६२. “भागलपुर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल पहाड़ी मठ

(B) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(C) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

३६३. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “बाँका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ४

(A) केवल कश्मीरक अंचल

(B) केवल असमक नदी

(C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(D) केवल पश्चिमी तिरहुत

३६४. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मुंगेर”। — भाग ४

(A) केवल मराठी क्षेत्र

(B) केवल मूक अभिनय

(C) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल अरबी लिपि

३६५. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “गोड्डा”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(B) केवल नेपालक पर्वत

(C) केवल लिपि-चिह्न

(D) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

३६६. “साहिबगंज” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल बंगालक समुद्र

(B) केवल तटवर्ती शहर

(C) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(D) केवल रेगिस्तान

३६७. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “दुमका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ४

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) केवल हिमानी बोली

(C) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(D) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

३६८. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भाषिक पहचान”। — भाग ४

(A) केवल संख्याक पंक्ति

(B) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(C) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(D) केवल तालिका-त्रुटि

३६९. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “लोक-संस्कृति”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल मुद्रण-यंत्र

(B) केवल रंग

(C) केवल गणित

(D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

३७०. “साहित्यिक संवाद” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ४

(A) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(B) केवल ध्वनि नष्ट

(C) केवल खाता बन्द

(D) केवल नक्शा मोड़ब

३७१. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “अंगिका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ४

(A) केवल समुद्री बोली

(B) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(C) केवल मौन संकेत

(D) केवल तिब्बती लिपि

३७२. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भागलपुर”। — भाग ४

(A) केवल पहाड़ी मठ

(B) केवल समुद्री बंदरगाह

(C) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(D) मुख्य बज्जिका केन्द्र

३७३. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “बाँका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(B) केवल कश्मीरक अंचल

(C) केवल असमक नदी

(D) केवल पश्चिमी तिरहुत

३७४. “मुंगेर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल मराठी क्षेत्र

(B) केवल अरबी लिपि

(C) केवल मूक अभिनय

(D) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

३७५. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “गोड्डा” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ४

(A) केवल लिपि-चिह्न

(B) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(C) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(D) केवल नेपालक पर्वत

३७६. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहिबगंज”। — भाग ४

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल तटवर्ती शहर

(C) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(D) केवल बंगालक समुद्र

३७७. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “दुमका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(B) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

(C) केवल कन्नड़ ग्राम

(D) केवल हिमानी बोली

३७८. “भाषिक पहचान” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल तालिका-त्रुटि

(B) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(C) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(D) केवल संख्याक पंक्ति

३७९. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “लोक-संस्कृति” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ४

(A) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

(B) केवल गणित

(C) केवल मुद्रण-यंत्र

(D) केवल रंग

३८०. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहित्यिक संवाद”। — भाग ४

(A) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

(B) केवल नक्शा मोड़ब

(C) केवल खाता बन्द

(D) केवल ध्वनि नष्ट

३८१. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “अंगिका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल मौन संकेत

(B) केवल समुद्री बोली

(C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(D) केवल तिब्बती लिपि

३८२. “भागलपुर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल पहाड़ी मठ

(B) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

(C) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(D) केवल समुद्री बंदरगाह

३८३. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “बाँका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ५

(A) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(B) केवल पश्चिमी तिरहुत

(C) केवल कश्मीरक अंचल

(D) केवल असमक नदी

३८४. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मुंगेर”। — भाग ५

(A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल अरबी लिपि

(C) केवल मूक अभिनय

(D) केवल मराठी क्षेत्र

३८५. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “गोड्डा”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल नेपालक पर्वत

(B) केवल मिथिला चित्रकला शैली

(C) केवल लिपि-चिह्न

(D) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

३८६. “साहिबगंज” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ५

(A) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(B) केवल रेगिस्तान

(C) केवल तटवर्ती शहर

(D) केवल बंगालक समुद्र

३८७. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “दुमका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ५

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) केवल हिमानी बोली

(C) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

(D) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

३८८. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भाषिक पहचान”। — भाग ५

(A) कोनो मतभेद सम्भव नहि

(B) केवल संख्याक पंक्ति

(C) केवल तालिका-त्रुटि

(D) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

३८९. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “लोक-संस्कृति”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल रंग

(B) केवल मुद्रण-यंत्र

(C) केवल गणित

(D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

३९०. “साहित्यिक संवाद” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल खाता बन्द

(B) केवल नक्शा मोड़ब

(C) केवल ध्वनि नष्ट

(D) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

३९१. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “अंगिका” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ५

(A) केवल मौन संकेत

(B) केवल समुद्री बोली

(C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप

(D) केवल तिब्बती लिपि

३९२. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “भागलपुर”। — भाग ५

(A) मुख्य बज्जिका केन्द्र

(B) केवल पहाड़ी मठ

(C) केवल समुद्री बंदरगाह

(D) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र

३९३. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “बाँका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल कश्मीरक अंचल

(B) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र

(C) केवल पश्चिमी तिरहुत

(D) केवल असमक नदी

३९४. “मुंगेर” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल अरबी लिपि

(B) केवल मूक अभिनय

(C) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल मराठी क्षेत्र

३९५. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “गोड्डा” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ५

(A) केवल लिपि-चिह्न

(B) केवल नेपालक पर्वत

(C) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र

(D) केवल मिथिला चित्रकला शैली

३९६. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहिबगंज”। — भाग ५

(A) केवल रेगिस्तान

(B) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम

(C) केवल तटवर्ती शहर

(D) केवल बंगालक समुद्र

३९७. अंगिका/दक्षिण-पूर्वी भाषा-रूपक सन्दर्भमे “दुमका”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल

(B) केवल असमिया नाटकक केन्द्र

(C) केवल हिमानी बोली

(D) केवल कन्नड़ ग्राम

३९८. “भाषिक पहचान” अंगिका-विचारमे कोन पक्ष देखबैत अछि? — भाग ५

(A) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत

(B) केवल संख्याक पंक्ति

(C) केवल तालिका-त्रुटि

(D) कोनो मतभेद सम्भव नहि

३९९. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक अध्ययनमे “लोक-संस्कृति” किएक उल्लेखनीय अछि? — भाग ५

(A) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित

(B) केवल गणित

(C) केवल रंग

(D) केवल मुद्रण-यंत्र

४००. अंगिका सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “साहित्यिक संवाद”। — भाग ५

(A) केवल नक्शा मोड़ब

(B) केवल खाता बन्द

(C) केवल ध्वनि नष्ट

(D) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि

4

४०१. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “ठेठी”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) केवल लिपि-विहीन मौन

(B) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(D) केवल गणितीय सूत्र

४०२. “कोसी अंचल” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि?

(A) केवल रेगिस्तान

(B) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(C) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(D) केवल पहाड़ी घाटी

४०३. मैथिली बोली-भूगोलमे “पूर्णिया” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) केवल मरुभूमि

(C) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल समुद्री नगर

४०४. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “मोकामा”।

(A) केवल तिरहुता अक्षर

(B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(C) केवल हिमानी अंचल

(D) केवल कन्नड़ ग्राम

४०५. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “नदी-शब्द”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

(B) केवल आकाश-चित्र

(C) केवल पत्थरक नाम

(D) केवल कागजक मोटाइ

४०६. “हाट-बाजार” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि?

(A) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(B) केवल लिपि-काष्ठ

(C) केवल मौन साधना

(D) केवल किताबक जिल्द

४०७. मैथिली बोली-भूगोलमे “उच्चारण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल कपड़ाक रंग

(B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

(C) केवल ईंटक माप

(D) केवल खेतक लम्बाइ

४०८. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “लोकगीत”।

(A) केवल मौन लेखन

(B) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(C) केवल राजस्व पर्ची

(D) केवल गाड़ी संख्या

४०९. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “सीमा-पार सम्पर्क”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) केवल समुद्री यात्रा

(B) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(D) केवल अश्रव्य ध्वनि

४१०. “पूर्वी स्वाद” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि?

(A) केवल वाद्य-सूची

(B) केवल रंग-तालिका

(C) केवल मानचित्रक सजावट

(D) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

४११. मैथिली बोली-भूगोलमे “ठेठी” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(B) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) केवल लिपि-विहीन मौन

४१२. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कोसी अंचल”।

(A) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(B) केवल रेगिस्तान

(C) केवल पहाड़ी घाटी

(D) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

४१३. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “पूर्णिया”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) केवल समुद्री नगर

(B) केवल मरुभूमि

(C) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल पश्चिमी तिरहुत

४१४. “मोकामा” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि?

(A) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(B) केवल कन्नड़ ग्राम

(C) केवल हिमानी अंचल

(D) केवल तिरहुता अक्षर

४१५. मैथिली बोली-भूगोलमे “नदी-शब्द” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल कागजक मोटाइ

(B) केवल आकाश-चित्र

(C) केवल पत्थरक नाम

(D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

४१६. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “हाट-बाजार”।

(A) केवल लिपि-काष्ठ

(B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(C) केवल किताबक जिल्द

(D) केवल मौन साधना

४१७. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “उच्चारण”क सही सम्बन्ध कोन अछि?

(A) केवल कपड़ाक रंग

(B) केवल खेतक लम्बाइ

(C) केवल ईंटक माप

(D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

४१८. “लोकगीत” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि?

(A) केवल मौन लेखन

(B) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(C) केवल राजस्व पर्ची

(D) केवल गाड़ी संख्या

४१९. मैथिली बोली-भूगोलमे “सीमा-पार सम्पर्क” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल समुद्री यात्रा

(B) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(C) केवल अश्रव्य ध्वनि

(D) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

४२०. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पूर्वी स्वाद”।

(A) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(B) केवल मानचित्रक सजावट

(C) केवल रंग-तालिका

(D) केवल वाद्य-सूची

४२१. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “ठेठी”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल लिपि-विहीन मौन

(B) केवल गणितीय सूत्र

(C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(D) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

४२२. “कोसी अंचल” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(B) केवल पहाड़ी घाटी

(C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(D) केवल रेगिस्तान

४२३. मैथिली बोली-भूगोलमे “पूर्णिया” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) केवल समुद्री नगर

(C) केवल मरुभूमि

(D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

४२४. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “मोकामा”। — भाग २

(A) केवल हिमानी अंचल

(B) केवल कन्नड़ ग्राम

(C) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(D) केवल तिरहुता अक्षर

४२५. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “नदी-शब्द”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

(B) केवल पत्थरक नाम

(C) केवल कागजक मोटाइ

(D) केवल आकाश-चित्र

४२६. “हाट-बाजार” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल किताबक जिल्द

(B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(C) केवल मौन साधना

(D) केवल लिपि-काष्ठ

४२७. मैथिली बोली-भूगोलमे “उच्चारण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल ईंटक माप

(B) केवल कपड़ाक रंग

(C) केवल खेतक लम्बाइ

(D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

४२८. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “लोकगीत”। — भाग २

(A) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(B) केवल राजस्व पर्ची

(C) केवल गाड़ी संख्या

(D) केवल मौन लेखन

४२९. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “सीमा-पार सम्पर्क”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल अश्रव्य ध्वनि

(B) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(D) केवल समुद्री यात्रा

४३०. “पूर्वी स्वाद” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल मानचित्रक सजावट

(B) केवल रंग-तालिका

(C) केवल वाद्य-सूची

(D) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

४३१. मैथिली बोली-भूगोलमे “ठेठी” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(B) केवल लिपि-विहीन मौन

(C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(D) केवल गणितीय सूत्र

४३२. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कोसी अंचल”। — भाग २

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल पहाड़ी घाटी

(C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(D) केवल अंग-प्रदेशक नाम

४३३. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “पूर्णिया”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल समुद्री नगर

(D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

४३४. “मोकामा” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(C) केवल तिरहुता अक्षर

(D) केवल हिमानी अंचल

४३५. मैथिली बोली-भूगोलमे “नदी-शब्द” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल आकाश-चित्र

(B) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

(C) केवल कागजक मोटाइ

(D) केवल पत्थरक नाम

४३६. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “हाट-बाजार”। — भाग २

(A) केवल लिपि-काष्ठ

(B) केवल मौन साधना

(C) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(D) केवल किताबक जिल्द

४३७. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “उच्चारण”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग २

(A) केवल ईंटक माप

(B) केवल कपड़ाक रंग

(C) केवल खेतक लम्बाइ

(D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

४३८. “लोकगीत” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग २

(A) केवल मौन लेखन

(B) केवल गाड़ी संख्या

(C) केवल राजस्व पर्ची

(D) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

४३९. मैथिली बोली-भूगोलमे “सीमा-पार सम्पर्क” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(B) केवल समुद्री यात्रा

(C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(D) केवल अश्रव्य ध्वनि

४४०. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पूर्वी स्वाद”। — भाग २

(A) केवल वाद्य-सूची

(B) केवल रंग-तालिका

(C) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(D) केवल मानचित्रक सजावट

४४१. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “ठेठी”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(B) केवल गणितीय सूत्र

(C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(D) केवल लिपि-विहीन मौन

४४२. “कोसी अंचल” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल पहाड़ी घाटी

(C) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(D) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

४४३. मैथिली बोली-भूगोलमे “पूर्णिया” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल मरुभूमि

(B) केवल समुद्री नगर

(C) केवल पश्चिमी तिरहुत

(D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

४४४. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “मोकामा”। — भाग ३

(A) केवल तिरहुता अक्षर

(B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(C) केवल हिमानी अंचल

(D) केवल कन्नड़ ग्राम

४४५. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “नदी-शब्द”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल आकाश-चित्र

(B) केवल पत्थरक नाम

(C) केवल कागजक मोटाइ

(D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

४४६. “हाट-बाजार” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल किताबक जिल्द

(B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(C) केवल लिपि-काष्ठ

(D) केवल मौन साधना

४४७. मैथिली बोली-भूगोलमे “उच्चारण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल खेतक लम्बाइ

(B) केवल ईंटक माप

(C) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

(D) केवल कपड़ाक रंग

४४८. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “लोकगीत”। — भाग ३

(A) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(B) केवल गाड़ी संख्या

(C) केवल मौन लेखन

(D) केवल राजस्व पर्ची

४४९. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “सीमा-पार सम्पर्क”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(B) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(C) केवल अश्रव्य ध्वनि

(D) केवल समुद्री यात्रा

४५०. “पूर्वी स्वाद” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल मानचित्रक सजावट

(B) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(C) केवल रंग-तालिका

(D) केवल वाद्य-सूची

४५१. मैथिली बोली-भूगोलमे “ठेठी” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल लिपि-विहीन मौन

(B) केवल गणितीय सूत्र

(C) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(D) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

४५२. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कोसी अंचल”। — भाग ३

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(D) केवल पहाड़ी घाटी

४५३. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “पूर्णिया”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल समुद्री नगर

(D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

४५४. “मोकामा” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल तिरहुता अक्षर

(B) केवल कन्नड़ ग्राम

(C) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(D) केवल हिमानी अंचल

४५५. मैथिली बोली-भूगोलमे “नदी-शब्द” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल आकाश-चित्र

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल पत्थरक नाम

(D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

४५६. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “हाट-बाजार”। — भाग ३

(A) केवल मौन साधना

(B) केवल लिपि-काष्ठ

(C) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(D) केवल किताबक जिल्द

४५७. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “उच्चारण”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल कपड़ाक रंग

(B) केवल खेतक लम्बाइ

(C) केवल ईंटक माप

(D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

४५८. “लोकगीत” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल राजस्व पर्ची

(B) केवल मौन लेखन

(C) केवल गाड़ी संख्या

(D) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

४५९. मैथिली बोली-भूगोलमे “सीमा-पार सम्पर्क” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(B) केवल समुद्री यात्रा

(C) केवल अश्रव्य ध्वनि

(D) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

४६०. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पूर्वी स्वाद”। — भाग ३

(A) केवल वाद्य-सूची

(B) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(C) केवल रंग-तालिका

(D) केवल मानचित्रक सजावट

४६१. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “ठेठी”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(B) केवल लिपि-विहीन मौन

(C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(D) केवल गणितीय सूत्र

४६२. “कोसी अंचल” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल रेगिस्तान

(B) केवल पहाड़ी घाटी

(C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(D) केवल अंग-प्रदेशक नाम

४६३. मैथिली बोली-भूगोलमे “पूर्णिया” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) केवल समुद्री नगर

(C) केवल मरुभूमि

(D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

४६४. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “मोकामा”। — भाग ४

(A) केवल तिरहुता अक्षर

(B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(C) केवल हिमानी अंचल

(D) केवल कन्नड़ ग्राम

४६५. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “नदी-शब्द”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल पत्थरक नाम

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

(D) केवल आकाश-चित्र

४६६. “हाट-बाजार” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(B) केवल लिपि-काष्ठ

(C) केवल मौन साधना

(D) केवल किताबक जिल्द

४६७. मैथिली बोली-भूगोलमे “उच्चारण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल खेतक लम्बाइ

(B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

(C) केवल कपड़ाक रंग

(D) केवल ईंटक माप

४६८. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “लोकगीत”। — भाग ४

(A) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(B) केवल मौन लेखन

(C) केवल राजस्व पर्ची

(D) केवल गाड़ी संख्या

४६९. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “सीमा-पार सम्पर्क”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल अश्रव्य ध्वनि

(B) केवल समुद्री यात्रा

(C) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(D) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

४७०. “पूर्वी स्वाद” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(B) केवल मानचित्रक सजावट

(C) केवल वाद्य-सूची

(D) केवल रंग-तालिका

४७१. मैथिली बोली-भूगोलमे “ठेठी” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(B) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) केवल लिपि-विहीन मौन

४७२. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कोसी अंचल”। — भाग ४

(A) केवल पहाड़ी घाटी

(B) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(D) केवल रेगिस्तान

४७३. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “पूर्णिया”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल मरुभूमि

(B) केवल समुद्री नगर

(C) केवल पश्चिमी तिरहुत

(D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

४७४. “मोकामा” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल हिमानी अंचल

(B) केवल तिरहुता अक्षर

(C) केवल कन्नड़ ग्राम

(D) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

४७५. मैथिली बोली-भूगोलमे “नदी-शब्द” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल पत्थरक नाम

(B) केवल आकाश-चित्र

(C) केवल कागजक मोटाइ

(D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

४७६. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “हाट-बाजार”। — भाग ४

(A) केवल किताबक जिल्द

(B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(C) केवल लिपि-काष्ठ

(D) केवल मौन साधना

४७७. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “उच्चारण”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल खेतक लम्बाइ

(B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

(C) केवल ईंटक माप

(D) केवल कपड़ाक रंग

४७८. “लोकगीत” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल मौन लेखन

(B) केवल गाड़ी संख्या

(C) केवल राजस्व पर्ची

(D) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

४७९. मैथिली बोली-भूगोलमे “सीमा-पार सम्पर्क” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(B) केवल अश्रव्य ध्वनि

(C) केवल समुद्री यात्रा

(D) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

४८०. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पूर्वी स्वाद”। — भाग ४

(A) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(B) केवल मानचित्रक सजावट

(C) केवल रंग-तालिका

(D) केवल वाद्य-सूची

४८१. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “ठेठी”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(B) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) केवल लिपि-विहीन मौन

४८२. “कोसी अंचल” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(B) केवल रेगिस्तान

(C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(D) केवल पहाड़ी घाटी

४८३. मैथिली बोली-भूगोलमे “पूर्णिया” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल पश्चिमी तिरहुत

(B) केवल समुद्री नगर

(C) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(D) केवल मरुभूमि

४८४. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “मोकामा”। — भाग ५

(A) केवल कन्नड़ ग्राम

(B) केवल तिरहुता अक्षर

(C) केवल हिमानी अंचल

(D) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

४८५. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “नदी-शब्द”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल पत्थरक नाम

(B) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

(C) केवल आकाश-चित्र

(D) केवल कागजक मोटाइ

४८६. “हाट-बाजार” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल किताबक जिल्द

(B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(C) केवल मौन साधना

(D) केवल लिपि-काष्ठ

४८७. मैथिली बोली-भूगोलमे “उच्चारण” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल कपड़ाक रंग

(B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

(C) केवल खेतक लम्बाइ

(D) केवल ईंटक माप

४८८. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “लोकगीत”। — भाग ५

(A) केवल मौन लेखन

(B) केवल राजस्व पर्ची

(C) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(D) केवल गाड़ी संख्या

४८९. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “सीमा-पार सम्पर्क”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल अश्रव्य ध्वनि

(B) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(C) केवल समुद्री यात्रा

(D) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

४९०. “पूर्वी स्वाद” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल मानचित्रक सजावट

(B) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(C) केवल रंग-तालिका

(D) केवल वाद्य-सूची

४९१. मैथिली बोली-भूगोलमे “ठेठी” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल पश्चिमी समुद्री भाषा

(B) केवल लिपि-विहीन मौन

(C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल

(D) केवल गणितीय सूत्र

४९२. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कोसी अंचल”। — भाग ५

(A) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल

(B) केवल अंग-प्रदेशक नाम

(C) केवल रेगिस्तान

(D) केवल पहाड़ी घाटी

४९३. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “पूर्णिया”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

(B) केवल समुद्री नगर

(C) केवल मरुभूमि

(D) केवल पश्चिमी तिरहुत

४९४. “मोकामा” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ५

(A) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र

(B) केवल कन्नड़ ग्राम

(C) केवल तिरहुता अक्षर

(D) केवल हिमानी अंचल

४९५. मैथिली बोली-भूगोलमे “नदी-शब्द” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल आकाश-चित्र

(B) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली

(C) केवल पत्थरक नाम

(D) केवल कागजक मोटाइ

४९६. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “हाट-बाजार”। — भाग ५

(A) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल

(B) केवल किताबक जिल्द

(C) केवल लिपि-काष्ठ

(D) केवल मौन साधना

४९७. ठेठी/पूर्वोत्तर मैथिली प्रसंगमे “उच्चारण”क सही सम्बन्ध कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल ईंटक माप

(B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय

(C) केवल खेतक लम्बाइ

(D) केवल कपड़ाक रंग

४९८. “लोकगीत” पूर्वोत्तर बोली-विचारमे की बुझबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल मौन लेखन

(B) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम

(C) केवल राजस्व पर्ची

(D) केवल गाड़ी संख्या

४९९. मैथिली बोली-भूगोलमे “सीमा-पार सम्पर्क” किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल पश्चिमी रेगिस्तान

(B) केवल अश्रव्य ध्वनि

(C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता

(D) केवल समुद्री यात्रा

५००. ठेठी सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पूर्वी स्वाद”। — भाग ५

(A) केवल मानचित्रक सजावट

(B) केवल वाद्य-सूची

(C) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता

(D) केवल रंग-तालिका

5

५०१. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “नेपाल-तराई”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल मौन क्षेत्र

(B) केवल समुद्रक द्वीप

(C) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(D) केवल मरुभूमि

५०२. “धनुषा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(B) केवल बंगालक तट

(C) केवल रेगिस्तानी नगर

(D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

५०३. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “महोत्तरी”क महत्त्व की अछि?

(A) केवल असमक पहाड़

(B) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(C) केवल तिब्बती लिपि

(D) केवल पश्चिमी समुद्र

५०४. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सिरहा”।

(A) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(B) केवल अरबी नगर

(C) केवल मौन नाम

(D) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

५०५. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सप्तरी”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल समुद्र तट

(B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(C) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

(D) केवल पश्चिमी मरु

५०६. “जनकपुर” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल जहाजघर

(B) केवल बर्फीली घाटी

(C) केवल खनन-नगर

(D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

५०७. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सीमा-पार परिवार”क महत्त्व की अछि?

(A) केवल रंगबिरंग नक्शा

(B) केवल बंद दरबाजा

(C) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(D) केवल अकादमिक सूत्र

५०८. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “नेपाली सम्पर्क”।

(A) केवल गणितीय रेखा

(B) केवल अवाजहीन लेखन

(C) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(D) केवल जलरंग

५०९. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “मंच आ प्रसारण”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल माटिक ढेला

(B) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(C) केवल खेतक मेड़

(D) केवल ज्यामिति

५१०. “तराईक बोली-विविधता” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल बालु

(B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) केवल एकरस मौन

(D) केवल तख्ता-चित्र

५११. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “नेपाल-तराई”क महत्त्व की अछि?

(A) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल मौन क्षेत्र

(D) केवल समुद्रक द्वीप

५१२. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “धनुषा”।

(A) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(B) केवल रेगिस्तानी नगर

(C) केवल बंगालक तट

(D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

५१३. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “महोत्तरी”क सही अर्थ की अछि?

(A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(B) केवल पश्चिमी समुद्र

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल तिब्बती लिपि

५१४. “सिरहा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल मौन नाम

(B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(C) केवल अरबी नगर

(D) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

५१५. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सप्तरी”क महत्त्व की अछि?

(A) केवल पश्चिमी मरु

(B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(C) केवल समुद्र तट

(D) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

५१६. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “जनकपुर”।

(A) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

(B) केवल खनन-नगर

(C) केवल जहाजघर

(D) केवल बर्फीली घाटी

५१७. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सीमा-पार परिवार”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल बंद दरबाजा

(B) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(C) केवल रंगबिरंग नक्शा

(D) केवल अकादमिक सूत्र

५१८. “नेपाली सम्पर्क” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि?

(A) केवल अवाजहीन लेखन

(B) केवल गणितीय रेखा

(C) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(D) केवल जलरंग

५१९. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “मंच आ प्रसारण”क महत्त्व की अछि?

(A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(B) केवल माटिक ढेला

(C) केवल ज्यामिति

(D) केवल खेतक मेड़

५२०. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “तराईक बोली-विविधता”।

(A) केवल तख्ता-चित्र

(B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) केवल एकरस मौन

(D) केवल बालु

५२१. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “नेपाल-तराई”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल समुद्रक द्वीप

(B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(C) केवल मरुभूमि

(D) केवल मौन क्षेत्र

५२२. “धनुषा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल रेगिस्तानी नगर

(B) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(C) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

(D) केवल बंगालक तट

५२३. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “महोत्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी समुद्र

(B) केवल असमक पहाड़

(C) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(D) केवल तिब्बती लिपि

५२४. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सिरहा”। — भाग २

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(C) केवल मौन नाम

(D) केवल अरबी नगर

५२५. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सप्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी मरु

(B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(C) केवल समुद्र तट

(D) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

५२६. “जनकपुर” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल बर्फीली घाटी

(B) केवल जहाजघर

(C) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

(D) केवल खनन-नगर

५२७. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सीमा-पार परिवार”क महत्त्व की अछि? — भाग २

(A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(B) केवल रंगबिरंग नक्शा

(C) केवल अकादमिक सूत्र

(D) केवल बंद दरबाजा

५२८. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “नेपाली सम्पर्क”। — भाग २

(A) केवल जलरंग

(B) केवल गणितीय रेखा

(C) केवल अवाजहीन लेखन

(D) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

५२९. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “मंच आ प्रसारण”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(B) केवल ज्यामिति

(C) केवल खेतक मेड़

(D) केवल माटिक ढेला

५३०. “तराईक बोली-विविधता” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल बालु

(B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) केवल तख्ता-चित्र

(D) केवल एकरस मौन

५३१. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “नेपाल-तराई”क महत्त्व की अछि? — भाग २

(A) केवल समुद्रक द्वीप

(B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(C) केवल मरुभूमि

(D) केवल मौन क्षेत्र

५३२. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “धनुषा”। — भाग २

(A) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(B) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

(C) केवल रेगिस्तानी नगर

(D) केवल बंगालक तट

५३३. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “महोत्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(B) केवल तिब्बती लिपि

(C) केवल पश्चिमी समुद्र

(D) केवल असमक पहाड़

५३४. “सिरहा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(B) केवल अरबी नगर

(C) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(D) केवल मौन नाम

५३५. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सप्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग २

(A) केवल पश्चिमी मरु

(B) केवल समुद्र तट

(C) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

(D) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

५३६. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “जनकपुर”। — भाग २

(A) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

(B) केवल जहाजघर

(C) केवल बर्फीली घाटी

(D) केवल खनन-नगर

५३७. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सीमा-पार परिवार”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल अकादमिक सूत्र

(B) केवल बंद दरबाजा

(C) केवल रंगबिरंग नक्शा

(D) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

५३८. “नेपाली सम्पर्क” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग २

(A) केवल गणितीय रेखा

(B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(C) केवल अवाजहीन लेखन

(D) केवल जलरंग

५३९. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “मंच आ प्रसारण”क महत्त्व की अछि? — भाग २

(A) केवल माटिक ढेला

(B) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(C) केवल खेतक मेड़

(D) केवल ज्यामिति

५४०. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “तराईक बोली-विविधता”। — भाग २

(A) केवल बालु

(B) केवल तख्ता-चित्र

(C) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) केवल एकरस मौन

५४१. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “नेपाल-तराई”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल मरुभूमि

(B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(C) केवल मौन क्षेत्र

(D) केवल समुद्रक द्वीप

५४२. “धनुषा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

(B) केवल बंगालक तट

(C) केवल रेगिस्तानी नगर

(D) केवल कन्नड़ क्षेत्र

५४३. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “महोत्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग ३

(A) केवल असमक पहाड़

(B) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(C) केवल पश्चिमी समुद्र

(D) केवल तिब्बती लिपि

५४४. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सिरहा”। — भाग ३

(A) केवल अरबी नगर

(B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(C) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(D) केवल मौन नाम

५४५. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सप्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(B) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

(C) केवल पश्चिमी मरु

(D) केवल समुद्र तट

५४६. “जनकपुर” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) केवल बर्फीली घाटी

(B) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

(C) केवल जहाजघर

(D) केवल खनन-नगर

५४७. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सीमा-पार परिवार”क महत्त्व की अछि? — भाग ३

(A) केवल अकादमिक सूत्र

(B) केवल बंद दरबाजा

(C) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(D) केवल रंगबिरंग नक्शा

५४८. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “नेपाली सम्पर्क”। — भाग ३

(A) केवल जलरंग

(B) केवल गणितीय रेखा

(C) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(D) केवल अवाजहीन लेखन

५४९. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “मंच आ प्रसारण”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(B) केवल ज्यामिति

(C) केवल खेतक मेड़

(D) केवल माटिक ढेला

५५०. “तराईक बोली-विविधता” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) केवल एकरस मौन

(B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(C) केवल तख्ता-चित्र

(D) केवल बालु

५५१. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “नेपाल-तराई”क महत्त्व की अछि? — भाग ३

(A) केवल मौन क्षेत्र

(B) केवल समुद्रक द्वीप

(C) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(D) केवल मरुभूमि

५५२. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “धनुषा”। — भाग ३

(A) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(B) केवल बंगालक तट

(C) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

(D) केवल रेगिस्तानी नगर

५५३. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “महोत्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल तिब्बती लिपि

(B) केवल पश्चिमी समुद्र

(C) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(D) केवल असमक पहाड़

५५४. “सिरहा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(B) केवल मौन नाम

(C) केवल अरबी नगर

(D) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

५५५. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सप्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग ३

(A) केवल समुद्र तट

(B) केवल पश्चिमी मरु

(C) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(D) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

५५६. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “जनकपुर”। — भाग ३

(A) केवल जहाजघर

(B) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

(C) केवल बर्फीली घाटी

(D) केवल खनन-नगर

५५७. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सीमा-पार परिवार”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल रंगबिरंग नक्शा

(B) केवल अकादमिक सूत्र

(C) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(D) केवल बंद दरबाजा

५५८. “नेपाली सम्पर्क” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ३

(A) केवल अवाजहीन लेखन

(B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(C) केवल गणितीय रेखा

(D) केवल जलरंग

५५९. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “मंच आ प्रसारण”क महत्त्व की अछि? — भाग ३

(A) केवल माटिक ढेला

(B) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(C) केवल ज्यामिति

(D) केवल खेतक मेड़

५६०. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “तराईक बोली-विविधता”। — भाग ३

(A) केवल बालु

(B) केवल एकरस मौन

(C) केवल तख्ता-चित्र

(D) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

५६१. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “नेपाल-तराई”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल मरुभूमि

(B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(C) केवल मौन क्षेत्र

(D) केवल समुद्रक द्वीप

५६२. “धनुषा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल रेगिस्तानी नगर

(B) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(C) केवल बंगालक तट

(D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

५६३. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “महोत्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग ४

(A) केवल पश्चिमी समुद्र

(B) केवल तिब्बती लिपि

(C) केवल असमक पहाड़

(D) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

५६४. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सिरहा”। — भाग ४

(A) केवल मौन नाम

(B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(C) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(D) केवल अरबी नगर

५६५. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सप्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(B) केवल समुद्र तट

(C) केवल पश्चिमी मरु

(D) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

५६६. “जनकपुर” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल बर्फीली घाटी

(B) केवल खनन-नगर

(C) केवल जहाजघर

(D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

५६७. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सीमा-पार परिवार”क महत्त्व की अछि? — भाग ४

(A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(B) केवल रंगबिरंग नक्शा

(C) केवल अकादमिक सूत्र

(D) केवल बंद दरबाजा

५६८. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “नेपाली सम्पर्क”। — भाग ४

(A) केवल अवाजहीन लेखन

(B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(C) केवल जलरंग

(D) केवल गणितीय रेखा

५६९. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “मंच आ प्रसारण”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल माटिक ढेला

(B) केवल खेतक मेड़

(C) केवल ज्यामिति

(D) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

५७०. “तराईक बोली-विविधता” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(B) केवल एकरस मौन

(C) केवल तख्ता-चित्र

(D) केवल बालु

५७१. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “नेपाल-तराई”क महत्त्व की अछि? — भाग ४

(A) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(B) केवल मौन क्षेत्र

(C) केवल समुद्रक द्वीप

(D) केवल मरुभूमि

५७२. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “धनुषा”। — भाग ४

(A) केवल बंगालक तट

(B) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

(C) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(D) केवल रेगिस्तानी नगर

५७३. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “महोत्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(B) केवल तिब्बती लिपि

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल पश्चिमी समुद्र

५७४. “सिरहा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(B) केवल अरबी नगर

(C) केवल मौन नाम

(D) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

५७५. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सप्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग ४

(A) केवल पश्चिमी मरु

(B) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

(C) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(D) केवल समुद्र तट

५७६. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “जनकपुर”। — भाग ४

(A) केवल जहाजघर

(B) केवल खनन-नगर

(C) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

(D) केवल बर्फीली घाटी

५७७. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सीमा-पार परिवार”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(B) केवल रंगबिरंग नक्शा

(C) केवल अकादमिक सूत्र

(D) केवल बंद दरबाजा

५७८. “नेपाली सम्पर्क” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ४

(A) केवल अवाजहीन लेखन

(B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(C) केवल जलरंग

(D) केवल गणितीय रेखा

५७९. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “मंच आ प्रसारण”क महत्त्व की अछि? — भाग ४

(A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(B) केवल ज्यामिति

(C) केवल खेतक मेड़

(D) केवल माटिक ढेला

५८०. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “तराईक बोली-विविधता”। — भाग ४

(A) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(B) केवल तख्ता-चित्र

(C) केवल बालु

(D) केवल एकरस मौन

५८१. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “नेपाल-तराई”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

(B) केवल मौन क्षेत्र

(C) केवल समुद्रक द्वीप

(D) केवल मरुभूमि

५८२. “धनुषा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल रेगिस्तानी नगर

(B) केवल बंगालक तट

(C) केवल कन्नड़ क्षेत्र

(D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

५८३. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “महोत्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग ५

(A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(B) केवल तिब्बती लिपि

(C) केवल पश्चिमी समुद्र

(D) केवल असमक पहाड़

५८४. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सिरहा”। — भाग ५

(A) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

(B) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(C) केवल मौन नाम

(D) केवल अरबी नगर

५८५. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सप्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल पश्चिमी मरु

(B) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

(C) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(D) केवल समुद्र तट

५८६. “जनकपुर” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल खनन-नगर

(B) केवल बर्फीली घाटी

(C) केवल जहाजघर

(D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

५८७. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सीमा-पार परिवार”क महत्त्व की अछि? — भाग ५

(A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

(B) केवल बंद दरबाजा

(C) केवल रंगबिरंग नक्शा

(D) केवल अकादमिक सूत्र

५८८. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “नेपाली सम्पर्क”। — भाग ५

(A) केवल जलरंग

(B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

(C) केवल अवाजहीन लेखन

(D) केवल गणितीय रेखा

५८९. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “मंच आ प्रसारण”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल ज्यामिति

(B) केवल माटिक ढेला

(C) केवल खेतक मेड़

(D) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

५९०. “तराईक बोली-विविधता” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल बालु

(B) केवल तख्ता-चित्र

(C) केवल एकरस मौन

(D) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

५९१. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “नेपाल-तराई”क महत्त्व की अछि? — भाग ५

(A) केवल समुद्रक द्वीप

(B) केवल मरुभूमि

(C) केवल मौन क्षेत्र

(D) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग

५९२. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “धनुषा”। — भाग ५

(A) केवल बंगालक तट

(B) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र

(C) केवल रेगिस्तानी नगर

(D) केवल कन्नड़ क्षेत्र

५९३. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “महोत्तरी”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल पश्चिमी समुद्र

(B) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र

(C) केवल असमक पहाड़

(D) केवल तिब्बती लिपि

५९४. “सिरहा” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल दक्षिणी द्रविड़ क्षेत्र

(B) केवल अरबी नगर

(C) केवल मौन नाम

(D) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल

५९५. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “सप्तरी”क महत्त्व की अछि? — भाग ५

(A) केवल हिमालयक निर्जन शिखर

(B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम

(C) केवल समुद्र तट

(D) केवल पश्चिमी मरु

५९६. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “जनकपुर”। — भाग ५

(A) केवल जहाजघर

(B) केवल बर्फीली घाटी

(C) केवल खनन-नगर

(D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र

५९७. नेपाल-तराईक मैथिली सन्दर्भमे “सीमा-पार परिवार”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल अकादमिक सूत्र

(B) केवल रंगबिरंग नक्शा

(C) केवल बंद दरबाजा

(D) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध

५९८. “नेपाली सम्पर्क” नेपालक मैथिली-विचारमे की सूचित करैत अछि? — भाग ५

(A) केवल अवाजहीन लेखन

(B) केवल जलरंग

(C) केवल गणितीय रेखा

(D) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव

५९९. सीमा-पार मैथिली अध्ययनमे “मंच आ प्रसारण”क महत्त्व की अछि? — भाग ५

(A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम

(B) केवल खेतक मेड़

(C) केवल ज्यामिति

(D) केवल माटिक ढेला

६००. नेपाल-तराई सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “तराईक बोली-विविधता”। — भाग ५

(A) केवल बालु

(B) केवल एकरस मौन

(C) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल

(D) केवल तख्ता-चित्र

6

६०१. गाम-समाजक बोल-चालमे “घरक बोली”क भूमिका की अछि?

(A) केवल नाप-तौल

(B) केवल अक्षर-सूची

(C) केवल सरकारी निबन्ध

(D) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

६०२. “मायक बोल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल विद्यालयक घंटी

(B) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(C) केवल नक्शाक रेखा

(D) केवल पथर

६०३. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “हाटक बोली” की देखबैत अछि?

(A) केवल मौन ध्यान

(B) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

(C) केवल काव्य अलंकार

(D) केवल चित्रक फ्रेम

६०४. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “खेतक शब्द”।

(A) केवल कागजी चिह्न

(B) केवल युद्ध-घोष

(C) केवल राजदरबार

(D) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

६०५. गाम-समाजक बोल-चालमे “विवाह-गीत”क भूमिका की अछि?

(A) केवल गणितक प्रमेय

(B) केवल चिट्ठीक टिकट

(C) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(D) केवल रंगद्रव्य

६०६. “सोहर” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल खेतीक कर

(B) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(C) केवल आकाशक नक्शा

(D) केवल नाटकक पर्दा

६०७. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “कहावत” की देखबैत अछि?

(A) केवल सड़क योजना

(B) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) केवल बेमतलब ध्वनि

६०८. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “बच्चाक खेल”।

(A) केवल धातुक सूत्र

(B) केवल पुस्तकालयक सूची

(C) केवल मूक-चित्र

(D) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

६०९. गाम-समाजक बोल-चालमे “शिल्पी-शब्द”क भूमिका की अछि?

(A) केवल शून्य

(B) केवल डाकघर

(C) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(D) केवल मौसमक नारा

६१०. “पीढ़ीगत परिवर्तन” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल रंग बदल

(B) केवल खाता-बही

(C) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(D) केवल जलमाप

६११. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “घरक बोली” की देखबैत अछि?

(A) केवल सरकारी निबन्ध

(B) केवल नाप-तौल

(C) केवल अक्षर-सूची

(D) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

६१२. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मायक बोल”।

(A) केवल नक्शाक रेखा

(B) केवल विद्यालयक घंटी

(C) केवल पथर

(D) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

६१३. गाम-समाजक बोल-चालमे “हाटक बोली”क भूमिका की अछि?

(A) केवल काव्य अलंकार

(B) केवल चित्रक फ्रेम

(C) केवल मौन ध्यान

(D) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

६१४. “खेतक शब्द” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल राजदरबार

(B) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

(C) केवल युद्ध-घोष

(D) केवल कागजी चिह्न

६१५. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “विवाह-गीत” की देखबैत अछि?

(A) केवल चिट्ठीक टिकट

(B) केवल रंगद्रव्य

(C) केवल गणितक प्रमेय

(D) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

६१६. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “सोहर”।

(A) केवल नाटकक पर्दा

(B) केवल आकाशक नक्शा

(C) केवल खेतीक कर

(D) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

६१७. गाम-समाजक बोल-चालमे “कहावत”क भूमिका की अछि?

(A) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(B) केवल संख्याक जोड़

(C) केवल सड़क योजना

(D) केवल बेमतलब ध्वनि

६१८. “बच्चाक खेल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) केवल पुस्तकालयक सूची

(B) केवल धातुक सूत्र

(C) केवल मूक-चित्र

(D) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

६१९. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “शिल्पी-शब्द” की देखबैत अछि?

(A) केवल मौसमक नारा

(B) केवल डाकघर

(C) केवल शून्य

(D) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

६२०. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “पीढ़ीगत परिवर्तन”।

(A) केवल जलमाप

(B) केवल खाता-बही

(C) केवल रंग बदल

(D) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

६२१. गाम-समाजक बोल-चालमे “घरक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल सरकारी निबन्ध

(B) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(C) केवल अक्षर-सूची

(D) केवल नाप-तौल

६२२. “मायक बोल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल विद्यालयक घंटी

(B) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(C) केवल नक्शाक रेखा

(D) केवल पथर

६२३. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “हाटक बोली” की देखबैत अछि? — भाग २

(A) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

(B) केवल चित्रक फ्रेम

(C) केवल मौन ध्यान

(D) केवल काव्य अलंकार

६२४. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “खेतक शब्द”। — भाग २

(A) केवल राजदरबार

(B) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

(C) केवल युद्ध-घोष

(D) केवल कागजी चिह्न

६२५. गाम-समाजक बोल-चालमे “विवाह-गीत”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल चिट्ठीक टिकट

(B) केवल रंगद्रव्य

(C) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(D) केवल गणितक प्रमेय

६२६. “सोहर” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(B) केवल नाटकक पर्दा

(C) केवल आकाशक नक्शा

(D) केवल खेतीक कर

६२७. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “कहावत” की देखबैत अछि? — भाग २

(A) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(B) केवल सड़क योजना

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) केवल बेमतलब ध्वनि

६२८. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “बच्चाक खेल”। — भाग २

(A) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(B) केवल पुस्तकालयक सूची

(C) केवल धातुक सूत्र

(D) केवल मूक-चित्र

६२९. गाम-समाजक बोल-चालमे “शिल्पी-शब्द”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल शून्य

(B) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(C) केवल मौसमक नारा

(D) केवल डाकघर

६३०. “पीढ़ीगत परिवर्तन” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) केवल रंग बदल

(B) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(C) केवल जलमाप

(D) केवल खाता-बही

६३१. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “घरक बोली” की देखबैत अछि? — भाग २

(A) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(B) केवल अक्षर-सूची

(C) केवल नाप-तौल

(D) केवल सरकारी निबन्ध

६३२. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मायक बोल”। — भाग २

(A) केवल नक्शाक रेखा

(B) केवल विद्यालयक घंटी

(C) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(D) केवल पथर

६३३. गाम-समाजक बोल-चालमे “हाटक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

(B) केवल मौन ध्यान

(C) केवल काव्य अलंकार

(D) केवल चित्रक फ्रेम

६३४. “खेतक शब्द” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

(B) केवल युद्ध-घोष

(C) केवल कागजी चिह्न

(D) केवल राजदरबार

६३५. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “विवाह-गीत” की देखबैत अछि? — भाग २

(A) केवल रंगद्रव्य

(B) केवल चिट्ठीक टिकट

(C) केवल गणितक प्रमेय

(D) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

६३६. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “सोहर”। — भाग २

(A) केवल नाटकक पर्दा

(B) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(C) केवल खेतीक कर

(D) केवल आकाशक नक्शा

६३७. गाम-समाजक बोल-चालमे “कहावत”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल सड़क योजना

(B) केवल बेमतलब ध्वनि

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

६३८. “बच्चाक खेल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग २

(A) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(B) केवल मूक-चित्र

(C) केवल धातुक सूत्र

(D) केवल पुस्तकालयक सूची

६३९. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “शिल्पी-शब्द” की देखबैत अछि? — भाग २

(A) केवल मौसमक नारा

(B) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(C) केवल शून्य

(D) केवल डाकघर

६४०. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “पीढ़ीगत परिवर्तन”। — भाग २

(A) केवल खाता-बही

(B) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(C) केवल रंग बदल

(D) केवल जलमाप

६४१. गाम-समाजक बोल-चालमे “घरक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल नाप-तौल

(B) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(C) केवल अक्षर-सूची

(D) केवल सरकारी निबन्ध

६४२. “मायक बोल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल नक्शाक रेखा

(B) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(C) केवल विद्यालयक घंटी

(D) केवल पथर

६४३. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “हाटक बोली” की देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल मौन ध्यान

(B) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

(C) केवल चित्रक फ्रेम

(D) केवल काव्य अलंकार

६४४. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “खेतक शब्द”। — भाग ३

(A) केवल युद्ध-घोष

(B) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

(C) केवल राजदरबार

(D) केवल कागजी चिह्न

६४५. गाम-समाजक बोल-चालमे “विवाह-गीत”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल गणितक प्रमेय

(B) केवल रंगद्रव्य

(C) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(D) केवल चिट्ठीक टिकट

६४६. “सोहर” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(B) केवल खेतीक कर

(C) केवल आकाशक नक्शा

(D) केवल नाटकक पर्दा

६४७. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “कहावत” की देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल बेमतलब ध्वनि

(B) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) केवल सड़क योजना

६४८. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “बच्चाक खेल”। — भाग ३

(A) केवल धातुक सूत्र

(B) केवल मूक-चित्र

(C) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(D) केवल पुस्तकालयक सूची

६४९. गाम-समाजक बोल-चालमे “शिल्पी-शब्द”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल डाकघर

(B) केवल मौसमक नारा

(C) केवल शून्य

(D) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

६५०. “पीढ़ीगत परिवर्तन” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(B) केवल रंग बदल

(C) केवल जलमाप

(D) केवल खाता-बही

६५१. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “घरक बोली” की देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल सरकारी निबन्ध

(B) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(C) केवल नाप-तौल

(D) केवल अक्षर-सूची

६५२. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मायक बोल”। — भाग ३

(A) केवल नक्शाक रेखा

(B) केवल पथर

(C) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(D) केवल विद्यालयक घंटी

६५३. गाम-समाजक बोल-चालमे “हाटक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल चित्रक फ्रेम

(B) केवल मौन ध्यान

(C) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

(D) केवल काव्य अलंकार

६५४. “खेतक शब्द” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल राजदरबार

(B) केवल युद्ध-घोष

(C) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

(D) केवल कागजी चिह्न

६५५. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “विवाह-गीत” की देखबैत अछि? — भाग ३

(A) केवल गणितक प्रमेय

(B) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(C) केवल रंगद्रव्य

(D) केवल चिट्ठीक टिकट

६५६. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “सोहर”। — भाग ३

(A) केवल नाटकक पर्दा

(B) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(C) केवल खेतीक कर

(D) केवल आकाशक नक्शा

६५७. गाम-समाजक बोल-चालमे “कहावत”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल संख्याक जोड़

(B) केवल सड़क योजना

(C) केवल बेमतलब ध्वनि

(D) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

६५८. “बच्चाक खेल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ३

(A) केवल पुस्तकालयक सूची

(B) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(C) केवल मूक-चित्र

(D) केवल धातुक सूत्र

६५९. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “शिल्पी-शब्द” की देखबैत अछि? — भाग ३

(A) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(B) केवल शून्य

(C) केवल मौसमक नारा

(D) केवल डाकघर

६६०. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “पीढ़ीगत परिवर्तन”। — भाग ३

(A) केवल खाता-बही

(B) केवल जलमाप

(C) केवल रंग बदल

(D) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

६६१. गाम-समाजक बोल-चालमे “घरक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल अक्षर-सूची

(B) केवल सरकारी निबन्ध

(C) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(D) केवल नाप-तौल

६६२. “मायक बोल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल नक्शाक रेखा

(B) केवल पथर

(C) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(D) केवल विद्यालयक घंटी

६६३. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “हाटक बोली” की देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल मौन ध्यान

(B) केवल काव्य अलंकार

(C) केवल चित्रक फ्रेम

(D) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

६६४. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “खेतक शब्द”। — भाग ४

(A) केवल कागजी चिह्न

(B) केवल राजदरबार

(C) केवल युद्ध-घोष

(D) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

६६५. गाम-समाजक बोल-चालमे “विवाह-गीत”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल चिट्ठीक टिकट

(B) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(C) केवल गणितक प्रमेय

(D) केवल रंगद्रव्य

६६६. “सोहर” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल खेतीक कर

(B) केवल आकाशक नक्शा

(C) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(D) केवल नाटकक पर्दा

६६७. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “कहावत” की देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल बेमतलब ध्वनि

(B) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) केवल सड़क योजना

६६८. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “बच्चाक खेल”। — भाग ४

(A) केवल धातुक सूत्र

(B) केवल पुस्तकालयक सूची

(C) केवल मूक-चित्र

(D) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

६६९. गाम-समाजक बोल-चालमे “शिल्पी-शब्द”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल डाकघर

(B) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(C) केवल शून्य

(D) केवल मौसमक नारा

६७०. “पीढ़ीगत परिवर्तन” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल रंग बदल

(B) केवल जलमाप

(C) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(D) केवल खाता-बही

६७१. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “घरक बोली” की देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल नाप-तौल

(B) केवल अक्षर-सूची

(C) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(D) केवल सरकारी निबन्ध

६७२. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मायक बोल”। — भाग ४

(A) केवल विद्यालयक घंटी

(B) केवल पथर

(C) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(D) केवल नक्शाक रेखा

६७३. गाम-समाजक बोल-चालमे “हाटक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल चित्रक फ्रेम

(B) केवल काव्य अलंकार

(C) केवल मौन ध्यान

(D) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

६७४. “खेतक शब्द” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) केवल राजदरबार

(B) केवल युद्ध-घोष

(C) केवल कागजी चिह्न

(D) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

६७५. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “विवाह-गीत” की देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल गणितक प्रमेय

(B) केवल रंगद्रव्य

(C) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(D) केवल चिट्ठीक टिकट

६७६. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “सोहर”। — भाग ४

(A) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(B) केवल खेतीक कर

(C) केवल नाटकक पर्दा

(D) केवल आकाशक नक्शा

६७७. गाम-समाजक बोल-चालमे “कहावत”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल बेमतलब ध्वनि

(B) केवल सड़क योजना

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

६७८. “बच्चाक खेल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ४

(A) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(B) केवल धातुक सूत्र

(C) केवल पुस्तकालयक सूची

(D) केवल मूक-चित्र

६७९. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “शिल्पी-शब्द” की देखबैत अछि? — भाग ४

(A) केवल शून्य

(B) केवल डाकघर

(C) केवल मौसमक नारा

(D) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

६८०. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “पीढ़ीगत परिवर्तन”। — भाग ४

(A) केवल खाता-बही

(B) केवल रंग बदल

(C) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(D) केवल जलमाप

६८१. गाम-समाजक बोल-चालमे “घरक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल अक्षर-सूची

(B) केवल नाप-तौल

(C) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(D) केवल सरकारी निबन्ध

६८२. “मायक बोल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल विद्यालयक घंटी

(B) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(C) केवल नक्शाक रेखा

(D) केवल पथर

६८३. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “हाटक बोली” की देखबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल मौन ध्यान

(B) केवल काव्य अलंकार

(C) केवल चित्रक फ्रेम

(D) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

६८४. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “खेतक शब्द”। — भाग ५

(A) केवल कागजी चिह्न

(B) केवल राजदरबार

(C) केवल युद्ध-घोष

(D) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

६८५. गाम-समाजक बोल-चालमे “विवाह-गीत”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल चिट्ठीक टिकट

(B) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(C) केवल रंगद्रव्य

(D) केवल गणितक प्रमेय

६८६. “सोहर” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल खेतीक कर

(B) केवल आकाशक नक्शा

(C) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(D) केवल नाटकक पर्दा

६८७. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “कहावत” की देखबैत अछि? — भाग ५

(A) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(B) केवल सड़क योजना

(C) केवल संख्याक जोड़

(D) केवल बेमतलब ध्वनि

६८८. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “बच्चाक खेल”। — भाग ५

(A) केवल मूक-चित्र

(B) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(C) केवल धातुक सूत्र

(D) केवल पुस्तकालयक सूची

६८९. गाम-समाजक बोल-चालमे “शिल्पी-शब्द”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल शून्य

(B) केवल मौसमक नारा

(C) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(D) केवल डाकघर

६९०. “पीढ़ीगत परिवर्तन” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल जलमाप

(B) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(C) केवल खाता-बही

(D) केवल रंग बदल

६९१. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “घरक बोली” की देखबैत अछि? — भाग ५

(A) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति

(B) केवल अक्षर-सूची

(C) केवल नाप-तौल

(D) केवल सरकारी निबन्ध

६९२. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “मायक बोल”। — भाग ५

(A) केवल नक्शाक रेखा

(B) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत

(C) केवल पथर

(D) केवल विद्यालयक घंटी

६९३. गाम-समाजक बोल-चालमे “हाटक बोली”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप

(B) केवल चित्रक फ्रेम

(C) केवल मौन ध्यान

(D) केवल काव्य अलंकार

६९४. “खेतक शब्द” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल कागजी चिह्न

(B) केवल युद्ध-घोष

(C) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली

(D) केवल राजदरबार

६९५. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “विवाह-गीत” की देखबैत अछि? — भाग ५

(A) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार

(B) केवल गणितक प्रमेय

(C) केवल रंगद्रव्य

(D) केवल चिट्ठीक टिकट

६९६. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “सोहर”। — भाग ५

(A) केवल नाटकक पर्दा

(B) केवल खेतीक कर

(C) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत

(D) केवल आकाशक नक्शा

६९७. गाम-समाजक बोल-चालमे “कहावत”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल सड़क योजना

(B) केवल संख्याक जोड़

(C) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई

(D) केवल बेमतलब ध्वनि

६९८. “बच्चाक खेल” बोली-संरक्षणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि? — भाग ५

(A) केवल मूक-चित्र

(B) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास

(C) केवल पुस्तकालयक सूची

(D) केवल धातुक सूत्र

६९९. मैथिली आ ओकर बोलीक लोक-जीवन बुझबाक लेल “शिल्पी-शब्द” की देखबैत अछि? — भाग ५

(A) केवल शून्य

(B) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह

(C) केवल डाकघर

(D) केवल मौसमक नारा

७००. गामक भाषिक परिवेश सम्बन्धी सही उत्तर चुनू: “पीढ़ीगत परिवर्तन”। — भाग ५

(A) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर

(B) केवल जलमाप

(C) केवल खाता-बही

(D) केवल रंग बदल

7

७०१. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “स्वर-फेर”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल खेत-फेर

(B) केवल रंग-फेर

(C) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

(D) केवल कागज-फेर

७०२. “व्यंजन-फेर” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि?

(A) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(B) केवल सड़कक मोड़

(C) केवल कागजक आकार

(D) केवल धानक जाति

७०३. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “लहजा” किएक देखल जाए?

(A) केवल लिपि-मात्रा

(B) केवल तालाब

(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(D) केवल जिल्द

७०४. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सर्वनाम”।

(A) केवल संख्याबोध

(B) केवल पेड़-पात

(C) केवल वाद्य-नाम

(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

७०५. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “क्रिया-रूप”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल अक्षरक रंग

(B) केवल माटिक ढेला

(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(D) केवल नाप

७०६. “कारक-चिह्न” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि?

(A) केवल चित्रक कोना

(B) केवल अनाज

(C) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(D) केवल ध्वज

७०७. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “शब्द-संग्रह” किएक देखल जाए?

(A) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(B) केवल खाली पृष्ठ

(C) केवल रेखा

(D) केवल घड़ी

७०८. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मुहावरा”।

(A) केवल दीवार

(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(C) केवल जलरंग

(D) केवल सीधा गणित

७०९. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “वाक्य-क्रम”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल नाव

(B) केवल वाद्यक ताल

(C) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

(D) केवल पर्वत

७१०. “उधार-शब्द” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि?

(A) केवल वृक्षारोपण

(B) केवल धातु गलन

(C) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(D) केवल दर्पण

७११. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “स्वर-फेर” किएक देखल जाए?

(A) केवल कागज-फेर

(B) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

(C) केवल खेत-फेर

(D) केवल रंग-फेर

७१२. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “व्यंजन-फेर”।

(A) केवल कागजक आकार

(B) केवल सड़कक मोड़

(C) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(D) केवल धानक जाति

७१३. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “लहजा”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल तालाब

(B) केवल जिल्द

(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(D) केवल लिपि-मात्रा

७१४. “सर्वनाम” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि?

(A) केवल संख्याबोध

(B) केवल वाद्य-नाम

(C) केवल पेड़-पात

(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

७१५. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “क्रिया-रूप” किएक देखल जाए?

(A) केवल अक्षरक रंग

(B) केवल नाप

(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(D) केवल माटिक ढेला

७१६. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “कारक-चिह्न”।

(A) केवल अनाज

(B) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(C) केवल ध्वज

(D) केवल चित्रक कोना

७१७. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “शब्द-संग्रह”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल खाली पृष्ठ

(B) केवल घड़ी

(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(D) केवल रेखा

७१८. “मुहावरा” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि?

(A) केवल जलरंग

(B) केवल सीधा गणित

(C) केवल दीवार

(D) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

७१९. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “वाक्य-क्रम” किएक देखल जाए?

(A) केवल नाव

(B) केवल वाद्यक ताल

(C) केवल पर्वत

(D) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

७२०. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “उधार-शब्द”।

(A) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(B) केवल दर्पण

(C) केवल धातु गलन

(D) केवल वृक्षारोपण

७२१. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “स्वर-फेर”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल कागज-फेर

(B) केवल रंग-फेर

(C) केवल खेत-फेर

(D) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

७२२. “व्यंजन-फेर” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग २

(A) केवल सड़कक मोड़

(B) केवल धानक जाति

(C) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(D) केवल कागजक आकार

७२३. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “लहजा” किएक देखल जाए? — भाग २

(A) केवल जिल्द

(B) केवल तालाब

(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(D) केवल लिपि-मात्रा

७२४. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सर्वनाम”। — भाग २

(A) केवल पेड़-पात

(B) केवल वाद्य-नाम

(C) केवल संख्याबोध

(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

७२५. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “क्रिया-रूप”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल नाप

(B) केवल माटिक ढेला

(C) केवल अक्षरक रंग

(D) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

७२६. “कारक-चिह्न” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग २

(A) केवल ध्वज

(B) केवल चित्रक कोना

(C) केवल अनाज

(D) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

७२७. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “शब्द-संग्रह” किएक देखल जाए? — भाग २

(A) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(B) केवल रेखा

(C) केवल घड़ी

(D) केवल खाली पृष्ठ

७२८. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मुहावरा”। — भाग २

(A) केवल दीवार

(B) केवल जलरंग

(C) केवल सीधा गणित

(D) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

७२९. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “वाक्य-क्रम”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल पर्वत

(B) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

(C) केवल वाद्यक ताल

(D) केवल नाव

७३०. “उधार-शब्द” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग २

(A) केवल दर्पण

(B) केवल वृक्षारोपण

(C) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(D) केवल धातु गलन

७३१. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “स्वर-फेर” किएक देखल जाए? — भाग २

(A) केवल रंग-फेर

(B) केवल कागज-फेर

(C) केवल खेत-फेर

(D) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

७३२. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “व्यंजन-फेर”। — भाग २

(A) केवल सड़कक मोड़

(B) केवल कागजक आकार

(C) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(D) केवल धानक जाति

७३३. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “लहजा”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल लिपि-मात्रा

(B) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(C) केवल तालाब

(D) केवल जिल्द

७३४. “सर्वनाम” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग २

(A) केवल वाद्य-नाम

(B) केवल पेड़-पात

(C) केवल संख्याबोध

(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

७३५. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “क्रिया-रूप” किएक देखल जाए? — भाग २

(A) केवल नाप

(B) केवल अक्षरक रंग

(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(D) केवल माटिक ढेला

७३६. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “कारक-चिह्न”। — भाग २

(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(B) केवल अनाज

(C) केवल ध्वज

(D) केवल चित्रक कोना

७३७. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “शब्द-संग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल रेखा

(B) केवल घड़ी

(C) केवल खाली पृष्ठ

(D) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

७३८. “मुहावरा” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग २

(A) केवल दीवार

(B) केवल जलरंग

(C) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(D) केवल सीधा गणित

७३९. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “वाक्य-क्रम” किएक देखल जाए? — भाग २

(A) केवल नाव

(B) केवल पर्वत

(C) केवल वाद्यक ताल

(D) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

७४०. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “उधार-शब्द”। — भाग २

(A) केवल धातु गलन

(B) केवल दर्पण

(C) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(D) केवल वृक्षारोपण

७४१. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “स्वर-फेर”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल कागज-फेर

(B) केवल खेत-फेर

(C) केवल रंग-फेर

(D) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

७४२. “व्यंजन-फेर” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ३

(A) केवल कागजक आकार

(B) केवल सड़कक मोड़

(C) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(D) केवल धानक जाति

७४३. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “लहजा” किएक देखल जाए? — भाग ३

(A) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(B) केवल लिपि-मात्रा

(C) केवल जिल्द

(D) केवल तालाब

७४४. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सर्वनाम”। — भाग ३

(A) केवल पेड़-पात

(B) केवल संख्याबोध

(C) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

(D) केवल वाद्य-नाम

७४५. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “क्रिया-रूप”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल अक्षरक रंग

(B) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(C) केवल माटिक ढेला

(D) केवल नाप

७४६. “कारक-चिह्न” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ३

(A) केवल ध्वज

(B) केवल चित्रक कोना

(C) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(D) केवल अनाज

७४७. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “शब्द-संग्रह” किएक देखल जाए? — भाग ३

(A) केवल घड़ी

(B) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(C) केवल खाली पृष्ठ

(D) केवल रेखा

७४८. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मुहावरा”। — भाग ३

(A) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(B) केवल सीधा गणित

(C) केवल जलरंग

(D) केवल दीवार

७४९. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “वाक्य-क्रम”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल नाव

(B) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

(C) केवल वाद्यक ताल

(D) केवल पर्वत

७५०. “उधार-शब्द” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ३

(A) केवल धातु गलन

(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(C) केवल दर्पण

(D) केवल वृक्षारोपण

७५१. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “स्वर-फेर” किएक देखल जाए? — भाग ३

(A) केवल खेत-फेर

(B) केवल रंग-फेर

(C) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

(D) केवल कागज-फेर

७५२. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “व्यंजन-फेर”। — भाग ३

(A) केवल सड़कक मोड़

(B) केवल कागजक आकार

(C) केवल धानक जाति

(D) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

७५३. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “लहजा”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल जिल्द

(B) केवल तालाब

(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(D) केवल लिपि-मात्रा

७५४. “सर्वनाम” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ३

(A) केवल वाद्य-नाम

(B) केवल पेड़-पात

(C) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

(D) केवल संख्याबोध

७५५. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “क्रिया-रूप” किएक देखल जाए? — भाग ३

(A) केवल माटिक ढेला

(B) केवल नाप

(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(D) केवल अक्षरक रंग

७५६. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “कारक-चिह्न”। — भाग ३

(A) केवल ध्वज

(B) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(C) केवल चित्रक कोना

(D) केवल अनाज

७५७. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “शब्द-संग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल रेखा

(B) केवल खाली पृष्ठ

(C) केवल घड़ी

(D) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

७५८. “मुहावरा” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ३

(A) केवल सीधा गणित

(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(C) केवल जलरंग

(D) केवल दीवार

७५९. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “वाक्य-क्रम” किएक देखल जाए? — भाग ३

(A) केवल पर्वत

(B) केवल नाव

(C) केवल वाद्यक ताल

(D) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

७६०. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “उधार-शब्द”। — भाग ३

(A) केवल वृक्षारोपण

(B) केवल दर्पण

(C) केवल धातु गलन

(D) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

७६१. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “स्वर-फेर”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल कागज-फेर

(B) केवल खेत-फेर

(C) केवल रंग-फेर

(D) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

७६२. “व्यंजन-फेर” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ४

(A) केवल कागजक आकार

(B) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(C) केवल धानक जाति

(D) केवल सड़कक मोड़

७६३. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “लहजा” किएक देखल जाए? — भाग ४

(A) केवल जिल्द

(B) केवल लिपि-मात्रा

(C) केवल तालाब

(D) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

७६४. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सर्वनाम”। — भाग ४

(A) केवल पेड़-पात

(B) केवल संख्याबोध

(C) केवल वाद्य-नाम

(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

७६५. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “क्रिया-रूप”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल अक्षरक रंग

(B) केवल माटिक ढेला

(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(D) केवल नाप

७६६. “कारक-चिह्न” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ४

(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(B) केवल अनाज

(C) केवल चित्रक कोना

(D) केवल ध्वज

७६७. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “शब्द-संग्रह” किएक देखल जाए? — भाग ४

(A) केवल खाली पृष्ठ

(B) केवल घड़ी

(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(D) केवल रेखा

७६८. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मुहावरा”। — भाग ४

(A) केवल जलरंग

(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(C) केवल सीधा गणित

(D) केवल दीवार

७६९. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “वाक्य-क्रम”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल पर्वत

(B) केवल वाद्यक ताल

(C) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

(D) केवल नाव

७७०. “उधार-शब्द” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ४

(A) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(B) केवल धातु गलन

(C) केवल वृक्षारोपण

(D) केवल दर्पण

७७१. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “स्वर-फेर” किएक देखल जाए? — भाग ४

(A) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

(B) केवल कागज-फेर

(C) केवल रंग-फेर

(D) केवल खेत-फेर

७७२. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “व्यंजन-फेर”। — भाग ४

(A) केवल सड़कक मोड़

(B) केवल धानक जाति

(C) केवल कागजक आकार

(D) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

७७३. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “लहजा”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल जिल्द

(B) केवल तालाब

(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(D) केवल लिपि-मात्रा

७७४. “सर्वनाम” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ४

(A) केवल पेड़-पात

(B) केवल वाद्य-नाम

(C) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

(D) केवल संख्याबोध

७७५. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “क्रिया-रूप” किएक देखल जाए? — भाग ४

(A) केवल माटिक ढेला

(B) केवल नाप

(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(D) केवल अक्षरक रंग

७७६. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “कारक-चिह्न”। — भाग ४

(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(B) केवल अनाज

(C) केवल चित्रक कोना

(D) केवल ध्वज

७७७. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “शब्द-संग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) केवल घड़ी

(B) केवल खाली पृष्ठ

(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(D) केवल रेखा

७७८. “मुहावरा” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ४

(A) केवल सीधा गणित

(B) केवल दीवार

(C) केवल जलरंग

(D) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

७७९. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “वाक्य-क्रम” किएक देखल जाए? — भाग ४

(A) केवल नाव

(B) केवल वाद्यक ताल

(C) केवल पर्वत

(D) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

७८०. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “उधार-शब्द”। — भाग ४

(A) केवल धातु गलन

(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(C) केवल वृक्षारोपण

(D) केवल दर्पण

७८१. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “स्वर-फेर”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

(B) केवल कागज-फेर

(C) केवल रंग-फेर

(D) केवल खेत-फेर

७८२. “व्यंजन-फेर” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ५

(A) केवल धानक जाति

(B) केवल कागजक आकार

(C) केवल सड़कक मोड़

(D) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

७८३. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “लहजा” किएक देखल जाए? — भाग ५

(A) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(B) केवल जिल्द

(C) केवल तालाब

(D) केवल लिपि-मात्रा

७८४. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “सर्वनाम”। — भाग ५

(A) केवल वाद्य-नाम

(B) केवल संख्याबोध

(C) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

(D) केवल पेड़-पात

७८५. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “क्रिया-रूप”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल अक्षरक रंग

(B) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

(C) केवल नाप

(D) केवल माटिक ढेला

७८६. “कारक-चिह्न” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ५

(A) केवल ध्वज

(B) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(C) केवल चित्रक कोना

(D) केवल अनाज

७८७. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “शब्द-संग्रह” किएक देखल जाए? — भाग ५

(A) केवल खाली पृष्ठ

(B) केवल रेखा

(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(D) केवल घड़ी

७८८. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मुहावरा”। — भाग ५

(A) केवल सीधा गणित

(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(C) केवल दीवार

(D) केवल जलरंग

७८९. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “वाक्य-क्रम”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल पर्वत

(B) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

(C) केवल वाद्यक ताल

(D) केवल नाव

७९०. “उधार-शब्द” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ५

(A) केवल वृक्षारोपण

(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(C) केवल धातु गलन

(D) केवल दर्पण

७९१. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “स्वर-फेर” किएक देखल जाए? — भाग ५

(A) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता

(B) केवल कागज-फेर

(C) केवल रंग-फेर

(D) केवल खेत-फेर

७९२. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “व्यंजन-फेर”। — भाग ५

(A) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप

(B) केवल धानक जाति

(C) केवल कागजक आकार

(D) केवल सड़कक मोड़

७९३. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “लहजा”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल

(B) केवल तालाब

(C) केवल लिपि-मात्रा

(D) केवल जिल्द

७९४. “सर्वनाम” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ५

(A) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत

(B) केवल वाद्य-नाम

(C) केवल पेड़-पात

(D) केवल संख्याबोध

७९५. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “क्रिया-रूप” किएक देखल जाए? — भाग ५

(A) केवल नाप

(B) केवल अक्षरक रंग

(C) केवल माटिक ढेला

(D) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप

७९६. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “कारक-चिह्न”। — भाग ५

(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न

(B) केवल ध्वज

(C) केवल चित्रक कोना

(D) केवल अनाज

७९७. बोली-भिन्नता बुझबाक लेल “शब्द-संग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार

(B) केवल घड़ी

(C) केवल रेखा

(D) केवल खाली पृष्ठ

७९८. “मुहावरा” मैथिली बोली-विज्ञानमे कोन पक्ष खोलैत अछि? — भाग ५

(A) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग

(B) केवल दीवार

(C) केवल जलरंग

(D) केवल सीधा गणित

७९९. मैथिली आ ओकर बोलीक तुलना करत “वाक्य-क्रम” किएक देखल जाए? — भाग ५

(A) केवल पर्वत

(B) केवल नाव

(C) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम

(D) केवल वाद्यक ताल

८००. ध्वनि-रूप-शब्द सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “उधार-शब्द”। — भाग ५

(A) केवल धातु गलन

(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव

(C) केवल दर्पण

(D) केवल वृक्षारोपण

8

८०१. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “लोककथा”क भूमिका की अछि?

(A) केवल भवन-सूची

(B) केवल परीक्षा-तिथि

(C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(D) केवल नाप-जोख

८०२. “कविता” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) केवल हिसाब-किताब

(B) केवल रेल-पत्र

(C) केवल मौन

(D) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

८०३. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “नाटक” किएक जरूरी अछि?

(A) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(B) केवल मानचित्र

(C) केवल रंग

(D) केवल तालिका

८०४. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पत्र-पत्रिका”।

(A) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(B) केवल खेतक बखार

(C) केवल भौगोलिक पत्थर

(D) केवल ध्वनि-रहित चित्र

८०५. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “रेडियो”क भूमिका की अछि?

(A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(B) केवल लिखित शिलालेख

(C) केवल खेत जोतन

(D) केवल कपड़ा

८०६. “विद्यालय” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(B) केवल खेलमैदान

(C) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(D) केवल बाजार

८०७. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “डिजिटल लेखन” किएक जरूरी अछि?

(A) केवल जलघड़ी

(B) केवल पुरान ताम्रपत्र

(C) केवल अनाज भंडार

(D) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

८०८. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “शब्दकोश”।

(A) केवल चित्रक चौखट

(B) केवल फाटक

(C) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(D) केवल लाठी

८०९. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “अनुवाद”क भूमिका की अछि?

(A) केवल रंगाई

(B) केवल दीवार

(C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(D) केवल गणितीय लघुकरण

८१०. “अभिलेखन” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

(B) केवल स्मृति मेटब

(C) केवल नक्शा जलाब

(D) केवल पृष्ठ फाड़ब

८११. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “लोककथा” किएक जरूरी अछि?

(A) केवल नाप-जोख

(B) केवल भवन-सूची

(C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(D) केवल परीक्षा-तिथि

८१२. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कविता”।

(A) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(B) केवल रेल-पत्र

(C) केवल हिसाब-किताब

(D) केवल मौन

८१३. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “नाटक”क भूमिका की अछि?

(A) केवल मानचित्र

(B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(C) केवल रंग

(D) केवल तालिका

८१४. “पत्र-पत्रिका” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(B) केवल ध्वनि-रहित चित्र

(C) केवल भौगोलिक पत्थर

(D) केवल खेतक बखार

८१५. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “रेडियो” किएक जरूरी अछि?

(A) केवल कपड़ा

(B) केवल लिखित शिलालेख

(C) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(D) केवल खेत जोतन

८१६. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “विद्यालय”।

(A) केवल खेलमैदान

(B) केवल बाजार

(C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(D) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

८१७. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “डिजिटल लेखन”क भूमिका की अछि?

(A) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(B) केवल पुरान ताम्रपत्र

(C) केवल जलघड़ी

(D) केवल अनाज भंडार

८१८. “शब्दकोश” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(B) केवल लाठी

(C) केवल फाटक

(D) केवल चित्रक चौखट

८१९. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “अनुवाद” किएक जरूरी अछि?

(A) केवल दीवार

(B) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(C) केवल रंगाई

(D) केवल गणितीय लघुकरण

८२०. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “अभिलेखन”।

(A) केवल स्मृति मेटब

(B) केवल पृष्ठ फाड़ब

(C) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

(D) केवल नक्शा जलाब

८२१. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “लोककथा”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल नाप-जोख

(B) केवल भवन-सूची

(C) केवल परीक्षा-तिथि

(D) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

८२२. “कविता” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग २

(A) केवल हिसाब-किताब

(B) केवल रेल-पत्र

(C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(D) केवल मौन

८२३. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “नाटक” किएक जरूरी अछि? — भाग २

(A) केवल मानचित्र

(B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(C) केवल रंग

(D) केवल तालिका

८२४. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पत्र-पत्रिका”। — भाग २

(A) केवल भौगोलिक पत्थर

(B) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(C) केवल खेतक बखार

(D) केवल ध्वनि-रहित चित्र

८२५. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “रेडियो”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल लिखित शिलालेख

(B) केवल कपड़ा

(C) केवल खेत जोतन

(D) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

८२६. “विद्यालय” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग २

(A) केवल खेलमैदान

(B) केवल बाजार

(C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(D) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

८२७. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “डिजिटल लेखन” किएक जरूरी अछि? — भाग २

(A) केवल पुरान ताम्रपत्र

(B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(C) केवल जलघड़ी

(D) केवल अनाज भंडार

८२८. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “शब्दकोश”। — भाग २

(A) केवल फाटक

(B) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(C) केवल लाठी

(D) केवल चित्रक चौखट

८२९. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “अनुवाद”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल दीवार

(B) केवल रंगाई

(C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(D) केवल गणितीय लघुकरण

८३०. “अभिलेखन” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग २

(A) केवल स्मृति मेटब

(B) केवल पृष्ठ फाड़ब

(C) केवल नक्शा जलाब

(D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

८३१. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “लोककथा” किएक जरूरी अछि? — भाग २

(A) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(B) केवल भवन-सूची

(C) केवल नाप-जोख

(D) केवल परीक्षा-तिथि

८३२. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कविता”। — भाग २

(A) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(B) केवल हिसाब-किताब

(C) केवल रेल-पत्र

(D) केवल मौन

८३३. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “नाटक”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल मानचित्र

(B) केवल रंग

(C) केवल तालिका

(D) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

८३४. “पत्र-पत्रिका” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग २

(A) केवल खेतक बखार

(B) केवल भौगोलिक पत्थर

(C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(D) केवल ध्वनि-रहित चित्र

८३५. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “रेडियो” किएक जरूरी अछि? — भाग २

(A) केवल कपड़ा

(B) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(C) केवल लिखित शिलालेख

(D) केवल खेत जोतन

८३६. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “विद्यालय”। — भाग २

(A) केवल खेलमैदान

(B) केवल बाजार

(C) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(D) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

८३७. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “डिजिटल लेखन”क भूमिका की अछि? — भाग २

(A) केवल अनाज भंडार

(B) केवल जलघड़ी

(C) केवल पुरान ताम्रपत्र

(D) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

८३८. “शब्दकोश” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग २

(A) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(B) केवल चित्रक चौखट

(C) केवल फाटक

(D) केवल लाठी

८३९. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “अनुवाद” किएक जरूरी अछि? — भाग २

(A) केवल गणितीय लघुकरण

(B) केवल रंगाई

(C) केवल दीवार

(D) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

८४०. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “अभिलेखन”। — भाग २

(A) केवल स्मृति मेटब

(B) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

(C) केवल पृष्ठ फाड़ब

(D) केवल नक्शा जलाब

८४१. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “लोककथा”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल परीक्षा-तिथि

(B) केवल नाप-जोख

(C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(D) केवल भवन-सूची

८४२. “कविता” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ३

(A) केवल मौन

(B) केवल रेल-पत्र

(C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(D) केवल हिसाब-किताब

८४३. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “नाटक” किएक जरूरी अछि? — भाग ३

(A) केवल रंग

(B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(C) केवल तालिका

(D) केवल मानचित्र

८४४. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पत्र-पत्रिका”। — भाग ३

(A) केवल भौगोलिक पत्थर

(B) केवल खेतक बखार

(C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(D) केवल ध्वनि-रहित चित्र

८४५. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “रेडियो”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(B) केवल कपड़ा

(C) केवल लिखित शिलालेख

(D) केवल खेत जोतन

८४६. “विद्यालय” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ३

(A) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(B) केवल खेलमैदान

(C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(D) केवल बाजार

८४७. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “डिजिटल लेखन” किएक जरूरी अछि? — भाग ३

(A) केवल पुरान ताम्रपत्र

(B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(C) केवल अनाज भंडार

(D) केवल जलघड़ी

८४८. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “शब्दकोश”। — भाग ३

(A) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(B) केवल फाटक

(C) केवल चित्रक चौखट

(D) केवल लाठी

८४९. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “अनुवाद”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल गणितीय लघुकरण

(B) केवल रंगाई

(C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(D) केवल दीवार

८५०. “अभिलेखन” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ३

(A) केवल स्मृति मेटब

(B) केवल पृष्ठ फाड़ब

(C) केवल नक्शा जलाब

(D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

८५१. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “लोककथा” किएक जरूरी अछि? — भाग ३

(A) केवल भवन-सूची

(B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(C) केवल परीक्षा-तिथि

(D) केवल नाप-जोख

८५२. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कविता”। — भाग ३

(A) केवल मौन

(B) केवल रेल-पत्र

(C) केवल हिसाब-किताब

(D) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

८५३. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “नाटक”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल रंग

(B) केवल मानचित्र

(C) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(D) केवल तालिका

८५४. “पत्र-पत्रिका” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ३

(A) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(B) केवल ध्वनि-रहित चित्र

(C) केवल खेतक बखार

(D) केवल भौगोलिक पत्थर

८५५. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “रेडियो” किएक जरूरी अछि? — भाग ३

(A) केवल खेत जोतन

(B) केवल लिखित शिलालेख

(C) केवल कपड़ा

(D) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

८५६. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “विद्यालय”। — भाग ३

(A) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(B) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(C) केवल बाजार

(D) केवल खेलमैदान

८५७. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “डिजिटल लेखन”क भूमिका की अछि? — भाग ३

(A) केवल अनाज भंडार

(B) केवल पुरान ताम्रपत्र

(C) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(D) केवल जलघड़ी

८५८. “शब्दकोश” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ३

(A) केवल लाठी

(B) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(C) केवल चित्रक चौखट

(D) केवल फाटक

८५९. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “अनुवाद” किएक जरूरी अछि? — भाग ३

(A) केवल रंगाई

(B) केवल गणितीय लघुकरण

(C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(D) केवल दीवार

८६०. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “अभिलेखन”। — भाग ३

(A) केवल पृष्ठ फाड़ब

(B) केवल नक्शा जलाब

(C) केवल स्मृति मेटब

(D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

८६१. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “लोककथा”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल भवन-सूची

(B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(C) केवल नाप-जोख

(D) केवल परीक्षा-तिथि

८६२. “कविता” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ४

(A) केवल रेल-पत्र

(B) केवल हिसाब-किताब

(C) केवल मौन

(D) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

८६३. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “नाटक” किएक जरूरी अछि? — भाग ४

(A) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(B) केवल रंग

(C) केवल तालिका

(D) केवल मानचित्र

८६४. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पत्र-पत्रिका”। — भाग ४

(A) केवल खेतक बखार

(B) केवल ध्वनि-रहित चित्र

(C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(D) केवल भौगोलिक पत्थर

८६५. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “रेडियो”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल कपड़ा

(B) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(C) केवल लिखित शिलालेख

(D) केवल खेत जोतन

८६६. “विद्यालय” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ४

(A) केवल खेलमैदान

(B) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(C) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(D) केवल बाजार

८६७. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “डिजिटल लेखन” किएक जरूरी अछि? — भाग ४

(A) केवल जलघड़ी

(B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(C) केवल पुरान ताम्रपत्र

(D) केवल अनाज भंडार

८६८. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “शब्दकोश”। — भाग ४

(A) केवल फाटक

(B) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

(C) केवल लाठी

(D) केवल चित्रक चौखट

८६९. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “अनुवाद”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(B) केवल गणितीय लघुकरण

(C) केवल दीवार

(D) केवल रंगाई

८७०. “अभिलेखन” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ४

(A) केवल स्मृति मेटब

(B) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

(C) केवल नक्शा जलाब

(D) केवल पृष्ठ फाड़ब

८७१. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “लोककथा” किएक जरूरी अछि? — भाग ४

(A) केवल परीक्षा-तिथि

(B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(C) केवल नाप-जोख

(D) केवल भवन-सूची

८७२. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कविता”। — भाग ४

(A) केवल मौन

(B) केवल रेल-पत्र

(C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(D) केवल हिसाब-किताब

८७३. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “नाटक”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(B) केवल मानचित्र

(C) केवल रंग

(D) केवल तालिका

८७४. “पत्र-पत्रिका” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ४

(A) केवल खेतक बखार

(B) केवल भौगोलिक पत्थर

(C) केवल ध्वनि-रहित चित्र

(D) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

८७५. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “रेडियो” किएक जरूरी अछि? — भाग ४

(A) केवल कपड़ा

(B) केवल लिखित शिलालेख

(C) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(D) केवल खेत जोतन

८७६. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “विद्यालय”। — भाग ४

(A) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(B) केवल बाजार

(C) केवल खेलमैदान

(D) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

८७७. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “डिजिटल लेखन”क भूमिका की अछि? — भाग ४

(A) केवल अनाज भंडार

(B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(C) केवल जलघड़ी

(D) केवल पुरान ताम्रपत्र

८७८. “शब्दकोश” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ४

(A) केवल फाटक

(B) केवल चित्रक चौखट

(C) केवल लाठी

(D) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

८७९. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “अनुवाद” किएक जरूरी अछि? — भाग ४

(A) केवल गणितीय लघुकरण

(B) केवल दीवार

(C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(D) केवल रंगाई

८८०. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “अभिलेखन”। — भाग ४

(A) केवल स्मृति मेटब

(B) केवल नक्शा जलाब

(C) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

(D) केवल पृष्ठ फाड़ब

८८१. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “लोककथा”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल भवन-सूची

(B) केवल परीक्षा-तिथि

(C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(D) केवल नाप-जोख

८८२. “कविता” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ५

(A) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(B) केवल मौन

(C) केवल हिसाब-किताब

(D) केवल रेल-पत्र

८८३. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “नाटक” किएक जरूरी अछि? — भाग ५

(A) केवल मानचित्र

(B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

(C) केवल तालिका

(D) केवल रंग

८८४. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “पत्र-पत्रिका”। — भाग ५

(A) केवल खेतक बखार

(B) केवल भौगोलिक पत्थर

(C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(D) केवल ध्वनि-रहित चित्र

८८५. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “रेडियो”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(B) केवल लिखित शिलालेख

(C) केवल कपड़ा

(D) केवल खेत जोतन

८८६. “विद्यालय” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ५

(A) केवल खेलमैदान

(B) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(D) केवल बाजार

८८७. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “डिजिटल लेखन” किएक जरूरी अछि? — भाग ५

(A) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

(B) केवल अनाज भंडार

(C) केवल जलघड़ी

(D) केवल पुरान ताम्रपत्र

८८८. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “शब्दकोश”। — भाग ५

(A) केवल फाटक

(B) केवल चित्रक चौखट

(C) केवल लाठी

(D) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

८८९. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “अनुवाद”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल रंगाई

(B) केवल दीवार

(C) केवल गणितीय लघुकरण

(D) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

८९०. “अभिलेखन” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ५

(A) केवल पृष्ठ फाड़ब

(B) केवल नक्शा जलाब

(C) केवल स्मृति मेटब

(D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

८९१. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “लोककथा” किएक जरूरी अछि? — भाग ५

(A) केवल नाप-जोख

(B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा

(C) केवल भवन-सूची

(D) केवल परीक्षा-तिथि

८९२. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “कविता”। — भाग ५

(A) केवल मौन

(B) केवल हिसाब-किताब

(C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग

(D) केवल रेल-पत्र

८९३. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “नाटक”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल रंग

(B) केवल मानचित्र

(C) केवल तालिका

(D) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा

८९४. “पत्र-पत्रिका” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ५

(A) केवल भौगोलिक पत्थर

(B) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच

(C) केवल ध्वनि-रहित चित्र

(D) केवल खेतक बखार

८९५. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “रेडियो” किएक जरूरी अछि? — भाग ५

(A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम

(B) केवल लिखित शिलालेख

(C) केवल खेत जोतन

(D) केवल कपड़ा

८९६. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “विद्यालय”। — भाग ५

(A) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान

(B) बोली पर रोक लगाबयवला एकमात्र साधन

(C) केवल खेलमैदान

(D) केवल बाजार

८९७. साहित्य, मीडिया आ शिक्षामे “डिजिटल लेखन”क भूमिका की अछि? — भाग ५

(A) केवल अनाज भंडार

(B) केवल पुरान ताम्रपत्र

(C) केवल जलघड़ी

(D) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति

८९८. “शब्दकोश” मैथिली बोली-विविधताकेँ कोना सहारा दैत अछि? — भाग ५

(A) केवल चित्रक चौखट

(B) केवल लाठी

(C) केवल फाटक

(D) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन

८९९. मैथिली आ ओकर बोलीक सार्वजनिक प्रयोगमे “अनुवाद” किएक जरूरी अछि? — भाग ५

(A) केवल दीवार

(B) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद

(C) केवल रंगाई

(D) केवल गणितीय लघुकरण

९००. साहित्य-मीडिया सम्बन्धी सही कथन चुनू: “अभिलेखन”। — भाग ५

(A) केवल पृष्ठ फाड़ब

(B) केवल नक्शा जलाब

(C) केवल स्मृति मेटब

(D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब

9

९०१. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “सम्मानक सिद्धान्त”क सही अर्थ की अछि?

(A) बोलीक उपहास करब

(B) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(C) एकरूपता लेल मौन राखब

(D) सभ स्थानीय शब्द हटाब

९०२. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मैदान-अध्ययन” किएक आवश्यक अछि?

(A) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(B) केवल अनुमान लगाब

(C) केवल पुरान नक्सा देखब

(D) केवल शहरक नाम लिखब

९०३. बोली-अध्ययन करैत “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही प्रयोग कोन अछि?

(A) केवल कागज मोड़ब

(B) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(C) केवल रंग भरब

(D) आवाज नष्ट करबाक उपाय

९०४. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “पीढ़ी-संवाद”।

(A) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(B) केवल पत्थर मापब

(C) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(D) केवल मौन परीक्षा

९०५. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “स्थान-सन्दर्भ”क सही अर्थ की अछि?

(A) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(B) सन्दर्भ हटाब

(C) केवल मौसम

(D) केवल प्रश्न संख्या

९०६. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “साझा शब्द” किएक आवश्यक अछि?

(A) केवल असम्बद्ध चिह्न

(B) केवल दूरी

(C) केवल रंगक नाम

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९०७. बोली-अध्ययन करैत “भिन्न शब्द”क सही प्रयोग कोन अछि?

(A) सदैव गलती

(B) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

(C) केवल खिलौना

(D) केवल निस्तब्धता

९०८. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मानक लेखनमे बोली”।

(A) सर्वथा निषेध

(B) केवल अंकरूप

(C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

९०९. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भाषिक पूर्वग्रह”क सही अर्थ की अछि?

(A) वैज्ञानिक सम्मान

(B) लोकगौरव

(C) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(D) सही संरक्षण

९१०. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “संरक्षण-योजना” किएक आवश्यक अछि?

(A) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(B) केवल बोतल

(C) केवल खेलक नियम

(D) मेटबाक योजना

९११. बोली-अध्ययन करैत “सम्मानक सिद्धान्त”क सही प्रयोग कोन अछि?

(A) एकरूपता लेल मौन राखब

(B) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(D) बोलीक उपहास करब

९१२. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मैदान-अध्ययन”।

(A) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(B) केवल शहरक नाम लिखब

(C) केवल अनुमान लगाब

(D) केवल पुरान नक्सा देखब

९१३. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही अर्थ की अछि?

(A) केवल कागज मोड़ब

(B) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(C) केवल रंग भरब

(D) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

९१४. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “पीढ़ी-संवाद” किएक आवश्यक अछि?

(A) केवल मौन परीक्षा

(B) केवल पत्थर मापब

(C) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(D) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

९१५. बोली-अध्ययन करैत “स्थान-सन्दर्भ”क सही प्रयोग कोन अछि?

(A) सन्दर्भ हटाब

(B) केवल प्रश्न संख्या

(C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(D) केवल मौसम

९१६. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “साझा शब्द”।

(A) केवल दूरी

(B) केवल असम्बद्ध चिह्न

(C) केवल रंगक नाम

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९१७. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भिन्न शब्द”क सही अर्थ की अछि?

(A) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

(B) केवल निस्तब्धता

(C) केवल खिलौना

(D) सदैव गलती

९१८. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मानक लेखनमे बोली” किएक आवश्यक अछि?

(A) सर्वथा निषेध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(D) केवल अंकरूप

९१९. बोली-अध्ययन करैत “भाषिक पूर्वग्रह”क सही प्रयोग कोन अछि?

(A) सही संरक्षण

(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(C) लोकगौरव

(D) वैज्ञानिक सम्मान

९२०. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “संरक्षण-योजना”।

(A) मेटबाक योजना

(B) केवल खेलक नियम

(C) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(D) केवल बोतल

९२१. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “सम्मानक सिद्धान्त”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(B) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(C) बोलीक उपहास करब

(D) एकरूपता लेल मौन राखब

९२२. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मैदान-अध्ययन” किएक आवश्यक अछि? — भाग २

(A) केवल शहरक नाम लिखब

(B) केवल अनुमान लगाब

(C) केवल पुरान नक्सा देखब

(D) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

९२३. बोली-अध्ययन करैत “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग २

(A) केवल रंग भरब

(B) केवल कागज मोड़ब

(C) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(D) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

९२४. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “पीढ़ी-संवाद”। — भाग २

(A) केवल पत्थर मापब

(B) केवल मौन परीक्षा

(C) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(D) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

९२५. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “स्थान-सन्दर्भ”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल मौसम

(B) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(C) सन्दर्भ हटाब

(D) केवल प्रश्न संख्या

९२६. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “साझा शब्द” किएक आवश्यक अछि? — भाग २

(A) केवल दूरी

(B) केवल असम्बद्ध चिह्न

(C) केवल रंगक नाम

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९२७. बोली-अध्ययन करैत “भिन्न शब्द”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग २

(A) सदैव गलती

(B) केवल खिलौना

(C) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

(D) केवल निस्तब्धता

९२८. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मानक लेखनमे बोली”। — भाग २

(A) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सर्वथा निषेध

(D) केवल अंकरूप

९२९. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भाषिक पूर्वग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) लोकगौरव

(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(C) वैज्ञानिक सम्मान

(D) सही संरक्षण

९३०. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “संरक्षण-योजना” किएक आवश्यक अछि? — भाग २

(A) मेटबाक योजना

(B) केवल खेलक नियम

(C) केवल बोतल

(D) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

९३१. बोली-अध्ययन करैत “सम्मानक सिद्धान्त”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग २

(A) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(B) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(C) बोलीक उपहास करब

(D) एकरूपता लेल मौन राखब

९३२. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मैदान-अध्ययन”। — भाग २

(A) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(B) केवल अनुमान लगाब

(C) केवल शहरक नाम लिखब

(D) केवल पुरान नक्सा देखब

९३३. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) केवल रंग भरब

(B) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(C) केवल कागज मोड़ब

(D) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

९३४. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “पीढ़ी-संवाद” किएक आवश्यक अछि? — भाग २

(A) केवल मौन परीक्षा

(B) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(C) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(D) केवल पत्थर मापब

९३५. बोली-अध्ययन करैत “स्थान-सन्दर्भ”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग २

(A) केवल मौसम

(B) सन्दर्भ हटाब

(C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(D) केवल प्रश्न संख्या

९३६. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “साझा शब्द”। — भाग २

(A) केवल दूरी

(B) केवल असम्बद्ध चिह्न

(C) केवल रंगक नाम

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९३७. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भिन्न शब्द”क सही अर्थ की अछि? — भाग २

(A) सदैव गलती

(B) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

(C) केवल निस्तब्धता

(D) केवल खिलौना

९३८. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मानक लेखनमे बोली” किएक आवश्यक अछि? — भाग २

(A) सर्वथा निषेध

(B) केवल अंकरूप

(C) केवल पृष्ठ-संख्या

(D) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

९३९. बोली-अध्ययन करैत “भाषिक पूर्वग्रह”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग २

(A) सही संरक्षण

(B) लोकगौरव

(C) वैज्ञानिक सम्मान

(D) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

९४०. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “संरक्षण-योजना”। — भाग २

(A) केवल बोतल

(B) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(C) मेटबाक योजना

(D) केवल खेलक नियम

९४१. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “सम्मानक सिद्धान्त”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(B) एकरूपता लेल मौन राखब

(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(D) बोलीक उपहास करब

९४२. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मैदान-अध्ययन” किएक आवश्यक अछि? — भाग ३

(A) केवल शहरक नाम लिखब

(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(C) केवल अनुमान लगाब

(D) केवल पुरान नक्सा देखब

९४३. बोली-अध्ययन करैत “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल रंग भरब

(B) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(C) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(D) केवल कागज मोड़ब

९४४. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “पीढ़ी-संवाद”। — भाग ३

(A) केवल पत्थर मापब

(B) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(C) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(D) केवल मौन परीक्षा

९४५. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “स्थान-सन्दर्भ”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) सन्दर्भ हटाब

(B) केवल मौसम

(C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(D) केवल प्रश्न संख्या

९४६. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “साझा शब्द” किएक आवश्यक अछि? — भाग ३

(A) केवल रंगक नाम

(B) केवल असम्बद्ध चिह्न

(C) केवल दूरी

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९४७. बोली-अध्ययन करैत “भिन्न शब्द”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल खिलौना

(B) सदैव गलती

(C) केवल निस्तब्धता

(D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

९४८. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मानक लेखनमे बोली”। — भाग ३

(A) केवल अंकरूप

(B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(C) सर्वथा निषेध

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

९४९. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भाषिक पूर्वग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) वैज्ञानिक सम्मान

(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(C) लोकगौरव

(D) सही संरक्षण

९५०. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “संरक्षण-योजना” किएक आवश्यक अछि? — भाग ३

(A) केवल बोतल

(B) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(C) केवल खेलक नियम

(D) मेटबाक योजना

९५१. बोली-अध्ययन करैत “सम्मानक सिद्धान्त”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ३

(A) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(B) एकरूपता लेल मौन राखब

(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(D) बोलीक उपहास करब

९५२. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मैदान-अध्ययन”। — भाग ३

(A) केवल अनुमान लगाब

(B) केवल पुरान नक्सा देखब

(C) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(D) केवल शहरक नाम लिखब

९५३. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल कागज मोड़ब

(B) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(C) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(D) केवल रंग भरब

९५४. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “पीढ़ी-संवाद” किएक आवश्यक अछि? — भाग ३

(A) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(B) केवल पत्थर मापब

(C) केवल मौन परीक्षा

(D) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

९५५. बोली-अध्ययन करैत “स्थान-सन्दर्भ”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ३

(A) केवल प्रश्न संख्या

(B) सन्दर्भ हटाब

(C) केवल मौसम

(D) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

९५६. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “साझा शब्द”। — भाग ३

(A) केवल रंगक नाम

(B) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

(C) केवल दूरी

(D) केवल असम्बद्ध चिह्न

९५७. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भिन्न शब्द”क सही अर्थ की अछि? — भाग ३

(A) केवल निस्तब्धता

(B) सदैव गलती

(C) केवल खिलौना

(D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

९५८. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मानक लेखनमे बोली” किएक आवश्यक अछि? — भाग ३

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) सर्वथा निषेध

(C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(D) केवल अंकरूप

९५९. बोली-अध्ययन करैत “भाषिक पूर्वग्रह”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ३

(A) वैज्ञानिक सम्मान

(B) लोकगौरव

(C) सही संरक्षण

(D) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

९६०. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “संरक्षण-योजना”। — भाग ३

(A) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(B) केवल खेलक नियम

(C) केवल बोतल

(D) मेटबाक योजना

९६१. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “सम्मानक सिद्धान्त”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) एकरूपता लेल मौन राखब

(B) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(C) बोलीक उपहास करब

(D) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

९६२. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मैदान-अध्ययन” किएक आवश्यक अछि? — भाग ४

(A) केवल पुरान नक्सा देखब

(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(C) केवल शहरक नाम लिखब

(D) केवल अनुमान लगाब

९६३. बोली-अध्ययन करैत “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ४

(A) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(B) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(C) केवल रंग भरब

(D) केवल कागज मोड़ब

९६४. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “पीढ़ी-संवाद”। — भाग ४

(A) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(B) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(C) केवल मौन परीक्षा

(D) केवल पत्थर मापब

९६५. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “स्थान-सन्दर्भ”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) सन्दर्भ हटाब

(B) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(C) केवल प्रश्न संख्या

(D) केवल मौसम

९६६. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “साझा शब्द” किएक आवश्यक अछि? — भाग ४

(A) केवल दूरी

(B) केवल असम्बद्ध चिह्न

(C) केवल रंगक नाम

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९६७. बोली-अध्ययन करैत “भिन्न शब्द”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ४

(A) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

(B) सदैव गलती

(C) केवल निस्तब्धता

(D) केवल खिलौना

९६८. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मानक लेखनमे बोली”। — भाग ४

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(C) सर्वथा निषेध

(D) केवल अंकरूप

९६९. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भाषिक पूर्वग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) लोकगौरव

(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(C) वैज्ञानिक सम्मान

(D) सही संरक्षण

९७०. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “संरक्षण-योजना” किएक आवश्यक अछि? — भाग ४

(A) केवल खेलक नियम

(B) केवल बोतल

(C) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(D) मेटबाक योजना

९७१. बोली-अध्ययन करैत “सम्मानक सिद्धान्त”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ४

(A) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(B) बोलीक उपहास करब

(C) एकरूपता लेल मौन राखब

(D) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

९७२. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मैदान-अध्ययन”। — भाग ४

(A) केवल पुरान नक्सा देखब

(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(C) केवल अनुमान लगाब

(D) केवल शहरक नाम लिखब

९७३. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(B) केवल कागज मोड़ब

(C) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(D) केवल रंग भरब

९७४. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “पीढ़ी-संवाद” किएक आवश्यक अछि? — भाग ४

(A) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(B) केवल मौन परीक्षा

(C) केवल पत्थर मापब

(D) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

९७५. बोली-अध्ययन करैत “स्थान-सन्दर्भ”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ४

(A) केवल मौसम

(B) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(C) केवल प्रश्न संख्या

(D) सन्दर्भ हटाब

९७६. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “साझा शब्द”। — भाग ४

(A) केवल रंगक नाम

(B) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

(C) केवल दूरी

(D) केवल असम्बद्ध चिह्न

९७७. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भिन्न शब्द”क सही अर्थ की अछि? — भाग ४

(A) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

(B) केवल निस्तब्धता

(C) केवल खिलौना

(D) सदैव गलती

९७८. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मानक लेखनमे बोली” किएक आवश्यक अछि? — भाग ४

(A) केवल अंकरूप

(B) सर्वथा निषेध

(C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

९७९. बोली-अध्ययन करैत “भाषिक पूर्वग्रह”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ४

(A) लोकगौरव

(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(C) सही संरक्षण

(D) वैज्ञानिक सम्मान

९८०. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “संरक्षण-योजना”। — भाग ४

(A) केवल खेलक नियम

(B) केवल बोतल

(C) मेटबाक योजना

(D) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

९८१. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “सम्मानक सिद्धान्त”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) बोलीक उपहास करब

(B) सभ स्थानीय शब्द हटाब

(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(D) एकरूपता लेल मौन राखब

९८२. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मैदान-अध्ययन” किएक आवश्यक अछि? — भाग ५

(A) केवल शहरक नाम लिखब

(B) केवल पुरान नक्सा देखब

(C) केवल अनुमान लगाब

(D) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

९८३. बोली-अध्ययन करैत “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल कागज मोड़ब

(B) केवल रंग भरब

(C) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(D) आवाज नष्ट करबाक उपाय

९८४. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “पीढ़ी-संवाद”। — भाग ५

(A) केवल मौन परीक्षा

(B) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(C) केवल पत्थर मापब

(D) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

९८५. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “स्थान-सन्दर्भ”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) केवल प्रश्न संख्या

(B) केवल मौसम

(C) सन्दर्भ हटाब

(D) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

९८६. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “साझा शब्द” किएक आवश्यक अछि? — भाग ५

(A) केवल रंगक नाम

(B) केवल दूरी

(C) केवल असम्बद्ध चिह्न

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९८७. बोली-अध्ययन करैत “भिन्न शब्द”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ५

(A) सदैव गलती

(B) केवल निस्तब्धता

(C) केवल खिलौना

(D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

९८८. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मानक लेखनमे बोली”। — भाग ५

(A) केवल अंकरूप

(B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(C) सर्वथा निषेध

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

९८९. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भाषिक पूर्वग्रह”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) सही संरक्षण

(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(C) लोकगौरव

(D) वैज्ञानिक सम्मान

९९०. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “संरक्षण-योजना” किएक आवश्यक अछि? — भाग ५

(A) केवल बोतल

(B) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

(C) केवल खेलक नियम

(D) मेटबाक योजना

९९१. बोली-अध्ययन करैत “सम्मानक सिद्धान्त”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ५

(A) एकरूपता लेल मौन राखब

(B) बोलीक उपहास करब

(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब

(D) सभ स्थानीय शब्द हटाब

९९२. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “मैदान-अध्ययन”। — भाग ५

(A) केवल अनुमान लगाब

(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब

(C) केवल शहरक नाम लिखब

(D) केवल पुरान नक्सा देखब

९९३. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “ध्वनि-रिकॉर्ड”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) आवाज नष्ट करबाक उपाय

(B) केवल रंग भरब

(C) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय

(D) केवल कागज मोड़ब

९९४. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “पीढ़ी-संवाद” किएक आवश्यक अछि? — भाग ५

(A) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब

(B) केवल एकहिटा व्यक्ति पर निर्भर

(C) केवल पत्थर मापब

(D) केवल मौन परीक्षा

९९५. बोली-अध्ययन करैत “स्थान-सन्दर्भ”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ५

(A) केवल प्रश्न संख्या

(B) सन्दर्भ हटाब

(C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब

(D) केवल मौसम

९९६. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “साझा शब्द”। — भाग ५

(A) केवल दूरी

(B) केवल रंगक नाम

(C) केवल असम्बद्ध चिह्न

(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द

९९७. तुलनात्मक बोली-अध्ययनमे “भिन्न शब्द”क सही अर्थ की अछि? — भाग ५

(A) सदैव गलती

(B) केवल खिलौना

(C) केवल निस्तब्धता

(D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप

९९८. मैथिली आ ओकर विभिन्न बोलीक संरक्षणमे “मानक लेखनमे बोली” किएक आवश्यक अछि? — भाग ५

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब

(C) सर्वथा निषेध

(D) केवल अंकरूप

९९९. बोली-अध्ययन करैत “भाषिक पूर्वग्रह”क सही प्रयोग कोन अछि? — भाग ५

(A) सही संरक्षण

(B) वैज्ञानिक सम्मान

(C) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति

(D) लोकगौरव

१०००. संरक्षण आ तुलना सम्बन्धी सही विकल्प चुनू: “संरक्षण-योजना”। — भाग ५

(A) केवल खेलक नियम

(B) मेटबाक योजना

(C) केवल बोतल

(D) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

२. (D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

३. (B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

४. (C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

५. (B) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

६. (C) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

७. (D) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

८. (B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

९. (C) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

१०. (D) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

११. (B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

१२. (D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

१३. (C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

१४. (C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

१५. (D) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

१६. (A) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

१७. (A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

१८. (B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

१९. (B) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

२०. (D) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

२१. (A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

२२. (B) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

२३. (D) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

२४. (B) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

२५. (B) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

२६. (D) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

२७. (A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

२८. (A) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

२९. (D) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

३०. (B) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

३१. (D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

३२. (A) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

३३. (C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

३४. (C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

३५. (C) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

३६. (C) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

३७. (A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

३८. (D) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

३९. (A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

४०. (A) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

४१. (A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

४२. (C) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

४३. (C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

४४. (C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

४५. (A) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

४६. (D) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

४७. (A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

४८. (B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

४९. (A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

५०. (A) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

५१. (D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

५२. (D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

५३. (B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

५४. (D) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

५५. (D) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

५६. (D) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

५७. (D) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

५८. (A) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

५९. (A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

६०. (C) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

६१. (A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

६२. (B) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

६३. (C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

६४. (B) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

६५. (D) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

६६. (B) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

६७. (B) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

६८. (A) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

६९. (B) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

७०. (B) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

७१. (C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

७२. (C) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

७३. (B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

७४. (D) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

७५. (C) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

७६. (A) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

७७. (C) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

७८. (D) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

७९. (B) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

८०. (B) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

८१. (A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

८२. (D) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

८३. (B) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

८४. (C) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

८५. (C) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

८६. (B) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

८७. (C) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

८८. (D) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

८९. (A) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

९०. (C) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

९१. (D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखासँ सम्बद्ध भाषा — मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य परम्परासँ जुड़ल स्वतंत्र साहित्यिक भाषा अछि।

९२. (B) बोल-चाल, व्याकरण, शब्द आ सामाजिक मान्यताक सम्बन्ध — भाषा-बोलीक भेद केवल ध्वनि नहि, समाज, साहित्य, पहचान आ प्रयोगसँ सेहो बनैत अछि।

९३. (C) शिक्षा, लेखन आ व्यापक संचारमे मानल गेल रूप — मानक रूप संवादक सामान्य आधार बनबैत अछि, मुदा बोली-रूपसभ ओकर जीवन-रस राखैत अछि।

९४. (B) अलग-अलग अंचलमे उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — क्षेत्र बदललासँ भाषा-रूपमे ध्वनि, शब्द, क्रिया आ लहजाक परिवर्तन देखल जाइत अछि।

९५. (A) उत्तर बिहार आ नेपाल-तराईसँ जुड़ल व्यापक भाषिक क्षेत्र — मैथिलीक भाषिक क्षेत्र भारत आ नेपालक सीमा-पार सांस्कृतिक धरातलसँ बनैत अछि।

९६. (C) लोक अपन घर-अंचलक बोल-चालसँ आत्मीयता अनुभव करैत अछि — बोली लोकजीवनक पहिचान, स्मृति आ सांस्कृतिक निकटताक माध्यम अछि।

९७. (A) अक्सर क्रमशः बदलैत पट्टी, कठोर दीवाल नहि — बोली-क्षेत्र सामान्यतः धीरे-धीरे बदलैत अछि; पड़ोसी रूपसभमे मिलान रहैत अछि।

९८. (B) गीत, कथा, कहावत आ बातचीतमे जीवित भाषा — बोलीक मुख्य शक्ति लोकक मुँहसँ चलैत गीत, कथा आ दैनिक संवादमे देखाइत अछि।

९९. (D) भाषा बोलल जाइत अछि, लिपि ओकर लिखबाक साधन — मैथिली देवनागरी आ तिरहुता आदि माध्यमसँ लिखल गेल, मुदा भाषा बोलचालसँ जीवित अछि।

१००. (D) रचनात्मक, शास्त्रीय आ सार्वजनिक लेखनक रूप — साहित्यिक मैथिली बोली-रूपसभसँ रस ग्रहण कऽ व्यापक अभिव्यक्ति करैत अछि।

१०१. (B) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१०२. (D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१०३. (D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१०४. (C) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१०५. (D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१०६. (D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१०७. (B) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१०८. (A) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१०९. (A) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

११०. (B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१११. (C) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

११२. (B) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

११३. (B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

११४. (A) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

११५. (D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

११६. (B) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

११७. (C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

११८. (B) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

११९. (C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१२०. (A) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१२१. (A) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१२२. (D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१२३. (D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१२४. (B) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१२५. (A) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१२६. (D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१२७. (D) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१२८. (C) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१२९. (C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१३०. (B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१३१. (A) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१३२. (D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१३३. (B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१३४. (C) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१३५. (C) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१३६. (D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१३७. (C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१३८. (B) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१३९. (D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१४०. (D) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१४१. (D) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१४२. (A) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१४३. (A) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१४४. (A) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१४५. (D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१४६. (D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१४७. (C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१४८. (D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१४९. (A) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१५०. (B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१५१. (B) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१५२. (A) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१५३. (D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१५४. (D) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१५५. (C) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१५६. (D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१५७. (B) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१५८. (C) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१५९. (C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१६०. (C) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१६१. (A) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१६२. (C) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१६३. (B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१६४. (D) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१६५. (D) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१६६. (C) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१६७. (D) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१६८. (B) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१६९. (C) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१७०. (B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१७१. (D) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१७२. (A) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१७३. (B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१७४. (D) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१७५. (B) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१७६. (C) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१७७. (D) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१७८. (D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१७९. (D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१८०. (A) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१८१. (D) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१८२. (D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१८३. (B) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१८४. (C) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१८५. (A) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१८६. (B) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१८७. (A) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१८८. (D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१८९. (D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

१९०. (A) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

१९१. (C) लेखन, शिक्षण आ साहित्यिक संचारक प्रमुख आधार — केन्द्रीय/मानक मैथिली व्यापक पाठक आ विद्यार्थी लेल साझा रूप उपलब्ध करैत अछि।

१९२. (D) मानक मैथिलीक साहित्यिक परम्परासँ घनिष्ठ सम्बन्ध — दरभंगा-मधुबनी अंचल मैथिली शिक्षण, प्रकाशन आ साहित्यिक रूपक निर्माणमे महत्त्वपूर्ण रहल अछि।

१९३. (D) सर्वनाम आ क्रियामे सामाजिक दूरी/सम्मानक संकेत — मैथिलीमे तोँ, अहाँ आदि रूप सामाजिक सम्बन्ध आ आदरक सूचक बनैत अछि।

१९४. (A) वर्तनी, व्याकरण आ शैलीक अपेक्षाकृत स्थिर अभ्यास — मानक लेखन बोली-विविधताकेँ दबाबय नहि, बल्कि साझा समझ बनाबयमे सहायक होइत अछि।

१९५. (A) विद्यार्थीक लेल व्यवस्थित भाषा-रूप — शिक्षा-व्यवस्थामे एकरूप पाठ्य-भाषा जरूरी होइत अछि, मुदा स्थानीय बोलीक सम्मान सेहो जरूरी अछि।

१९६. (D) विचार, कथा, निबन्ध आ समाचारक अभिव्यक्ति — मानक मैथिलीमे गद्य-विकास भाषाक सार्वजनिक उपयोगकेँ बढ़बैत अछि।

१९७. (C) गीत, पद, मुक्तक आ दीर्घ कविता लेल संवेदनशील माध्यम — मैथिली काव्य-भाषा लोक-बोलीक माधुर्य आ साहित्यिक अनुशासन दुनू सँ समृद्ध अछि।

१९८. (D) स्पष्ट उच्चारण आ व्यापक बोधक मध्यवर्ती रूप — मंच वा रेडियोमे एहन रूप चाही जे अलग-अलग अंचलक श्रोता बुझि सकथि।

१९९. (D) मानक रूप आ गामक बोली परस्पर पूरक — साहित्यिक भाषा गामक बोल-चालसँ जीवन ग्रहण करैत अछि आ मानक रूप व्यापकता दैत अछि।

२००. (B) साझा नियम बनाबैत काल विविधताक ध्यान — सही मानकीकरण बोलीक सम्मान राखि साझा लेखन-रूप बनबैत अछि।

२०१. (C) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२०२. (A) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२०३. (C) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२०४. (D) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२०५. (A) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२०६. (C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२०७. (D) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२०८. (B) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२०९. (A) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२१०. (C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२११. (D) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२१२. (C) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२१३. (D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२१४. (B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२१५. (B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२१६. (A) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२१७. (D) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२१८. (D) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२१९. (C) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२२०. (A) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२२१. (A) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२२२. (D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२२३. (B) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२२४. (D) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२२५. (B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२२६. (B) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२२७. (C) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२२८. (A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२२९. (A) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२३०. (B) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२३१. (A) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२३२. (D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२३३. (D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२३४. (A) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२३५. (B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२३६. (C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२३७. (B) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२३८. (C) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२३९. (B) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२४०. (D) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२४१. (B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२४२. (A) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२४३. (D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२४४. (C) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२४५. (D) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२४६. (A) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२४७. (B) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२४८. (C) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२४९. (A) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२५०. (D) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२५१. (B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२५२. (D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२५३. (B) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२५४. (C) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२५५. (D) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२५६. (D) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२५७. (A) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२५८. (B) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२५९. (D) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२६०. (A) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२६१. (B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२६२. (D) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२६३. (A) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२६४. (B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२६५. (C) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२६६. (C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२६७. (A) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२६८. (D) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२६९. (B) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२७०. (C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२७१. (A) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२७२. (C) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२७३. (D) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२७४. (B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२७५. (B) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२७६. (B) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२७७. (B) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२७८. (A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२७९. (D) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२८०. (C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२८१. (D) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२८२. (C) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्रायः आवैत अछि।

२८३. (A) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२८४. (B) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२८५. (D) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२८६. (C) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२८७. (D) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२८८. (A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२८९. (C) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

२९०. (D) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

२९१. (B) पश्चिमी मैथिलीसँ सम्बद्ध तिरहुतक प्रमुख भाषा-रूप — बज्जिका उत्तर बिहारक पश्चिमी तिरहुत क्षेत्रक बोल-चालसँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।

२९२. (A) बज्जिका बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — सीतामढ़ी-बज्जिका सम्बन्ध पश्चिमी मैथिली क्षेत्रक चर्चा मे प्राय: आवैत अछि।

२९३. (B) पश्चिमी मैथिली/बज्जिका प्रभावक क्षेत्र — मुजफ्फरपुर अंचल बज्जिका-मैथिली निरन्तरताक महत्त्वपूर्ण भाग मानल जाइत अछि।

२९४. (D) बज्जिका भाषिक पट्टीसँ जुड़ल अंचल — वैशाली क्षेत्र बज्जिका बोल-चालक व्यापक भूगोलमे आबि सकैत अछि।

२९५. (A) पश्चिमी मैथिली-बज्जिका परिक्षेत्रक नाम — शिवहर अंचल तिरहुतक पश्चिमी भाषा-रूपक चर्चा मे महत्त्वपूर्ण अछि।

२९६. (A) नेपालमे बज्जिका/पश्चिमी मैथिली सम्पर्कक क्षेत्र — सीमा-पार बोली-संपर्क नेपालक तराई धरि फैलल देखल जाइत अछि।

२९७. (C) बज्जिका क्षेत्रमे मौखिक परम्पराक वाहक — बोल-चालक रूप लोकगीत, कथा, विवाह-गीत आ कहावतमे विशेष रूपेँ जीवित रहैत अछि।

२९८. (A) किछु लोक अलग भाषा, किछु लोक मैथिलीक बोली मानैत छथि — बज्जिका विषयमे भाषिक आ सामाजिक पहचान दुनू स्तर पर बहस भेटैत अछि।

२९९. (D) उच्चारण आ शब्दावलीमे अंचल-विशेषक रंग — लहजा बोलनिहारक अंचल आ सामाजिक परिवेशक परिचय दऽ सकैत अछि।

३००. (C) स्थानीय स्वाद देबाक लेल रचनामे बज्जिका शब्द-रूपक प्रयोग — स्थानीय बोली साहित्यक पात्र, संवाद आ परिवेशकेँ जीवन्त बनबैत अछि।

३०१. (C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३०२. (A) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३०३. (B) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३०४. (A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३०५. (B) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३०६. (D) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३०७. (D) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३०८. (A) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३०९. (C) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३१०. (C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३११. (B) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३१२. (A) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३१३. (B) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३१४. (B) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३१५. (B) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३१६. (D) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३१७. (B) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३१८. (D) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३१९. (C) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३२०. (A) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३२१. (C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३२२. (B) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३२३. (D) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३२४. (A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३२५. (A) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३२६. (B) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३२७. (C) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३२८. (B) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३२९. (C) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३३०. (C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३३१. (D) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३३२. (D) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३३३. (C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३३४. (C) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३३५. (C) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३३६. (B) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३३७. (D) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३३८. (A) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३३९. (D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३४०. (C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३४१. (C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३४२. (B) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३४३. (C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३४४. (A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३४५. (A) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३४६. (D) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३४७. (A) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३४८. (D) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३४९. (B) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३५०. (D) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३५१. (A) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३५२. (A) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३५३. (C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३५४. (A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३५५. (D) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३५६. (A) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३५७. (C) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३५८. (B) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३५९. (D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३६०. (C) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३६१. (D) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३६२. (C) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३६३. (C) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३६४. (C) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३६५. (D) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३६६. (C) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३६७. (C) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३६८. (C) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३६९. (D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३७०. (A) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३७१. (B) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३७२. (C) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३७३. (A) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३७४. (D) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३७५. (C) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३७६. (C) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३७७. (A) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३७८. (B) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३७९. (A) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३८०. (A) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३८१. (C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३८२. (B) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३८३. (A) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३८४. (A) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३८५. (D) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३८६. (A) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३८७. (D) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३८८. (D) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३८९. (D) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

३९०. (D) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

३९१. (C) दक्षिण-पूर्वी अंचलक मैथिलीसँ सम्बद्ध भाषा-रूप — अंगिका अंग-प्रदेश आ आसपासक बोल-चालक ऐतिहासिक रूपसँ जुड़ल अछि।

३९२. (D) अंगिका भाषिक क्षेत्रक प्रमुख केन्द्र — भागलपुर अंचल अंगिका पहचानक महत्त्वपूर्ण नाम अछि।

३९३. (B) अंगिका बोल-चालसँ सम्बद्ध क्षेत्र — बाँका क्षेत्र अंगिका-भाषिक पट्टीमे गिनल जाइत अछि।

३९४. (C) अंगिका आ ठेठी सम्पर्कक बीचक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — मुंगेरक आसपास भाषिक निरन्तरतामे अलग-अलग मैथिली-सम्बद्ध रूप भेटैत अछि।

३९५. (C) झारखंडक अंगिका-संपर्क क्षेत्र — अंगिका बोल-चाल बिहारक बाहर झारखंडक किछु अंचल धरि पहुँचल देखाइत अछि।

३९६. (B) झारखंडक अंगिका-संबद्ध क्षेत्रमे गिनल नाम — भाषिक सीमा राजकीय सीमा सँ सदैव मेल नहि खाइत।

३९७. (A) अंगिका-संपर्कक झारखंडी अंचल — दुमका क्षेत्रमे अंगिका-संपर्कक उल्लेख भाषिक भूगोलमे भेटैत अछि।

३९८. (A) किछु जन अंगिकाकेँ अलग भाषा मानैत, किछु मैथिलीसँ सम्बद्ध मानैत — अंगिका सम्बन्धी विमर्शमे भाषिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक पहचानक पक्ष उपस्थित रहैत अछि।

३९९. (A) गीत, गाथा, हाट-बाजार आ ग्रामीण बोल-चालमे अंगिका जीवित — बोलीक जीवन लोकसंस्कृति आ दैनिक व्यवहारमे सभसँ स्पष्ट देखल जाइत अछि।

४००. (D) अंगिका शब्द-स्वाद कथा-पात्रकेँ स्थानीय बनबैत अछि — स्थानीय भाषा-रंग साहित्यक यथार्थ आ व्यक्तित्वकेँ सशक्त करैत अछि।

४०१. (C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४०२. (B) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४०३. (C) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४०४. (B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४०५. (A) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४०६. (A) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४०७. (B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४०८. (B) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४०९. (C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४१०. (D) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४११. (A) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४१२. (D) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४१३. (C) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४१४. (A) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४१५. (D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४१६. (B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४१७. (D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४१८. (B) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४१९. (B) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४२०. (A) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४२१. (C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४२२. (C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४२३. (D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४२४. (C) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४२५. (A) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४२६. (B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४२७. (D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४२८. (A) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४२९. (C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४३०. (D) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४३१. (C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४३२. (C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४३३. (D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४३४. (B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४३५. (B) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४३६. (C) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४३७. (D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४३८. (D) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४३९. (C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४४०. (C) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४४१. (C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४४२. (D) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४४३. (D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४४४. (B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४४५. (D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४४६. (B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४४७. (C) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४४८. (A) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४४९. (A) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४५०. (B) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४५१. (D) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४५२. (C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४५३. (D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४५४. (C) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४५५. (D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४५६. (C) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४५७. (D) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४५८. (D) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४५९. (D) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४६०. (B) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४६१. (C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४६२. (C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४६३. (D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४६४. (B) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४६५. (C) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४६६. (A) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४६७. (B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४६८. (A) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४६९. (D) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४७०. (A) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४७१. (B) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४७२. (C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४७३. (D) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४७४. (D) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४७५. (D) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४७६. (B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४७७. (B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४७८. (D) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४७९. (D) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४८०. (A) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४८१. (B) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४८२. (C) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४८३. (C) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४८४. (D) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४८५. (B) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४८६. (B) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४८७. (B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४८८. (C) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४८९. (B) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

४९०. (B) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

४९१. (C) पूर्वोत्तर/कोसी-पूर्णिया अंचलक मैथिली-सम्बद्ध बोल-चाल — ठेठी नाम पूर्वोत्तर मैथिली-रूपक चर्चा मे आबैत अछि।

४९२. (A) ठेठी आ पूर्वोत्तर मैथिली रूपक प्रमुख धरातल — कोसीक नदी-मैदान लोक-शब्द आ बोलीक लहजा पर गाढ़ असर छोड़ैत अछि।

४९३. (A) पूर्वी बोल-चालक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र — पूर्णिया क्षेत्रमे मैथिली, बंगाली, उर्दू आदि सम्पर्कक प्रभावो देखल जा सकैत अछि।

४९४. (A) ठेठी चर्चा मे उल्लेखित सीमांत/सम्पर्क क्षेत्र — बोलीक क्षेत्र अकसर सम्पर्क-पट्टी रूपमे फैलैत अछि।

४९५. (B) जल, धार, बाढ़ आ खेतीसँ जुड़ल स्थानीय शब्दावली — नदी-प्रधान जीवन स्थानीय बोलीमे विशेष शब्द-संग्रह बनबैत अछि।

४९६. (A) पूर्वी अंचलक मिश्रित सम्पर्क-भाषा देखबाक स्थल — हाट-बाजारमे अलग जाति, पेशा आ गाँवक बोल-चाल मिलैत अछि।

४९७. (B) अंचल-विशेषक स्वर, बल आ लय — ठेठी-जकाँ बोलीरूपमे लहजा आ उच्चारण महत्त्वपूर्ण पहचान बनैत अछि।

४९८. (B) स्थानीय शब्द-रंग सुरक्षित राखनिहार माध्यम — गीतमे बोलीक पुरान शब्द, ध्वनि आ मुहावरा टिकि रहैत अछि।

४९९. (C) नेपाल आ बिहारक निकट अंचलमे बोली-निरन्तरता — बोली राजनीतिक सीमा सँ अलग लोक-आवागमनक संग फैलैत अछि।

५००. (C) शब्दावली आ लहजामे अंचल-विशेषक स्थानीयता — पूर्वी अंचलक शब्द आ उच्चारण मैथिलीक विविध रंग देखबैत अछि।

५०१. (C) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५०२. (D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५०३. (B) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५०४. (A) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५०५. (B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५०६. (D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५०७. (C) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५०८. (C) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५०९. (B) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५१०. (B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५११. (A) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५१२. (D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५१३. (A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५१४. (B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५१५. (B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५१६. (A) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५१७. (B) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५१८. (C) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५१९. (A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५२०. (B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५२१. (B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५२२. (C) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५२३. (C) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५२४. (B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५२५. (B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५२६. (C) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५२७. (A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५२८. (D) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५२९. (A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५३०. (B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५३१. (B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५३२. (B) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५३३. (A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५३४. (C) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५३५. (D) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५३६. (A) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५३७. (D) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५३८. (B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५३९. (B) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५४०. (C) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५४१. (B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५४२. (A) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५४३. (B) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५४४. (B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५४५. (A) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५४६. (B) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५४७. (C) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५४८. (C) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५४९. (A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५५०. (B) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५५१. (C) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५५२. (C) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५५३. (C) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५५४. (D) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५५५. (C) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५५६. (B) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५५७. (C) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५५८. (B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५५९. (B) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५६०. (D) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५६१. (B) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५६२. (D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५६३. (D) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५६४. (B) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५६५. (A) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५६६. (D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५६७. (A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५६८. (B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५६९. (D) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५७०. (A) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५७१. (A) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५७२. (B) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५७३. (A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५७४. (D) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५७५. (C) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५७६. (C) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५७७. (A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५७८. (B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५७९. (A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५८०. (A) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५८१. (A) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५८२. (D) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५८३. (A) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५८४. (A) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५८५. (C) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५८६. (D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५८७. (A) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५८८. (B) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५८९. (D) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

५९०. (D) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

५९१. (D) सीमा-पार मैथिली भाषिक संसारक महत्त्वपूर्ण भाग — मैथिली नेपालक तराई क्षेत्रमे व्यापक रूपेँ बोलल आ लिखल जाइत अछि।

५९२. (B) नेपालमे मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक केन्द्र — धनुषा अंचल जनकपुर परम्परासँ जुड़ल मैथिली केन्द्र रूपमे प्रसिद्ध अछि।

५९३. (B) नेपाल-तराईक मैथिली बोल-चालक क्षेत्र — महोत्तरी मैथिली भाषिक निरन्तरताक नेपाल भागमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५९४. (D) नेपालमे मैथिली-भाषी अंचल — सिरहा आ आसपासमे मैथिली दैनिक जीवन आ साहित्य दुनूमे प्रयुक्त अछि।

५९५. (B) नेपाल-तराईक मैथिली क्षेत्रक नाम — सप्तरी मैथिली बोलनिहार लोकक महत्त्वपूर्ण अंचल अछि।

५९६. (D) मैथिली सांस्कृतिक स्मृति आ नेपालक सार्वजनिक मैथिली केन्द्र — जनकपुर मैथिली संस्कृति, तीर्थ, नाटक आ साहित्यक महत्वपूर्ण केन्द्र अछि।

५९७. (D) भारत-नेपालक वैवाहिक, व्यापारिक आ सांस्कृतिक सम्बन्ध — सीमा-पार सम्बन्ध भाषा-रूपक निरन्तरता आ परस्पर बोधकेँ जीवित राखैत अछि।

५९८. (D) संपर्क-भाषासँ शब्द आ शैली पर प्रभाव सम्भव — द्विभाषिक परिवेशमे भाषा पर पड़ोसी भाषाक शब्द वा प्रयोग असर करि सकैत अछि।

५९९. (A) नेपालमे मैथिली गीत, नाटक, समाचार आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक माध्यम — सार्वजनिक मंच बोली आ मानक मैथिलीक बीच सेतु बनि सकैत अछि।

६००. (C) गाँव-अंचल अनुसार उच्चारण आ शब्दक फेरबदल — नेपाल-तराईक मैथिलीमे सेहो स्थानीय भिन्नता आ सम्पर्क-प्रभाव देखाइत अछि।

६०१. (D) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति — घरमे चलैत भाषा बच्चा केँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६०२. (B) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६०३. (B) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६०४. (D) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली — कृषि-जीवन भाषा केँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६०५. (C) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६०६. (B) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६०७. (B) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६०८. (D) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६०९. (C) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६१०. (C) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६११. (D) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति — घरमे चलैत भाषा बच्चा केँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६१२. (D) बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६१३. (D) मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६१४. (B) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली — कृषि-जीवन भाषा केँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६१५. (D) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६१६. (D) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६१७. (A) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६१८. (D) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६१९. (D) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६२०. (D) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६२१. (B) परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति — घरमे चलैत भाषा बच्चा केँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६२२. (B) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६२३. (A) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६२४. (B) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६२५. (C) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६२६. (A) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६२७. (A) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६२८. (A) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६२९. (B) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६३०. (B) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६३१. (A) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६३२. (C) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६३३. (A) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६३४. (A) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६३५. (D) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६३६. (B) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६३७. (D) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६३८. (A) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६३९. (B) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६४०. (B) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६४१. (B) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६४२. (B) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६४३. (B) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६४४. (B) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६४५. (C) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६४६. (A) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६४७. (B) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६४८. (C) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६४९. (D) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६५०. (A) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६५१. (B) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६५२. (C) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६५३. (C) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६५४. (C) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६५५. (B) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६५६. (B) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६५७. (D) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६५८. (B) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६५९. (A) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६६०. (D) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६६१. (C) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६६२. (C) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६६३. (D) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६६४. (D) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६६५. (B) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६६६. (C) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकैँ बचबैत अछि।

६६७. (B) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६६८. (D) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६६९. (B) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६७०. (C) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६७१. (C) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६७२. (C) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६७३. (D) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६७४. (D) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६७५. (C) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६७६. (A) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकैँ बचबैत अछि।

६७७. (D) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६७८. (A) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६७९. (D) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६८०. (C) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६८१. (C) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६८२. (B) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६८३. (D) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६८४. (D) **खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा कैँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६८५. (B) **स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६८६. (C) **जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकैँ बचबैत अछि।

६८७. (A) **छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६८८. (B) **स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६८९. (C) **पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

६९०. (B) **युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

६९१. (A) **परिवारक आत्मीयता आ पीढ़ीगत शब्द-स्मृति** — घरमे चलैत भाषा बच्चा कैँ पहिल बोली-ज्ञान दैत अछि।

६९२. (B) **बच्चाक भाषा-अर्जनक पहिल स्रोत** — मातृभाषा शब्दशः घरक अपनत्व, स्नेह आ व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६९३. (A) **मोल-भाव, सम्बोधन आ तात्कालिक संवादक रूप** — हाट-बाजार लोक-भाषाक व्यवहारिक रूप देखबाक श्रेष्ठ स्थान अछि।

६९४. **(C) खेती, मौसम, औजार आ फसलसँ जुड़ल शब्दावली** — कृषि-जीवन भाषा केँ ठोस अनुभव आ स्थानीय शब्द दैत अछि।

६९५. **(A) स्त्री-स्वर आ संस्कारिक बोलीक भंडार** — विवाह-गीतमे स्थानीय उच्चारण, हास्य, आ संस्कारक शब्द सुरक्षित रहैत अछि।

६९६. **(C) जन्म-संस्कारसँ जुड़ल लोकगीत** — सोहर आ अन्य संस्कार-गीत बोलीक भावनात्मक पक्षकेँ बचबैत अछि।

६९७. **(C) छोट वाक्यमे लोकबुद्धि आ बोलीक तिखनाई** — लोकोक्ति बोलीक सूक्ति, व्यंग्य आ अनुभवक संक्षिप्त रूप अछि।

६९८. **(B) स्थानीय तुक, पुकार आ गिनतीक अभ्यास** — खेलक बोली बच्चाक उच्चारण आ सामाजिक भाषा-बोध बनबैत अछि।

६९९. **(B) पेशा आ हस्तकौशलसँ बनल विशेष शब्द-संग्रह** — कुशल कारीगरक बोलीमे औजार, प्रक्रिया आ सामग्रीक स्थानीय नाम रहैत अछि।

७००. **(A) युवा आ वृद्धक शब्द-प्रयोगमे समयक अन्तर** — नव पीढ़ी सम्पर्क-भाषासँ नब शब्द लैत अछि, मुदा पुरान बोलीसँ सेतु राखब आवश्यक अछि।

७०१. **(C) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७०२. **(A) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७०३. **(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७०४. **(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७०५. **(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७०६. **(C) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७०७. **(A) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७०८. **(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७०९. **(C) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७१०. **(C) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७११. **(B) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७१२. **(C) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७१३. **(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७१४. **(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७१५. **(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७१६. **(B) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७१७. **(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७१८. **(D) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७१९. **(D) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७२०. **(A) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७२१. **(D) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७२२. **(C) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७२३. **(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७२४. **(D) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७२५. **(D) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७२६. **(D) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७२७. **(A) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७२८. **(D) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७२९. **(B) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७३०. (C) **सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७३१. (D) **अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७३२. (C) **किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७३३. (B) **वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७३४. (D) **तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७३५. (C) **काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७३६. (A) **सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७३७. (D) **स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७३८. (C) **स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७३९. (D) **बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७४०. (C) **सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७४१. (D) **अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७४२. (C) **किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७४३. (A) **वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७४४. (C) **तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७४५. (B) **काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७४६. (C) **सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७४७. (B) **स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७४८. (A) **स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७४९. (B) **बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७५०. (B) **सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७५१. (C) **अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७५२. (D) **किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७५३. (C) **वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७५४. (C) **तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७५५. (C) **काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७५६. (B) **सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७५७. (D) **स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७५८. (B) **स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७५९. (D) **बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७६०. (D) **सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७६१. (D) **अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७६२. (B) **किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७६३. (D) **वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७६४. (D) **तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७६५. (C) **काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७६६. **(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७६७. **(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७६८. **(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७६९. **(C) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७७०. **(A) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७७१. **(A) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७७२. **(D) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७७३. **(C) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७७४. **(C) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७७५. **(C) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७७६. **(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७७७. **(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७७८. **(D) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७७९. **(D) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७८०. **(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७८१. **(A) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७८२. **(D) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७८३. **(A) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७८४. **(C) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७८५. **(B) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७८६. **(B) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७८७. **(C) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७८८. **(B) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७८९. **(B) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

७९०. **(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

७९१. **(A) अंचल अनुसार स्वरक उच्चारणमे भिन्नता** — बोलीक पहिचानमे स्वरक खुलल, छोट, दीर्घ वा नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि।

७९२. **(A) किछु ध्वनिक स्थानीय उच्चारण-रूप** — एकहि शब्द अलग अंचलमे हलुक उच्चारण-फेरसँ सुनाइ सकैत अछि।

७९३. **(A) वाक्यक उतार-चढ़ाव आ बोलबाक चाल** — लहजा अंचल, भावना आ सामाजिक प्रसंगक संकेत देत अछि।

७९४. **(A) तोँ, अहाँ, ई, ओ आदि रूपमे व्यक्ति आ आदरक संकेत** — सर्वनाम बोली-भिन्नता आ सामाजिक सम्बन्ध दुनू देखबैत अछि।

७९५. **(D) काल, पक्ष, पुरुष आ आदर अनुसार बदलैत रूप** — क्रिया-रूप बोलीक व्याकरणिक संरचना बुझबाक मुख्य आधार अछि।

७९६. **(A) सम्बन्ध, कर्म, करण आदि अर्थ बताबयवला चिह्न** — कारक-चिह्नक प्रयोग क्षेत्रानुसार अल्प फेरबदल देखबा सकैत अछि।

७९७. **(A) स्थानीय जीवनसँ जुड़ल विशेष शब्दक भंडार** — बोली-रूपक सभसँ साफ पहचान स्थानीय शब्दावलीमे भेटैत अछि।

७९८. **(A) स्थानीय अर्थ-संकेत वाला स्थिर प्रयोग** — मुहावरा शब्दक सतही अर्थसँ बेसी सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

७९९. **(C) बात कहबाक स्थानीय ढंग आ जोर देबाक क्रम** — वाक्य-क्रम बोलीक स्वाभाविक बोल-चाल आ भाव-संरचना देखबैत अछि।

८००. **(B) सम्पर्क-भाषासँ आयल शब्दक स्थानीय अपनाव** — भाषा सम्पर्कमे पड़ोसी भाषासँ शब्द लैत अछि आ अपन ध्वनिसँ ढालैत अछि।

८०१. **(C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा** — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८०२. (D) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८०३. (A) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८०४. (A) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८०५. (A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८०६. (A) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८०७. (D) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८०८. (C) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८०९. (C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८१०. (A) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८११. (C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८१२. (A) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८१३. (B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८१४. (A) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८१५. (C) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८१६. (C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८१७. (A) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८१८. (A) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८१९. (B) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८२०. (C) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८२१. (D) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८२२. (C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८२३. (B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८२४. (B) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८२५. (D) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८२६. (C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८२७. (B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८२८. (B) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८२९. (C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८३०. (D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८३१. (A) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८३२. (A) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८३३. (D) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८३४. (C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८३५. (B) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८३६. (D) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८३७. (D) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८३८. (A) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८३९. (D) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८४०. (B) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८४१. (C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८४२. (C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८४३. (B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८४४. (C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८४५. (A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८४६. (C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८४७. (B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८४८. (A) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८४९. (C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८५०. (D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८५१. (B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८५२. (D) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८५३. (C) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८५४. (A) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८५५. (D) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८५६. (B) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८५७. (C) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८५८. (B) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८५९. (C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८६०. (D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८६१. (B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८६२. (D) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८६३. (A) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८६४. (C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८६५. (B) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८६६. (B) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८६७. (B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८६८. (B) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८६९. (A) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८७०. (B) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८७१. (B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८७२. (C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८७३. (A) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८७४. (D) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८७५. (C) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८७६. (D) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८७७. (B) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८७८. (D) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८७९. (C) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८८०. (C) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८८१. (C) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८८२. (A) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८८३. (B) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८८४. (C) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८८५. (A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८८६. (C) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८८७. (A) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८८८. (D) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८८९. (D) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

८९०. (D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

८९१. (B) बोलीक शब्द, पात्र आ जीवन-परिवेश सुरक्षित राखैत विधा — लोककथा स्थानीय भाषा-रंगकेँ कथा-रूपमे टिकबैत अछि।

८९२. (C) बोलीक लय आ शब्द-माधुर्यक रचनात्मक उपयोग — कविता लोक-स्वर आ मानक भाषा दुनूक संग काज करि सकैत अछि।

८९३. (D) पात्रक बोलीद्वारा सामाजिक स्थान आ अंचल देखबैत विधा — नाटकीय संवादमे बोलीक प्रयोग पात्रकेँ सजीव बनबैत अछि।

८९४. (B) मानक लेखन आ क्षेत्रीय शब्द-विमर्शक मंच — पत्र-पत्रिका भाषिक बहस, रचना आ मानकीकरणक क्षेत्र बनैत अछि।

८९५. (A) सुनबाक माध्यमेँ उच्चारण आ बोली-रूप प्रसारित करैत माध्यम — रेडियो आ मंच बोलीक ध्वनि-रूपकेँ दूर धरि पहुँचबैत अछि।

८९६. (A) मानक मैथिली पढ़बैत काल स्थानीय बोलीक सम्मान सिखाबयवला स्थान — शिक्षामे बच्चाक घरक बोलीसँ सेतु बनलासँ भाषा-अध्ययन सहज होइत अछि।

८९७. (D) सामाजिक माध्यम आ वेबसाइटमे बोलीक नव अभिव्यक्ति — डिजिटल माध्यम बोलीक त्वरित लेखन, ध्वनि, दृश्य आ अभिलेख बनबैत अछि।

८९८. (D) विभिन्न बोलीक शब्द आ अर्थ संग्रहीत करबाक साधन — बोली-शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ शोध लेल अत्यन्त उपयोगी अछि।

८९९. (B) मानक आ स्थानीय रूपक बीच अर्थ-संवाद — अनुवादमे बोलीक सांस्कृतिक अर्थ बचाबय लेल सावधानी चाही।

९००. (D) ध्वनि, पाठ, वीडियो आ शब्द-सूची सुरक्षित करब — बोली-संरक्षण लेल बोलनिहारक आवाज, कथा, गीत आ शब्द लिखि/रिकॉर्ड कएल जाए।

९०१. (B) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९०२. (A) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९०३. (B) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९०४. (A) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९०५. (A) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९०६. (D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९०७. (B) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९०८. (C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९०९. (C) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९१०. (A) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९११. (C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९१२. (A) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९१३. (D) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९१४. (C) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९१५. (C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९१६. (D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९१७. (A) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९१८. (C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९१९. (B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९२०. (C) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९२१. (B) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९२२. (D) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९२३. (D) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९२४. (C) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९२५. (B) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९२६. (D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९२७. (C) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९२८. (A) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९२९. (B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९३०. (D) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९३१. (B) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९३२. (A) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९३३. (D) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९३४. (B) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९३५. (C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९३६. (D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९३७. **(B) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप** — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९३८. **(D) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब** — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९३९. **(D) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति** — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९४०. **(B) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह** — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९४१. **(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब** — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९४२. **(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब** — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९४३. **(B) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय** — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९४४. **(C) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब** — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९४५. **(C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब** — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९४६. **(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द** — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९४७. **(D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप** — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९४८. **(B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब** — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९४९. **(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति** — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९५०. **(B) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह** — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९५१. **(C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब** — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९५२. **(C) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब** — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९५३. **(B) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय** — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९५४. **(A) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब** — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९५५. **(D) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब** — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९५६. **(B) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द** — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९५७. **(D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप** — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९५८. **(C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब** — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९५९. **(D) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति** — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९६०. **(A) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह** — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९६१. **(D) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब** — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९६२. **(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब** — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९६३. **(A) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय** — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९६४. **(B) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब** — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९६५. **(B) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब** — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९६६. **(D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द** — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९६७. **(A) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप** — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९६८. **(B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब** — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९६९. **(B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति** — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९७०. **(C) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह** — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९७१. **(D) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब** — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९७२. **(B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब** — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९७३. (A) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९७४. (D) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९७५. (B) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९७६. (B) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९७७. (A) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९७८. (C) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९७९. (B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९८०. (D) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९८१. (C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९८२. (D) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९८३. (C) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९८४. (D) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९८५. (D) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९८६. (D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९८७. (D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९८८. (B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९८९. (B) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

९९०. (B) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।

९९१. (C) मानक भाषा आ बोली दुनूकेँ समान आदर देब — भाषिक विविधता सम्मान पेलासँ भाषा-संसार मजबूत बनैत अछि।

९९२. (B) गाममे जा कऽ वास्तविक बोल-चाल सुनब आ नोट करब — बोली-अध्ययन लेल प्रत्यक्ष श्रवण, बातचीत आ संदर्भ-नोट अत्यन्त जरूरी अछि।

९९३. (C) उच्चारण आ लहजा सुरक्षित राखबाक उपाय — लिखित रूप सँ लहजा पूरा नहि पकड़ाइत; ध्वनि-रिकॉर्ड उपयोगी होइत अछि।

९९४. (A) बुजुर्ग आ बच्चासँ अलग-अलग शब्द सुनि तुलना करब — पीढ़ीगत तुलना भाषा-परिवर्तनक दिशा बतबैत अछि।

९९५. (C) शब्द कहाँ, कोना, के द्वारा कहल गेल—ई लिखब — बिना सन्दर्भ बोली-शब्दक सही अर्थ आ उपयोग अस्पष्ट रहि सकैत अछि।

९९६. (D) विभिन्न बोलीमे समान रूपेँ भेटयवला शब्द — साझा शब्द भाषिक निकटता आ ऐतिहासिक सम्बन्धक संकेत देत अछि।

९९७. (D) एकहि अर्थ लेल अलग अंचलमे अलग रूप — भिन्न शब्द बोली-विविधताक स्वाभाविक चिन्ह अछि, गलती नहि।

९९८. (B) पात्र, प्रसंग वा टिप्पणीद्वारा स्थानीय रूप बचाब — लेखक संतुलित ढंगसँ बोलीक स्वाद आ पाठकक बोध दुनू राखि सकैत छथि।

९९९. (C) कोनो बोलीकेँ हीन वा अशुद्ध बुझबाक गलत प्रवृत्ति — बोलीक अवमानना भाषाक लोकाधार कमजोर करैत अछि।

१०००. (D) शब्द-सूची, गीत, कथा, ध्वनि, वीडियो आ पाठक संग्रह — सम्पूर्ण संरक्षणमे लिखित, श्रव्य आ दृश्य अभिलेख सभ चाही।